THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 172 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) अश्विन कृ.11 2082 बुधवार, 17 सितंबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

देहरादून में बादल फटा, टोंस नदी में ट्रैक्टर बहने से 8 लोगों के मरने की खबर

शिमला/देहरादून, 16 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के देहरादून में मंगलवार सुबह 5 बजे बादल फटा। इससे तमसा, कारलीगाड़, टोंस और सहस्त्रधारा नदी में जलस्तर बढ़ गया। सहस्त्रधारा समेत आसपास तपोवन, आईटी पार्क, घंगौरा, घड़ी कैंट इलाकों के कई घरों, दुकानों और मंदिरों में 5-6 फीट तक पानी भर गया। कई सड़कें भी बह गईं। विकास नगर में टोंस नदी में पानी का बहाव अचानक तेज हो गया। इस दौरान मजदूरों से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली नदी में बह गई। इसमें 8 लोगों की मौत और 4 के लापता होने की खबर है।

अदृश्य चुनौतियों से निपटने के लिए सतर्क रहे सशस्त्र बल : रक्षा मंत्री

कोलकाता, 16 सितंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि युद्ध की प्रकृति लगातार बदल रही है, इसलिए भारतीय सशस्त्र बलों को पारंपरिक युद्ध की सोच से आगे बढ़कर 'अदृश्य चुनौतियों' से निपटने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। कोलकाता में आयोजित 16वें संयुक्त कमांडर्स कॉन्फ्रेंस (सीसीसी) 2025 को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज के समय में खतरे सिर्फ सीमाओं तक सीमित नहीं हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आगे कहा, सूचना, वैचारिक, पर्यावरणीय और जैविक युद्ध जैसे असामान्य खतरों से निपटने के लिए हमें सजग और तैयार रहना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि आज की दुनिया में युद्ध अचानक शुरू हो सकते हैं और उनकी अवधि का अंदाजा लगाना मुश्किल है।

'2047 का विजन तभी सफल, जब देश हो नशा मुक्त'

> एनसीबी सम्मेलन में शाह बोले-युवा पीढ़ी देश की नींव

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार देश से ड्रग्स के खतरे को पूरी तरह मिटाने के लिए दृढ़ संकल्पित है और इसके लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। वे राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) प्रमुखों के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन का आयोजन नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने किया। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 तक भारत को एक विकसित और महान राष्ट्र बनाने का लक्ष्य तय किया है। इस सपने को पूरा करने के लिए देश का सुरक्षित होना जरूरी है और सुरक्षा तभी संभव है जब युवा पीढ़ी को ड्रग्स के खतरे से बचाया जाए। उन्होंने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की नींव होते हैं और यदि वे नशे की चपेट में आ जाएंगे तो देश कमजोर हो जाएगा।

ड्रग्स के खिलाफ कड़ा अभियान जरूरी :

गृह मंत्री ने कहा कि अब समय आ गया है कि ड्रग्स के खिलाफ कार्रवाई का पैमाना बड़ा किया जाए ताकि आने वाले दिनों में ज्यादा सफलता मिले। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई हिस्सों में यह देखा गया है कि किसी राष्ट्र की प्रगति और ड्रग्स की चुनौती का सीधा संबंध है। दुर्भाग्य से, जिन दो क्षेत्रों से पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा ड्रग्स की सप्लाई होती है, वे भारत के नजदीक हैं। इसलिए यह समय है कि

हम इस खतरे के खिलाफ मजबूती से लड़ाई लड़ें।

ड्रग्स के तीन तरह के कार्टेल :

शाह ने कहा कि ड्रग्स के कारोबार में तीन तरह के कार्टेल सक्रिय हैं। पहला, वे कार्टेल जो देश के एंट्री पॉइंट्स पर काम करते हैं। दूसरा, वे जो एंट्री पॉइंट से राज्यों तक सप्लाई नेटवर्क संभालते हैं। तीसरा, वे छोटे स्तर के कार्टेल जो पान की दुकानों और मोहल्लों तक ड्रग्स बेचने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि इन तीनों स्तरों पर सख्त प्रहार करना होगा और यह तभी संभव है जब अधिकारी इसे अपनी लड़ाई समझकर आगे बढ़ें।

विदेशी तस्करों पर कार्रवाई :

गृह मंत्री ने कहा कि ड्रग्स कारोबार में शामिल विदेश में बैठे अपराधियों को कानून के दायरे में लाना अब बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि सीबीआई ने इस दिशा में अच्छा काम किया है। शाह ने सभी एएनटीएफ प्रमुखों से अपील की कि वे सीबीआई से समन्वय कर प्रत्यर्पण की एक मजबूत व्यवस्था बनाएं। उन्होंने यह भी कहा कि जो अपराधी जेलों में बंद हैं लेकिन वहीं से कारोबार चला रहे हैं, उनके खिलाफ भी कड़ा कदम उठाना होगा। गृह मंत्रालय इस पर मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) लाने जा रहा है।

जब्त ड्रग्स का नष्टिकरण :

शाह ने देशभर में जब्त की गई 4,794 करोड़ रुपये की ड्रग्स को नष्ट करने की प्रक्रिया भी शुरू की। उन्होंने कहा कि एनसीबी जीएसटी विभाग, राज्य ड्रग्स नियंत्रकों, आयकर विभाग और वित्तीय संस्थानों से लगातार समन्वय कर रही है ताकि ड्रग्स नेटवर्क की पूरी तस्वीर सामने लाई जा सके। उन्होंने इस लड़ाई को केवल सरकार की नहीं बल्कि पूरे समाज की लड़ाई बताया। शाह ने कहा कि पीएम मोदी का विजन है कि 2047 तक भारत हर क्षेत्र में दुनिया का नंबर एक राष्ट्र बने। इसके लिए युवा पीढ़ी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि अगर युवा दृढ़ संकल्पित हों तो कुछ भी असंभव नहीं है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारी आने वाली पीढ़ियां नशे की दलदल में न फंसें।

पाक डिप्टी-पीएम ने ट्रम्प का दावा खारिज किया

भारत ने कभी भी तीसरे देश की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की : इशाक

दोहा, 16 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने भारत-पाकिस्तान जंग रुकवाने का अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का दावा खारिज कर दिया। उन्होंने मंगलवार को अलजजीरा को दिए इंटरव्यू में पहली बार माना है कि भारत ने कभी भी दोनों देशों के बीच किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की। एंकर ने उनसे पूछा था क्या आप संघर्ष के दौरान विवाद सुलझाने के लिए तीसरे पक्ष को शामिल करने के लिए तैयार थे? इस पर इशाक डार ने कहा कि हमें कोई आपत्ति नहीं थी, लेकिन भारत ने साफ तौर पर कहा है कि यह एक द्विपक्षीय मुद्दा है।

ट्रम्प ने 10 मई को सबसे पहले दोनों देशों में सीजफायर जानकारी दी थी, जिसके बाद से वे करीब 30 से ज्यादा बार सीजफायर क्रेडिट ले चुके हैं। हालांकि, भारत साफ तौर पर कह चुका है कि सीजफायर आपसी बातचीत से हुआ है, इसमें किसी तीसरे पक्ष का कोई रोल नहीं है। भारत-पाकिस्तान के बीच 7 मई को संघर्ष शुरू हुआ था, जो 10 मई तक चला था। इसके बाद डार ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो से पूछा था कि क्या अमेरिका, भारत और पाकिस्तान के बीच का विवाद सुलझा रहा है।

'ऑपरेशन सिंदूर में टुकड़े-टुकड़े हुआ मसूद अजहर का परिवार'

जैश कमांडर ने भरे मंच से कबूला

इस्लामाबाद, 16 सितंबर (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के कई महीने बाद अब आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद के कमांडर ने भी स्वीकार कर लिया है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बहावलपुर में हुए हमले में खूंखार आतंकवादी मसूद अजहर के परिवार के टुकड़े-टुकड़े हो गए थे। जैश ए मोहम्मद के कमांडर मसूद इलियास कश्मीरी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में मसूद इलियास कश्मीरी ने बताया कि किस तरह

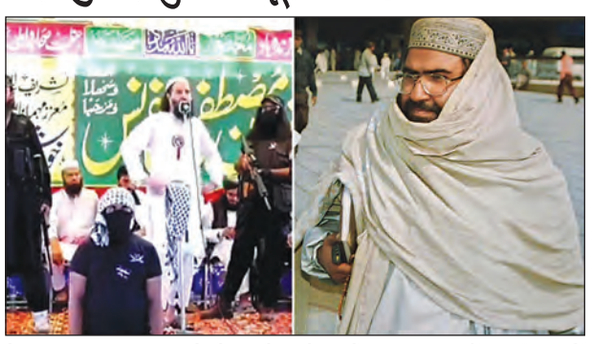

से भारतीय सशस्त्र बलों ने उनके ठिकानों को निशाना बनाया और उन्हें तबाह कर दिया। वीडियो में मसूद इलियास कहते हुए सुनाई दे रहा है कि अपने देश की सीमाओं की हिफाजत के लिए हम दिल्ली में लड़े, काबुल और कांधार में लड़े। सबकुछ कुर्बान करने के बाद 7 मई को मौलाना मसूद अजहर के परिवार को तबाह कर दिया गया। भारतीय सुरक्षा बलों ने बहावलपुर में उन्हें टुकड़े-टुकड़े कर दिया।

महाराष्ट्र में 31 जनवरी 2026 तक स्थानीय निकाय चुनाव कराने का निर्देश, सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार और राज्य चुनाव आयोग को 31 जनवरी, 2026 तक राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव कराने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने महाराष्ट्र के अधिकारियों को इस साल 10 अक्टूबर तक राज्य में परिसीमन प्रक्रिया पूरी करने का भी निर्देश दिया। शीर्ष न्यायालय ने इस बात पर भी आपत्ति जताई कि 6 मई को जारी उसके तर्कसंगत आदेश के बावजूद राज्य चुनाव आयोग इस संबंध में शीघ्र कार्रवाई करने में विफल रहा।

तत्कालीन आदेश में स्थानीय निकाय चुनावों की अधिसूचना चार सप्ताह के भीतर और चुनाव चार महीने के भीतर कराने का निर्देश दिया गया था। कोर्ट ने अब महाराष्ट्र में स्थानीय चुनाव कराने के लिए कार्यक्रम निर्धारित करते हुए समय सीमा में और विस्तार दे दिया है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि इस संबंध में आगे कोई विस्तार नहीं दिया जाएगा। इससे पहले 22 अगस्त 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने राज्य चुनाव आयोग और महाराष्ट्र सरकार को स्थानीय निकायों की चुनाव प्रक्रिया के संबंध में यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया था।

'सुविधाएं नहीं दे सकते तो खत्म कर दें सभी ट्रिब्यूनल'

> केंद्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट की दो टूक

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र सरकार को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि अगर सरकार ट्रिब्यूनल (अर्ध-न्यायिक निकाय) के सदस्यों को बुनियादी सुविधाएं नहीं दे सकती, तो इन सभी ट्रिब्यूनल को खत्म कर दिया जाए और उनके मामलों की सुनवाई हाई कोर्ट में कराई जाए। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा कि हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त जज पोस्ट-रिटायरमेंट ट्रिब्यूनल में नियुक्ति लेने से हिचकिचा रहे हैं क्योंकि उन्हें बुनियादी सुविधाएं तक

नहीं मिलतीं। इस दौरान बेंच ने कहा, ये जज या तो हाई कोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस होते हैं या सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज। उन्हें स्टेशनरी तक के लिए बार-बार अनुरोध करना पड़ता है। यहां तक कि जो कार उन्हें दी जाती है, वह विभाग की सबसे खराब होती है। आप इन पूर्व चीफ जस्टिस और जजों के साथ ऐसा व्यवहार क्यों कर रहे हैं? जब सुविधाएं ही नहीं दे सकते तो ऐसे ट्रिब्यूनल बनाने का क्या फायदा? कोर्ट ने केंद्र से कहा, कृपया उन पूर्व चीफ जस्टिस और हाई कोर्ट के जजों को गरिमा के साथ व्यवहार दें, जो आपके प्रस्तावित पद स्वीकार करते हैं।

एक समिति बनाई जाए जिसमें अलग-अलग मंत्रालय, खासकर कार्मिक विभाग (डीओपीटी) शामिल हों, ताकि कमियों और खामियों को दूर किया जा सके।

रेलवे स्टेशन पर लगी भीषण आग से मचा हड़कंप

2 घंटे तक ठप रही ट्रेनों की आवाजाही

कोलकाता, 16 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के एक स्टेशन पर आग लगने के कारण स्थानीय ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हो गई थी। दक्षिण-पश्चिम कोलकाता के संतोषपुर रेलवे स्टेशन पर मौजूद एक दुकान में अचानक आग लग गई, जिसका असर ट्रेनों पर भी देखने को मिल रहा था। अधिकारियों के अनुसार, आग सुबह 7:21 बजे लगी था। इससे सियालदा-बज लाइन का रूट बंद हो गया था और सभी लोकल ट्रेनों को रोक दिया गया था। आग ने कुछ ही देर में रेलवे स्टेशन पर मौजूद कई दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया था। पूर्वी रेलवे के अधिकारियों का कहना है कि घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंचा और आग पर काबू पा लिया गया है। सुबह लगभग 9:30 तक आग पूरी तरह से बुझ गई। इस घटना में किसी की जानमाल की हानि नहीं हुई है। हालांकि, आग क्यों और कैसे लगी? इसकी वजह अभी तक सामने नहीं आई है।

कौन है असम की अधिकारी नूपुर बोरा जिसके घर मिला 90 लाख कैश; सीएम सरमा बोले- 6 महीने से थी नजर

गुवाहाटी, 16 सितंबर (एजेंसियां)। असम पुलिस ने असम सिविल सेवा (एसीएस) की एक अधिकारी को कथित तौर पर आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है। मुख्यमंत्री के विशेष सतर्कता प्रकोष्ठ के अधिकारियों की एक टीम ने अधिकारी नूपुर बोरा के गुवाहाटी स्थित आवास पर भी छापा मारा और 90 लाख रुपये नकद और 1 करोड़ रुपये से ज्यादा मूल्य के सोने के आभूषण जब्त किए। एक अन्य टीम ने बारपेटा स्थित उनके किराए के घर पर भी छापा मारा। गोलाघाट निवासी नूपुर बोरा, जो 2019 में असम सिविल सेवा में शामिल हुईं, वर्तमान में कामरूप जिले के गोरोइमारी में एक सर्किल ऑफिसर के पद पर तैनात थीं। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि विवादास्पद भूमि संबंधी मामलों में कथित संलिप्तता की शिकायतों के बाद पिछले छह महीनों से उन पर नजर रखी जा रही थी। उन्होंने कहा, जब वह बारपेटा राजस्व सर्किल में तैनात थीं, तब इस अधिकारी ने पैसे के बदले हिंदुओं की जमीन संदिग्ध व्यक्तियों को हस्तांतरित की थी।

हमने उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। सरमा ने कहा कि अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में राजस्व मंडलों में व्यापक भ्रष्टाचार है। विशेष सतर्कता प्रकोष्ठ ने उनके कथित सहयोगी, लाट मंडल सुरजीत डेका के आवास पर भी छापा मारा। डेका बारपेटा स्थित राजस्व मंडल कार्यालय में कार्यरत हैं। उन पर बारपेटा में मंडल अधिकारी रहते हुए नूपुर बोरा के साथ मिलीभगत करके कई जमीनें हासिल करने का आरोप है।

समुद्र तट के पास 19 साल की कॉलेज छात्रा से गैंगरेप, पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया

पुरी, 16 सितंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के पुरी जिले से मानवता को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक समुद्र तट के पास 19 साल की एक कॉलेज छात्रा के साथ कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार की वारदात सामने आ रही है। पुलिस ने जानकारी दी है कि उन्होंने इस मामले में कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा घटना में शामिल अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। दरअसल, ये पूरी घटना पुरी जिले के ब्रह्मगिरि थाना क्षेत्र में बलिहारचंडी मंदिर के पास शनिवार को दोपहर के समय हुई है। जानकारी के मुताबिक, 19 वर्षीय युवती और उसका पुरुष साथी एक साथ कुछ समय बिताने के लिए मंदिर के पास एक जगह गए थे। इस दौरान स्थानीय युवकों ने उनकी तस्वीरें ले ली और वीडियो बना लिया। इसके बाद युवती के साथ हैवानियत की गई।

7 साल की मासूम को तीसरी मंजिल से फेंका

बीदर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के बीदर शहर में सौतेली मां ने अपनी 7 साल की बेटी की हत्या कर दी। उसने मासूम बच्ची को तीसरी मंजिल से नीचे फेंक दिया। शुरुआत में महिला ने घर वालों को बताया कि बेटी गलती से गिर गई थी, जिससे उसकी मौत हो गई, लेकिन जब सीसीटीवी फुटेज खंगाली गई तो महिला का पर्दाफाश हो गया। अब पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर लिया है। ये मामला बीदर की आदर्श कॉलोनी से सामने आया है। मृतक बच्ची की पहचान 7 साल की शानवी के रूप में हुई है। उसकी सौतेली मां राधा ने 27 अगस्त को शानवी को तीसरी मंजिल से नीचे फेंक दिया था। शानवी की सगी मां की 6 साल पहले बीमारी के चलते मौत हो गई थी।

इसके बाद शानवी के पिता सिद्धांत ने 2023 में राधा से दूसरी शादी कर ली थी, जिसके बाद दोनों के जुड़वा बच्चे हुए। सीसीटीवी फुटेज चेक करने के बाद पड़ोसी ने 12 सितंबर को बच्ची के पिता सिद्धांत को व्हाट्सएप पर वीडियो भेजा, जिसमें देखा गया कि शानवी को ऊपर एक कुर्सी पर बैठाकर उस पर उल्टी टोकरी रख रही थी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मृतक बच्ची की दादी ने राधा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराया और पुलिस ने शिकायत दर्ज कर आरोपी राधा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

पलानीस्वामी ने अन्नाद्रमुक को समर्थन के लिए बीजेपी को सराहा

कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर डीएमके सरकार को घेरा

चेन्नई, 16 सितंबर (एजेंसियां)। अन्नाद्रमुक के महासचिव ई.के। पलानीस्वामी ने पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता के निधन के बाद पार्टी को समर्थन देने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सराहना की। इसके साथ ही उन्होंने द्रमुक सरकार की आलोचना की और आरोप लगाया कि तमिलनाडु में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से बिगड़ चुकी है। चेन्नई में पूर्व मुख्यमंत्री सीएन। अन्नादुरै की जयंत पर एक जनसभा आयोजित की गई थी। इस सभा को संबोधित करते हुए पलानीस्वामी ने कहा कि जब अन्नाद्रमुक सत्ता में थी, तब भी और अब भी, केंद्र की ओर से कभी कोई धमकी नहीं दी गई।

उन्होंने कहा, इसके विपरीत उन्होंने (भाजपा) हमेशा हमारे लिए अच्छा ही किया है। 'अम्मा' (जयललिता) के निधन के बाद कुछ लोगों ने अन्नाद्रमुक पार्टी को हथियाने की कोशिश की थी। सरकार को गिराने का भी प्रयास किया गया था। आप लोग अच्छी तरह जानते हैं कि किसने पार्टी और सरकार की रक्षा की। यह केंद्र सरकार (भाजपा) ही थी जिसने हमें बचाया। कृतज्ञता भूलना सही नहीं है। जैसा तिरुवल्लुवर ने कहा है, हम आभार के साथ खड़े हैं। उन्होंने साफ किया कि भाजपा से उनके कोई मतभेद नहीं हैं।

पलानीस्वामी ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार ने हाल के वर्षों में तमिलनाडु को महत्वपूर्ण आर्थिक सहायता दी है। उन्होंने याद दिलाया कि मेट्रो रेल परियोजना के लिए केंद्र ने 63,000 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। उन्होंने कहा, नादंतई वाझी कावेरी योजना के लिए केंद्र सरकार ने 11,500 करोड़ रुपये जारी किए। हमने जो भी मांगा, केंद्र ने दिया। उन्होंने द्रमुक सरकार पर जमकर निशाना साधा और कहा कि उनके शासन में कानून-व्यवस्था बेहद खराब हो गई है।

उन्होंने आरोप लगाया कि अपराध के पीड़ितों के ही खिलाफ मामले दर्ज किए जा रहे हैं, पुलिस खुद असुरक्षित महसूस कर रही है। उन्होंने बताया कि बीते छह महीने में छह पुलिसकर्मियों की हत्या हो चुकी है और गश्त करने वाले पुलिसकर्मियों पर हमले हो रहे हैं। पलानीस्वामी ने कहा, द्रमुक के शासन में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से बिगड़ चुकी है। पीड़ितों पर ही मामले दर्ज किए जा रहे हैं। पुलिस भी सुरक्षित नहीं है। छह महीने में छह पुलिसकर्मियों की हत्या हो चुकी है।

गश्त कर रहे पुलिसकर्मियों पर हमले हो रहे हैं। एक द्रमुक पंचायत अध्यक्ष चोरी के मामले में गिरफ्तार हुआ है, इससे समझिए कि द्रमुक के लोग कैसे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि तमिलनाडु में गांव से लेकर शहरों तक हर जगह बिना किसी रोकटोक के अवैध नशीली दवाएं बिक रही हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने विधानसभा और प्रेस के जरिए कई बार नशा कारोबार रोकने की मांग की, लेकिन सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया। उन्होंने दावा किया कि नशीले पदार्थ बेचने में द्रमुक के ही लोग मुख्य रूप से शामिल हैं।

इंदौर के बाद अब जबलपुर के अस्पताल में चूहों का आतंक दो मरीजों को कुतर दिया

जबलपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। इंदौर में दो नवजातों को चूहों के कुतरने की घटना को लोग अभी भूले नहीं थे कि जबलपुर से एक और घटना सामने आ गई। अंतर सिर्फ इतना है कि इस बार मरीज बच्चा नहीं वयस्क है। नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज में मानसिक रोग विभाग में भर्ती दो मरीजों को चूहों ने कुतर दिया। इस घटना को कॉलेज के डीन डॉ। नवनीत सक्सेना ने 'मामूली घटना' बताया है, लेकिन डॉक्टर और कर्मचारियों द्वारा लापरवाही की बात भी स्वीकार की है। मरीजों के परिजनों ने शाम को इस घटना की जानकारी दी, जिसके बाद जांच के आदेश दिए गए हैं।

'फैसले के खिलाफ हर कोई अपील नहीं कर सकता'

मालेगांव मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट की टिप्पणी

मुंबई, 16 सितंबर (एजेंसियां)। मालेगांव ब्लास्ट मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने साफ किया है कि किसी आरोपी की बरी के फैसले के खिलाफ अपील दायर करने का अधिकार हर किसी को नहीं है। अदालत ने कहा कि यह कोई खुला दरवाजा नहीं है कि कोई भी व्यक्ति अपील लेकर पहुंच जाए। हाईकोर्ट ने यह भी जानना चाहा कि मृतकों के परिजनों को ट्रायल के दौरान गवाह बनाया गया था या नहीं। यह टिप्पणी मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंकड़ की खंडपीठ ने की।

अदालत छह पीड़ितों के परिजनों द्वारा दायर अपील सुन रही थी, जिसमें विशेष एनआईए अदालत के उस फैसले को चुनौती दी गई है जिसमें

सात आरोपियों को बरी कर दिया गया था। इन आरोपियों में भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित भी शामिल थे। सुनवाई के दौरान अदालत ने पूछा कि क्या पीड़ित परिवारों के सदस्य गवाह थे। पीड़ित पक्ष के वकील ने बताया कि पहले अपीलकर्ता निसार अहमद, जिनके बेटे की मौत धमाके में हुई थी, ट्रायल में गवाह नहीं बने थे।

इस पर अदालत ने कहा कि अगर बेटे की मौत हुई थी तो पिता को गवाह होना चाहिए था। अदालत ने आदेश दिया कि इस बारे में पूरी जानकारी बुधवार को दी जाए। परिजनों की ओर से दाखिल अपील में कहा गया है कि जांच में खामियां होना या जांच एजेंसियों की गलती होना बरी करने का आधार नहीं हो सकता। उन्होंने दावा किया कि ब्लास्ट की साजिश गुप्त तरीके से रची गई थी, इसलिए उसका सीधा सबूत मिलना संभव नहीं था। अपील में यह भी कहा गया कि 31 जुलाई को एनआईए की विशेष अदालत द्वारा दिया गया फैसला गलत और कानून के खिलाफ था, जिसे रद्द किया जाना चाहिए।

धर्मांतरण विरोधी कानून पर सुप्रीम कोर्ट ने यूपी-उत्तराखंड समेत 4 राज्यों से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने धर्मांतरण विरोधी कानून पर यूपी-उत्तराखंड समेत 4 राज्यों से जवाब मांगा है। अदालत ने कानूनों पर रोक लगाने की याचिका पर राज्यों से चार हफ़्तों में जवाब मांगा है। इसे लेकर उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान को नोटिस जारी क्या गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वह कानूनों की जांच करेगा। कोर्ट इस बात पर भी विचार करेगा कि क्या विभिन्न हाईकोर्ट में लंबित याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट में स्थानांतरित किया जाए या नहीं।

लव-जिहाद और गैरकानूनी तरीके से धर्म परिवर्तन के खिलाफ यूपी,उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और मध्यप्रदेश और गुजरात में बने कानूनों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। मामले पर अगली सुनवाई 6 हफ्ते बाद होगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यों के जवाब दाखिल होने के बाद कानून पर रोक लगाने की मांग पर विचार किया जाएगा।

कोर्ट ने वकील सृष्टि अग्निहोत्री को याचिकाकर्ताओं की तरफ से नोडल वकील नियुक्त किया है। राज्यों की तरफ से वकील रूचिरा गोयल को नोडल वकील नियुक्त किया गया है। याचिकाकर्ताओं में जमीयत उलेमा ए हिंद और सिटीजन फ़ॉर जस्टिस एंड पीस जैसे कई संगठन शामिल हैं। याचिकाओं में कहा गया है कि ये कानून अलग-अलग धर्मों से ताल्लुक रखने वाले जोड़ों को परेशान करने का जरिया बन गए हैं। इनकी आड़ में किसी को धर्मांतरण के आरोप में फंसाया जा सकता है।

भाजपा एमएलए संजय पाठक की मुश्किलें बढ़ी

एसटी आयोग ने पांच जिलों से मांगी जांच रिपोर्ट

भोपाल, 16 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा के विजयराघवगढ़ विधानसभा क्षेत्र से विधायक संजय पाठक की मुश्किलें बढ़ गई हैं। अनुसूचित जनजाति आयोग ने पांच जिलों में बैगा जनजाति की भूमि पर कब्जा करने से संबंधित शिकायतों पर कार्रवाई की जानकारी मांगी है। आयोग ने पांच जिलों कटनी, जबलपुर, उमरिया, डिंडौरी और सिवनी के कलेक्टरों को नोटिस जारी किया है।

यह नोटिस कटनी निवासी दिव्यांशु मिश्रा की शिकायत पर जारी किया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि विधायक संजय पाठक ने अनुसूचित जनजाति वर्ग से आने वाले कर्मचारियों के नाम पर कथित रूप से बैगा जनजाति के लोगों के साथ धोखाधड़ी कर अरबों रुपये की बेनामी जमीन खरीदी है।

आयोग ने सभी संबंधित जिलों के कलेक्टरों से कहा है कि वे 30 दिनों के भीतर इस शिकायत पर की गई कार्रवाई की जानकारी प्रस्तुत करें। साथ ही आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित समय में जवाब नहीं मिला तो वह संविधान के तहत प्राप्त सिविल न्यायालय की शक्तियों का प्रयोग करेगा। जरूरत पड़ने पर संबंधित अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के लिए समन भी जारी किया जा सकता है।

बता दें इससे पहले अवैध खनन से जुड़े चर्चित मामले में सुनवाई के दौरान यह खुलासा हुआ कि उनके नजदीकी रिश्तेदार ने सीधे हाईकोर्ट जज को फोन किया था। इस घटना के सामने आने के बाद पाठक का पक्ष रखने वाले कई वकीलों ने मुकदमा छोड़ दिया। मामला कटनी की कंपनियों से जुड़ा है, जिन पर 443 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इस मामले ने जज ने पहले ही अपने आप को सुनवाई से अलग कर लिया।

14 लोगों ने दो साल तक किया लड़के का यौन शोषण, सरकारी कर्मचारियों सहित नौ गिरफ्तार

कासरगोड (केरल), 16 सितंबर (एजेंसियां)। एलजीबीटीक्यू समुदाय के एक मोबाइल एप पर दोस्ती करने के बाद 16 साल एक लड़के का कथित तौर पर यौन शोषण करने के आरोप में नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि कासरगोड जिले से गिरफ्तार नौ लोगों में दो सरकारी कर्मचारी भी शामिल हैं। जिले के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, लड़के का उसके घर, कन्नूर और कोझिकोड जिलों सहित अन्य स्थानों पर 14 अलग-अलग पुरुषों की ओर से दो साल से अधिक समय तक यौन शोषण किया गया। पुलिस ने बताया कि यह मामला तब सामने आया, जब लड़के की मां ने अपने घर पर एक आदमी को देखा जो उसे देखकर भाग गया।

अधिकारी ने बताया कि अपने बेटे से पूछने पर उसने अपनी आपबीती बताई और उसने चाइल्ड लाइन को इसकी सूचना दी, जिसने पुलिस को सूचित किया। अधिकारी ने आगे बताया कि लड़के के बयान के आधार पर पिछले दो दिनों में आरोपी के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम, 2012 के तहत 14 अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। अधिकारी ने बताया कि एक पुलिस उपाधीक्षक और चार निरीक्षकों वाली एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) भी गठित की गई है, जो कासरगोड जिले में हुई घटनाओं से संबंधित आठ मामलों की जांच करेगी। उन्होंने बताया कि शेष छह मामलों को कोझिकोड और कन्नूर जिलों में स्थानांतरित कर दिया गया है, जहां लड़के का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया गया था। पुलिस ने बताया कि इस मामले के 14 आरोपियों की उम्र 25 से 51 वर्ष के बीच है और उनमें से एक रेलवे कर्मचारी है।

दिल्ली एचसी का बड़ा फैसला: एयरोसिटी में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन डायल की जिम्मेदारी, कहा-एयरपोर्ट क्षेत्र एमसीडी का नहीं

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की निविदा को चुनौती देने वाली दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डायल) की याचिका को स्वीकार करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि दिल्ली म्युनिसिपल कारपोरेशन (डीएमसी) अधिनियम के तहत एमसीडी एयरोसिटी सहित एयरपोर्ट जोन में उत्पन्न ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के अपने अधिकार का दावा नहीं कर सकता।

अदालत ने कहा कि डीएमसी अधिनियम के प्रविधानों के तहत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एमसीडी के अनिवार्य या विवेकाधीन दायित्वों में सूचीबद्ध नहीं है। न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने कहा कि एमसीडी की ओर से वर्तमान में लागू किसी अन्य कानून का हवाला नहीं दिया गया है, जिससे पता चलता है कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नगर निकाय का एकमात्र अधिकार क्षेत्र और कार्य है।

डायल ने 28 नवंबर 2024 के एमसीडी टेंडर नोटिस में हवाई अड्डा टर्मिनल, एयरोसिटी आदि को शामिल करने करने के नोटिस को चुनौती दी गई थी। अदालत ने कहा कि निश्चित तौर पर एमसीडी डीएमसी अधिनियम में परिभाषित नगरपालिका क्षेत्र में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का कार्य कर रही है और आगे भी करती रहेगी, लेकिन जहां तक हवाई अड्डा स्थल का संबंध है, एमसीडी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के अपने अधिकार का दावा नहीं कर सकती।

एमसीडी ने एक निविदा जारी कर नजफगढ़ क्षेत्र में सूखे ठोस अपशिष्ट के प्रबंधन हेतु सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और हस्तांतरण के आधार पर एक एजेंसी के चयन हेतु निविदा आमंत्रित की थीं। डायल ने एमसीडी को अपने निविदा सूचना से हवाई अड्डा क्षेत्र को बाहर करने का निर्देश देने की मांग की।

डायल ने तर्क दिया कि उसे भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के साथ अपने संचालन, प्रबंधन और विकास समझौते के तहत इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई है और वह 2007 से यह कार्य कर रहा है। डायल ने तर्क दिया कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2016 के अनुसार, वह हवाई अड्डे स्थल पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का कार्य विशेष रूप से करता है।

हालांकि, एमसीडी ने कहा कि वह दिल्ली में हवाई अड्डे सहित, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का कार्य करने वाला एकमात्र स्थानीय निकाय है, और एयरपोर्ट पर ठोस अपशिष्ट का उसका विशेष अधिकार है। हालांकि, कोर्ट ने डायल की याचिका को स्वीकार करते हुए एमसीडी की उस निविदा नोटिस को रद कर दिया, जिसके अंतर्गत एयरोसिटी भी उसके दायरे में आती थी।

चीट कर रहा था बॉयफ्रेंड, तीसरी मंजिल से कूद गई लड़की

इंदौर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है, जहां पर एक युवती ने अपने बॉयफ्रेंड के घर की छत से कूदकर सुसाइड करने की कोशिश की, लेकिन किस्मत ने उसे बचा लिया। युवती के बाल ऊपर लटके तारों में उलझ गए, जिससे उसकी गिरावट धीमी हो गई और वह गंभीर चोटों से बच गई। इस घटना के बाद बॉयफ्रेंड के परिवार ने उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन थोड़ी देर बाद उसे वहीं छोड़कर चले गए यह घटना इंदौर के सेंट्रल कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई। युवती, जिसकी पहचान अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है। उसने अपने बॉयफ्रेंड के घर पर यह कदम उठाया। पुलिस के मुताबिक, युवती ने अपने बॉयफ्रेंड पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। उसने दावा किया कि उसके बॉयफ्रेंड ने उसे धोखा दिया और बिना उसकी जानकारी के दूसरी महिला से शादी कर ली, जिसके बाद युवती ने अपने बॉयफ्रेंड के घर की छत के कूदने का प्रयास किया, लेकिन जैसे ही वह नीचे गिरी, उसके बाल ऊपर लटके बिजली के तारों में उलझ गए। तारों में उलझने के कारण उसरी गिरावट धीमी हो गई और वह गंभीर चोटों से बच गई। हालांकि, इस दौरान उसे हाथ और पैरों में चोटें आई है। इस घटना के तुरंत बाद युवती के बॉयफ्रेंड के घर वाले उसे अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने उसका इलाज किया, लेकिन अस्पताल में कुछ देर रहने के बाद परिवार के सभी लोग उसे छोड़कर चले गए। इस घटना से युवती और भी ज्यादा आहत हुई और उसने पुलिस को शिकायत दर्ज कराई।

बारिश और बाढ़ से दालों की 94 फीसदी खेती बर्बाद, बाहरी राज्यों से पूरी होगी प्रदेश की मांग

जम्मू, 16 सितंबर (एजेंसियां)। बारिश और बाढ़ से प्रदेश में दालों की 94 फीसदी फसल बर्बाद हुई है। इस बार प्रदेश की मांग पूरी करने के लिए पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश सहित अन्य राज्यों पर निर्भर रहना पड़ेगा। प्रदेश में 26755 मीट्रिक टन दालों की पैदावार होती है। इसमें पांच फीसदी उत्पादन जम्मू संभाग तो दस फीसदी कश्मीर में होता है। बारिश के कारण जम्मू संभाग में ज्यादा नुकसान हुआ है। कृषि विभाग ने अपनी रिपोर्ट राज्य आपदा प्रबंधन बल (एसडीआरएफ) को सौंप दी है। सबसे ज्यादा नुकसान जम्मू, सांबा, कठुआ, उधमपुर सहित अन्य जिलों में हुआ है। कृषि विभाग के अनुसार प्रदेश में 32070 हेक्टेयर में दालों की खेती होती है। इसमें 30 हजार हेक्टेयर बर्बाद हो गई है। इस बार मात्र 1605.3 टन पैदावार के आसार हैं। इससे किसान मुश्किल से अपनी ही जरूरत पूरी कर सकेंगे। बाकी खपत के लिए बाहर से दालें मंगवानी पड़ेंगी। बता दें कि प्रदेश में मूंग, काले माह, काले चने, मसर, काले मसर की बिजाई की जाती है। सरसों तेल भी बाहर से खरीदना पड़ेगाबारिश से तिलहन की खेती भी बर्बाद हो गई है। प्रदेश में 98,916 हेक्टेयर में खेती की गई थी। इसमें से 90 हजार हेक्टेयर में बर्बाद हो गई है। इससे इसकी मांग भी बाहरी राज्यों से पूरी करनी होगी।

तेजस एमके-1ए के 2 स्क्वाड्रन रेडी, रॉकेट की रफ्तार से प्रोडक्शन, हर माह मिलेंगे 2 जेट, एयरफोर्स गदगद!

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। इंडियन एयरफोर्स लड़ाकू विमानों की कमी से जूझ रही है। इसको लेकर वह बार-बार चिंता भी जारिह करती रही है। लेकिन, अब उसकी सबसे बड़ी चिंता जल्द दूर होने वाली है। क्योंकि देसी विमान निर्माता कंपनी एचएएल ने स्वदेसी फाइटर जेट तेजस एमके-1ए के प्रोडक्शन को रॉकेट की रफ्तार दे दी है। अमेरिकी कंपनी जीई की ओर से इंजन की सप्लाई में देरी और अन्य कारणों से इस फाइटर जेट की सप्लाई सुचारु नहीं हो पाई है। दरअसल, तेजस एमके-1ए देश में विकसित एक शानदार फाइटर जेट है। भारत सरकार ने एचएएल को 180 तेजस एमके-1ए विमानों का ऑर्डर दिया है। ये ऑर्डर दो बार में दिए गए। पहला ऑर्डर 83 विमानों का था। पिछले दिनों केंद्रीय कैबिनेट ने फिर से ऐसे 97 विमानों का ऑर्डर दिया था। इन विमानों की डिलिवरी मार्च 2024 में शुरू होने वाली थी। लेकिन, अभी तक एयरफोर्स को एक भी विमान की आपूर्ति नहीं हो पाई है।

लेकिन, एचएएल अब अगले माह हर साल में कम से कम दो विमान की आपूर्ति करने वाली है। इन विमानों में मिसाइलों का टेस्ट परीक्षण किया जा रहा है। मिसाइलों के टेस्ट परीक्षण के बाद ये जेट एयरफोर्स को सौंप दिए जाएंगे। आज की तारीख में तेजस एमके-1ए को लेकर यही अपडेट है। अब आते हैं दूसरे मसले पर। आप हेडिंग पढ़कर कह रहे होंगे कि अब एक भी विमान की आपूर्ति नहीं और हम कह रहे हैं कि तेजस एमके-1ए के दो स्क्वाड्रन तैयार हैं। यह बात कुछ जमी नहीं। इसके लिए हम आपको एचएएल के प्रमुख डीके सुनील के बयान का जिक्र कर रहा हूं। डीके सुनील ने तेजस एमके-1ए प्रोग्राम को लेकर हिंदुस्तान टाइम्स से एक लंबी बातचीत की है। उन्होंने ही तेजस एमके-1ए के बारे कई सारी बातें बताई जिसके बारे में मीडिया में अभी तक कोई खास रिपोर्ट नहीं है। डीके सुनील का कहना है कि यह बात सही है कि तेजस एमके-1ए की सप्लाई में देरी हुई है। किन, सप्लाई चेन की समस्या पूरी दुनिया में है। दुनिया में विमान इंजन बनाने वाली केवल तीन कंपनियां हैं। इनके नाम है जीई, सैफ्रान और हनीवेल। दुनिया के तमाम विमान निर्माता इनके पास ही लाइन लगाकर खड़े हैं। ऐसे में एचएएल को टारगेट करना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों अमेरिकी से भारतीय सेना के लिए खरीदे गए अपाचे हेलीकॉप्टरों की सप्लाई में भी इसी तरह की देरी हुई। इस वक्त पूरी दुनिया सप्लाई चेन की समस्या से जूझ रही है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 17 सितंबर, 2025

युविचार

नशा करने से नाश होता है। इस लिए नशा ना करे और अपने मन को शांत रखे।

हैदराबाद की ब्रांड छवि को बेहतर बनाने के लिए काम कर रहे हैं : पोन्नम प्रभाकर

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली उनकी जनता सरकार नागरिक सुविधाओं में सुधार करके हैदराबाद की ब्रांड छवि को निखारने के लिए काम कर रही है। मंगलवार को, हैदराबाद के प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी के साथ, जीएचएमसी द्वारा नामपल्ली में लकडीकापुल से नामपल्ली प्रदर्शनी मैदान तक 17.93 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बनाए जाने वाले तूफानी जल नालों की आधारशिला रखी। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में, जन-शासन सरकार के नेतृत्व में हैदराबाद की ब्रांड छवि को बढ़ाने के लिए शहर में सड़कों और नहरों के विकास के लिए बड़ी मात्रा में धनराशि आवंटित की जा रही है। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने अधिकारियों को बाढ़ जल नहरों का काम जल्द से जल्द शुरू करने और पूरा करने के निर्देश दिए।

कार्यक्रम में राज्यसभा सदस्य अनिल कुमार यादव, नामपल्ली विधायक माजिद हुसैन, एमएलसी मिर्जा रियाज उल आसन एफेंदी, जोनल कमिश्नर अनुराग जयंती और अन्य ने भाग लिया।

]मानसून के दौरान बाढ़ और लोगों को होने वाली कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए, जीएचएमसी ने लकडीकापुल से नामपल्ली प्रदर्शनी मैदान तक प्रमुख क्षेत्रों में स्टॉर्म वाटर ड्रेन (एसडब्ल्यूडी) के निर्माण की परियोजना शुरू की है। यह आरसीसी बॉक्स ड्रेन कुल 2,720 मीटर लंबाई में बनाई जाएगी। इसका उद्देश्य एफटीसीसीआई मार्ग, रेड हिल्स, देवैया बाग, एक मीनार मस्जिद रोड, नेताजी नगर और नामपल्ली स्टेशन रोड जैसे क्षेत्रों में वर्षा जल की प्रभावी निकासी सुनिश्चित करना है।

हैदराबाद में दो नए पासपोर्ट सेवा केंद्र शुरू

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय ने शहर में दो नए परिसरों में पासपोर्ट सेवाएं शुरू करने की तैयारी पूरी कर ली है। एमजीबीएस मेट्रो स्टेशन और रायदुर्ग में बने इन नए पासपोर्ट सेवा केंद्रों का उद्घाटन सोमवार को किया जाएगा। आरपीओ अधिकारियों ने दोनों केंद्रों में तकनीकी कार्य पूरे कर लिए हैं। नए पासपोर्ट सेवा केंद्रों में आवेदकों के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिनमें अलग लाउंज, लॉकर की सुविधा और सीसीटीवी कैमरे शामिल हैं। प्रक्रिया के तहत आवेदकों को पहले ऑनलाइन अपॉइंटमेंट के आधार पर टोकन दिए जाएंगे। इसके बाद टोकन नंबर के अनुसार बुलाया जाएगा और पासपोर्ट प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें केंद्र से बाहर निकलना होगा। अमीरपेट स्थित पासपोर्ट सेवा केंद्र को एमजीबीएस मेट्रो स्टेशन और टोलीचौकी केंद्र को ओल्ड मुंबई रोड, रायदुर्ग स्थित सिरी बिल्डिंग में स्थानांतरित किया गया है। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी 16 सितंबर को सुबह 9.45 बजे एमजीबीएस मेट्रो स्टेशन पर और दोपहर 12 बजे रायदुर्ग स्थित नए परिसर में पासपोर्ट सेवा केंद्रों का उद्घाटन करेंगे।

चिट फंड घोटाले में दंपति पर मामला दर्ज

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आरजीआईए पुलिस ने निवेशकों को चिट फंड के नाम पर ठगने के आरोप में एक दंपति के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। शिकायतकर्ता एम. श्रीनिवास ने बताया कि वह और उनका परिवार कई वर्षों से आरोपी दंपति पी. सुरेन्द्र मुदिराज और उनकी पत्नी पी. कविता के पास पैसा जमा कर रहे थे।आरोपियों ने कथित तौर पर श्रीनिवास और उनकी सास से विभिन्न चिट योजनाओं के जरिए करीब 18 लाख रुपये इकट्ठा किए और जुलाई 2025 तक रकम लौटाने का आश्वासन दिया। लेकिन समय आने पर दंपति ने पैसे वापस नहीं किए, मोबाइल फोन बंद कर दिए, शमशाबाद आरटीसी बस स्टैंड के पास अपना मकान खाली कर फरार हो गए। शिकायत पर आरजीआईए पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है।

'हैदराबाद मुक्ति दिवस' समारोह में शामिल होंगे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के वरिष्ठ नेता व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बुधवार को सिकंदराबाद परेड मैदान में केंद्र सरकार द्वारा आयोजित 'हैदराबाद मुक्ति दिवस' समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार भी इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे। यह आयोजन निजाम शासन के अधीन तत्कालीन हैदराबाद राज्य के भारतीय संघ में विलय की वर्षगांठ (17 सितंबर 1948) मनाने के लिए आयोजित किया जाता है। देश के पहले उप-प्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा हैदराबाद रियासत को भारतीय संघ में एकीकृत करने में निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को याद करते हुए तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन रामचंदर राव ने लोगों से बड़ी संख्या में परेड ग्राउंड में आयोजित समारोह में शामिल होने का आग्रह किया। 17 सितंबर 1948 की घटना की तेलंगाना में विभिन्न दलों द्वारा अलग-अलग व्याख्या की जाती है. केंद्र सरकार पिछले कई वर्षों से 'मुक्ति दिवस' का आयोजन करती आ रही है। तेलंगाना सरकार, इस दिन को 'प्रजा पालना दिनोत्सवम' (जनता के शासन दिवस का उत्सव) के रूप में मनाएगी। जबकि पिछली बीआरएस सरकार ने इस दिन को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाया था। भाजपा पिछले दो दशकों से मांग कर रही है कि 17 सितंबर का दिन निजाम के अत्याचारी शासन से हैदराबाद राज्य की मुक्ति का दिन है। राज्य सरकार द्वारा इस दिन को आधिकारिक रूप से मनाया जाना चाहिए। भाजपा नेताओं का आरोप है कि अविभाजित आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के गठन के बाद की सरकारों ने तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति के कारण 17 सितंबर को आधिकारिक रूप से मनाने से इनकार कर दिया।

सीतक्का ने तेलंगाना में किशोर बालिका समूहों के गठन का निर्देश दिया

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महिला एवं बाल कल्याण मंत्री सीतक्का ने तेलंगाना में महिला स्वयं सहायता समूहों की तर्ज पर किशोर बालिका समूहों के गठन की घोषणा की है। उन्होंने अधिकारियों को इन समूहों का गठन करने के निर्देश दिए और इस बात पर जोर दिया कि इनके गठन से विभिन्न सामाजिक समस्याओं का समाधान हो सकता है। सीतक्का ने मंगलवार को बेगमपेट स्थित ज्योतिराव फुले प्रजा भवन में किशोर बालिकाओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और सशक्तिकरण पर केंद्रित एक राज्य स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से डीआरडीओ, अतिरिक्त डीआरडीओ और डीडब्ल्यूओ के लिए एसईआरपी, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और यूनिसेफ के तत्वावधान में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री सीतक्का ने कहा कि 14 से 18 वर्ष की आयु जीवन का सबसे महत्वपूर्ण चरण है और यदि इस अवस्था में उचित मार्गदर्शन दिया जाए, तो किशोरियां समाज के लिए प्रकाश स्तंभ बन सकती हैं। उन्होंने कहा कि किशोरावस्था में लड़कियों को बाल विवाह, स्कूल छोड़ना, एनीमिया, कुपोषण और उत्पीड़न जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। मंत्री महोदया ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक लड़की को अवसर प्रदान करना ही सच्चा सशक्तिकरण है। सीतक्का ने सुझाव दिया कि महिला स्वयं सहायता समूहों की तर्ज पर किशोर लड़कियों के समूह बनाए जाएं। उन्होंने कहा कि इन समूहों के गठन में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और जिला महिला कल्याण संगठनों (डीडब्ल्यूओ) को भागीदार होना चाहिए और ऐसे समूहों के माध्यम से लड़कियों की समस्याओं की पहचान करने और जागरूकता कार्यक्रम चलाने का अवसर मिलेगा।

मंत्री ने सुझाव दिया कि ये समूह किशोरियों की सुरक्षा, पोषण, स्वास्थ्य, कौशल प्रशिक्षण और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने अधिकारियों को उनकी प्रकृति के अनुसार निवारक उपाय करने के निर्देश दिए और कहा कि शहरी, ग्रामीण और वन क्षेत्रों में लड़कियों की समस्याएं अलग-अलग होती हैं। एसईआरपी सीईओ दिव्या देवराजन, अतिरिक्त सीईओ कात्यायनी, महिला एवं बाल कल्याण सचिव अनिता रामचंद्रन, निदेशक जी. सृजना, यूनिसेफ बाल संरक्षण, किशोर एवं युवा विकास अधिकारी एम. मुरलीकृष्ण, तरूणी संस्था की अध्यक्ष ममता रघुवीर और अन्य ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

चेरियल चित्रकला कार्यशाला में कला प्रेमियों की उमंग

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में मंगलवार को आयोजित चेरियल पेंटिंग कार्यशाला में कला प्रेमियों और शिक्षार्थियों की उत्साही भागीदारी देखने को मिली। बंजारा हिल्स स्थित सीसीटी स्पेसेस में डी. साईकिरन द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला सोमवार और मंगलवार को आयोजित की गई। पहले दिन प्रतिभागियों को वॉल प्लेट पेंटिंग का प्रशिक्षण दिया गया, जबकि दूसरे दिन मास्क पेंटिंग की बारीकियां सिखाई गईं।

किशन रेड्डी ने सिंगरेणी को सोने और तांबे की खोज के लिए लाइसेंस सौंपे

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज सिंगरेणी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एन. बलराम को कर्नाटक राज्य के देवदुर्गा में सोने और तांबे की खोज के लिए लाइसेंस सौंपे।

सिंगरेणी ने इस वर्ष मार्च में महत्वपूर्ण खनिजों की नीलामी में 37.75 प्रतिशत रॉयल्टी के साथ देवदुर्गा क्षेत्र में 199 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में खोज के अधिकार प्राप्त किए। ये लाइसेंस हैदराबाद के टी-हब में आयोजित महत्वपूर्ण खनिज उत्कृष्टता केंद्र संगोष्ठी के दौरान प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर, किशन रेड्डी ने कहा कि सार्वजनिक और निजी दोनों उद्यमों को महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम करना चाहिए।

केंद्र सरकार ने इस क्षेत्र के लिए 32,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, और उन्होंने उद्यमों से भारत की आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए अन्वेषण में तेजी लाने का आग्रह किया।

रेलवे स्टेशन से महिला तस्कर गिरफ्तार, चार लाख का गांजा बरामद

महिला आंध्र प्रदेश से महाराष्ट्र ले जा रही थी गांजा

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीआरपी सिकंदराबाद और आरपीएफ ने रेलवे स्टेशन से गांजा की तस्करी करने वाली एक महिला को गिरफ्तार किया है। महिला के पास से करीब 8 किलो गांजा बरामद किया गया है। बरामद गांजे का मूल्य करीब 4 लाख बताया जा रहा है। सिकंदराबाद रेलवे पुलिस (जीआरपी) और आरपीएफ ने सोमवार को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म और ट्रेनों में मादक पदार्थों के तस्करों के खिलाफ संयुक्त रूप से औचक निरीक्षण किया और एक महिला आरोपी को गिरफ्तार किया। महिला आंध्र प्रदेश के पडेरू वन क्षेत्र से सिकंदराबाद होते हुए महाराष्ट्र के सोलापुर तक गांजा ले जा रही थी।

आंध्रप्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले की रहने वाली 40 साल की आरोपी बोब्बाराला लक्ष्मी पत्नी स्वर्गीय सत्यानंदम का एक साथी आरोपी बोन्या फरार है। जीआरपी पुलिस के अनुसार बोब्बाराला लक्ष्मी एक मजदूर है और मुचिंगिपुट्टू गांव और मंडल, आंध्र प्रदेश राज्य की रहने वाली है। वह मुख्य आरोपी बोन्या को 20 वर्षों से जानती है और उसने पहले भी गांजा परिवहन में सहायता करने की बात स्वीकार की है। दो बार पहले भी उसे गिरफ्तार किया जा चुका है। इसके बावजूद, उसने यह गतिविधि जारी रखी। हाल ही में, बोन्या ने लक्ष्मी को सोलापुर तक गांजा पहुंचाने के लिए प्रति ट्रिप 3,000 रुपये की पेशकश की और उसे एक कीपैड मोबाइल फोन दिया। बीते 14 सितंबर को दोनों भूरे रंग के टेप में लिपटे गांजे के चार पैकेटों से भरा एक बैग दिया और दोनों विशाखापत्तनम रेलवे स्टेशन से कोणार्क एक्सप्रेस में सोलापुर के लिए सवार हो गए। बाद में, 15 सितंबर को, जब ट्रेन लगभग 11 बजे सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पहुंची, तो पुलिस ने पूछताछ के लिए लक्ष्मी से संपर्क किया। यह देखकर कि बोन्या कोच से भाग गया।

आवारा कुत्ते के हमले से चार साल के बच्चे की मौत

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गुंटूर जिले के पोन्नूर मंडल के वेल्लालुर गांव के ताडिसेट्टी राजा और ज्योति के बेटे कार्तिक का शव लगभग 15 दिन पहले उसके घर के बाहर मिला था। एक आवारा कुत्ते ने लड़के के सिर और हाथों पर हमला कर दिया था। लड़के को पोन्नूर सरकारी अस्पताल ले जाया गया। तीन दिन बाद, लड़के की तबीयत बिगड़ गई और परिवार वालों ने उसे विजयवाड़ा के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने उसे रेबीज होने की जानकारी दी। इस दौरान लड़के की हालत बिगड़ती गई और उसकी मौत हो गई।

हम जल्द ही महिला नीति की घोषणा करेंगे : मंत्री सुरेखा

सचिवालय महिला कर्मचारी कल्याण संघ का लोगो लॉन्च

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायती राज्य मंत्री डी. अनसूया सीतक्का और वन मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि समाज में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। मंत्रियों ने कहा कि सरकार ने महिला सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और राज्य सरकार की महिला कर्मचारियों को अपने कर्तव्यों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करना चाहिए। सरकार के विकास कार्यक्रमों और कल्याणकारी योजनाओं के परिणाम लोगों तक पहुंचाने तथा सरकार का नाम रोशन करने के लिए काम करना चाहिए। मंगलवार को मंत्रियों ने डॉ.बी.आर. अंबेडकर सचिवालय में आयोजित तेलंगाना सचिवालय महिला कर्मचारी कल्याण संघ के लोगो लॉन्च और सदस्यों की आम बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। सदस्य के रूप में चुनी गईं महिला कर्मचारियों को शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर मंत्री डी. अनसूया सीतक्का ने कहा कि कई चुनौतियों के बावजूद, महिलाएं सरकारी नौकरियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। महिलाओं के लिए काम एक अतिरिक्त जिम्मेदारी है, एक ओर पारिवारिक जिम्मेदारियां और दूसरी ओर पेशेवर जिम्मेदारियां। उन्होंने उन महिला कर्मचारियों की प्रशंसा की जो दोनों जिम्मेदारियां एक साथ निभा रही हैं। महिलाएं पारिवारिक और पेशेवर जिम्मेदारियों के दबाव में लगातार रहती हैं, और वे अपने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण का भी ध्यान रखना चाहती हैं। मंत्री ने कहा कि इस महीने की 22 तारीख को सभी महिला कर्मचारियों के साथ एक गोलमेज बैठक आयोजित की जाएगी जिसमें सभी क्षेत्रों में महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की जाएगी और उनके सुझावों और सलाह के आधार पर एक नई महिला नीति पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में 67 लाख महिलाओं के साथ महिला समूह काम कर रहे हैं और महिला स्वयं सहायता समूह विभिन्न क्षेत्रों में अद्भुत काम कर रहे हैं। हाल ही में, उन्होंने महबूबनगर जिले में पेट्रोल पंप चलाकर केवल एक महीने में 13 लाख रुपये कमाए। बैठक में बोलते हुए, मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी सरकारी कर्मचारियों के कल्याण और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए पूरी ईमानदारी से प्रयास कर रहे हैं। मंत्री महोदय ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों के प्रयास सरकार के लक्ष्यों और योजनाओं की सफलता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इस अवसर पर राज्य मंत्रियों ने तेलंगाना सचिवालय महिला कल्याण संघ के प्रतीक चिन्ह का अनावरण किया।

नाबालिग से दुष्कर्म और आत्महत्या के लिए उकसाने पर युवक को आजीवन कारावास

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर की एक फास्ट-ट्रैक विशेष अदालत ने बच्चों से जुड़े अपराध के एक मामले में दोषी ठहराए गए व्यक्ति को कठोर आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया।

मेडचल जिले के बौरामपेट निवासी शिव कुमार (33) पेशे से इलेक्ट्रीशियन है। उसने 2018 में डुंडीगल क्षेत्र की एक नाबालिग लड़की को प्रेम जाल में फंसाकर उसका यौन शोषण किया। बाद में जब पीड़िता ने स्वास्थ्य समस्याओं के चलते मदद मांगी तो आरोपी ने उसे धमकाया। मानसिक आघात सहन न कर पाने पर पीड़िता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पीड़िता की मां की शिकायत पर डुंडीगल पुलिस ने पहले संदिग्ध मौत का मामला दर्ज किया था। जांच के दौरान आरोपी शिव कुमार की संलिप्तता सामने आने पर उसे गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। अदालत ने अब उसे दोषी मानते हुए सजा सुनाई है।

बलात्कार के जुर्म में 24 साल कैद की सजा

नलगोंडा, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा की पॉक्सो कोर्ट ने मंगलवार को एक 60 वर्षीय व्यक्ति को 10 साल की बच्ची से बलात्कार के जुर्म में 24 साल कैद की सजा सुनाई। नलगोंडा मंडल के अन्नेपार्थी गांव के आरोपी मर्री उशय्या पर 40,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। घटना 28 मार्च, 2023 को हुई, जब चौथी कक्षा की छात्रा, स्कूल से लौटने के बाद अपने घर पर अकेली सो रही थी। आरोपी घर में घुस आया, नाबालिग को जगाया और मिठाई खिलाने के बाद उसका यौन शोषण किया। उसने यह भी धमकी दी कि अगर उसने घटना के बारे में किसी को बताया तो वह उसे जान से मार देगा।

पीड़िता की मां ने 29 मार्च 2023 को नलगोंडा ग्रामीण पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज किया और तत्कालीन एसएचओ कंचरला भास्कर रेड्डी ने मामले की जांच की। दो साल की सुनवाई के बाद, पोक्सो कोर्ट की प्रभारी न्यायाधीश रोजा रमानी ने अंतिम फैसला सुनाते हुए आरोपी को 24 साल की जेल की सजा सुनाई।

पूर्व सांसद मधु यशकी गौड़ सचिवालय में गिर पड़े

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सांसद और वरिष्ठ कांग्रेस नेता मधु यशकी गौड़ मंगलवार दोपहर सचिवालय में आईटी मंत्री डी. श्रीधर बाबू के कक्ष में अचानक गिर पड़े। सूत्रों के अनुसार, पूर्व सांसद मंत्री से बातचीत के दौरान सीने में दर्द की शिकायत लेकर सोफ़े पर गिर पड़े। मौके पर मौजूद अधिकारी और कर्मचारी तुरंत उनके चेहरे पर पानी छिड़ककर मदद की।

गौड़ को सचिवालय की डिस्पेंसरी में ले जाया गया, जहां कुछ मिनट बाद उन्हें होश आया और जूस दिया गया। इसके बाद उन्हें गच्चीबावली स्थित एआईजी अस्पताल में स्थानांतरित किया गया।

पत्नी द्वारा गर्म तेल डालने से पति की मौत

जोगुलाम्बा गदवाल, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार शाम को मल्लेमदोड्डी गांव में वेंकटेश की जलने से मौत हो गई, जब उनकी पत्नी पद्मा ने कथित रूप से घरेलू विवाद के बाद उन पर गर्म तेल डाल दिया। मृतक वेंकटेश पद्मा के साथ आठ साल से विवाहित थे और उनके तीन बच्चे थे। 11 सितंबर को सुबह पद्मा ने सोते समय वेंकटेश पर तेल डाल दिया। स्थानीय लोगों ने उन्हें जिला सरकारी अस्पताल पहुंचाया, लेकिन हालत बिगड़ने पर डॉक्टरों ने कर्नूल के अस्पताल में भर्ती कराने की सलाह दी। इलाज के दौरान वेंकटेश की मृत्यु हो गई। पुलिस ने पद्मा को गिरफ्तार कर पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

पूर्व तहसीलदार को रिश्वत लेने पर एक साल का कारावास

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की एसीबी अदालत ने नलगोंडा जिले के तिरुमलागिरी मंडल के पूर्व तहसीलदार चक्रहरि श्रीनिवास राजू को सरकारी काम के लिए एक व्यक्ति से एक लाख रुपये रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोप में एक साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने उन पर जुर्माना भी लगाया।

श्रीनिवास राजू ने 2011 में तहसीलदार के रूप में काम करते हुए शिकायतकर्ता से उसकी कृषि भूमि का राजस्व रिकॉर्ड में नामांतरण और पट्टादार पासबुक जारी करने के लिए 1 लाख रुपये रिश्वत के रूप में मांगे थे। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने उन्हें रंगे हाथों पकड़ लिया। मुकदमे के बाद हैदराबाद स्थित एसपीई और एसीबी मामलों की अदालत के प्रथम अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश ने उन्हें सजा सुनाई और जेल भेज दिया।

मियापुर डिपो में बस कंडक्टर की अचानक मौत

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीजीएसआरटीसी के मियापुर बस डिपो में मंगलवार को एक बस कंडक्टर की अचानक मौत हो गई। मृतक की पहचान पंडारी (40) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, पंडारी ड्यूटी पर आए थे और सहकर्मियों से हालचाल पूछने के बाद शौचालय की ओर गए। इसी दौरान उनकी तबियत बिगड़ी और वह बेहोश होकर गिर पड़े। उस समय उनकी बस उप्पल के लिए रवाना होने वाली थी।

सहकर्मी तुरंत उन्हें पास के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों को आशंका है कि उनकी मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई है। घटना से डिपो में अफरा-तफरी मच गई और साथी कर्मचारियों में गहरा शोक छा गया। पंडारी के परिवार ने उनकी मौत पर किसी तरह का संदेह व्यक्त नहीं किया। फिलहाल मियापुर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पूर्व तट रेलवे

मण्डल रेलवे अस्पताल, वाल्टियर में ऑनरारी (HONORARY) विजिटिंग स्पेशलिस्ट्स (HVS) की नियुक्ति हेतु सूचना

सूचना सं.: CMS/WAT/MED/HVS/2025/01 दिनांक : 30.08.2025

पूर्व तट रेलवे के वाल्टियर स्थित मण्डल रेलवे अस्पताल में निम्नलिखित विषयों में ऑनरारी विजिटिंग स्पेशलिस्ट्स की नियुक्ति।

क्रम सं.	विशेषता का नाम	कार्य समय	प्रति महीने पारिश्रमिक	पद संख्या
1	जनरल मेडिसिन	प्रतिदिन 4 घंटे	Rs, 48,000/-	01
2	कार्डियोलॉजी सुपर स्पेशियलिटी	प्रति सप्ताह में 4 दिन	Rs, 60,000/-	01

आवेदन कैसे करें : ऑनरारी विजिटिंग स्पेशलिस्ट्स के रूप में शामिल होने के इच्छुक उम्मीदवार को निर्धारित प्रारूप में संबंधित प्रमाणपत्रों की सत्यापित प्रतियों के साथ सीधे **मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, मण्डल रेलवे अस्पताल, पूर्व तट रेलवे, वाल्टियर को 25.09.2025 (गुरुवार)** तक या उससे पहले आवेदन करना चाहिए। उम्मीदवार का चयन, दस्तावेज (संबंधित प्रमाणपत्र) की स्क्रीनिंग के आधार पर किया जाएगा। चयन के समय ऑनरारी विजिटिंग स्पेशलिस्ट्स को शारीरिक रूप से नहीं बुलाया जाएगा।

द्रष्टव्य : आवेदन प्रारूप, शैक्षणिक योग्यता, पात्रता, आयु सीमा और अन्य नियम एवं शर्तों के लिए कृपया वेबसाइट : **www.eastcoastrail.indianrailways.gov.in ➲ About us ➲ Division ➲ Waltair Division ➲ Walk In Interview & Notification** का अवलोकन करें।

PR-597/Q/25-26 मुख्य चिकित्सा अधीक्षक(प्रशासन) / वाल्टियर

टीईटी अनिवार्यता से परेशान शिक्षकों के लिए राहत भरी खबर

सुप्रीम कोर्ट जाएगी यूपी सरकार सीएम योगी ने किया ऐलान

लखनऊ, 16 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने टीईटी की अनिवार्यता के खिलाफ हो रहे प्रदर्शन के बीच बड़ा फैसला लिया है। इस फैसले से उन शिक्षकों को राहत मिलेगी जो टीईटी अनिवार्यता के खिलाफ थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मामले में बेसिक शिक्षा विभाग को सुप्रीम कोर्ट का रुख करने का निर्देश दिया है। यह जानकारी मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बायन के जरिए आई। मुख्यमंत्री कार्यालय के आधिकारिक सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा गया- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेसिक शिक्षा विभाग के सेवारत शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता पर उच्चतम न्यायालय के आदेश का रिवीजन दाखिल करने का विभाग को निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि प्रदेश के शिक्षक अनुभवी हैं और समय-समय पर सरकार द्वारा उन्हें प्रशिक्षण प्रदान किया जाता रहा है। ऐसे में उनकी योग्यता और सेवा के वर्षों को नजरअंदाज करना उचित नहीं है।

बदला मौसमः बूंदाबांदी से 5.5 डिग्री लुढ़का पारा, अगले दो दिन भारी बारिश के आसार

लखनऊ, 16 सितंबर (एजेंसियां)। मंगलवार को भी मौसम खुशनुमा रहने के आसार हैं। 17 से 19 सितंबर की सुबह तक भारी बारिश के आसार हैं। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि राजधानी में दिनभर बादल छाए रहे और बूंदाबांदी हुई। रविवार को अधिकतम तापमान 35.9 डिग्री था, यह सामान्य से तीन डिग्री कम रहा। न्यूनतम तापमान 26.7 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री अधिक था। अभी चार से पांच दिन तक कहीं बूंदाबांदी और बारिश का सिलसिला चलते रहने के आसार हैं। अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पांच दिन बाद बारिश का प्रभाव कम होना शुरू होगा।

गोली लगने से मौत पर हंगामा, भड़के लोगों ने पुलिस पर की पत्थरबाजी

गोरखपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। पिपराइच क्षेत्र के जंगल धूषण महुआ चापी में बीती रात गोली चलने से एक युवक की मौत हो गई है और एक युवक घायल हो गया। मंगलवार की सुबह नाराज ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया। पुलिस पर पथराव करने लगे। इस दौरान कई पुलिसकर्मियों को चोट आई है। बताया जा रहा है कि गुस्साई भीड़ ने मैजिक गाड़ी में आग लगा दी। पूरा मामला गो तस्करों से जुड़ा बताया जा रहा है। नाराज लोगों ने हत्या के विरोध में पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया और सड़क जाम कर दिया है। सूचना पर प्रशासकि अधिकारी के साथ पुलिस और पीएसी की टीम मौके पर पहुंची है। लोगों को समझाने का प्रयास कर रही है, लेकिन नाराज लोग उग्र होकर सडक पर ही प्रदर्शन कर रहे हैं और लगातार पत्थरबाजी भी कर रहे हैं।

'मेरी बेटी का नहाते हुए वीडियो बनाया था रिश्तेदार का कत्ल कर ड्रम में डालकर जलाया; 18 माह बाद खुलासा

आगरा, 16 सितंबर (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन की फिल्म दृश्यम की कहानी आगरा के मलपुरा में दोहराई गई। फिल्म में अजय देवगन ने बेटी का वीडियो बनाने वाले युवक का शव ठिकाने लगाया था। वहीं, मलपुरा में एक पिता ने बेटी का नहाते हुए वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने वाले को दुकान पर बुलाकर उसकी हत्या कर दी। शव को ड्रम में ले जाकर खेत में जला दिया। मृतक के मोबाइल खारी नदी में फेंक दिए। शव मिलने पर भी परिजन शिनाख्त नहीं कर सके। छह महीने बाद कोर्ट के आदेश पर मुकदमा लिखा गया तो विवेचना हुई। डीएनए जांच रिपोर्ट में मृतक की पहचान होने पर पूरा मामला खुल गया। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

17 वर्षीय किशोर शादी समारोह में वीडियो बनाने का काम करता था। वर्ष 2023 में वह मलपुरा के एक गांव में आया था। तब अपने रिश्तेदार हलवाई के घर गया था। हलवाई की 16 वर्षीय बेटी का नहाते हुए वीडियो बना लिया। इसके बाद उसे ब्लैकमेल करके अपने पास बुलाने लगा। आरोप है कि वह 50 हजार रुपये की मांग भी कर रहा था। किशोरी ने पिता को बताया। इस पर पिता ने उसे समझाने का प्रयास किया। एक बार मामला थाने तक पहुंचा। युवक ने गलती मान ली और समझौता होने पर केस दर्ज नहीं हुआ।

बिहार चुनाव से पहले नीतीश का एक और बड़ा ऐलान

स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड को लेकर कर दी ये घोषणा

पटना, 16 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में इस साल (2025) होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक से एक घोषणाएं कर रहे हैं। मंगलवार (16 सितंबर, 2025) को उन्होंने एक बड़ा ऐलान किया। मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे यह बताते हुए अत्यंत खुशी हो रही है कि अब स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत दिए जाने वाले शिक्षा ऋण की राशि सभी आवेदकों के लिए ब्याज रहित होगी। सीएम के एक्स पोस्ट में लिखा गया, बिहार में 07 निश्चय योजना के अंतर्गत 12वीं कक्षा उत्तीर्ण छात्र जो उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं उनके लिए 02 अक्टूबर 2016 से बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना लागू है। बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए अधिकतम 04 लाख रुपये का शिक्षा ऋण सामान्य आवेदक को 04 प्रतिशत ब्याज दर पर तथा महिला, दिव्यांग एवं ट्रांसजेंडर आवेदक को मात्र 01 प्रतिशत ब्याज दर पर दिया जाता है।

ऋण की वापसी में क्या बदलाव हुआ?

पोस्ट के जरिए बताया गया कि दो लाख रुपये तक के शिक्षा ऋण को 60 मासिक किस्तों (05 वर्ष) में वापस करने का प्रावधान था, जिसे अब बढ़ाकर अधिकतम 84 मासिक किस्तों (07 वर्ष) में तथा 02 लाख से ऊपर ऋण राशि को 84 मासिक (07 वर्ष) किस्तों से बढ़ाकर अधिकतम 120 मासिक (10 वर्ष) किस्तों में वापस करने का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने कहा, हम लोगों का उद्देश्य है कि राज्य के अधिक से अधिक छात्र-छात्राएं उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें। उच्च शिक्षा के लिए प्रदान की जाने वाली शिक्षा ऋण में दी जाने वाली इन सुविधाओं से छात्रों के मनोबल में वृद्धि होगी और वे अधिक उत्साह एवं लगन से उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपने भविष्य के साथ-साथ राज्य एवं देश का भविष्य भी संवार सकेंगे।

बता दें कि विधानसभा चुनाव से पहले इस तरह की कई घोषणाएं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कर चुके हैं। 125 यूनिट फ्री बिजली लोगों को मिलने लगी है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि बढ़ गई है। इसका लाभ भी लोगों को मिलने लगा है। इसी क्रम में अब शिक्षा के क्षेत्र में नीतीश सरकार की ओर से एक ठोस कदम उठाया गया है।

फेल हुई गोकशी की साजिश, मुठभेड़ के बाद आरोपी वसीम गिरफ्तार

लखनऊ/इटावा, 16 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में अपराधियों के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। लखनऊ में जहां पुलिस ने गोकशी की साजिश को नाकाम करते हुए एक अपराधी को एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार किया तो इटावा में 25 हजार रुपये के इनामी अपराधी और उसके साथी को पकड़ा है। दोनों घटनाओं में पुलिस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई ने अपराधियों के मंसूबों पर पानी फेर दिया। खनऊ के दुबग्गा इलाके में पुलिस ने गोकशी की साजिश का पर्दाफाश करते हुए एक एनकाउंटर के बाद एक अपराधी को गिरफ्तार किया।

जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी आत्मरक्षा में गोली चलाई, जिसमें एक आरोपी वसीम, जो हरदोई का रहने वाला है, घायल हो गया। उसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि उसके दो साथी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने वसीम को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है और फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

नेपाल की जेल से भागे कैदियों की तलाश में जुटी भारतीय एजेंसियां, दोहरी नागरिकता वालों की जांच तेज

मोतिहारी, 16 सितंबर (एजेंसियां)। (पूर्वी चंपारण)। इंटरनेट मीडिया पर प्रतिबंध के बाद नेपाल में हुए जेन-जी आंदोलन के दौरान वहां की जेलों से भागे अंतरराष्ट्रीय व शातिर अपराधियों के साथ-साथ दोहरी नागरिकता वाले लोगों की खोज में जुटीं भारतीय सुरक्षा एजेंसियों का अभियान तेज हो गया है। बिहार से लगनेवाली नेपाल की खुली सीमा पर तैनात सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) व बिहार पुलिस के अलावा देश की अन्य सुरक्षा एजेंसियां सीमा पार से आनेवाले एक-एक की पहचान से संबंधित दस्तावेज की जांच कर रही हैं। नेपाल की सुरक्षा एजेंसियों के साथ साझा अभियान चला रही हैं। नेपाल से लगी बिहार की करीब 1751 किलोमीटर लंबी सीमा पर पहरा सख्त है। करीब 137 किलोमीटर खुली सीमा पूर्वी चंपारण जिले से लगती है। थाना-ओपी व एसएसबी की बीओपी पर बड़ी संख्या में जवानों की तैनाती के बीच नेपाल की घटना के बाद अतिरिक्त बल लगाया गया है। खुली सीमा की निगरानी के लिए राज्य पुलिस के पांच थाने, सात ओपी के अलावा एसएसबी के 23 बीओपी हैं। इसके अतिरिक्त अन्य सुरक्षा एजेंसियां भी काम कर रही हैं। नेपाल की खुली सीमा के पास भारतीय क्षेत्र में पूर्वी चंपारण के करीब 25 गांव स्थित हैं। उन सभी गांवों की जानकारी पुलिस के पास है। रक्सौल से वीरगंज को कनेक्ट करनेवाली मुख्य सड़क के अलावा ग्रामीण इलाकों में भी सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है।

तेजस्वी यादव समेत कई राजद नेताओं पर महिला के आरोप पर एफआईआर

पटना, 16 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति में हलचल मचाने वाली एक बड़ी खबर दरभंगा से सामने आई है। सिंहवाड़ा थाना क्षेत्र की रहने वाली गुड़िया देवी ने प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी यादव, राज्यसभा सांसद संजय यादव, पूर्व विधायक ऋषि मिश्रा और कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी मस्कुर अहमद उस्मानी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है।

गुड़िया देवी का आरोप है कि उनसे माई बहन योजना का फॉर्म भरवाने के नाम पर 200 रुपये लिए गए। इस योजना में 2500 रुपये का लाभ देने का दावा किया गया था। महिला का कहना है कि फॉर्म भरते समय उनका आधार कार्ड नंबर, बैंक खाता संख्या और मोबाइल नंबर भी ले लिया गया। उनका आरोप है कि इस योजना को नेताओं के नाम पर चलाया जा रहा था और भोली-भाली महिलाओं को गुमराह किया जा रहा है। शिकायत के आधार पर सिंहवाड़ा थाना पुलिस ने तेजस्वी यादव, संजय यादव, ऋषि मिश्रा और मस्कुर अहमद उस्मानी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी ने एफआईआर दर्ज होने की पुष्टि की है और जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। फिलहाल पुलिस यह जांच कर रही है कि वास्तव में यह कोई ठगी की घटना है या फिर नेताओं के नाम का राजनीतिक साजिश के तहत इस्तेमाल किया गया है।

पुलिस के अनुसार आरोपों की सच्चाई सामने आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। इस एफआईआर ने दरभंगा ही नहीं, पूरे बिहार की राजनीति को गर्मा दिया है। विपक्ष इसे साजिश करार दे सकता है, जबकि स्थानीय स्तर पर इस घटना को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

अब अमित शाह के मिशन बिहार में बिछेगी चुनावी बिसात, 18 सितंबर दो बड़ी मीटिंग

पटना, 16 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीमांचल की धरती से बिहार को 40000 करोड रुपए से अधिक की योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। पूर्णिया के शीशाबाड़ी में आयोजित जनसभा में पीएम मोदी को देखने और सुनने के लिए लोगों की लाखों की भीड़ उमड़ी जिसने एनडीए नेताओं और कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ा दिया है। पीएम मोदी ने जिस तरह से विकासवाद की राजनीति के साथ ही सीमांचल में घुसपैठ जैसे मुद्दों को आगे किया, और विपक्ष पर जोरदार प्रहार करते हुए राजद और कांग्रेस गठजोड़ को घेरा, इसने एनडीए नेताओं को चुनावी रणनीति के लिहाज से एक दिशा भी दे दी। अब एनडीए के घटक दल अपनी-अपनी पार्टियों की रणनीतिक तैयारियों में लग गए हैं। माना जा रहा है कि विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कभी भी हो सकता है और ऐसे में बिहार चुनाव को देखकर बिहार में सियासी हलचल तेज हो गई है। इसी कड़ी में अब केंद्रीय मंत्री गृह मंत्री अमित शाह का बिहार दौरा होने वाला है। जानकारी के अनुसार, इस दौरान वह भारतीय जनता पार्टी के संगठन की दो महत्वपूर्ण बैठक करेंगे जिसमें आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीतियों पर बात होगी।

पांच जोन में बंटा बिहार, दो हिस्सों की बैठकें होंगी

मिली जानकारी के अनुसार, अमित शाह आगामी 18 सितंबर को बिहार दौरे पर पहुंचेंगे और भारतीय जनता पार्टी की दो महत्वपूर्ण बैठक करेंगे। एक बैठक सासाराम के डेहरी में होने वाली है और दूसरी बेगूसराय में। बताया जा रहा है कि इन बैठकों में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ ही संबंधित जिलों के प्रभारी भी रहेंगे। जानकारी के अनुसार, पार्टी बिहार को पांच भागों में बताकर चुनाव की तैयारी संगठनात्मकआधार पर बिहार को पांच भागों में बांटकर अपनी चुनावी रणनीति बना रही है और इनमें से दो भागों की बैठक 18 सितंबर को होगी। जानकारी यह भी है कि अमित शाह की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भी मीटिंग हो सकती है और एनडीए गठबंधन के अन्य सहयोगी दलों के नेताओं से भी उनकी मुलाकात होने की संभावना है।

पहले दिल्ली में हुई थी रणनीति पर पहली बैठक

बता दें कि इससे पहले अमित शाह की अध्यक्षता में बीते 3 सितंबर को दिल्ली में बिहार बीजेपी के कोर कमेटी की बैठक हुई थी जिसमें पार्टी के प्रत्याशियों के चयन भारतीय जनता पार्टी के घोषणा पत्र और चुनाव प्रचार को रणनीति बनाई गई थी। अब जब अमित शाह स्वयं बिहार आकर पार्टी के चुनावी तैयारी की समीक्षा करेंगे और इस दौरान में प्रदेश में भाजपा नेताओं को चुनाव में जीत का मंत्र भी देंगे। बताया जा रहा है कि उन्होंने पिछली एनडीए की बैठक में उन्होंने सीट बंटवारे से पहले संभावित उम्मीदवारों की लिस्ट तैयार करने के लिए सभी पार्टियों से कहा था, जिसके बाद पार्टी के प्रदेश नेता इस काम में जुटे हुए हैं।

'100 रुपये अपने पास ही रखें'

जन्मदिन पर अखिलेश यादव के बयान पर भड़के ओम प्रकाश राजभर, किया तीखा पलटवार

लखनऊ, 16 सितंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर के जन्मदिन पर सौ रुपये देने की बात कही, जिसे लेकर सियासत गरमा गई है। सपा मुखिया के इस जवाब पर ओम प्रकाश राजभर ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि मुझे उनकी शुभकामनाओं की जरुरत नहीं है। वो अपने सौ रुपये अपने पास ही रखें। अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए ओम प्रकाश राजभर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर बड़ी पोस्ट लिखी और कहा कि 'समाजवादी पार्टी को सिर्फ पैसा ही दिखाई देता है। सपा सरकार में पैसों की लूट-खसोट करते रहे, इसलिए आज भी जन्मदिन की शुभकामनाएं देने की जगह पैसों के आधार पर बातें कर रहे हैं। सत्ता से दूर हुए साढ़े आठ साल बीत चुके हैं, कमाई का रास्ता बंद हो गया है, इसलिए अब 100 की बात कर रहे हैं। अगर सत्ता में बने रहते तो करोड़ों-अरबों से नीचे बात ही नहीं करते। मेरे जन्मदिन पर अखिलेश यादव जी की शुभकामनाओं की मुझे कोई जरूरत नहीं है। हमारे शुभ की कामना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, गृहमंत्री अमित शाह जी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी कर रहे हैं, जो वास्तव में जनता के लिए सोचते हैं। जनता के हित में काम करने वाले नेताओं की शुभकामनाएं मेरे लिए काफी हैं।

समाज को बांटने की राजनीति करने वाले अपनी शुभकामनाएं और अपना 100 अपने पास ही रखें। हमारे पास पैसा भले न हो। लेकिन, ईमानदारी और जनता की सेवा का संकल्प है। हां, इतना जरूर है कि अगर कभी अखिलेश यादव जी को बुरे वक्त में जरूरत पड़ी तो हम अपने खेत से निकलने वाले अनाज और सब्ज़ी की मदद देने से पीछे नहीं हटेंगे, क्योंकि हमारी संस्कृति मदद करने की है, दिखावा करने की नहीं।'

समय से पहले पहुंचे प्रवासी पक्षी, इस साल पड़ेगी कड़ाके की ठंड

पटना, 16 सितंबर (एजेंसियां)। इस साल समय से पहले ही बिहार में प्रवासी पक्षियों का आना आरंभ हो गया है। यह कड़ाके की ठंड का संदेश है। बाम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी के तहत कार्यरत इंडियन बर्ड कंजरवेशन नेटवर्क के बिहार को-आर्डिनेटर एवं राष्ट्रीय डाल्फिन शोध केंद्र, इस बार प्रवासी पक्षियों का समय से पहले आना सर्दियों में ठंडी सर्दी पड़ने की संभावना को दर्शाता है। इनके आने की संख्या में भी बढ़ोतरी होगी। डॉ। शर्मा ने बताया कि ग्रे-हेडेड लैपविंग, कामन सैंडपाइपर, ग्लासी आइबिस, रेड-नेक्ड फाल्कन, स्टार्क-बिल्ड किंगफिशर और वाइट वैगटेल जैसी महत्वपूर्ण प्रवासी पक्षी अब सितंबर के पहले सप्ताह में ही बिहार के मैदानी इलाकों में देखे जा रहे हैं। जबकि, पहले ये पक्षी सामान्यतः अक्टूबर के मध्य में दिखायी देते थे। इसके पीछे तापमान में बदलाव, मौसम की अनियमितता और जल-आवास के बेहतर संरक्षण जैसे कारण माने जा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव नदियों, तालाबों, जंगलों और खेतों जैसे प्राकृतिक आवासों की गुणवत्ता में सुधार का संकेत भी हो सकता है, जिससे पक्षियों को बेहतर तरीके से रहने और प्रजनन के लिए अनुकूल परिस्थितियां मिल रही हैं। इस प्रकार के सकारात्मक संकेत भविष्य में पक्षी संरक्षण और पर्यावरणीय संरक्षण की दिशा में आशावाद को बढ़ावा देते हैं। एशियन वाटर बर्ड सेंसस के डिस्ट्रिक्ट कोआर्डिनेटर ने बताया कि इस बार बया एवं गोरैया की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।

इसके पीछे प्रमुख कारणों में सर्दियों की तैयारी, फसलों की कटाई के बाद खेतों में उपलब्ध अनाज और कीट-पतंगे, क्षेत्रीय संरक्षण प्रयास और शीतकालीन प्रवासी पक्षियों का माइग्रेशन शामिल हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अचानक पक्षियों का समय से पहले आना एक तरफ प्राकृतिक सुंदरता को निखार रहा है तो दूसरी ओर बदलते मौसम के संकेत के रूप में देख रहा है।वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रवासी पक्षियों की सुरक्षा के लिए गश्त बढ़ाई जा रही है। साथ ही लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाया जाएगा।

घर से गायब हुआ 14 साल का लड़का

सीधे पहुंच गया पूर्व विधायक अनंत सिंह के गांव, हैरान कर देगा पूरा मामला

जहानाबाद, 16 सितंबर (एजेंसियां)। सदर थाना क्षेत्र से दो दिन पहले लापता हुआ 14 साल का किशोर आखिरकार सकुशल बरामद कर लिया गया है। इस पूरे मामले ने लोगों को हैरान दिया है। दरअसल वो सीधा मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह के पैतृक गांव लदमा पहुंच गया था। बता दें कि जहानाबाद का रहने वाला यह बच्चा अचानक घर से गायब हो गया था।

परिवार ने पहले खुद तलाश की, लेकिन जब सफलता नहीं मिली तो सदर थाने में इसकी जानकारी दी गई। पुलिस ने छानबीन शुरू की और मोबाइल लोकेशन ट्रेस करते हुए पाया कि वह पटना जिले के बाढ़ थाना क्षेत्र स्थित लदमा गांव में है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए वहां से किशोर को सुरक्षित बरामद किया और फिर उसे जहानाबाद ले आई। हालांकि, इस दौरान उसकी अनंत सिंह से मुलाकात नहीं हुई। पुलिस पूछताछ में बच्चे ने बताया कि वह परीक्षा में कम नंबर आने से परेशान था। इसी वजह से घर से निकल गया। उसने अपना मोबाइल भी बंद कर दिया ताकि कोई संपर्क न कर सके। पहले पटना पहुंचा, लेकिन वहां समझ नहीं आया कि कहां जाए। तभी उसने ट्रेन पकड़ी और मोकामा जाने वाली गाड़ी में बैठ गया। रास्ते में उसे याद आया कि बाढ़ के लदमा गांव में अनंत सिंह का घर है, इसलिए वहीं उतरकर लदमा पहुंच गया।

विधायक राजा भैया के पास हथियारों का जखीरा

पत्नी भानवी सिंह बोलीं- मेरी जान को खतरा, पीएमओ में की शिकायत

प्रतापगढ़, 16 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की कुंडा सीट से निर्दलीय विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया की पत्नी भानवी कुमारी सिंह ने एक बार फिर अपने पति पर गंभीर और चौंकाने वाले आरोप लगाए हैं। भानवी सिंह ने सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में पेश होकर शिकायत दर्ज कराई। यह शिकायत 3 जून 2025 को दर्ज की गई, जिसमें उन्होंने दावा किया कि राजा भैया के पास अवैध और प्रतिबंधित विदेशी हथियारों का खतरनाक जखीरा मौजूद है। शिकायत में भानवी सिंह ने आरोप लगाया कि राजा भैया के पास नाटो ग्रेड की 'जिगाना पिस्टल', ऑटोमेटिक असॉल्ट राइफल्स और अन्य खतरनाक हथियार मौजूद हैं। उनका कहना है कि ये हथियार न केवल जन सुरक्षा बल्कि देश की आंतरिक शांति के लिए भी बड़ा खतरा बन सकते हैं।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनके खुद के लाइसेंसी हथियार भी उनसे जबरन छीन लिए गए हैं। भानवी सिंह ने पीएमओ को शिकायत देते समय अपने मोबाइल से खींची गई तस्वीरें और वीडियो भी सबूत के तौर पर सौंपे हैं। इन वीडियोज़ और फोटोज़ में कथित तौर पर अवैध हथियार साफ दिखाई दे रहे हैं। पीएमओ ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत इसे गृह मंत्रालय को भेज दिया।

इसके बाद 3 सितंबर 2025 को गृह मंत्रालय ने आंतरिक सुरक्षा विभाग को जांच के निर्देश दिए और साथ ही यूपी के चीफ सेक्रेटरी (गृह) से विस्तृत रिपोर्ट भी तलब की है। अपनी शिकायत में भानवी सिंह ने एक हैरान करने वाला आरोप भी लगाया। उन्होंने लिखा कि एक बार राजा भैया ने घर के अंदर गोली चला दी थी, जिसमें उनकी छोटी बेटी बाल-बाल बची। इसके अलावा, उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्हें लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं।

इस मामले को लेकर उन्होंने पहले ही सीबीआई में शिकायत दर्ज कराई थी। भानवी सिंह का कहना है कि यह मामला केवल पति-पत्नी का विवाद नहीं है, बल्कि देश की आंतरिक सुरक्षा से सीधे जुड़ा हुआ मुद्दा है। उन्होंने सरकार और प्रशासन से अपनी तथा परिवार की सुरक्षा की गुहार लगाते हुए न्याय की मांग की है। साथ ही उन्होंने यह भी अपील की कि इस प्रकरण को निजी विवाद मानकर हल्के में न लिया जाए, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के नजरिए से गंभीरता से जांच की जाए।

दिमाग खाने वाले कीड़े से 18 लोगों की मौत

तेजी से फैल रही अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस नाम की बीमारी के क्या हैं लक्षण?

तिरुवनंतपुरम, 16 सितंबर (एजेंसियां)। केरल में इन दिनों दिमाग की बामारी अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस से लोगों में दहशत है। केरल राज्य स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक इस इंफेक्शन से 67 लोग प्रभावित हो चुके हैं, जिनमें से 18 लोगों की इस दुर्लभ मस्तिष्क बीमारी के कारण मौत हो चुकी है। जिसे देखते हुए राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) ने भी निगरानी बढ़ा दी है। दिल्ली एनसीआर के मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पतालों को अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया गया है।

एनसीडीसी के एक सीनियर अधिकारी की मानें तो इसे अमीबिक मेनिंगोएनसेफेलाइटिस (पीएएम) कहा जाता है। ये बीमारी नेगलेरिया फाउलेरी नामक अमीबा की वजह से होती है। ये काफी खतरनाक बीमारी है जिसमें इलाज न मिलने पर 4 से 18 दिन के भीतर ही जान जा सकती है। इस बीमारी से संक्रमित व्यक्तियों में से 98 प्रतिशत

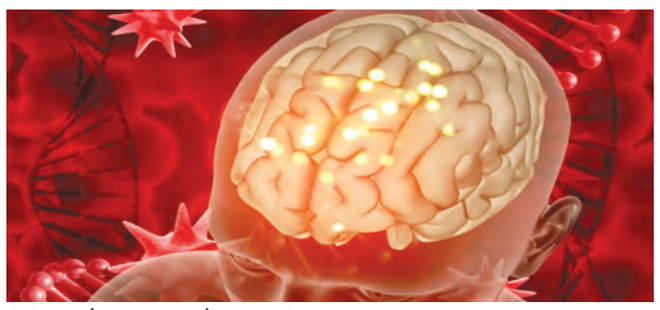

लोगों को मौत हो सकती है। इसका डेथ रेट कोरोना जैसी खतरनाक बीमारी से भी ज्यादा है। इसलिए समय पर एक्शन लेना बहुत जरूरी हो जाता है। केरल के तिरुवनंतपुरम का एक 17 साल का लड़का भी इस घटना का शिकार हुआ है। बताया जा रहा है कि उसने अक्कुलम टूरिस्ट विलेज के स्विमिंग पूल में स्विमिंग की थी, जिसे अब पानी की टेस्टिंग तक के लिए बंद कर दिया गया है।

अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस, जिसे अक्सर दिमाग खाने वाला अमीबा संक्रमण कहा जाता है, नेग्लेरिया फाउलेरी के कारण होता है । यह अमीबा गर्म, स्थिर और खराब पानी में पनपता है और नाक के जरिए इंसान के शरीर में प्रवेश करता है। यह बीमारी बेहद दुर्लभ है, लेकिन बेहद घातक है। भारत में पहले भी इसके मामले सामने आते रहे हैं लेकिन इस बार काफी ज्यादा मामले बढ़े हैं। दुनिया भर में इसकी मृत्यु दर बहुत ज़्यादा है। इंसान के शरीर में अंदर जाने के बाद अमीबा मस्तिष्क तक पहुंच जाता है और गंभीर सूजन पैदा कर देता है।

डॉक्टर्स की मानें तो यह स्थिति बहुत तेज़ी से बढ़ती है, जिससे शुरुआती लक्षणोंकी पहचान कर पाना कई बार मुश्किल हो जाता है। लेकिन ये कुछ सामान्य चेतावनी संकेत दिखने पर अलर्ट होने की जरूरत है। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने लोगों से स्थिर और अनट्रीटेड पानी में जाने, नहाने और तैरने से बचने की सलाह दी है। उन्होंने आधिकारिक फेसबुक अकाउंट पर एक वीडियो शेयर करते हुए दिखा है, अमीबिक इंसेफेलाइटिस नामक बीमारी से बचाव के लिए क्या निवारक उपाय किए जाने चाहिए? कुछ बातें जो हमें पहले जाननी चाहिए। अगर पानी में जा रहे हैं तो नाक क्लिप का उपयोग करें। पूल और कुओं में उचित क्लोरीनीकरण होना जरूरी है। घर में साफ पानी स्टोर करके रखें। बाढ़ के गंदे पानी में न जाएं। इससे खतरे को कम किया जा सकता है।

ड्रग्स के खिलाफ इंटरपोल का भारत समेत 18 देशों में बड़ा ऑपरेशन, 386 गिरफ्तारियां, 78 टन ड्रग्स बरामद

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। इंटरपोल को ड्रग्स के खिलाफ एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। दरअसल, इंटरपोल ड्रग्स तस्करी के खिलाफ एक बड़ा ऑपरेशन चला रही है। इस ऑपरेशन का नाम 'ऑपरेशन लायनफिश-मेयाग' है। यह ऑपरेशन सिर्फ दो हफ्तों में भारत समेत 18 देशों में चलाया गया। इस ऑपरेशन के तहत 76 टन ड्रग्स बरामद किया गया। ये ड्रग्स रोजमर्रा के जीवने में इस्तेमाल किए जाने वाले सामानों में छिपाकर लाया या भेजा जाता था। इस ऑपरेशन के तहत 386 गिरफ्तारियां की गईं। बताया जा रहा है कि इस ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय बाजार कीमत 6.5 बिलियन डॉलर है। इस गिरफ्तारी के तहत कई तरह के ड्रग्स बरामद किए गए। इंटरपोल का कहना है कि यह अब तक की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय ड्रग-रोधी कार्रवाई में से एक है। इंटरपोल द्वारा बरामद किए गए ड्रग्स में 297 मिलियन मेथ की गोलियां जब्त की गईं। साथ ही फेंटानिल, हेरोइन, कोकीन और प्रीकर्सर का बड़ा जखीरा बरामद किया गया। जानकारी के अनुसार इंटरपोल द्वारा बरामद फेंटानिल इतनी भारी मात्रा में था कि 15.1 करोड़ लोगों की जान ले सकता था। ड्रग्स तस्करी के लिए तस्कर घरेलू सामानों का इस्तेमाल करते थे। ड्रग्स को सर्फबोर्ड, टी बॉक्स, कैट फूड और कॉफी मशीन में छिपाया गया।

म्यांमार में हेरोइन को चाय पाउडर में पैक कर इसकी तस्करी की जाती थी। इतना ही नहीं, फिलीपींस में एक एस्प्रेसो मशीन और बिल्ली के खाने के थैलों के अंदर केटामाइन छुपाया गया था। इस ऑपरेशन के तहत अब तक कुल 386 गिरफ्तारियां की गईं। इसमें कई ऐसे लोग भी शामिल हैं, जिन्हें इंटरपोल काफी पहले से ढूंढ रहा था और उन पर संदेह था कि वे दक्षिण कोरिया में ड्रग तस्करी को लेकर किसी बड़े नेटवर्क का हिस्सा हैं। भारत में इंटरपोल ने केटामेलॉन नाम के एक प्रमुख डार्कनेट सिंडिकेट पर भी कार्रवाई की।

दोहरे हत्याकांड में मकोका के तहत सात गिरफ्तार

पुलिस का दावा- कई जघन्य अपराधों में शामिल

ठाणे, 16 सितंबर (एजेंसियां)। पिछले महीने ठाणे जिले में दो चचेरे भाइयों की हत्या के मामले में गिरफ्तार सात आरोपियों के खिलाफ अब महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) लगाया गया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ। डीएस। स्वामी ने बताया कि इन सात आरोपियों में मुख्य साजिशकर्ता विक्की म्हात्रे भी शामिल है। ये सभी एक संगठित आपराधिक गिरोह का हिस्सा हैं, जो पिछले दस वर्षों से कई हिंसक अपराधों में शामिल रहा है। पुलिस के मुताबिक, इस गिरोह ने प्रफुल तांगड़ी (42 वर्षीय) को पुरानी रंजिश के चलते निशाना बनाया था। उनकी गतिविधियों पर नजर रखी गई और फिर 11 अगस्त को उनकी हत्या कर दी गई।

प्रफुल तांगड़ी पर हमला उनके भिवंडी के खर्डी गांव स्थित ऑफिस में किया गया। उन पर तलवारों और अन्य हथियारों से हमला किया गया। जब उनके चचेरे भाई और दफ्तर के कर्मचारी चेतन तांगड़ी (22 वर्षीय) उन्हें बचाने आए, तो आरोपियों ने उन पर भी हमला कर उनकी हत्या कर दी। भिवंडी तालुका पुलिस ने शुरुआत में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने बड़े स्तर पर तलाशी अभियान शुरू किया। इसमें कई टीमें बनाई गईं और खुफिया जानकारी के साथ तकनीकी निगरानी का सहारा लेकर सभी आरोपियों को पकड़ लिया गया।

पुलिस अधीक्षक ने बताया, जब हमने उनके आपराधिक इतिहास की जांच की, तो पाया कि ये लोग 2013 से गंभीर और जघन्य अपराधों में शामिल रहे हैं। इन अपराधों में अवैध जमावड़ा, मारपीट, हत्या की कोशिश और अवैध रूप से हथियार रखने जैसे मामले शामिल हैं। इनका लगातार अपराध करना यह दिखाता है कि यह एक संगठित गिरोह की तरह काम कर रहे थे, इसलिए इन पर मकोका लगाना जरूरी हो गया।

एक मिनट में 1100 राउंड फायर

सेना की एमएसजी एमपी-9 राइफल जानिए आर्मी के हथियार कितने घातक

चंडीगढ़, 16 सितंबर (एजेंसियां)। भावी खतरों के मद्देनजर सेना अपने उपकरणों और हथियारों को अपग्रेड करने में जुटी हुई है। इसी कड़ी में सेना अपने जवानों को अत्याधुनिक राइफलों से लैस कर रही है। इनमें से कुछ राइफलें भारत निर्मित हैं जबकि कुछ राइफल्स विदेशी हैं। कुछ राइफलों को भी अपग्रेड किया जा रहा है जिससे उनकी मारक क्षमता काफी अधिक बढ़ गई है। इन राइफलों का भार अपेक्षाकृत कम है मगर ये काफी घातक हैं। इनमें फिनलैंड की साको स्नाइपर राइफल सबसे खास है। इस राइफल को एक विशेष एप के जरिये जोड़ा गया है। अक्सर राइफल से फायर की गई गोली की टेरिटरी हवा के रुख के साथ बदलती है।

चूंकि इस राइफल 1200 मीटर है, इसलिए इस राइफल से मिस फायर की संभावना अधिक थी। लिहाजा इस राइफल को एक विशेष मोबाइल एप से जोड़ दिया गया है। इस राइफल को इस्तेमाल करने वाले जवान के मोबाइल में सीक्रेट एप इंस्टाल रहेगा। इसी के जरिये जवान हवा का प्रभाव व रुख भांप लेगा और उसके बाद टारगेट पर फायर करेगा। इससे मिस फायर की संभावना काफी कम हो जाएगी। इसी तरह जवानों को स्विट्जरलैंड की 9 एमएम एमएसजी एमपी-9 उपलब्ध करवाई जा रही है। सिर्फ 1.4 किलो की इस स्मॉल मशीन गन को लेकर चलना आसान रहेगा। 50 मीटर रेंज वाली यह एसएमजी एक मिनट में 1100 राउंड फायर करेगी। साइलेंसर फेसिलिटी वाली इस गन का फायर रेट भी काफी ज्यादा होगा यानी इसका बारूद ज्यादा आग उगलेगा। भारत निर्मित 5.56 एमएम वाली लाइट मशीन गन इनसास की जगह अब इस्राइल निर्मित 7.62 एमएम वाली नीगव एलएमजी लेगी। इसकी रेंज 800 मीटर रहेगी जोकि एक मिनट में 600 से 800 राउंड फायरिंग कर सकती है। इनसास में 30 राउंड की मैगजीन लगती थी, इसमें 120 राउंड के असॉल्ट ड्रम लग होंगे।

सेना के अधिकतर जवानों के पास इनसास और एके-47 गन मौजूद हैं। इन दोनों लाइट मशीनों गनों को अब अंडर बैरल ग्रेनेड लॉन्चर से और घातक बनाया जा सकेगा। भारत निर्मित डेढ़ किलो वजनी इस ग्रेनेड लॉन्चर की रेंज 400 मीटर रहेगी।

दिल्ली का लिंगानुपात गिरा: 1,000 पुरुषों के मुकाबले 920 महिलाएं

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार द्वारा जारी "जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण वार्षिक रिपोर्ट – 2024" ने राजधानी में जन्म, मृत्यु और स्वास्थ्य सूचकांकों से जुड़े कई अहम तथ्य उजागर किए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में दिल्ली का लिंगानुपात घटकर 1,000 पुरुषों पर 920 महिलाएं रह गया, जबकि 2023 में यह आंकड़ा 922 था। आंकड़े बताते हैं कि बेटियों के जन्म को प्रोत्साहित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बावजूद, महिलाओं की संख्या अब भी पुरुषों से कम है।

रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि 2024 में दिल्ली की जन्म दर 14 प्रति हजार जनसंख्या रही, जो 2023 के 14.66 के मुकाबले थोड़ी कम है। मृत्यु दर हल्की बढ़त के साथ 6.37 प्रति हजार दर्ज की गई, जबकि पिछले वर्ष यह 6.16 थी। स्वास्थ्य सूचकांकों में अच्छी खबर यह रही कि शिशु और मातृ मृत्यु दर दोनों में मामूली गिरावट आई। शिशु मृत्यु दर 23.61 से घटकर 22.40 प्रति हजार जीवित जन्म हो गई। मातृ मृत्यु दर भी 0.45 से घटकर 0.44 प्रति हजार जीवित जन्म पर पहुंच गई। पूरे वर्ष के दौरान दिल्ली में 3,06,459 जन्म दर्ज हुए। इनमें 1,59,549 (52.06%) लड़के, 1,46,832 (47.91%) लड़कियां और 78 (0.03%) "अन्य" श्रेणी के शिशु थे, जिनमें ट्रांसजेंडर या अस्पष्ट लिंग पहचान वाले नवजात शामिल हैं। औसतन हर दिन लगभग 837 बच्चों का जन्म हुआ।

अस्पतालों में जन्म देने वाली माताओं की संख्या भी अधिक रही। कुल 2,94,464 जन्म संस्थागत रूप से हुए, जिनमें से 1,91,727 (65.11%) सरकारी अस्पतालों में दर्ज किए गए। माताओं की आयु के विश्लेषण से पता चला कि अधिकतर गर्भावस्था 25 से 29 वर्ष की आयु वाली महिलाओं में हुए, जिनका प्रतिशत 36.98 रहा। इसके बाद 20 से 24 वर्ष आयु वर्ग में 27.11% और 30 से 34 वर्ष आयु वर्ग में 24.57% प्रसव दर्ज हुए।

दोस्त का सिर का काटकर मार्केट में घूमा फिर कूड़े में फेंक दिया

सूरत, 16 सितंबर (एजेंसियां)। सूरत के लसकाना थाना क्षेत्र में 11 तारीख गुरुवार को हत्या का अजीबोगरीब मामला सामने आने से सनसनी फैल गई थी। मृतक युवक का कटा हुआ सिर बाहर सड़क पर कचरे के ढेर में पड़ा था, जबकि धड़ कमरे के अंदर मौजूद था। पुलिस को खबर मिलते ही क्राइम ब्रांच समेत उच्च पुलिस अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंच गई और छानबीन शुरू की। पुलिस ने डॉग स्कॉड से भी मौके पर जांच करवाई, हालांकि मृतक युवक की पहचान नहीं हो पा रही थी। 50 पुलिस और 3 उच्च अधिकारियों को 120 घंटे की मेहनत के बाद आखिरकार सफलता हाथ लगी सूरत क्राइम ब्रांच के डीसीपी भावेश रोजिया ने बताया कि 11 सितंबर को सूरत के लसकाना विस्तार से कचरे के ढेर से एक युवक का कटा हुआ सिर मिला था। जांच के दौरान 500 मीटर दूर एक मकान से मृतक का धड़ मिला था। मृतक की पहचान नहीं हो रही थी। पुलिस ने हत्या की गुत्थी सुलझाने के लिए पुलिस की अलग-अलग टीम बनाई थी। टीम में साइबर एक्सपर्ट से लेकर सीसीटीवी एक्सपर्ट को भी टीम में शामिल किया था।

क्या हादसे के वक्त नशे में थी बीएमडब्ल्यू की महिला ड्राइवर गगनप्रीत? जांच रिपोर्ट में क्या आया सामने

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में बीएमडब्ल्यू कार की टक्कर से वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग में उपसचिव नवजोत सिंह की मौत हो गई। इस हादसे के बाद बीएमडब्ल्यू की आरोपी महिला चालक को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस की टीम मामले की जांच में जुटी हुई है। हादसे में मुख्य आरोपी गगनप्रीत के ब्लड सैंपल की जांच रिपोर्ट सामने आ गई है। रिपोर्ट में उसके शराब पीने की पुष्टि नहीं हुई है। बता दें कि रविवार की दोपहर को यह हादसा हुआ था। इस हादसे में वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग में उपसचिव नवजोत सिंह (52) की मौत हो गई थी। इसके अलावा उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गईं। पुलिस ने बताया कि गगनप्रीत को सोमवार को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद गैर इरादतन हत्या और अन्य आरोपों में गिरफ्तार किया गया। दुर्घटना के बाद की स्थिति से निपटने के तरीके पर कई सवाल उठे क्योंकि प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि गगनप्रीत पीड़ितों नवजोत सिंह और उनकी पत्नी संदीप कौर को किसी नजदीकी अस्पताल के बजाय दुर्घटनास्थल से 19 किलोमीटर से भी अधिक दूर एक स्वास्थ्य सेवा केंद्र ले गए। इसके अलावा, पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि गंभीर चोटों के बावजूद गगनप्रीत और उसके पति का इलाज नवजोत और उसकी पत्नी से पहले किया गया।

बाइक सवार नवजोत की हुई मौत

दरअसल, हरि नगर निवासी दंपति बंगला साहिब गुरुद्वारे से घर लौट रहे थे। इसी दौरान उनकी मोटरसाइकिल को धौला कुआं क्षेत्र के पास एक बीएमडब्ल्यू कार ने टक्कर मार दी थी। पुलिस के अनुसार, हादसे के समय गगनप्रीत कार चला रही थी, जबकि उनके पति, दो बच्चे और एक घरेलू सहायिका भी कार में सवार थे। गुरुग्राम में रहने वाला यह परिवार विनिर्माण व्यवसाय से जुड़ा है और दुर्घटना में परिवार को भी चोट लगने के चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

'जैसे तड़प-तड़पकर मरी मां, वैसे ही मरे मेरा बाप

बेटी की मांग, हत्यारे पिता को हो फांसी

सीधी, 16 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सीधी में एक हैवान पति ने अपनी पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी। पति को पत्नी पर अवैध संबंधों का शक था, जिसके चलते दोनों के बीच अक्सर झगड़ा होता था। मृतक महिला कमर्जी थाना में हेड कॉन्सटेबल के पद पर तैनात थी। ड्यूटी से कभी-कभी देर से आने पर हेड कॉन्सटेबल का पति उसके साथ झगड़ा करता था। सोमवार को उसने महिला की हत्या ही कर दी। सीधी के कोतवाली थाना क्षेत्र की पुलिस कॉलोनी के जी 7 ब्लॉक में वीरेंद्र साकेत नाम के शख्स ने अपनी पत्नी सविता साकेत की हत्या कर दी। वह कमर्जी थाना में प्रधान आरक्षक के रूप में पदस्थ थीं, जिनकी उम्र 40 साल थी। दोनों के दो बच्चे हैं। एक 20 साल की बेटी आंचल और बेटा 22 साल का है, जो इंदौर में पढ़ाई करता था, जिस समय साकेत ने सविता की हत्या की। उस समय बेटी अपने ननिहाल में थी। आंचल ने बताया कि मम्मी पापा का विवाद बीते 4 सालों से चल रहा है, लेकिन मारपीट कभी नहीं हुई।

बढ़ रहे लुटेरी दुल्हन गैंग के शिकार

उज्जैन के बाद दमोह, जबलपुर व शाजापुर से आए चौंकाने वाले केस

उज्जैन, 16 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में इन दिनों लुटेरी दुल्हनों के निशाने पर प्रदेश के अविवाहित युवा हैं। पिछले कुछ माह से लुटेरी दुल्हनों का शिकार होने वाले युवाओं की संख्या बढ़ी है। एक ऐसे ही मामले में बीते शुक्रवार को उज्जैन पुलिस को प्रॉपर्टी ब्रोकर के अपहरण और फिरौती की शिकायत मिली। आरोपी युवती ने ब्रोकर को मिलने के बहाने बुलाया था। जैसे ही वह पहुंचा, वहां पहले से मौजूद उसके छह साथियों ने उसे जबरन कार में बैठा लिया। युवक को पास के जंगल में ले जाकर मारपीट की गई और 50 लाख रुपये की फिरौती मांगी गई। परिजनों को जब फिरौती के लिए फोन आया, तो उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मोबाइल लोकेशन ट्रेस कर पुलिस ने कार का पीछा किया।

शाजापुर के पास कार पलट गई, जिसके बाद पुलिस ने ब्रोकर को सुरक्षित छुड़ाया और मुख्य महिला आरोपी सहित 6 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला कि यह युवती शादी के नाम पर ठगी करने वाली गैंग की सरगना है, जो शाजापुर में पहले से वांटेड थी। उज्जैन पुलिस की गिरफ्त में आने के बाद अब कई ठगी के शिकार लोग सामने आने लगे हैं। अपहरण और शादी के नाम पर ठगी करने वाली यह गैंग खुद को कभी जबलपुर, तो कभी उज्जैन की बताती थी।

अनुजा जैन और उसकी मां पुष्पा जैन पिछले छह महीने से उज्जैन की आगर रोड स्थित कॉलोनी में किराए से रह रही थीं। मकान भी इनके साथी भगवान सिंह ने दिलवाया था। नए नाम, दमोह निवासी ऋषभ जैन से हुई ठगी में अब नए नाम भी सामने आए हैं। इसमें आयना जैन, प्रकाश पटेल, पुष्पा जैन और मुन्ना चौहान शामिल हैं। चिमनगंज पुलिस का कहना है कि यह कोई छोटा गैंग नहीं बल्कि प्रदेशभर में फैला बड़ा नेटवर्क है, जिसमें कई थानों की कार्रवाई जुड़ सकती है।

'सूर्यकुमार यादव का बयान ढोंग, उद्धव गुट का तंज, अब राम कदम ने किया पलटवार

मुंबई, 16 सितंबर (एजेंसियां)। 14 सितंबर को एशिया कप के तहत खेला गया भारत बनाम पाकिस्तान का मैच तो खत्म हो गया लेकिन उसके विरोध में उठ रही आवाजें तेज होती जा रही है। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर शिवसेना (यूबीटी) मुखपत्र 'सामना' में छपे लेख ने एक नया विवाद खड़ा कर रहा है। इस बार बात खिलाड़ियों तक भी जा पहुंची है। सामना के ताजा संपादकीय में भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच और भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को लेकर तीखा हमला किया गया है।

उसमें कहा गया कि दुबई में हुआ एशिया कप मैच बीजेपी सरकार की "देशभक्ति के ढोंग" की पोल खोलता है। सामना ने सूर्यकुमार यादव द्वारा सेना को समर्पित किए गए बयान को "ढोंग" और मैच की जीत को "फिक्सिंग" करार देते हुए कहा कि यह पहलगाम, पुलवामा और अन्य आतंकी हमलों में शहीद हुए भारतीय जवानों

के प्रति असम्मान है। बीजेपी विधायक राम कदम ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, उद्धव ठाकरे और उनके नेताओं को हो क्या गया है, भारत पाक मैच में भारत जीत गया, जीत के बाद भारत ने ये जीत हमारे देश के सेनाओं के नाम कर दिया, इस पर भी उन्हें आपत्ति है। क्या चाहते थे आप, भारत हार जाए ये मंशा थी आपकी? उन्होंने कहा कि बार बार पाकिस्तान के प्रवक्ता के नाते बयान देने वाले उद्धव ठाकरे और उनके नेता ये न भूलें कि देश ने अभी भी ये याद रखा है कि जब आपके सांसद इस लोकसभा में जीते थे तो उसने पाकिस्तान के झंडे लहराने का काम उद्धव ठाकरे के नेता कर रहे थे। उन्होंने ये भी कहा कि उद्धव ठाकरे की पार्टी की ऑपरेशन सिंदूर पर बार बार सवाल उठा रही थी तभी भारत की जी उन्हें मंजूर नहीं हो रही है। यही कारण है कि ये नेता इस जीत को भी ढोंग कह रहे हैं। संपादकीय के अनुसार, भारत-पाकिस्तान मैच का महाराष्ट्र सहित देशभर में बहिष्कार किया गया लेकिन बीजेपी और उसके सहयोगी नेताओं ने बंद दरवाजों के पीछे बैठकर इस खेल का आनंद लिया।

सामना ने लिखा कि पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलने का फैसला केंद्र सरकार और बीसीसीआई अध्यक्ष जय शाह का था, जिन्हें बीजेपी के वरिष्ठ नेता अमित शाह का पुत्र बताकर निशाना बनाया गया। नाना पाटेकर और अन्य लोगों के बयानों का हवाला देते हुए सामना ने कहा कि जब देश के लोगों का खून बहा हो, तब पाकिस्तान के साथ खेलने की अनुमति देना "राष्ट्रवाद" नहीं बल्कि "व्यवसाय" है। यह भी सवाल उठाया गया कि जब दिलजीत दोसांझ की फिल्म पाकिस्तान अभिनेत्री के कारण रोकी जा सकती है तो पाकिस्तानी खिलाड़ियों को खेलने क्यों दिया गया।

संपादकीय में लिखा गया कि इस मैच से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने हजारों करोड़ रुपये कमाए और सट्टेबाजी का बड़ा खेल हुआ है और पैसा आतंकवादी नेटवर्क तक पहुंचा और बीजेपी सरकार ने अप्रत्यक्ष रूप से ऐसे नेटवर्क को मजबूत किया। लेख में कहा गया कि भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव द्वारा सेना को समर्पित किया गया बयान "ढोंग" है, क्योंकि वही टीम पाकिस्तानी खिलाड़ियों के साथ खेल रही थी। असावरी जगदाले जैसी शहीद परिजनों की भावुक प्रतिक्रियाओं का हवाला देते हुए सामना ने सवाल उठाया कि क्या भारतीय क्रिकेट टीम सेना और युद्ध को खेल समझती है।

दो बार सीएम रहे विजय रूपाणी

के श्रद्धांजलि सभा का खर्च खुद परिवार को उठाना पडा

अहमदाबाद, 16 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के निधन के बाद उनकी अंतिम यात्रा और श्रद्धांजलि सभा से जुड़ा एक विवाद खड़ा हो गया है। रिपोर्ट के अनुसार बीजेपी ने अंतिम संस्कार से जुड़े सभी खर्चों का भुगतान करने से इनकार कर दिया और यह बोझ रूपाणी परिवार पर डाल दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अंतिम यात्रा में वाहनों की साज-सज्जा, शहर की सजावट, बैनर-पोस्टर और श्रद्धांजलि सभा का खर्च मिलाकर लगभग 20 लाख रुपये हुए, जिसका भुगतान खुद रूपाणी परिवार ने किया। विजय रूपाणी का निधन जून 2025 में अहमदाबाद में हुए एक दर्दनाक विमान हादसे में हो गया था। हादसे की खबर सुनते ही पूरे गुजरात में शोक की लहर दौड़ गई थी। उनके सम्मान में राजकोट में अंतिम यात्रा निकाली गई और श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

हजारों लोग अपने प्रिय नेता को अंतिम विदाई देने पहुंचे थे। हालांकि, अब अंतिम संस्कार और शोक सभा के खर्च को लेकर उठे विवाद ने पूरे मामले को राजनीतिक रंग दे दिया है। रूपाणी की पत्नी अंजली रूपाणी ने नाराजगी जताते हुए कहा कि उनके पति ने जीवन के अंतिम समय तक पार्टी और संगठन की सेवा की। ऐसे में उम्मीद थी कि उनकी अंतिम यात्रा और श्रद्धांजलि सभा का पूरा खर्च पार्टी की ओर से उठाया जाएगा। लेकिन, इसके विपरीत सारा भार परिवार पर डाल दिया गया, जो बेहद दुखद है। इस विवाद ने पार्टी के अंदर भी असहज स्थिति पैदा कर दी है। केंद्रीय मंत्री और गुजरात बीजेपी अध्यक्ष सी।आर। पाटिल ने कहा कि वे इस मामले की जांच करेंगे और पार्टी से विस्तृत जानकारी प्राप्त करेंगे। पाटिल ने माना कि रूपाणी का पार्टी और प्रदेश के लिए योगदान बहुत बड़ा था और इस प्रकार का विवाद खड़ा होना सही नहीं है।

सूत्रों का कहना है कि रूपाणी परिवार ने मजबूरी में अंतिम यात्रा और श्रद्धांजलि सभा से जुड़े करीब 20 लाख रुपये का भुगतान कर दिया। हालांकि, पार्टी की ओर से अभी तक कोई स्पष्ट बयान नहीं आया है कि खर्च क्यों परिवार पर डाला गया। गुजरात की राजनीति में यह मुद्दा लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है। विपक्षी दल भी इस मामले पर बीजेपी को घेर रहे हैं और इसे 'नेताओं के प्रति उपेक्षा' करार दे रहे हैं। राजनीतिक हलकों का कहना है कि विजय रूपाणी जैसे दो बार के मुख्यमंत्री की अंतिम यात्रा में हुए खर्च को लेकर विवाद का पैदा होना, बीजेपी की छवि को नुकसान पहुंचा सकता है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 17 सितंबर- 2025

माई फैक्टर पर उठते सवाल

बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले एक बार फिर 'माई' फैक्टर का मुद्दा गरम हो चुका है। इसमें 'मां' के अपमान का भी मुद्दा उठाया जा रहा है, लेकिन इसका वोटिंग पर असर कितना पडेगा यह तो चुनाव परिणाम ही बताएगा। वहीं, आरजेडी का माई (मुस्लिम-यादव) फैक्टर भी कई तरह की चुनौतियों का सामना कर रहा है। बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान अब कभी भी हो सकता है। इसलिए राजनीतिक पारा सातवें आसमान पर पहुंच चुका है। मंचों से नए-नए मुद्दे सामने लाए जा रहे हैं। बिहार की राजनीति में एमवाई (मुस्लिम-यादव) फैक्टर राजद के लिए अहम रहा है। लेकिन इस बार इस एमवाई फैक्टर के अलावा एक और माई फैक्टर दिख रहा है। माई यानी मां। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान उनके मंच से एक शख्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां के लिए अपशब्द कहे। हालांकि उस वक्त मंच पर ये नेता मौजूद नहीं थे। फिर इसे बीजेपी ने बड़ा मुद्दा बनाने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी नम आंखों से इसका जिक्र किया। यह मसला शांत होता, इससे पहले ही बिहार कांग्रेस के हैंडल से एक एआई जेनरेटेड विडियो सामने आ गया। इसमें पीएम मोदी की शक्ल वाले एक व्यक्ति और उनकी मां की शक्ल वाली एक महिला को दिखाया गया। इसमें मां कह रही है कि राजनीति के लिए, कितना गिरोगे? इस विडियो के बाद बीजेपी और एनडीए नेता लगातार 'मां के अपमान' की बात कहकर कांग्रेस और उसके गठबंधन के नेताओं पर निशाना साध रहे हैं। लेकिन वोटिंग पैटर्न पर यह मुद्दा कोई असर डाल सकेगा इसकी संभावना कम ही है। इस तरह का भावनात्मक मुद्दा भले ही महिलाओं के बीच चर्चा में आ जाए, लेकिन इस आधार पर कोई अपना वोट दे देगा, यह कहना मुश्किल है। वह भी तब, जब इंडिया गठबंधन के नेता लगातार भाजपा के ही अलग-अलग नेताओं और कार्यकर्ताओं के बयानों का जिक्र कर आरोप लगा रहे हैं कि उनके बडबोले नेता भी तो कांग्रेस नेताओं के लिए अपमानजनक भाषा का प्रयोग करते रहते हैं। राजद का एमवाय फैक्टर दशकों से बिहार की राजनीति के केंद्र में रहा है। बिहार में राजद ने इसी के जरिए अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत की। मुस्लिम और यादव वोटर का साथ पाकर वह लंबे समय तक बिहार का सत्ताखु भोगा। लालू यादव के बेटे तेजस्वी यादव भी इसी फैक्टर को अपने पक्ष में गोलबंद करने की कोशिश में लगे हैं। मुस्लिम वोटर बीजेपी के साथ कम ही जाते हैं। खुद बीजेपी नेताओं के भी हालिया बयानों ने ऐसा संदेश दिया है कि वे मुस्लिम वोटर के साथ न आने से खुश ही हैं। एक वक्त में जदयू नेता और बिहार के मौजूदा सीएम नीतीश कुमार के साथ मुस्लिम वोटर जाते थे, लेकिन जबसे वह बीजेपी के साथ गठबंधन में आए हैं तब से आरजेडी और इंडिया फिर से मुस्लिम वोटर्स को पूरी तरह अपने पक्ष में करने की कोशिश में जुटे हैं। यादव वोटर्स को लालू यादव परिवार का परंपरागत वोटर माना जाता है। हालांकि बीजेपी ने भी यादव वोट बैंक में सेंध लगाने की कोशिश की है। उसने यादव समुदाय से आने वाले नेताओं को आगे बढ़ाने के साथ ही केंद्र की लाभार्थी स्कीम के जरिए भी उनको साथ लाने की कोशिश की है। दोनों की एमवाई फैक्टर की अपनी चुनौतियां हैं। मां को अपशब्द कहना भावनात्मक मुद्दा है लेकिन यह महंगाई, रोजगार और पलायन जैसे मुद्दे पर हावी हो जाएगा, ऐसा नहीं लगता। राजद वाला एमवाय फैक्टर भी अब उतना मजबूत नहीं लगता, जितना एक वक्त में था। बिहार के बारे में कहा जाता रहा है कि यहां वोट सिर्फ जाति के नाम पर पड़ते हैं। लेकिन यह अब उतना लागू नहीं होता जितना एक दशक पहले लागू होता था। चाहे इंडिया हो या एनडीए, सभी ने अलग अलग जाति-समुदाय के बीच अपनी पकड़ बनाने के लिए काम किया है। इसलिए सिर्फ एमवाय फैक्टर ही चुनाव की दिशा तय करेगा, इसकी संभावना नहीं है। बिहार में युवा बेरोजगारी, महंगाई, विकास, कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों पर बात कर रहे हैं। अगर चुनाव में इन्हीं मुद्दों पर लोगों ने वोट दिया, तो दोनों एमआई फैक्टर की दुर्गति होना तय माना जा रहा है।

सोशल मीडिया के जाल में हिंदू परिवार

संजय सक्सेना

राहुल एक साधारण सा युवक था, दिल्ली के एक मध्यमवर्गीय हिंदू परिवार से। सुबह उठते ही वह अपने फोन को हाथ में लेता, और सोशल मीडिया की दुनिया में खो जाता। इंस्टाग्राम, यूट्यूब शॉर्ट्स, टिकटॉक ये प्लेटफॉर्म उसके लिए दैनिक जीवन का हिस्सा बन चुके थे। लेकिन पिछले कुछ महीनों से कुछ अजीब सा हो रहा था। उसके फीड में छोटे-छोटे वीडियो आते, जिनमें हिंदू परिवारों के घरों में झगड़े दिखाए जाते। एक वीडियो में एक मां अपने बेटे से चिल्ला रही थी, तुम्हारा ये सनातन धर्म क्या बिगाड़ लाया है? रोज मंदिर जाना, पूजा-पाठ, बस झगड़े ही झगड़े! दूसरे में पिता और पुत्र के बीच बहस, जहां पिता कहते, ये पुरानी रस्में अब बोझ बन गई हैं, छोड़ दो इन्हें! ये वीडियो इतने रीयल लगते कि राहुल का दिल बैठ जाता। क्या सच में सनातन धर्म हिंदू घरों को तोड़ रहा था?राहुल ने सोचा, शायद ये संयोग है। लेकिन जैसे-जैसे वीडियो बढ़ते गए, उसे शक होने लगा। एक दिन, उसके चचेरे भाई अजय ने फोन किया। भाई, देखा वो वीडियो? हमारी तरह के परिवार में ही तो हो रहा है। मेरा दोस्त का घर टूट गया, वजह धर्म की रस्में! राहुल ने वीडियो चेक किया। ये सब एक जैसे थे: 15-30 सेकंड के क्लिप्स, ड्रामेटिक म्यूजिक के साथ, कैप्शन में लिखा सनातन का काला सच परिवार बर्बाद! हैशटैग्स जैसे । ये वीडियो वायरल हो रहे थे, लाखों व्यूज, हजारों शेयर्स। राहुल ने गूगल किया, तो पता चला कि ये ट्रेंड पूरे भारत में फैल रहा है। दक्षिण भारत से उत्तर तक, हर जगह हिंदू परिवारों को निशाना बनाया जा रहा था। राहुल एक आईटी इंजीनियर था, कोडिंग और डेटा एनालिसिस उसका शौक। उसने फैसला किया, खुद जांच करेगा। सबसे पहले, उसने वीडियोज के मेटाडेटा चेक किया। कई वीडियो एक ही आईपी एड्रेस से अपलोड हो रहे थे, जो विदेशी सर्वर से जुड़े थे। एक वीडियो का बैकग्राउंड चेक किया, तो पाया कि वो स्टॉक फुटेज था अमेरिका के किसी स्टूडियो से लिया गया, लेकिन एडिट करके भारतीय घर जैसा दिखाया गया। आवाजें डब की गई, हिंदी में, लेकिन एक्सेंट गलत। राहुल का शक पक्का हो गया। ये छोटे-छोटे वीडियो कोई संयोग नहीं, एक सुनियोजित कैंपेन थे। अब सवाल था, इससे सनातन को कितना नुकसान हो रहा है? राहुल ने अपने दोस्तों से बात की। एक दोस्त ने बताया, ?मेरा कजिन धर्म छोड़ने की सोच रहा है। कहता है, ये वीडियो देखकर लगता है सनातन ही परिवारों का दुश्मन है। राहुल ने सोशल मीडिया एनालिटिक्स टूल्स का इस्तेमाल किया। आंकड़े चौंकाने वाले थे। इन वीडियोज ने 10 करोड़ से ज्यादा व्यूज जेनरेट किए थे। कमेंट्स में लोग लिख रहे थे हिंदू बनना बंद करो, ये बोझ है! युवा पीढ़ी प्रभावित हो रही थी। सनातन धर्म, जो सदियों से एकता, शांति और परिवार की नींव पर टिका है, अब सोशल मीडिया पर बदनाम हो रहा था। मंदिरों में आने वाले लोग कम हो रहे थे। परिवारों में बहसें बढ़ रही थीं बुजुर्ग कहते, 'पूजा करो' तो युवा जवाब देते, ये झगड़े ही तो पैदा करता है! आध्यात्मिक विश्वास कमजोर पड़ रहा था। सनातन की मूल भावना 'वसुधैव कुटुंबकम' पर चोट पहुंच रही थी। ये वीडियो न सिर्फ व्यक्तिगत स्तर पर तोड़ रहे थे, बल्कि समुदाय को बांट रहे थे। हिंदू एकता कमजोर हो रही थी, जो किसी भी बाहरी साजिश के लिए खतरा बन सकती थी।

वडनगर से विश्व शिखर तक : नरेंद्र मोदी के 75 वर्ष का स्वर्णिम सफ़र

सुरेश गांधी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन केवल राजनीति का अध्याय नहीं, एक गाथा है, संघर्ष, आत्मबल और संकल्प की गाथा। वडनगर की संकरी पगडंडियों से लेकर विश्व मंच पर भारत की ऊंचाई तक उनका सफर यह सिखाता है कि परिस्थिति चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हो, दृढ़ इच्छा और निष्ठा से इतिहास बदला जा सकता है। उनकी 75वीं वर्षगांठ केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, भारत के उस आत्मविश्वास की छवि है, जिसने दुनिया को बता दिया, यह नया भारत है, जो अपने सपनों को साकार करने से पीछे नहीं हटेगा। भारत की लोकतांत्रिक यात्रा में 17 सितंबर एक ऐसे पुरुषार्थी जननायक का जन्मदिन है, जिसने राजनीति को केवल सत्ता का खेल नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माण का महायज्ञ बना दिया। नरेंद्र दामोदरदास मोदी का जीवन उस सतत साधना का प्रमाण है जिसमें तप, श्रम, अनुशासन और सेवा का संगम है। गुजरात के छोटे से नगर वडनगर की गलियों से लेकर विश्व मंच के शिखर तक उनकी कथा भारतीय लोकतंत्र की अद्भुत संभावना को उजागर करती है।1950 में जन्मे नरेंद्र मोदी का बचपन आर्थिक कठिनाइयों में बीता। रेलवे स्टेशन पर चाय बेचने वाला बालक, जिसने जीवन की पहली सीख आत्मनिर्भरता से पाई, आज देश के 140 करोड़ नागरिकों का पथप्रदर्शक है। संघ में कार्य और संगठन की सीढ़ियों पर चढ़ते हुए उन्होंने स्वयं को राष्ट्रसेवा में ढाला। यह यात्रा केवल पद की नहीं, चरित्र की भी थीकृजहाँ विचार, व्यवहार और नेतृत्व एकाकार हुए। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में मोदी ने यह सिद्ध किया कि सुशासन का अर्थ केवल योजनाओं का अंबार नहीं, बल्कि पारदर्शिता और जनता की भागीदारी है। बिजली, जल, सड़क और औद्योगिक निवेश के मोर्चे पर उन्होंने जो "वाइब्रेंट गुजरात" का आदर्श प्रस्तुत किया, वही बाद में "न्यू इंडिया" के स्वप्न की आधारशिला बना। 2014 में जब वे प्रधानमंत्री बने, तो देश को केवल नया नेतृत्व नहीं, नया आत्मविश्वास मिला। "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास" का मंत्र नारा भर नहीं, शासन की आत्मा बना। जनधन योजना से बैंकिंग क्रांति, स्वच्छ भारत से स्वच्छता का जनांदोलन, उज्ज्वला योजना से धुएं से मुक्त रसोई, आयुष्मान भारत से गरीबों को स्वास्थ्य कवच, इन पहलों ने विकास को सीधे आमजन से जोड़ा। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और मेक इन इंडिया ने युवाओं के सपनों को अवसर दिया। आधारभूत ढांचे में राजमार्ग, मेट्रो, सेमी-हाईस्पीड रेलकृसबने भारत

की रफ्तार बदली।

विश्वपटल पर आत्मविश्वासी भारत

मोदी ने विदेश नीति को नई ऊँचाइयाँ दीं। ळ20 की अध्यक्षता, अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, पड़ोसी देशों से संतुलित संबंध, अमेरिका और जापान से सामरिक साझेदारी, इन सबने भारत को वैश्विक नेतृत्व की पंक्ति में खड़ा किया। योग को अंतरराष्ट्रीय मान्यता और वाराणसी से अयोध्या तक सांस्कृतिक धरोहर के पुनरुत्थान ने भारत की आध्यात्मिक विरासत को नई चमक दी।

कठिन निर्णय, अडिग नेतृत्व

अनुच्छेद 370 का ऐतिहासिक निरसन, जीएसटी लागू करना, तीन तलाक समाप्त करना, कोविड-19 के दौरान दुनिया का सबसे बड़ा वैक्सीनेशन अभियानकृये सब साहसिक निर्णय मोदी के निर्णायक नेतृत्व का प्रमाण हैं। आलोचनाओं और चुनौतियों के बीच उनका धैर्य और जनता पर अटूट विश्वास लोकतांत्रिक मजबूती का परिचायक है।

जनता से अटूट संवाद

मोदी की विशेषता है जनता से सीधा जुड़ाव। मन की बात जैसे कार्यक्रमों से वे न केवल संवाद करते हैं, बल्कि प्रेरणा का स्रोत भी बनते हैं। उनकी योगसाधना, अनुशासित जीवनचर्या और कर्मयोग की भावना करोड़ों युवाओं को यह संदेश देती है कि सफलता की राह सेवा और परिश्रम से होकर जाती है।

एक संकल्प का जन्म

17 सितंबर 1950, गुजरात के छोटे से कस्बे वडनगर की तंग गलियों में जन्मा वह बालक, जिसका नाम था नरेंद्र। पिता दामोदरदास मूलचंद मोदी रेलवे स्टेशन पर चाय बेचते थे और मां हीराबेन गृहिणी थीं। घर का चूल्हा साधारण, लेकिन सपने असाधारण थे।

गरीबी से घिरे बचपन में नरेंद्र का मन किताबों में डूबा रहता। गांव की छोटी लाइब्रेरी में घंटों पढ़ाई, स्कूल की वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में तर्क का जादू और तैराकी में लहरों से होड़कृयह सब एक ऐसे मन को गढ़ रहा था जो आगे चलकर पूरे देश की धारा मोड़ेगा।

संघ की साधना और संगठन की पाठशाला

युवावस्था में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का अनुशासन नरेंद्र के जीवन में उतरा। 1987 में उन्होंने पूर्णकालिक कार्यकर्ता के रूप में भाजपा की राजनीति में कदम रखा। यह दौर गुजरात की राजनीति में भाजपा के उभार का था। 1985 के विधानसभा चुनाव में महज़ 11 सीटों वाली पार्टी, मोदी की संगठन-शक्ति और चुनावी रणनीति से 1995 तक 121 सीटों पर पहुँच गई। वह केवल रणनीतिकार नहीं, ज़मीनी कार्यकर्ता भी थेकृसड़कों पर जनता से सीधे संवाद करने वाले, रात्रि बैठकों में घंटों संगठन का ताना-बाना बुनने वाले।

गुजरात का विकासपुरुष

2001 में जब भूकंप से टूटे गुजरात को स्थिर नेतृत्व की जरूरत थी, तब मोदी मुख्यमंत्री बने। उन्होंने 13 वर्षों तक औद्योगिक क्रांति, आधारभूत ढाँचे, बिजली, सिंचाई और सुशासन के नए प्रतिमान गढ़े। 'वाइब्रेंट गुजरात' का नारा केवल उद्योगों का मेला नहीं, बल्कि विकास को जनआंदोलन बनाने का आह्वान था।

दिल्ली की दहलीज़ और वैश्विक पहचान

26 मई 2014 को जब नरेंद्र मोदी ने भारत के 14वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली, तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं था; यह भारतीय राजनीति में आत्मविश्वास का नया सवेरा था। लगातार दो बार पूर्ण बहुमत से चुने जाने वाले वे पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री बने। विदेश नीति में उनकी दृढ़ता ने दुनिया को चौंकाया, पड़ोसी देशों के साथ सक्रिय कूटनीति, अमेरिका से लेकर खाड़ी देशों तक भारत की आवाज़ का बुलंद होना, और आतंकवाद के खिलाफ "जीरो टॉलरेंस" का स्पष्ट संदेश।

भारत की बदलती तस्वीर

मोदी के कार्यकाल में भारत ने विज्ञान, डिजिटल तकनीक, अंतरिक्ष अनुसंधान, स्वदेशी रक्षा और स्टार्टअप इकोसिस्टम में उल्लेखनीय छलांग लगाई। स्वच्छ भारत मिशन से लेकर उज्ज्वला योजना, जनधन से आयुष्मान भारत तककृउनकी नीतियाँ केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि करोड़ों सामान्य नागरिकों के जीवन में बदलाव की कहानी हैं।

75वां जन्मदिन : सेवा का उत्सव

17 सितंबर 2025 को जब वे 75 वर्ष के होंगे, देशभर में "सेवा पखवाड़ा" की गूंज होगी।

दिल्ली में 75 नई योजनाएं, त्यागराज स्टेडियम से उड़ते 75 ड्रोनकृहर जगह वही प्रतीक, कि जननेता का जन्मदिन केवल उत्सव नहीं, जनसेवा का अवसर है।

त्योहारी सीजन में बढ़ती महंगाई की मार

अशोक भाटिया

त्योहारी सीजन के करीब आते ही महंगाई की मार का असर एक बार फिर लोगों की थाली में देखने को मिलने लगा है। खुदरा महंगाई जो पिछले नौ महीने से गिर रही है और लोग खुद राहत महसूस कर रहे थे, लेकिन अगस्त में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 1.61 फीसदी हो गई है, जो मामूली लग सकती है, लेकिन महंगाई को देखते हुए यह बहुत ज्यादा है, जिससे लोग इस समय जूझ रहे हैं। आमतौर पर हरी सब्जियों और मछली और अंडे जैसी जरूरी वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण महंगाई की दर बढ़ी है। यह लगातार कम हो रहा था। लेकिन अगस्त 2025 में इसमें अचानक वृद्धि हुई। इसके कारण, निश्चित रूप से, किफायती हैं। आर्थिक निष्कर्ष यह है कि यह वृद्धि पिछले उच्च आधार प्रभाव के प्रभाव में कमी के कारण है, लेकिन आम आदमी के संदर्भ में, लोगों को पहले ही मुद्रास्फीति से मिटा दिया गया है, जो पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष मूल्य परिवर्तन का आधार प्रभाव है, जो मुद्रास्फीति का बेंचमार्क है जिसे भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत पर रखने के लिए निर्धारित किया था। मुद्रास्फीति की दर आम तौर पर नियंत्रण में होती है। लेकिन जनता को इस विश्लेषण की आदत नहीं है और मुद्रास्फीति के कारण में कोई दिलचस्पी नहीं है। वे इस बात में रुचि रखते हैं कि मुद्रास्फीति कितनी है और क्या सस्ती है और कौन सी महंगी है। इस लिहाज से यह दर निश्चित रूप से चिंताजनक है। इस साल बारिश के कारण कई फसलें सड़ गई हैं, और कई फसलें आने की संभावना नहीं है। ऐसे में खाद्य महंगाई कुछ हद तक बढ़ गई है। यह मोदी सरकार के लिए गर्व की बात नहीं है। क्योंकि मोदी ने 'सबका साथ, सबका विकास' का नारा दिया था और सत्ता में आते ही लोगों को राहत मिली थी। बताया जाता है कि एक ओर जहां लहसुन, प्याज सहित सब्जियों की कीमतों में उछाल ने लोगों के थाली का स्वाद फीका कर दिया है, तो वहीं रही-सही कसर दाल, तेल सहित जीरा और गोल मिर्च की कीमतों में जबर्दस्त उछाल ने पूरी कर दी है। ऐसे में लोगों की थालियों से सब्जियों के बाद दाल के साथ जीरे से होनेवाली उसकी छौंक भी गायब होने लगी है। अब इसके चलते पहले से ही आर्थिक विवशता का सामना कर रहे आम लोगों को महंगाई की अब और जबर्दस्त मार झेलनी पड़ रही है। खासकर इससे मध्यवर्गीय और कम आमदनी वाले लोगों की हालत पतली हो गयी और उनके घर के रसोई का बजट भी पूरी तरह बिगड़ने लगा है। यानी पहले जहां सात से आठ सदस्य वाले परिवारों को दूध, किचन का सामान और सब्जियों में हर माह जहां 12 हजार के आसपास खर्च होता था, वह खर्च बढ़कर अब 15 हजार या उससे अधिक पहुंच गया है। हर वस्तुओं में बढ़े महंगाई के चलते इसी तरह से तीन से चार सदस्य वालों के खर्च भी पहले की तुलना में बढ़ गया है। आटा, चावल, दूध, टमाटर, हरी मिर्च, सब्जियों से लेकर धनिया और जीरा गोलमिर्च तक महंगा हो गया है। जिस तरह सामानों की कीमतों में इजाफा हुआ, उस अनुसार लोगों की आमद नहीं हो रही है, ऐसे में गरीब मध्यम वर्गीय तबके के लोगों की हालत खराब हो गयी है। क्योंकि, खाने-पीने की वस्तुओं की बढ़ी कीमतें कम होने का नाम नहीं ले रही है और आर्थिक परेशानी की मार झेल रहे लोगों के सिर पर महंगाई के साथ साथ कर्ज का भी बोझ बढ़ रहा है। बाजार में मसाले के साथ महंगा हुआ आटा व चावल इधर, बरसात के लगातार होने के कारण भी बाजार में खाद्य सामग्रियों की कीमत बढ़ने लगी है।

उदाहरणस्वरूप जो कृष्णा चावल 28 रुपये प्रति किलोग्राम था, वह अब बढ़कर 36 से 38 रुपये किलोग्राम, अरवा चावल 34 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 38 रुपये किलोग्राम, आटा 30 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 35 से 36 रुपये किलोग्राम और चीनी 42 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 46 रुपये किलोग्राम हो गया है। जबकि, अरहर दाल 180 रुपये किलो और चने की दाल 100 रुपये प्रतिकिलो तक जा पहुंचा है। महंगाई में रुला रही प्याज और लहसुन की कीमत घर चलाने में आ रही परेशानी के बीच कीमत में हुए बेतहाशा वृद्धि के चलते एक बार फिर से प्याज और लहसुन लोगों की रसोई से दूर होने लगा है। जिले सहित शहरों में प्याज के भाव 80 से 90 रुपये प्रति किलो और लहसुन 400 रुपये किलो तक पहुंच गया हैं। एक तो पहले से ही परेशान आम जनता को दाल तेल के साथ सब्जियों की महंगाई ने भी करारा झटका दिया है। प्याज व लहसुन के साथ अन्य सब्जियों के दाम भी आसमान छू रहे हैं। बाजार में स्थिति यह है कि एक-दो सब्जियों को छोड़ कर बाकी कोई भी सब्जी 40 रुपये पाव से नीचे नहीं मिल रहीं। इससे भी आम आदमी के रसोई का बजट बिगड़ गया है और दाल में प्याज का तड़का लगाना मुश्किल हो गया है। इस बीच कई दुकानदारों ने बढ़े दामों की वजह से अपने यहां प्याज और लहसुन की बिक्री भी बंद कर दी है। बाजार में कीमतें तय होना जरूरी दरअसल, खाद्य पदार्थ के दामों में वृद्धि के कारण आम लोगों का बजट बिगड़ जा रहा है। खासकर महंगाई के कारण मध्यम वर्ग के लोगों का हाल बेहाल है। खाद्य पदार्थ के दामों में प्रति किलो लगातार हो रही बढ़ोतरी के कारण जनजीवन आम लोगों का अत्यधिक प्रभावित हो रहा है। आटा, मैदा, दाल, चावल, दही आदि दैनिक जीवन में प्रतिदिन उपयोग होने वाले खाद्य पदार्थों पर बढ़ाये जा रहे दाम की मार से आम लोग परेशान हैं और खाद्य पदार्थ महंगी होने के कारण ज्यादा जेब ढीली हो रही है। दुकानदार बताते हैं कि दाम बढ़ने के कारण खाद्य पदार्थ की बिक्री में भी कमी आयी है। महंगाई के कारण आम लोगों के साथ दुकानदार के रोजगार पर भी असर पड़ रहा है। सरकार के दाल-रोटी पर भी महंगाई का असर देखने को मिल रहा है। महंगाई बढ़ जाने के कारण आम लोगों का रसोई का बजट संतुलित करने में पसीने छूट रहे है। इधर इस बढ़ी महंगाई से गृहणियां, आम लोग और व्यापारी नाराज हैं। उनका कहना था कि प्रशासन की ओर से रेगुलर जांच नहीं होने के चलते थोक व्यवसायी आये दिन किसी ना किसी खाद्य पदार्थ का दाम बढ़ा दे रहे है। इससे लोगों की तो जेबें कट ही रही है, खुदरा व्यवसायियों को भी दाम के दाम सामान बेचना पड़ रहा है, ताकि अधिक दाम वसूलने की शिकायत पर ग्राहक भड़क ना जाये। गौरतलब है कि कांग्रेस के शासनकाल में महंगाई ने जो कहर बरपाया था और साधारण चीजें लोगों की पहुंच से बाहर हो गई थीं। मोदी सरकार के सत्ता में आते ही लोगों को यकीन हो गया था कि 'अच्छे दिन' आ गए हैं, लेकिन महंगाई की दर अचानक बढ़ने से लोग परेशान हैं, भले ही वह मामूली ही क्यों न हो। इसमें कोई संदेह नहीं है कि राहुल गांधी जैसे विपक्षी नेता और शिवसेना के नेता इसका फायदा उठाएंगे। देखा गया है कि बाजार में पैसे की अधिकता के कारण महंगाई बढ़ती है और पैसे कम होने से बढ़ती है।

स्वीकार्य होना चाहिए वक्फ एक्ट पर शीर्ष अदालत का संतुलित इंसाफ

मनोज कुमार अग्रवाल

देश की सबसे बड़ी अदालत ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर जो फैसला सुनाया है, वह भारतीय लोकतंत्र और संविधान की मूल आत्मा के संरक्षण देने वाला है क्योंकि अदालत ने न तो पूरे कानून को असंवैधानिक करार दिया और न ही इसे पूरी तरह से रोक लगाया है। है। इसके बजाय उसने उसने कुछ विवादास्पद प्रावधानों पर रोक लगाकर संतुलन साधने की कोशिश की है। यह निर्णय बताता है कि भारत का न्यायपालिका तंत्र राजनीतिक टकरावों से ऊपर उठकर न्याय, समानता और भाईचारा के संवैधानिक मूल्यों को सुरक्षित रखने की क्षमता रखता है। इस फैसले को लेकर मुसलिम जनप्रतिनिधियों में उहांपोह की स्थिति बनी है शुरू में फैसले को सकून भरा बताया लेकिन 128 पेज के इस आदेश का पूरा अध्ययन करने के बाद इसकी आलोचना करना शुरू कर दिया। इस से लगता है कि इस फैसले से भी मुस्लिम समाज की असहमति कम होने वाला नहीं है।

आपको बता दें कि शीर्ष अदालत ने पांच अहम प्रावधानों पर स्पष्ट दिशा-निर्देश दिया है, इनसे यह संदेश गया कि न्यायपालिका कानून के संवैधानिक अधिकार को नकारते हुए पूरे अधिनियम को निलंबित नहीं कर सकती, लेकिन विवादास्पद हिस्सों पर पारदर्शिता और संतुलन सुनिश्चित करना आवश्यक है। भारत में वक्फ संपत्तियां न केवल धार्मिक दृष्टि से, बल्कि आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। सुप्रीम कोर्ट का हालिया फैसला इस विषय पर एक नया अध्याय खोलता है। दरअसल वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर मुस्लिम समुदाय में काफी नाराजगी है। सरकार ने 2025 संसद में अप्रैल के बजट सत्र के दौरान इसको पारित हुआ था। लोकसभा और राज्यसभा दोनों में इसे बहुमत से मंजूरी मिली और तत्पश्चात राष्ट्रपति ने भी इसे स्वीकृति प्रदान की। लेकिन कानून के कई प्रावधानों को लेकर मुस्लिम समुदाय, विपक्षी दलों और नागरिक समाज के कुछ वर्गों में असंतोष था। उनका तर्क था कि यह कानून धार्मिक स्वतंत्रता और अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। है। दूसरी ओर सरकार का कहना था कि यह कानून वक्फ संपत्तियों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करेगा। इसको लेकर दायर पांच प्रमुख याचिकाओं पर मुख्य न्यायाधीश बी। आर। गवई और जस्टिस ए। जी। मसीह की पीठ ने सुनवाई की। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, अभिषेक मनु सिंघवी और राजीव धवन ने पैरवी की, जबकि केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता उपस्थित रहे। सुनवाई के बाद अदालत ने स्पष्ट किया कि संसद द्वारा पारित किसी भी कानून को आसानी से खारिज नहीं किया जा सकता। लेकिन यदि कानून के कुछ प्रावधान व्यक्तिगत अधिकारों और संवैधानिक व्यवस्था के विरुद्ध हैं, तो अदालत उन्हें स्थगित करने का अधिकार रखती है। अधिनियम के अनुसार, वक्फ बोर्ड का सदस्य वही बन सकता था जिसने पांच साल से अधिक समय तक इस्लाम धर्म का पालन किया हो। सुप्रीम कोर्ट ने इस प्रावधान पर रोक लगा दी और कहा कि राज्य सरकारें जब तक कोई स्पष्ट नियम न बना लें, यह शर्त लागू नहीं होगी। यह फैसला धार्मिक भेदभाव से बचने की दिशा में एक अहम कदम है। इसी तरह से संशोधन अधिनियम में प्रावधान था कि वक्फ बोर्ड के 11 सदस्यों में गैर-मुस्लिम भी शामिल होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने इसे सीमित करते हुए कहा कि तीन से अधिक गैर-मुस्लिम सदस्य नहीं हो सकते। केंद्रीय वक्फ परिषद में भी चार से अधिक गैर-मुस्लिम नहीं होंगे। साथ ही अदालत ने संकेत दिया कि यदि संभव हो तो बोर्ड का सीईओ मुस्लिम ही होना चाहिए। यह निर्णय धार्मिक चरित्र और संस्थागत संतुलन दोनों को सुरक्षित करता है। इसे लेकर एआइएमए सांसद असुददीन औवैसी ने एतराज जताया है उनका कहना है कि वक्फ संशोधन अधिनियम पर सुप्रीम कोर्ट का अंतरिम आदेश भी वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा नहीं कर पाएगा। यह कानून अतिक्रमणकारियों को लाभ पहुंचाएगा और वक्फ भूमि पर विकास कार्य रुक जाएगा। कलेक्टर के पास अभी भी सर्वेक्षण करने का अधिकार है और गैर-मुस्लिम की नियुक्ति अभी बरकरार है। अगर एक गैर-सिख को एसजीपीसी का सदस्य बनाया जाए तो सिखों को कैसा लगेगा?उधर एम।आर। शमशाद ने कहा कि एएसआई सर्वेक्षण के तहत वक्फ संपत्तियों को कानून में संशोधन के तहत गैर-वक्फ बनाने के लिए बातचीत हुई थी। इस पर दबाव डाला गया था। इस पर अदालत ने कोई रोक नहीं लगाई। प्रथम दृष्टया, वहाँ एक अंतरिम टिप्पणी थी।शमशाद बताते हैं कि कानून में कहा गया था कि लिमिटेशन एक्ट भी वक्फ पर लागू नहीं होगा। इसका मतलब है कि अगर एक बार वक्फ संपत्ति हो गई और कोई उस पर कब्ज़ा या फिर अतिक्रमण कर लेता है तो फिर 12 साल तक कोई कानूनी कार्रवाई नहीं होगी, क्योंकि लिमिटेशन एक्ट लागू नहीं होगा।

कौन रहना चाहेगा मौन ?

डॉ टी महादेव राव

भैया। एक धांसू आ इ डि या दिमाग में आया है जिससे बहुत सारी समस्याएं थोड़ी बहुत हल होंगीं और लोगों को थोड़ी राहत भी मिलेगी।

तुम्हारा दिमाग तो पारे से भी तेज है छोटू। खुशी की बात है कि तुम भी सोच रहे हो यानी रूपा ज्यादा परेशान नहीं करती। खैर। बोलो तुम्हारा लेटेस्ट आइडिया क्या है?

भैया। जिस तरह पर्यावरण दिवस, महिला दिवस, प्रेमी दिवस इत्यादि दिवस मनाते हैं, ठीक उसी तरह वर्ष में एक दिन बिना बातों के मौन दिवस मनाया जाए। पूरे चौबीस घंटे सारे लोग चाहे बहुत सारे नेता हों, थोड़े बहुत नागरिक हों, पत्रकार हों, महिलाएं हों, टीवी एंकर हों कोई भी हो उन्हें पूरे एक दिन मौन धारण करना होगा ताकि थोड़ी शांति रहे, ध्वनि प्रदूषण न हो, लोगों को चिंतन मनन यानी सोचने को समय मिले, समरस बनें और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने में सहयोग मिले।

जैसा गांधी जी ने कहा मौन सर्वोत्तम भाषण है। लेकिन आज के नेता तो मैं पर भी लम्बा चौड़ा भाषण देते हैं, कानों के पर्दे फाड़ते हैं। बिल्कुल सही भैया। मौन दिवस मनाने से शब्दों का सामर्थ्य बढ़ेगा, भाषा की गरिमा बढ़ेगी। वाक्यों का व्यवहार सुधरेगा।

गाली गलोच कम होगा तो सहज है अच्छा माहौल बनेगा लेकिन इस मैं दिवस को कब मनाने का प्रस्ताव है छोटू?

मैंने इसके फायदे गिनाते हुए दस दिन पहले सरकार को पत्र लिखा है। मेरा खयाल हैं कि किसी महीने के आखिरी रविवार को मनाएं तो सबसे बढ़िया होगा। आप मुस्कुरा क्यों रहे हैं भैया?

छोटू! कभी कभी तुम कुछ बातें अनायास कहते हो कि सप्रयास समझ में नहीं आता लेकिन मजा ला देते हो। मौन धारण करने से स्वर पेटिका की आयु बढ़ेगी, धमनियों और दिमाग पर तनाव कम होगा, दिल शांत रहेगा तो व्यक्ति स्वस्थ रहेगा।

लेकिन सारी महिलाएं इसका विरोध कर सकती हैं क्योंकि उनके लिए चुप रहना नर्क के समान असहनीय जो है। एक बार एक महिला से उसके पति ने शर्त लगाई कि अगर वह पांच मिनट तक खामोश रहे तो उसे एक हजार रुपए मिलेंगे। महिला मान गई। दोनों आमने सामने बैठ गए। एक मिनट बीता और महिला ने पूछा देखो तो पांच मिनट हो गए होंगे। तो समझ गए न?

इतने में छोटू के पास आकर डाकिया एक पत्र पकड़ाया और चलता बना। लिफाफा देखकर छोटू उछल पड़ा। भैया! लगता है मेरा मैं दिवस का प्रस्ताव मान लिया गया। हुर्रा।

मैंने कहा छोटू! वो दिन लद गए जब लिफाफा देखकर खाट का मज़मून जान लिया करते थे।पत्र खोलकर पड़ता हुआ छोटू का चेहरा रंग बिरंगी हो रहा था। मेरे प्रस्ताव को यह कहकर खारिज कर दिया गया कि आपसी संबंध खराब होंगे इस मौन दिवस से। स्वर पेटिका के करना बंद कर देगी। आवाज के साथ कई लोगों की रोजी रोटी जुड़ी है चाहे वह किसी भी क्षेत्र में हो। और तो और आप माह के जिस अंतिम रविवार के लिए प्रस्ताव रखा है, वह तो जो ही नहीं सकता क्योंकि कई लोग दिल की बातें सुनने से वंचित रह जायेंगे, विकास का मार्ग अवरुद्ध हो जायेगा और कोई मन की बातें सुनाने से रह जायेंगे। इसलिए प्रस्ताव खारिज किया जाता है। अगली बार इस तरह की बेफजूल और हानिकारक प्रस्ताव न भेजें।

लड़की अपने पार्टनर से छिपाती है कई राज

हर रिश्ता भरोसे पर टिका होता है। कपल के बीच प्यार, समझ और विश्वास रिश्ते की नींव को मजबूत बनाए रखने के लिए जरूरी है। लेकिन ये भी सच है कि हर लड़की अपने पार्टनर से कुछ बातें छुपाती हैं। बातें छुपाना हमेशा गलत नहीं होता है।

बातें धोखा देने की वजह नहीं,बल्कि रिश्ते को सहज और सुखद बनाए रखने के लिए होती हैं। कई बार यह रिश्ते की मजबूती और शांति के लिए जरूरी भी हो सकता है। असली खूबसूरती तब आती है जब दोनों पार्टनर एक-दूसरे को समझें और बिना ज़्यादा सवाल किए, भरोसे को कायम रखें। चलिए जानते हैं वे पांच राज जिनके बारे में ज्यादातर लड़कियां खुलकर नहीं बतातीं। अक्सर अपने पार्टनर से कुछ बातों को छिपा कर रखती हैं।

पुराने रिश्ते की डिटेल

लड़कियां भले ही अपने पार्टनर को पुराने रिश्ते या एक्स के बारे में बता दें लेकिन वह अपने पिथले रिश्ते की गहराई के बारे में खुलकर नहीं बताती हैं। उस रिश्ते में वह कितना समर्पित थीं, ऐसी बातें वह अपने साथी से शेयर नहीं करती हैं। उन्हें डर होता है कि पार्टनर कहीं तुलना या शक न करने लगे।

शारीरिक असुरक्षाएं

हर लड़की के मन में अपने लुक्स और बॉडी को लेकर कुछ असुरक्षाएं होती हैं, लेकिन वह इन्हें पार्टनर से छिपाना ही पसंद करती है ताकि रिश्ते में कमजोरी न दिखे।

गुप्त इच्छाएं

कई बार लड़कियां अपनी भावनाओं, इच्छाओं और फैंटेसी को साझा करने से झिझकती हैं। उन्हें लगता है कि पार्टनर शायद समझ न पाए। लड़कियों की कुछ अपेक्षाएं भी होती हैं, जो वह चाहती हैं कि पार्टनर बिना उनके बोले ही समझ जाएं। अपनी अपेक्षाएं वह साथी के सामने कभी जाहिर नहीं करती हैं।

दोस्तों और परिवार की राय

पार्टनर के बारे में उनके दोस्तों या परिवार ने क्या कहा, यह अक्सर लड़कियां अपने दिल में ही रखती हैं ताकि किसी तरह की अनावश्यक बहस न हो। पार्टनर के लिए परिवार या दोस्तों द्वारा की गई नकारात्मक टिप्पणी या विचार को वह खुलकर अपने साथी के समक्ष जाहिर नहीं करती हैं।

इन गुणों में छिपा है खुशहाल परिवार और रिश्तों का राज

शारदीय नवरात्रि 22 सितंबर 2025 से शुरू हो रही है। 9 दिवसीय शारदीय नवरात्रि माता दुर्गा के नौ स्वरूपों को समर्पित पर्व है। माता दुर्गा के नौ रूप शक्ति, साहस, प्रेम, ज्ञान और करुणा का प्रतीक हैं। अगर हर महिला इन गुणों को अपने जीवन में अपनाए, तो न केवल परिवार खुशहाल बन सकता है, बल्कि रिश्तों में भी मजबूती आती है।

इतना ही नहीं महिलाओं के लिए सिर्फ घर-परिवार की खुशहाली ही नहीं, बल्कि दफ्तर में काम करना और पदोन्नति हासिल करना भी आसान हो जाएगा। आइए जानते हैं दुर्गा माता के नौ स्वरूप और उनसे मिलने वाली सीख, जिन्हें हर महिला अपने जीवन में उतार सकती है।

धैर्य और स्थिरता

नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा की जाती है। मां शैलपुत्री हमें सिखाती हैं कि जीवन की हर परिस्थिति में धैर्य बनाए रखनाजरूरी है। घर और रिश्तों में स्थिरता तभी आती है जब महिला खुद संतुलन का आधार बने।

त्याग और तपस्या

मां दुर्गा का द्वितीय स्वरूप माता ब्रह्मचारिणी का गुण संयम और त्याग है। हर महिला जब अपने परिवार और रिश्तों के लिए निस्वार्थ भाव रखती है, तो घर में सुख-शांति और विश्वास बढ़ता है।

साहस और सुरक्षा

नवदुर्गा का तीसरा स्वरूप मां चंद्रघंटा का हैजो कि साहस और सुरक्षा का प्रतीक हैं। मां चंद्रघंटा का स्वरूप महिलाओं को सिखाता है कि उन्हें अपनी सुरक्षा और परिवार की रक्षा के लिए साहसी होना चाहिए। साहस रिश्तों में आत्मविश्वास लाता है।

सकारात्मक ऊर्जा

कूष्मांडा देवी सृष्टि की रचयिता हैं। वे हमें प्रेरित करती हैं कि महिला ही परिवार की ऊर्जा का स्रोत है। मुस्कान और सकारात्मक सोच रिश्तों को मजबूती देती है।

समय से पहले जन्मे बच्चों में हर्निया का खतरा क्यों होता है ज्यादा?

समय से पहले जन्मे शिशुओं (प्रीटर्म बेबी) को कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा रहता है। इन्हीं में से एक समस्या है हर्निया, जो इन बच्चों में सामान्य बच्चों की तुलना में ज्यादा पाई जाती है। डॉक्टरों के अनुसार, प्रीटर्म बच्चों में पेट और शरीर की मांसपेशियों का विकास पूरी तरह से नहीं हो पाता, इसी वजह से उनमें हर्निया का रिस्क अधिक होता है। आइए विस्तार से समझते हैं कि प्रीटर्म बच्चों में हर्निया क्यों होता है और कब सर्जरी कराना जरूरी हो जाता है।

प्रीटर्म बच्चे कौन होते हैं?

अगर बच्चा 37 सप्ताह की गर्भावस्था से पहले पैदा होता है तो उसे प्रीटर्म बेबी कहा जाता है। ऐसे बच्चों में अंगों और मांसपेशियों का विकास पूरी तरह नहीं हो पाता। यही वजह है कि उनका शरीर कई बार कमजोर रहता है और वे हर्निया जैसी समस्याओं के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते हैं।

हर्निया क्या है?

हर्निया एक ऐसी स्थिति है जिसमें आंत या पेट के किसी हिस्से का टिश्यू कमजोर मांसपेशियों से बाहर की ओर

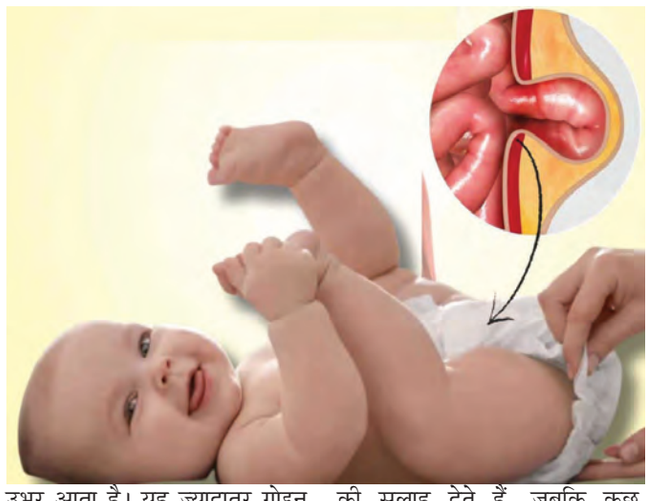

उभर आता है। यह ज्यादातर ग्रोइन यानी जांघ और कमर के जोड़ के पास या नाभि के आसपास दिखाई देता है। प्रीटर्म बच्चों में सबसे आम रूप से इंगुइनल हर्निया पाया जाता है, जो ग्रोइन एरिया में होता है। इसके अलावा कई बच्चों में नाभि हर्निया भी देखा जाता है।

कब जरूरी होती है सर्जरी?

हर्निया का इलाज उसकी स्थिति और गंभीरता पर निर्भर करता है। डॉक्टर कुछ मामलों में तुरंत सर्जरी की सलाह देते हैं, जबकि कुछ मामलों में इंतजार किया जा सकता है।

इंगुइनल हर्निया

प्रीटर्म बच्चों में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला हर्निया इंगुइनल हर्निया होता है। इसमें आंत का कुछ हिस्सा ग्रोइन एरिया यानी जांघ और पेट के जोड़ के पास बाहर निकल आता है। यह समस्या दिखने में साधारण लग सकती है, लेकिन अगर समय रहते इसका इलाज न हो तो आंतों में खून का बहाव रुक सकता है, जिससे गंभीर जटिलताएं और जान का खतरा भी हो सकता है। यही कारण है कि डॉक्टर इस स्थिति में देर न करने और जल्द से जल्द सर्जरी करवाने की सलाह देते हैं।

नाभि हर्निया

नाभि हर्निया प्रीटर्म बच्चों में एक सामान्य समस्या है, जो अक्सर बच्चे के बढ़ने के साथ अपने आप ठीक हो जाती है। कई बार यह बिना किसी इलाज के बंद हो जाता है, लेकिन अगर यह हर्निया एक साल की उम्र तक बंद न हो, आकार में धीरे-धीरे बढ़ने लगे या बच्चे को दर्द और असुविधा देने लगे, तो डॉक्टर सर्जरी कराने की सलाह देते हैं ताकि आगे की किसी परेशानी से बचा जा सके।

स्ट्रैंगुलेटेड हर्निया

स्ट्रैंगुलेटेड हर्निया एक गंभीर और खतरनाक स्थिति होती है, जिसमें हर्निया वाली जगह पर अचानक तेज दर्द, सूजन या लाली दिखाई देती है। कई बार बच्चा लगातार उल्टी करने लगता है या बहुत ज्यादा चिड़चिड़ा हो जाता है। इस स्थिति में आंत तक खून का बहाव रुक सकता है, जिससे आंत को स्थायी नुकसान होने का खतरा रहता है। इसलिए स्ट्रैंगुलेटेड हर्निया होने पर तुरंत सर्जरी करना बेहद जरूरी होता है।

माता-पिता को क्या ध्यान रखना चाहिए?

प्रीटर्म बच्चों में हर्निया की संभावना को देखते हुए माता-पिता को हमेशा सतर्क रहना चाहिए। अगर बच्चा बार-बार रोता है, पेट या ग्रोइन एरिया में सूजन दिखाई देती है, या नाभि और जांघ के पास कोई ऐसा उभार दिखे जो दबाने पर अंदर चला जाए, तो यह हर्निया का संकेत हो सकता है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से जांच करानी चाहिए। वहीं अगर स्ट्रैंगुलेटेड हर्निया के लक्षण जैसे तेज दर्द, लाली या उल्टी दिखाई दें, तो देर किए बिना तुरंत बच्चे को अस्पताल ले जाना चाहिए।

प्रीटर्म बच्चों में हर्निया एक आम लेकिन गंभीर समस्या हो सकती है। ज्यादातर मामलों में समय रहते पहचान और सर्जरी से इसे ठीक किया जा सकता है। इसलिए माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चे की छोटी-छोटी समस्याओं को नजरअंदाज न करें और नियमित रूप से पेडियाट्रिक सर्जन से सलाह लेते रहें।

बच्चे बार-बार भूल जाते हैं गणित के फार्मूले, तो अपनाएं ये टिप्स

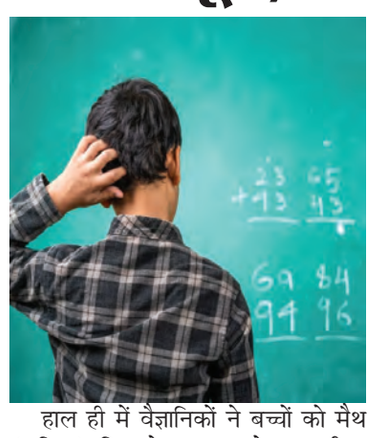

हाल ही में वैज्ञानिकों ने बच्चों को मैथ (गणित) सिखाने का एक बेहतर तरीका खोज निकाला है। अक्सर बच्चे गणित से डरते हैं या इसे कठिन मानते हैं, लेकिन यह नई रिसर्च बताती है कि अगर सीखने का तरीका बदला जाए, तो बच्चे आसानी से और मज़े लेकर गणित सीख सकते हैं।

रिसर्च से क्या पता चला?

बच्चों को अगर केवल नंबर और फार्मूले याद कराए जाएं, तो वे जल्दी बोर हो जाते हैं। लेकिन जब गणित को चित्रों, ब्लॉक्स, पज़ल्स और गेम्स के जरिए सिखाया जाता है, तो बच्चे इसे खेल-खेल में समझ जाते हैं। बच्चों को सिखाने के लिए आप प्रैक्टिकल उदाहरणों का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। रोज़मर्रा की चीज़ों जैसे – चॉकलेट बांटना, खिलौनों की गिनती, पैसे जोड़ना–घटाना, खरीदारी का हिसाब – इनसे बच्चों को गणित ज्यादा अच्छे से समझ आता है।

स्टेप-बाय-स्टेप टीचिंग

वैज्ञानिकों ने पाया कि बच्चों को धीरे-धीरे लेवल बढ़ाकर पढ़ाना चाहिए। पहले छोटे-छोटे कॉन्सेप्ट सिखाएं और फिर धीरे-धीरे कठिन टॉपिक्स की ओर बढ़ें। अगर बच्चे को डांटा जाए या उसके गलत जवाब पर शर्मिंदा किया जाए, तो उसका आत्मविश्वास टूट जाता है। लेकिन अगर उसकी प्रशंसा और मोटिवेशन किया जाए, तो बच्चा और ज्यादा मेहनत करता है।

नतीजा

इस शोध से पता चला है कि जब बच्चों को गणित खेल-खेल में, विजुअल तरीके से और रोज़मर्रा के उदाहरणों के साथ सिखाया जाए, तो वे न सिर्फ जल्दी सीखते हैं बल्कि लंबे समय तक याद भी रखते हैं। मतलब साफ है कि अब बच्चों को गणित सिखाने के लिए रटने की बजाय समझने और अनुभव करने पर जोर देना चाहिए।

बारिश में घर में आ रहे कीड़े-मकौड़े? अपनाएं ये टिप्स

बारिश का मौसम ठंडी हवाएं और हरियाली लेकर आता है, लेकिन इसी मौसम में कीड़े-मकौड़े और मकड़ियां भी घर में घुसने लगते हैं। नमी और सीलन उनके लिए सबसे अनुकूल माहौल बनाते हैं। ऐसे में अगर आप इनसे छुटकारा चाहते हैं तो नीचे दिए गए 5 आसान घरेलू उपाय ज़रूर अपनाएं।

नीम का धुआं या नीम का तेल

नीम को प्राचीन काल से ही एक असरदार प्राकृतिक कीटनाशक माना गया है। बारिश के दिनों में नीम की सूखी पत्तियों को जलाकर घर में उसका धुआं करें, जिससे कीड़े और मकड़ियां भाग जाती हैं। अगर धुआं करना मुमकिन न हो, तो नीम के तेल को पानी में मिलाकर एक स्प्रे बोतल में भरें और उसे घर के कोनों, खिड़कियों, और दरवाजों के आसपास छिड़कें। यह तरीका न सिर्फ कीटों से बचाता है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी बिल्कुल सुरक्षित होता है।

सिरका और नींबू का मिश्रण

सिरके की तेज गंध और नींबू का एसिडिक गुण मिलकर एक बेहतरीन नेचुरल कीटनाशक तैयार करते हैं। एक स्प्रे बोतल में आधा कप सफेद सिरका और आधा कप नींबू का रस मिलाएं और इस घोल को दरवाजों, खिड़कियों, और घर के कोनों में छिड़कें। यह खासतौर पर मकड़ियों और सिल्वरफिश जैसे कीड़ों को दूर रखने में बहुत असरदार होता है।

कपूर और लौंग का उपाय

कपूर और लौंग दोनों की तेज खुशबू कीड़ों को बिल्कुल पसंद नहीं आती। आप कुछ लौंग और एक-दो कपूर को कपड़ों की अलमारी, रसोई की दराजों या घर के कोनों में रख सकते हैं। इससे न सिर्फ कीड़े दूर रहते हैं बल्कि घर में ताजगी भी बनी रहती है। इसे आप नेचुरल रूम फ्रेशनर की तरह भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

घर की सफाई और नमी से बचाव

बरसात के मौसम में सबसे ज़रूरी होता है घर को साफ और सूखा रखना। नमी ही कीड़ों को घर की ओर आकर्षित करती है। इसलिए रोज़ाना फर्श और दीवारों को पोंछें, बाथरूम और रसोई की सतहों को सूखा रखें, गीले कपड़े समय पर सुखाएं और कचरे को इकट्ठा न होने दें। इन छोटे-छोटे कदमों से कीड़े घर में पनप नहीं पाएंगे।

बोरिक पाउडर और चीनी का मिश्रण

अगर आपको घर में तिलचट्टे या चींटियों की समस्या ज्यादा परेशान कर रही है, तो बोरिक पाउडर और चीनी का मिश्रण बहुत कारगर हो सकता है। बराबर मात्रा में दोनों चीजें मिलाएं और उस जगह पर रखें जहां कीड़े अक्सर दिखाई देते हैं, जैसे सिंक के नीचे, अलमारी के कोने, या रसोई के आसपास। चीनी की मीठास उन्हें आकर्षित करती है और बोरिक पाउडर उन्हें खत्म करता है। बारिश के मौसम में थोड़ी सी सजगता और प्राकृतिक उपाय अपनाकर आप अपने घर को कीड़े-मकौड़ों से बचा सकते हैं। ऊपर बताए गए सभी उपाय न सिर्फ असरदार हैं, बल्कि स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए भी सुरक्षित हैं। अब बिना किसी टेंशन के इस बारिश का आनंद लें और घर को रखें साफ, ताजा और सुरक्षित!

प्रोटीन पाउडर पीने से पहले हो जाएं सावधान!

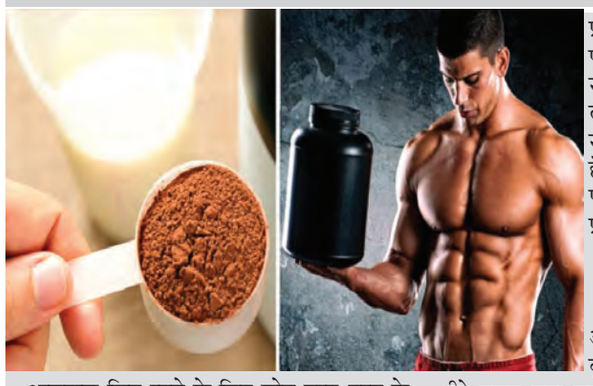

आजकल फिट रहने के लिए लोग तरह-तरह के प्रोटीन का सेवन करते हैं। खासकर जिम जाने वाले और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने वाले लोग प्रोटीन पाउडर का खूब इस्तेमाल करते हैं। माना जाता है कि यह मांसपेशियों के विकास, बॉडी रिकवरी और प्रोटीन की कमी पूरी करने का आसान तरीका है। लेकिन ध्यान रहे, अगर इसे जरूरत से ज्यादा या गलत तरीके से लिया जाए तो यह शरीर को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है, खासकर किडनी और लिवर की सेहत पर बुरा असर डाल सकता है।

किडनी पर असर

प्रोटीन पाउडर का सबसे बड़ा खतरा किडनी पर होता है। ज्यादा प्रोटीन लेने से किडनी पर काम का बोझ बढ़ जाता है क्योंकि उसे प्रोटीन के उप-उत्पाद जैसे यूरिया और अमोनिया को छानना पड़ता है। लंबे समय में यह किडनी को नुकसान पहुंचा सकता है, खासकर उन लोगों को जिन्हें पहले से किडनी की समस्या या हाई ब्लड प्रेशर है। अगर आपको किडनी की बीमारी है तो प्रोटीन पाउडर लेने से पहले डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

लिवर की समस्या

प्रोटीन का ज्यादा सेवन लिवर पर भी दबाव डालता है। समय के साथ यह फैटी लिवर, लिवर एंजाइम्स के असामान्य स्तर और अन्य समस्याओं का कारण बन सकता है। अगर शराब पीने या खराब खानपान के साथ इसे लिया जाए तो खतरा और बढ़ जाता है। प्रोटीन का सेवन संतुलित आहार (कार्बोहाइड्रेट, फाइबर और हेल्दी फैट्स) के साथ करें।

पाचन संबंधी परेशानी

बहुत से लोग प्रोटीन पाउडर (खासकर व्हे प्रोटीन) लेने के बाद गैस, पेट फूलना, कब्ज या दस्त जैसी समस्याओं का सामना करते हैं। लैक्टोज असहिष्णु लोगों में ये समस्या और ज्यादा बढ़ सकती है। यदि डेयरी से एलर्जी है तो प्लांट-बेस्ड या लैक्टोज़-फ्री प्रोटीन पाउडर का इस्तेमाल करें।

वजन बढ़ना और पोषण का असंतुलन

कई प्रोटीन पाउडर में अतिरिक्त चीनी, फ्लेवर और कृत्रिम मिठास होती है। यह धीरे-धीरे वज़न बढ़ा सकती है। साथ ही, अगर ज़्यादा प्रोटीन लिया जाए तो यह अन्य ज़रूरी पोषक तत्वों (फाइबर, विटामिन, मिनरल्स) की कमी कर देता है। प्रोटीन पाउडर का इस्तेमाल सिर्फ पूरक के रूप में करें। दाल, अंडे, मछली, दूध, मेवे और फलियों जैसे प्राकृतिक स्रोतों को प्राथमिकता दें।

हड्डियों और दिल की सेहत पर असर

जानकारी के अनुसार, ज्यादा प्रोटीन (खासकर एनिमल-बेस्ड पाउडर से) लेने से हड्डियों में कैल्शियम की कमी हो सकती है, जिससे हड्डियां कमजोर होती हैं। कुछ पाउडर में भारी धातुएं, प्रिजर्वेटिव और हानिकारक केमिकल भी मिलाए जाते हैं, जो दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ा सकते हैं। हमेशा भरोसेमंद और टेस्टेड ब्रांड का प्रोटीन पाउडर खरीदें।

सुरक्षित सेवन के लिए टिप्स

सुरक्षित सेवन के लिए कुछ ज़रूरी टिप्स अपनाना बेहद जरूरी है। प्रोटीन हमेशा शरीर के वजन के हिसाब से ही लें, यानी प्रति किलो वज़न 1 से 1.5 ग्राम। सप्लीमेंट शुरू करने से पहले डॉक्टर या न्यूट्रिशन एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें। कोशिश करें कि दाल, अंडे, मछली, मेवे और फलियों जैसे प्राकृतिक स्रोतों से प्रोटीन लें और पाउडर का इस्तेमाल सिर्फ जरूरत पड़ने पर करें। साथ ही, दिनभर खूब पानी पिएं ताकि किडनी आसानी से अपशिष्ट बाहर निकाल सके और सेहत पर कोई अतिरिक्त बोझ न पड़े।

प्रोटीन पाउडर सही मात्रा और सही तरीके से लिया जाए तो फायदेमंद है। लेकिन इसका अत्यधिक या लापरवाह सेवन आपकी किडनी, लिवर और दिल पर बुरा असर डाल सकता है। इसलिए इसे सप्लीमेंट की तरह इस्तेमाल करें, न कि आहार का मुख्य स्रोत बनाएं।

भारत में हृदय रोग और डायबिटीज बनी महिलाओं की जान का दुश्मन

मौजूदा समय में जिस तरह से हमारी जीवनशैली काफी दौड़-भाग और व्यस्तता वाली हो गई है, इसने कई प्रकार की बीमारियों के खतरे को भी काफी बढ़ा दिया है। कई रिपोर्ट्स बताते हैं कि दुनियाभर में क्रॉनिक बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ता जा रहा है, सभी उम्र के लोग इसका शिकार हो रहे हैं। बीमारियों के साथ इसके कारण अस्पताल में भर्ती होने वाले लोगों और इससे मौत के मामलों में भी वृद्धि रिपोर्ट की जा रही है।

साल 2023 में नेचर जर्नल में प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में लगभग 41.73% वयस्कों और बुजुर्गों में कम से कम एक क्रॉनिक बीमारी देखी गई। वहीं भारत में हुई कुल मौतों में 63% मौतों के लिए भी इसे एक प्रमुख कारण माना गया, जिनमें हृदय रोग (सीवीडी) का आंकड़ा (27%) सबसे ज्यादा था।

ये आंकड़े हमें सोचने पर मजबूर करते हैं कि क्या हम सच में अपनी सेहत का ख्याल रख रहे हैं? स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, साल-दर-साल जोखिम बढ़ते ही जा रहे हैं जिसको लेकर सभी लोगों को सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता है। देश में बढ़ती क्रॉनिक बीमारियों को लेकर हाल ही में द लैंसेट जर्नल में प्रकाशित एक रिपोर्ट में अब वैज्ञानिकों ने कहा है कि भारत में क्रॉनिक बीमारियों से मौत का खतरा अब और भी बढ़ गया है, महिलाएं इससे सबसे अधिक प्रभावित हो रही हैं।

क्रॉनिक बीमारियां और इसका खतरा

क्रॉनिक बीमारियां और इससे होने वाली मौत के खतरे को लेकर इस रिपोर्ट को समझने से पहले आइए ये जान लेते हैं कि आखिर क्रॉनिक बीमारियां होती क्या हैं?

क्रॉनिक बीमारियां, उन बीमारियों का कहा जाता है जो धीरे-धीरे बढ़ती हैं और लंबे समय तक शरीर को प्रभावित करती रहती हैं। ये बीमारी कुछ दिनों या हफ्तों में नहीं होती, बल्कि महीनों या वर्षों तक चलती रहती हैं। भारत में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली क्रॉनिक बीमारियों में हाई ब्लड प्रेशर (हाइपरटेंशन), डायबिटीज, दिल की बीमारी, कैंसर और अस्थमा शामिल हैं। ये हमारी रोजमर्रा की गलत आदतों जैसे जंक फूड, ज्यादा नमक और तेल वाला भोजन, व्यायाम न करने, तनाव में रहने, तंबाकू-शराब के सेवन के कारण बढ़ती हैं। अगर समय पर इलाज न कराया जाए तो ये जानलेवा भी हो सकती हैं।

हालिया रिपोर्ट में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा कि इन बीमारियों के कारण देश में मौत का खतरा अब पहले की तुलना में काफी बढ़ गया है।

कैंसर और हृदय रोगों के कारण मौत का जोखिम

द लैंसेट की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत उन देशों में शामिल है जहां कैंसर और हृदय रोग जैसी दीर्घकालिक बीमारियों से मरने की आशंका पुरुषों और महिलाओं दोनों में बढ़ गई है, ऐसा उस समय देखा जा रहा है जब पिछले एक दशक में हर पांच में से चार देशों में इन दरों में गिरावट आई है।

भारत में पुरुषों की तुलना में महिलाओं में जोखिमों में अधिक वृद्धि देखी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक हृदय रोग और मधुमेह का क्रॉनिक बीमारी और इससे बढ़ती मौत के मामलों में योगदान सबसे अधिक है।

अध्ययन में क्या पता चला?

टीम ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के शोधकर्ताओं के साथ मिलकर 185 देशों में दीर्घकालिक बीमारियों और इससे मरने के जोखिमों का अनुमान लगाया। लेखकों ने कहा, साल 2010 से 2019 तक 80 वर्ष तक की आयु के बीच एनसीडी (गैर-संचारी रोग) से मरने की आशंका 185 देशों में से 152 (82 प्रतिशत) में कम हुई। शेष 33 देशों में महिलाओं में और 38 देशों में पुरुषों में इसका खतरा बढ़ता हुआ देखा गया है।

हमास के खिलाफ इस्राइल का नया सैन्य अभियान

> लोगों को इलाका खाली करने की चेतावनी दी गई

यरूशलम, 16 सितंबर (एजेंसियां)। इस्राइल की सेना ने गाजा सिटी में अपने "विस्तारित सैन्य अभियान" की आधिकारिक शुरुआत कर दी है। सेना का कहना है कि यह कार्रवाई हमास की सैन्य संरचना को पूरी तरह तबाह करने के लिए की जा रही है। भारी हवाई हमलों के बाद इस्राइल ने चेतावनी जारी की कि गाजा सिटी के लोग तुरंत दक्षिण की ओर निकल जाएं। इस बीच गाजा के अस्पतालों में 20 शव और 90 से ज्यादा घायल पहुंचाए गए हैं।

इस्राइल के अरबी भाषा प्रवक्ता अविचे अडरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ऑपरेशन के विस्तार की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह अभियान गाजा के उत्तरी हिस्से में हमास के ठिकानों को खत्म करने के लिए है। सोमवार की रातभर जारी हमलों में कम से कम 20 फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो गई। सेना का कहना है कि हमास ने आम इलाकों में अपने ठिकाने बनाए हुए हैं, जिससे कार्रवाई और कठिन हो जाती है।

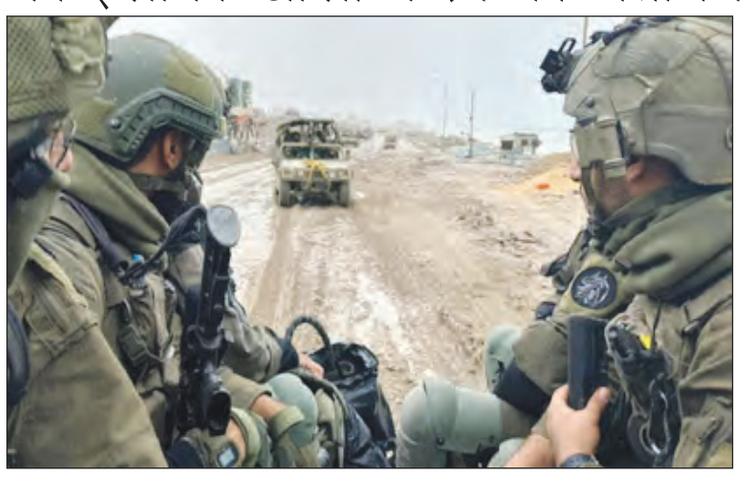

गाजा में भारी तबाही और पलायन

गाजा सिटी से लगातार बमबारी की खबरें आ रही हैं। शिफा अस्पताल ने बताया कि पश्चिमी मोहल्लों में कई घरों पर हमले में 20 लोग मारे गए और 90 से अधिक घायल हुए हैं। डॉक्टर मोहम्मद अबू सलमियाह ने कहा कि पूरी रात बमबारी जारी रही, एक पल भी रुकी नहीं। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि पिछले एक महीने में 2.2 लाख से अधिक फलस्तीनी गाजा के उत्तरी इलाकों से पलायन कर चुके हैं। पहले यहां लगभग 10 लाख लोग रहते थे।

इस्राइल का सख्त रुख

रक्षा मंत्री इस्राइल कैट्ज ने कहा कि गाजा जल रहा है। हमारी सेना आतंकवादी संरचना पर लोहे की मुट्ठी से वार कर रही है। जब तक बंधकों को आजाद नहीं करा लेते और हमास को पूरी तरह खत्म नहीं कर देते, पीछे नहीं हटेंगे। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भी यही संदेश दे रहे हैं कि अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक हमास को पूरी तरह कमजोर न कर दिया जाए।

बंधकों के परिवारों का प्रदर्शन

इस बीच, गाजा में फंसे बंधकों के परिवारों ने नेतन्याहू के घर के बाहर प्रदर्शन किया। कुछ परिवारों ने घर के सामने टेंट गाड़कर रात गुजारी और प्रधानमंत्री से अपील की कि सैन्य अभियान को रोकें और पहले बंधकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करें। ऐनाव जांगाउकर नाम की महिला ने कहा कि मेरा बेटा मटन अब भी गाजा में है। अगर नेतन्याहू बंधकों की चिंता किए बिना सैनिकों को भेजते हैं, तो वे योग्य प्रधानमंत्री नहीं हैं। इस्राइल का मानना है कि 48 में से करीब 20 बंधक अभी जीवित हैं।

अमेरिकी दबाव और कूटनीति

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी संकेत दिया कि गाजा सिटी पर बड़ा हमला शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा कि "हमारे पास सौदे की कोशिश के लिए कुछ ही दिन या हफ्ते हैं।

सबसे अच्छा समाधान बातचीत से है, लेकिन समय बहुत कम है।" रुबियो ने माना कि लंबे खिंचे युद्ध से और भी ज्यादा खतरा है। उन्होंने जोर दिया कि अंततः हमास को खत्म करना ही एकमात्र रास्ता है।

जंग का मानवीय संकट और बढ़ता आंकड़ा

हमास का कहना है कि बंधकों की रिहाई केवल फलस्तीनी कैदियों की अदला-बदली, स्थायी युद्धविराम और इस्राइल की गाजा से वापसी पर ही संभव है। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि अब तक इस युद्ध में 64,871 फलस्तीनी मारे जा चुके हैं, जिनमें लगभग आधे महिलाएं और बच्चे हैं। युद्ध की शुरुआत सात अक्तूबर 2023 को हुई थी, जब हमास ने दक्षिण इस्राइल पर हमला कर 1,200 लोगों की हत्या और 251 को बंधक बना लिया था। उसके बाद से स्थिति लगातार भयावह होती जा रही है।

ट्रंप ने न्यूयॉर्क टाइम्स को बताया 'सबसे गिरा हुआ' अखबार

> 15 अरब डॉलर का मानहानि मुकदमा करेंगे दायर

वॉशिंगटन, 16 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को बताया कि वे चर्चित अखबार द न्यूयॉर्क टाइम्स के खिलाफ 15 अरब डॉलर का मानहानि मुकदमा करेंगे। ट्रंप ने न्यूयॉर्क टाइम्स को 'कट्टरपंथी वाम डेमोक्रेट पार्टी' का मुखपत्र बताया और कहा कि अखबार ने बीते एक दशक से उन्हें बदनाम करने के लिए उनके खिलाफ अभियान चलाया हुआ है। ट्रंप ने दावा किया कि अखबार उनके बारे में झूठी रिपोर्ट प्रकाशित करता आ रहा है।

ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया कि अखबार द्वारा राष्ट्रपति पद की दौड़ में उनकी डेमोक्रेट प्रतिद्वंद्वी कमला हैरिस का समर्थन किया गया और उनके बयानों को अखबार के पहले पन्ने पर प्रमुखता से छापा। ट्रंप का दावा है कि यह अब तक का सबसे बड़ा अवैध चुनावी चंदा है। उन्होंने अखबार पर उनके, उनके परिवार, उनके व्यवसाय और अमेरिका फर्स्ट और मेक अमेरिका ग्रेट अगेन (मागा) आंदोलनों और पूरे देश के बारे में झूठ फैलाने का भी आरोप लगाया। ट्रंप ने कहा कि कभी सम्मानित रहे अखबार के खिलाफ कार्रवाई करने पर उन्हें गर्व है, जैसा कि उन्होंने पूर्व में कई अखबारों और मीडिया संस्थानों के खिलाफ किया है। ट्रंप ने आरोप लगाया कि 'अखबार को बहुत लंबे समय तक मेरे खिलाफ खुलेआम झूठ बोलने और बदनाम करने की इजाजत दी गई। जो अस्वीकार्य और अवैध दोनों है। अब यह सब बंद हो! यह मुकदमा फ्लोरिडा राज्य में लाया जा रहा है। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद। अमेरिका को फिर से महान बनाओ!'

ट्रंप पर मीडिया के विरोध के पुराने मामले

न्यूयॉर्क टाइम्स के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति की कानूनी लड़ाई, एबीसी न्यूज और सीबीएस सहित अन्य अमेरिकी प्रसारकों के खिलाफ इसी तरह के कई मुकदमों के बाद सामने आई है, जिनमें से दोनों ने ट्रंप के साथ अदालत के बाहर समझौता कर लिया था।

रूस के हमलों से दहला यूक्रेन, जेलेंस्की बोले देश के लिए यूरोपीय वायु रक्षा प्रणाली जरूरी

कीव, 16 सितंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन के दक्षिणी शहर जापोरिज्जिया में सोमवार रात रूस ने रॉकेटों से भीषण हमला किया। इस हमले में 13 लोग घायल हुए, जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, हमले से 20 से ज्यादा अपार्टमेंट इमारतों को नुकसान पहुंचा और कई जगह आग लग गई। यह हमला उस समय हुआ जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने यूरोपीय देशों से मिलकर महाद्वीप की सुरक्षा के लिए बहुस्तरीय वायु रक्षा प्रणाली बनाने की अपील की।

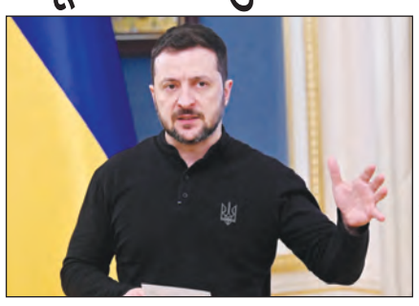

रूस और यूक्रेन के बीच यह युद्ध ढाई साल से ज्यादा समय से जारी है। रूस के लगातार हवाई हमलों और यूक्रेन की सीमाओं पर लगभग 1,000 किलोमीटर लंबे मोर्चे पर भारी लड़ाई के बावजूद शांति का कोई समाधान फिलहाल नज़र नहीं आ रहा है। अमेरिका की ओर से कई दौर की मध्यस्थता और बातचीत की कोशिशें हुईं, लेकिन उनका कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पुतिन को युद्ध रोकने के लिए कई अल्टीमेटम और समयसीमा दी, लेकिन अब तक इसका कोई प्रभाव दिखाई नहीं दिया।

रूस के हमलों में बढ़ोतरी

जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर जानकारी दी कि पिछले दो हफ्तों में रूस ने यूक्रेन पर 3,500 से ज्यादा ड्रोन, 2,500 से अधिक शक्तिशाली ग्लाइड बम और करीब 200 मिसाइलें दागी हैं। ये हमले यूक्रेन की रक्षा प्रणाली के लिए बड़ी चुनौती बन गए हैं। विशेष रूप से रूस के ग्लाइड बम, जो ऊंचाई से छोड़े जाते हैं, बेहद विनाशकारी साबित हो रहे हैं। इनसे बड़े गड्ढे बनते हैं और यूक्रेन के पास इनके खिलाफ कोई प्रभावी सुरक्षा उपाय नहीं है।

नाटो पर दबाव

रूसी ड्रोन हाल ही में पोलैंड की जमीन पर भी गिरे, जिसके बाद नाटो ने अपनी यूरोपीय वायु रक्षा प्रणाली को और मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाए। इससे स्पष्ट है कि युद्ध केवल यूक्रेन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यूरोपीय सुरक्षा पर भी बड़ा खतरा बनता

अमेरिका का वेनेजुएला की बोट पर फिर हमला, 3 की मौत

वॉशिंगटन, 16 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी सेना ने सोमवार को एक बार फिर वेनेजुएला के ड्रग तस्करों की बोट पर हमला किया। इस हमले में 3 लोग मारे गए। राष्ट्रपति ट्रम्प ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दी। उन्होंने इन तस्करों को नार्को टेररिस्ट यानी ड्रग कार्टेल से जुड़े आतंकवादी बताया।

मेरे आदेश पर अमेरिकी सेना ने ड्रग तस्करी करने वाले कार्टेल और नार्को टेररिस्ट पर स्ट्राइक की। ये लोग वेनेजुएला से नशीले पदार्थ अमेरिका की ओर ले जा रहे थे। उन्होंने कहा कि ड्रग कार्टेल अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति और हितों के लिए बड़ा खतरा हैं। ट्रम्प ने यह भी बताया कि इस हमले में अमेरिकी बलों को कोई नुकसान नहीं हुआ।

रूसी तेल खरीदने से अमेरिका को नुकसान

> ट्रेड वार्ता के बीच नवारो का दावा-'भारत चीन के साथ असहज'

न्यूयॉर्क, 16 सितंबर (एजेंसियां)। टैरिफ पर मचे विवाद के बीच अमेरिकी सहायक व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच नई दिल्ली के दौरे पर हैं। लिंच की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब कई दिनों के तीखे गतिरोध के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सकारात्मक संदेशों से व्यापार समझौते की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

इस दौरान भारत के सख्त विरोधी रहे ट्रंप के वरिष्ठ व्यापार सलाहकार पीटर नवारो का एक बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि भारत बातचीत की मेज पर आ रहा है। हालांकि, उन्होंने संकेत दिया कि रूस से तेल खरीद अमेरिका और भारत के व्यापारिक संबंधों पर असर डाल रही है। सीएनबीसी के कार्यक्रम स्क्वॉक बॉक्स में उन्होंने कहा, भारत बातचीत की मेज पर आ रहा है।

नवारो ने कहा, भारत के प्रधानमंत्री ने एक बहुत ही सौहार्दपूर्ण, अच्छा और रचनात्मक पोस्ट किया और राष्ट्रपति ट्रंप ने उस पर प्रतिक्रिया दी, लेकिन ऐसा लगता है कि उन्होंने क्रम को गलत समझ लिया है।" ट्रंप ने 9 सितंबर को ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है और मुझे पूरा विश्वास है कि दोनों महान देशों के लिए किसी सफल निष्कर्ष पर पहुंचने में कोई कठिनाई नहीं होगी। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को अपना 'महान मित्र' बताते हुए कहा कि वह उनसे बात करेंगे। ट्रंप के पोस्ट पर लगभग 17 घंटे बाद प्रधानमंत्री मोदी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, मुझे विश्वास है कि हमारी व्यापार वार्ता भारत-अमेरिका साझेदारी की असीम संभावनाओं को उजागर करने का मार्ग प्रशस्त करेगी। उन्होंने आगे कहा था कि वह ट्रंप से बातचीत के लिए उत्सुक हैं। नवारो ने नई दिल्ली पर सबसे ज्यादा टैरिफ लगाने की शिकायत भी दोहराई, जबकि साक्षात्कारकर्ता ने नवारो की उस टिप्पणी का मजाक उड़ाया, जिसमें उन्होंने भारत को 'टैरिफ

का महाराजा' बताया। नवारो ने कहा, किसी भी बड़े देश की तुलना में उनके टैरिफ सबसे ज्यादा हैं। हमें इससे वैसे ही निपटना पड़ा, जैसे हम हर दूसरे देश के साथ निपट रहे हैं, जो ऐसा करता है। उन्होंने दावा किया कि वैसे यह मुद्दा भारत द्वारा रूसी तेल खरीदने का है, जो यूक्रेन संघर्ष से पहले नहीं था। युद्ध के तुरंत बाद भारतीय रिफाइनर रूसी रिफाइनरों के साथ मिल गए और वे 'डाकुओं' की तरह काम कर रहे हैं।

नवारो ने दावा किया कि भारत के रूस से तेल खरीदने से अंततः अमेरिकी करदाताओं को नुकसान होगा, क्योंकि जब मास्को भारत से प्राप्त राजस्व का उपयोग हथियार खरीदने के लिए करता है तो यूक्रेन को हथियार देने के लिए अमेरिका को भुगतान करना पड़ता है। नवारो ने कहा कि उन्हें लगता है कि पिछले महीने तियानजिन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात के वक्त प्रधानमंत्री मोदी असहज महसूस कर रहे थे। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी को लंबे समय से भारत के अस्तित्व के लिए खतरा रहे चीन के राष्ट्रपति और रूसी समकक्ष पुतिन के साथ एक मंच पर देखना दिलचस्प अनुभव था। मुझे नहीं लगता कि पीएम मोदी सहज महसूस कर रहे थे।

सीनेट की समिति के सामने पेश होंगे एफबीआई प्रमुख

चार्ली की हत्या की जांच सहित इन सवालों का करना होगा सामना

वॉशिंगटन, 16 सितंबर (एजेंसियां)। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के निदेशक काश पटेल को सीनेट की एक समिति की पूछताछ का सामना करना पड़ेगा। डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद उनसे चार्ली किर्क की हत्या की जांच और एफबीआई के अंदर वरिष्ठ अधिकारियों को हटाए जाने को लेकर कड़े सवाल पूछ सकते हैं। इन अधिकारियों ने एफबीआई निदेशक पर राजनीतिक बदले की कार्रवाई करने का आरोप लगाया है। सीनेट की न्यायपालिका समिति उनसे पूछताछ करेगी। एफबीआई प्रमुख के पद पटेल को अभी बहुत ज्यादा समय नहीं हुआ है, लेकिन उनका कार्यकाल विवादों भरा रहा है। समिति के सामने पटेल को साबित करना होगा कि एफबीआई के अंदरूनी उथल-पुथल और अमेरिकी में बढ़ती राजनीतिक हिंसा के बीच वह पद के लिए सही व्यक्ति हैं।

पटेल का अब तक का विवादों भरा कार्यकाल

पटेल इससे पहले जनवरी में समिति के समक्ष पेश हुए थे, जिसमें उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों को आश्वासन दिया था कि वह निदेशक के रूप में किसी भी तरह की राजनीतिक बदले की कार्रवाई नहीं करेंगे। अब उन्होंने पूछा जाएगा कि क्या उन्होंने ऐसा किया है। एफबीआई ने पिछले महीने पांच एजेंटों और वरिष्ठ अधिकारियों को बर्खास्त किया है। मौजूदा व पूर्व अधिकारियों का कहना है कि इससे विभाग का मनोबल गिरा है और असंतोष फैला है। पटेल को इससे जुड़े सवालों का जवाब देना होगा।

अधिकारियों ने अदालत में दायर किया है मुकदमा

इनमें से तीन अधिकारियों ने पिछले हफ्ते एक संघीय अदालत में मुकदमा दायर किया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि पटेल को पता था कि इन अधिकारियों की बर्खास्तगी को अवैध घोषित किया जा सकता है, लेकिन उन्होंने अपनी नौकरी बचाने के लिए इन्हें अंजाम दिया। इन अधिकारियों में से एक ने छह जनवरी 2021 को कैपिटल हिल में हुए दंगों की जांच में अहम भूमिका निभाई थी और एक अन्य अधिकारी काकार्यवाहक निदेशक रहते हुए न्याय विभाग के अधिकारियों से टकराव हुआ था। एफबीआई ने इस मामले पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है।

रिपब्लिकन सांसद कर सकते पटेल का बचाव

सीनेट की इस समिति में रिपब्लिकन पार्टी के सांसद बहुमत में हैं। वह पटेल का समर्थन कर सकते हैं। पटेल राष्ट्रपति ट्रंप के करीबी माने जाते हैं और रिपब्लिकन सांसद हिंसक अपराध और अवैध प्रवासियों पर फोक करने के उनके कदम की सराहना करने सकते हैं।

6 पार्टियों के टॉप लीडर्स को हटाने की मांग

कहा-पुराने चेहरे बर्दाश्त नहीं करेंगे; एक सप्ताह से गायब नेताओं ने अब तक पद नहीं छोड़ा

काठमांडू, 16 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल में हुए जेन-जी आंदोलन का असर सभी प्रमुख दलों पर पड़ा है। इनके भीतर नेतृत्व परिवर्तन और पार्टी के पुनर्गठन की आवाज तेज हो गई है। जो नेता अब तक अपनी ही पार्टी में बदलाव की धीमी आवाज उठा रहे थे, वे अब खुलकर कह रहे हैं कि मौजूदा नेतृत्व बदलना होगा।

नेपाल में पिछले एक सप्ताह में सरकार ही नहीं गिरी, संसद भी भंग हो गई और देश में गैर-दलीय अंतरिम सरकार बनानी पड़ी। लोगों को उम्मीद थी कि पुराने नेता हालात की जिम्मेदारी लेकर इस्तीफा देंगे और नई पीढ़ी को रास्ता देंगे। लेकिन एक हफ्ता बीतने के बाद भी किसी बड़े नेता ने पद नहीं छोड़ा है। बीबीसी नेपाली की एक रिपोर्ट के मुताबिक, राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगले साल फरवरी में होने वाले चुनाव से पहले कई दल अपने शीर्ष नेतृत्व में बदलाव करने को मजबूर होंगे। हालिया विरोध ने यह साफ कर दिया है कि जनता अब पुराने चेहरों को स्वीकार करने के मूड में नहीं है। इस बीच, युवाओं के दबाव में छह अहम दलों के 16 वरिष्ठ नेताओं ने एक संयुक्त बयान जारी किया। इसमें कहा गया कि भाई-भतीजावाद खत्म करना होगा और नई पीढ़ी को आगे लाने का माहौल बनाना जरूरी है। नेताओं ने यह भी स्वीकार किया कि लंबे समय तक कुछ चेहरों का सत्ता पर कब्जा ही मौजूदा राजनीतिक संकट की जड़ है। नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेरबहादुर देउबा, जो 5 बार प्रधानमंत्री रह चुके हैं, छठी बार कार्यकारी अध्यक्ष बनने का इंतजार कर रहे थे। इतना ही कांग्रेस–यूएमएल गठबंधन के समझौते के हिसाब से अगले साल पीएम बनने की बारी उनकी थी लेकिन लेकिन जेन-जी आंदोलन ने गठबंधन सरकार ही गिरा दी। देउबा की उम्र अब अस्सी साल से ऊपर हो चुकी है।

'चार्ली की मौत का जश्न मनाने वालों का रद्द करेंगे वीजा, निर्वासन के लिए तैयार रहें'

रूबियो की चेतावनी

वॉशिंगटन, 16 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि ऐसे विदेशी नागरिकों के वीजा रद्द किए जा रहे हैं, जो दक्षिणपंथी टिप्पणीकार चार्ली किर्क की हत्या पर जश्न मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका उन विदेशियों को अपने देश में नहीं रखेगा जो हमारे नागरिकों की मौत का जश्न मनाते हैं।

न्यूज से बातचीत में रूबियो ने कहा कि अमेरिका को ऐसे लोगों को देश में घुसने या रहने की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए, जो इस तरह की हत्याओं का समर्थन करते हैं या उनका जश्न मनाते हैं। उन्होंने कहा, हमें ऐसे लोगों को वीजा नहीं देना चाहिए जो अमेरिका आकर किसी राजनीतिक व्यक्ति की हत्या, फांसी या हत्या जैसी घटनाओं का जश्न मनाएं और अगर वो पहले से यहां हैं, तो उनका वीजा रद्द कर देना चाहिए।

रूबियो ने एक्स पर अपने बयान का वीडियो साझा किया और लिखा, जो लोग हमारे नागरिकों की मौत का जश्न मना रहे हैं, उन्हें

अमेरिका में जगह नहीं मिलेगी। वीजा रद्द किए जा रहे हैं। अगर आप वीजा पर यहां हैं और किसी राजनीतिक व्यक्ति की सार्वजनिक हत्या पर खुश हो रहे हैं, तो निर्वासन के लिए तैयार हो जाइए। इस देश में आपका स्वागत नहीं है।

अमेरिकी सुरक्षा विभाग (डीएचएस) की सहायक सचिव ट्रिशा मैकलॉफलिन ने भी कहा कि ऐसे लोगों के वीजा रद्द किए जाने चाहिए जो अमेरिकी नागरिकों की हत्या को महिमामंडित करते हैं। इससे पहले, अमेरिका के उप विदेश सचिव क्रिस्टोफर लैंडाउ ने भी एक्स पर लिखा, मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि जो विदेशी नागरिक हिंसा और नफरत को बढ़ावा देते हैं, वे हमारे देश में स्वागत योग्य नहीं हैं। सोशल मीडिया पर कुछ लोगों को इस घटना का समर्थन करते, उसका मजाक उड़ाते या उसे उचित ठहराते देख कर मुझे नफरत हो रही है। मैंने हमारे दूतावासों को निर्देश दिया है कि वे इस मामले में उचित कार्रवाई करें। कृपया अगर आप किसी विदेशी नागरिक की इस तरह की टिप्पणियां देखें तो उन्हें मेरे ध्यान में लाएं, ताकि हम अमेरिकी लोगों की रक्षा कर सकें।

रूबियो ने इस कदम का बचाव करते हुए कहा कि अमेरिका को ऐसे लोगों को नहीं बुलाना चाहिए जो 'नकारात्मक और विनाशकारी व्यवहार' करते हैं। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि वीजा रद्द करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और किर्क की हत्या के बाद इस मुद्दे पर सख्त कार्रवाई की जा रही है।

दुर्गा पूजा से पहले मोहम्मद यूनुस ने ढाकेश्वरी मंदिर का किया दौरा, कहा- राष्ट्र एक बड़ा परिवार

ढाका, 16 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस के अनुसार, यूनुस ने मंदिर प्रांगण का भ्रमण किया और वार्षिक हिंदू धार्मिक उत्सव की तैयारियों का निरीक्षण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यूनुस ने कहा कि किसी भी सरकार को नागरिकों के मौलिक संवैधानिक अधिकारों से वंचित करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, कोई भी व्यक्ति चाहे किसी भी आस्था या विचारधारा को मानता हो, चाहे गरीब हो या अमीर, सबसे पहले वह एक नागरिक है। संविधान में सभी नागरिकों के अधिकारों की गारंटी दी गई है। यूनुस ने कहा, पूरा राष्ट्र एक बड़ा परिवार है। सरकार सभी नागरिकों के समान अधिकार और गरिमा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मोहम्मद यूनुस की यह शुभकामनाएं ऐसे समय आई हैं जब अगस्त पिछले साल उनके सत्ता में आने के बाद से हिंदू समुदाय और उनके पूजा स्थलों पर हमलों की घटनाओं की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। यूनुस ने कहा कि नए बांग्लादेश का सबसे अहम लक्ष्य सभी नागरिकों के समान अधिकार सुनिश्चित करना है।

दक्षिण चीन सागर में टकराए ड्रैगन और फिलीपींस के जहाज

तनाव और बढ़ने की आशंका

बीजिंग, 16 सितंबर (एजेंसियां)। दक्षिण चीन सागर में विवादित स्कारबोरो शोल के पास मंगलवार को चीन और फिलीपींस के चीन ने लगाया आरोपजहाजों के बीच टक्कर हो गई।

चीन के कोस्ट गार्ड ने आरोप लगाया कि फिलीपींस की एक सरकारी नाव ने जानबूझकर उनकी नौका को टक्कर मारी। यह घटना ऐसे समय हुई है जब दोनों देशों के बीच इस क्षेत्र पर दावे को लेकर पहले से ही तनाव चल रहा है। चीन के कोस्ट गार्ड ने दावा किया कि फिलीपींस की 10 से अधिक सरकारी नावें अलग-अलग दिशाओं से स्कारबोरो शोल के पास पहुंचीं। इस दौरान चीनी जहाजों ने उन्हें रोकने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। चीन इस क्षेत्र को ह्वांगयान द्वीप कहता है और इस पर अपना दावा जताता है। वहीं फिलीपींस इसे बाजो दे मसिनलोक कहकर अपना क्षेत्र मानता है।

रिटायर्ड आईएएस अमित खरे उपराष्ट्रपति के सेक्रेटरी बने

बिहार का चारा घोटाला उजागर किया, पीएम मोदी के सलाहकार रहे

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार-झारखंड कैडर के 1985 बैच के रिटायर्ड आईएएस ऑफिसर अमित खरे को उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन का सेक्रेटरी नियुक्त किया गया। डिपार्टमेंट ऑफ पर्सनल एंड ट्रेनिंग (डीओपीटी) ने आदेश जारी कर इसकी जानकारी दी।

आदेश के अनुसार, खरे की नियुक्ति कॉन्ट्रैक्ट बेसिस पर है और उनका कार्यकाल 3 सालों के लिए होगा। अमित खरे झारखंड के कायस्थ परिवार से हैं। उनके बड़े भाई अतुल खरे 1984 बैच के आईएफएस ऑफिसर हैं। उन्होंने यूनाइटेड नेशन्स में विभिन्न पदों पर कार्य किया है। इसमें यूएन के ऑपरेशनल सपोर्ट डिपार्टमेंट में अंडर सेक्रेटरी का पद भी शामिल है।

> 1992 में दरभंगा जिले के डीएम बने

खरे यूपीएससी सिविल सर्विस परीक्षा क्लियर करके साल 1985 में आईएएस के लिए सिलेक्ट हुए। इसके तुरंत बाद उत्तराखंड के मसूरी में स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) में उनकी ट्रेनिंग हुई। ट्रेनिंग के बाद 1 सितंबर, 1987 को पहली नियुक्ति बिहार में असिस्टेंट कलेक्टर के रूप में हुई। फिर 1992 में बिहार के दरभंगा जिले के डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट (डीएम) बने। वो 4 जिलों दरभंगा, बेगूसराय, चाईबासा (पश्चिमी सिंहभूम) और पटना के कलेक्टर रहे। वो बिहार में रेवेन्यू बोर्ड के सेक्रेटरी रहे, झारखंड के पहले वाणिज्यिक कर आयुक्त, झारखंड के अतिरिक्त वित्त आयुक्त और झारखंड के वित्त एवं योजना विभाग के प्रिंसिपल सेक्रेटरी और एडिशनल प्रिंसिपल सेक्रेटरी रहे। इसके बाद अमित खरे ने झारखंड में ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट डिपार्टमेंट के सेक्रेटरी, इन्फॉर्मेशन एंड पब्लिक रिलेशन डिपार्टमेंट के सेक्रेटरी के रूप में काम किया। साथ ही, झारखंड के राज्यपाल के प्रिंसिपल सेक्रेटरी के रूप में भी सेवा दी।

> चारा घोटाले को उजागर किया

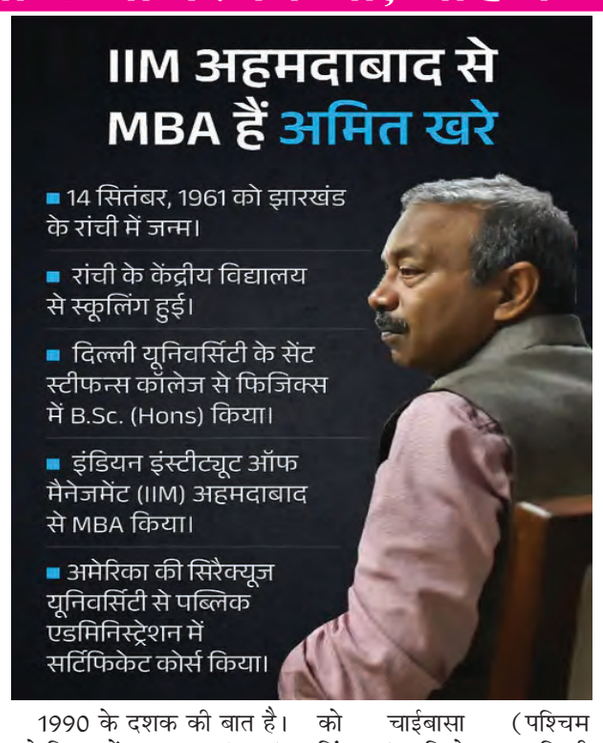

1990 के दशक की बात है। पूरे बिहार में पशुपालन (चारा) विभाग से फर्जी बिल्स के आधार पर तकरीबन 900 करोड़ रुपए की निकासी की चर्चा थी। इस बीच बिहार सरकार ने युवा आईएएस ऑफिसर अमित खरे को चाईबासा (पश्चिम सिंहभूम) जिले का डिप्टी कमिश्नर बनाकर भेजा। उन्होंने चाईबासा ट्रेजरी में छापा मारकर कई लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई और ट्रेजरी को सील कर दिया। उसके बाद यह घोटाला पकड़ में आया।

हालांकि बाद में ये मामला सीबीआई को चला गया और तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव को भी इसमें अभियुक्त बनाया गया। इसके चलते लालू को 25 जुलाई, 1997 को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा। उसी साल 30 जुलाई को उन्होंने पटना में सरेंडर किया और वे इस घोटाले में पहली बार जेल गए।

> 6 साल एचआरडी मिनिस्ट्री में काम किए

खरे अगस्त 2008 में भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के हायर एजुकेशन डिपार्टमेंट में जॉइंट सेक्रेटरी बने। यहां उन्होंने 6 सालों तक काम किया और अगस्त 2014 तक कार्यरत रहे। इस दौरान यूनेस्को, एजुकेशन पॉलिसी और बुक प्रमोशन एंड कॉपीराइट से जुड़े काम किए। इसके बाद केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर डिपार्टमेंट के मेंबर सेक्रेटरी बने। फिर फाइनेंस डिपार्टमेंट के प्रिंसिपल सेक्रेटरी बने। बाद में बैंकिंग डिपार्टमेंट के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी भी रहे।

> एनईपी 2020 तैयार करने वाली मुख्य टीम का हिस्सा रहे

इसके बाद 16 दिसंबर, 2019 को खरे का तबादला शिक्षा मंत्रालय में हुआ। यहां वो हायर एजुकेशन डिपार्टमेंट में सेक्रेटरी बनाए गए। साथ ही उन्हें स्कूल एजुकेशन एंड लिटरेसी डिपार्टमेंट का भी अतिरिक्त प्रभार दिया गया। यहां रहते हुए उन्होंने नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वो एनईपी, 2020 को तैयार करने और लागू करने वाली मुख्य टीम का हिस्सा थे। 30 सितंबर, 2021 को शिक्षा मंत्रालय में सेक्रेटरी रहते हुए रिटायर हुए।

> रिटायर होने के बाद पीएम के सलाहकार बने

खरे को 12 अक्टूबर, 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सलाहकार नियुक्त किया गया। इन्होंने 31 जुलाई, 2021 को रिटायर्ड हुए अमरजीत सिन्हा की जगह ली। पीएम के सलाहकार रहते हुए उन्हें 2 बार एक्सटेंशन मिला। एक बार अक्टूबर, 2023 में और दूसरी बार जून 2024 में।

ईडी का दावा : शराब घोटाले में सिंडिकेट के प्रमुख हैंडलर थे चैतन्य बघेल

रायपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपनी अभियोजन शिकायत में आरोप लगाया है कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल छत्तीसगढ़ में शराब घोटाले के सिंडिकेट के मुखिया थे। उन्होंने इससे करीब एक हजार करोड़ रुपये का प्रबंधन व्यक्तिगत रूप से किया था। ईडी ने कोर्ट में पेश चालान में चैतन्य को सिंडिकेट का प्रमुख हैंडलर बताया है। ईडी ने दावा किया है कि चैतन्य ने सिंडिकेट के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर जानबूझकर अपराध की आय को छिपाने, रखने और प्राप्त करने और उपयोग करने में मदद की। ईडी ने सोमवार को जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (चतुर्थ) दमरुधर चौहान की अदालत में दायर अपनी चौथी पूरक अभियोजन शिकायत (आरोप पत्र) में यह दावा किया।

ईडी ने चैतन्य बघेल को 18 जुलाई को दुर्ग जिले के भिलाई शहर में उनके घर की तलाशी के बाद गिरफ्तार किया था, जो उनके पिता के साथ साझा है। कथित 2,500 करोड़ रुपये का शराब घोटाला 2019 से 2022 के बीच हुआ था, जब राज्य में भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार सत्ता में थी। ईडी ने अब तक इस मामले में एक अभियोजन शिकायत और चार पूरक शिकायतें दर्ज की है और दावा किया है कि कथित घोटाले से राज्य के खजाने को भारी नुकसान हुआ और शराब सिंडिकेट के लोगों की जेबें भरी गईं। ईडी ने रायपुर की एक विशेष अदालत में 7,039 पेजों की पूरक अभियोजन शिकायत (आरोप पत्र) दाखिल करते हुए कहा कि साल 2019 में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार के गठन के बाद एक संगठित शराब सिंडिकेट बनाया गया था।

झारखंड में 18 सितंबर तक बारिश का अलर्ट

रांची, 16 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड में मानसून इस समय पूरी तरह सक्रिय है। मौसम विभाग के मुताबिक, राज्य की राजधानी रांची में अगले कई दिनों तक हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश होती रहेगी। 16 सितंबर को आसमान में बादल छाये रहेंगे और दो से अधिक बार बारिश होने की संभावना है।

रांची के अधिकतम तापमान में 1 डिग्री सेल्सियस की और गिरावट आ सकती है, जबकि न्यूनतम तापमान में खास परिवर्तन की उम्मीद नहीं है। फिलहाल रांची का अधिकतम तापमान 27 डिग्री और न्यूनतम 23.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। अधिकतम तापमान सामान्य से 2.8 डिग्री कम और न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.4 डिग्री अधिक है।

रायगढ़ एनटीपीसी के उप-महाप्रबंधक 4.50 लाख रिश्वत लेते गिरफ्तार

रायपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। बिलासपुर एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने छापेमारी कर एनटीपीसी रायगढ़ के उप-महाप्रबंधक विजय दुबे को 4.50 लाख रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। जमीन मुआवजा दिलाने के एवज में 5 लाख रुपए की डिमांड की थी। मामला तमनार थाना इलाके का है। दरअसल, तिलाईपाली के रहने वाले सौदागर गुप्ता के मुताबिक, मकान का मौखिक बंटवारा उनके तीन बेटों के बीच हुआ था। लेकिन एनटीपीसी ने मकान और जमीन का अधिग्रहण कर लिया। जिसके एवज में उन्हें मुआवजा मिल चुका है।

लेकिन पुनर्वास योजना के तहत उनके बेटों को करीब 30 लाख रुपए मिलने थे। इसमें से 14 लाख रुपए का भुगतान हो गया, बाकी 16 लाख रुपए दिलाने के लिए उप-महाप्रबंधक विजय दुबे ने 5 लाख रुपए रिश्वत की मांग की। सौदागर गुप्ता ने बताया कि, विजय दुबे पहले ही 50 हजार रुपए ले चुका था। बाकी पैसे दिलाने के लिए बार-बार रिश्वत की डिमांड कर रहा था। लेकिन घूस नहीं देना चाहते थे। इसलिए 13 सितंबर को बिलासपुर एसीबी में इसकी शिकायत कर दी। शिकायत की पुष्टि के बाद मंगलवार 16 सितंबर को एसीबी ने ट्रैप किया। विजय दुबे ने गुप्ता को एक पेट्रोल पंप के पास बुलाया। जहां 4.50 लाख रुपए की रिश्वत ले रहा था।

पिकअप ने मारी टक्कर पिता-पुत्र की मौत

बोकारो, 16 सितंबर (एजेंसियां)। बोकारो के बहादुरपुर-जैनामोड़ मुख्य पथ पर सुबह एक सड़क हादसे में पिता-पुत्र की मौत हो गई। कसमार प्रखंड के कमलापुर निवासी चंदन तुरी की पत्नी घायल हैं। चंदन तुरी अपनी पत्नी और 13 वर्षीय पुत्र के साथ जिउतिया मनाकर बाइक से घर लौट रहे थे। बड़कावन के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार सब्जी लदी पिकअप वैन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में चंदन और उनके बेटे की मौके पर मौत हो गई। जबकि पत्नी घायल हो गई। उसे बोकारो के सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पेंड्रा रोड आरपीएफ जवान की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत

गार्ड ऑफ ऑनर के साथ शव यूपी के लिए रवाना

पेंड्रा मरवाही, 16 सितंबर (एजेंसियां)। आरपीएफ पेंड्रा रोड पर पदस्थ जवान सड़क हादसे का शिकार हो गया। ड्यूटी खत्म करके बाइक से घर आने के दौरान अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। घटना में जवान के सिर पर गंभीर चोट लगी। राहगीरों ने अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आज आरपीएफ के अधिकारियों ने विधिवत मृतक जवान के शव को गार्ड ऑफ ऑनर देकर गृह ग्राम यूपी के लिए रवाना कर दिया है।। जहां उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। पेंड्रारोड आरपीएफ में पदस्थ जवान का सड़क हादसे में मौत हो गई है। जवान राम आसरे खोंगसरा रेलवे स्टेशन में तैनात थे और ड्यूटी के बाद अपनी बाइक से सड़क मार्ग से अपने रूम आने को निकले थे। लेकिन रास्ते में किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। घटना के बाद पीछे आ रहे राहगीरों ने खून से लथपथ जवान को गौरेला पेंड्रा मरवाही जिला अस्पताल भेजा। अस्पताल में मौजूद डॉक्टरों ने राम आसरे को मृत घोषित कर दिया।

एसडीओपी ने शादीशुदा महिला से रेप किया-अश्लील वीडियो बनाए

याकूब मेमन बोले-मुझे फंसाया, डेढ़ लाख वसूले मकान अपने नाम करवाने का दबाव बना रही

बलरामपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। बलरामपुर में पोस्टेड एसडीओपी याकूब मेमन पर महिला से रेप के आरोप मामले में नया मोड़ आ गया है। अफसर ने भी महिला पर ब्लैकमेलिंग के आरोप लगाए हैं। दरअसल महिला ने शिकायत की है कि याकूब मेमन ने रायपुर में पोस्टिंग के दौरान उसका रेप किया और अश्लील वीडियो बनाकर उसे बार-बार धमकाया। वहीं दूसरी ओर, एसडीओपी याकूब मेमन आईजी से शिकायत की है कि महिला ने पहले उनसे आर्थिक मदद मांगी, फिर जानबूझकर नजदीकियां बढ़ाईं और वीडियो के जरिए उन्हें ब्लैकमेल कर रही है। अब तक डेढ़ लाख रुपए दे चुके हैं। साथ ही, मकान अपने नाम करवाने का दबाव भी बनाया। जब उन्होंने मना किया, तो महिला ने झूठा केस दर्ज करवा दिया।

अश्लील वीडियो भेज ब्लैकमेल करता था-पीड़िता

पीड़िता ने बताया कि वह रायपुर के टिकरापारा में एसडीओपी याकूब मेनन के मकान में किराए से रहती थी। आरोप है कि याकूब मेमन ने महिला का रेप किया और अश्लील वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल किया। पीड़िता याकूब मेमन के बलरामपुर जिले में पदस्थ रहने के दौरान भी आती-जाती थी। पीड़िता ने मामले की शिकायत रायपुर पुलिस से की, लेकिन एफआईआर दर्ज नहीं की गई तो पीड़िता बलरामपुर पहुंची। बलरामपुर पुलिस ने भी महिला की शिकायत पर एफआईआर दर्ज नहीं की तो पीड़िता सरगुजा आईजी के पास शिकायत लेकर पहुंची।

एसडीओपी बोले-महिला ने फंसाया, संबंध बनाने की पहल की

याकूब मेमन का कहना है कि महिला रायपुर स्थित उनके किराए के मकान में अपने पति और बच्चों के साथ डेढ़ साल से रह रही है। करीब 9 महीने पहले महिला ने अपने पति की तबीयत खराब होने की बात कहकर फोन पर मदद मांगी, जिसके बाद उन्होंने आर्थिक सहायता की। इसके बाद, महिला ने उन्हें झांसे में लेकर बातचीत शुरू की और भावनात्मक रूप से नजदीक आई। कुछ समय बाद बलरामपुर आकर दो-तीन दिन उनके मकान में भी रुकी और फिर संबंध बनाने की पहल की। याकूब के अनुसार, महिला ने जानबूझकर अंतरंग पलों का वीडियो बनाने के लिए दबाव डाला।

हजारीबाग में दो लूट कांड का खुलासा

सीएसपी सेंटर और माइक्रोफाइनेंस कंपनी से लूट के 4 आरोपी गिरफ्तार, हथियार बरामद

हजारीबाग, 16 सितंबर (एजेंसियां)। हजारीबाग पुलिस ने कटकमदाग थाना क्षेत्र में हुई दो लूट की वारदातों का खुलासा किया है। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि 9 सितंबर को डामोडीह सीएसपी सेंटर में हुई पहली वारदात में तीन अपराधियों ने महिला संचालिका खिलवंती कुमारी से 2 लाख 52 हजार रुपए लूटे थे। अपराधी दो एटीएम कार्ड, तीन पासबुक, दो चेक, सीएसपी सेंटर का आईडी कार्ड और मोबाइल चार्जर भी ले गए थे। दूसरी वारदात 25 जुलाई को हुई थी। इसमें मिडलैंड माइक्रोफाइनेंस लिमिटेड के कलेक्शन मैनेजर से 56 हजार रुपए लूटे गए थे।

नाले में बह गई ट्रैक्टर-ट्रॉली, 7 मजदूर भी बहे

> कवर्धा में तैरकर बचाई जान <

रायपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। कवर्धा में घुमाछापर गांव के पास स्थित टमरू नाले में रेत से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अचानक आई बाढ़ की चपेट में आ गई। ट्रॉली में सवार सभी 7 मजदूर भी बह गए। हालांकि, सभी मजदूरों ने तैरकर अपनी जान बचा ली। बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर-ट्रॉली नाले के बीचों-बीच फंस गई थी। इसी दौरान तेज बारिश हुई और अचानक पानी का बहाव तेज हो गया, जिससे ट्रॉली समेत मजदूर बहने लगे।

वहीं रायपुर में मंगलवार सुबह से बादल छाए हुए हैं। 11 बजे के बाद मौसम बदला और रुक-रुक तेज बारिश हो रही है। बता दें कि मौसम विभाग ने आज कोंडागांव, बस्तर, दंतेवाड़ा और सुकमा इन चार जिलों को छोड़कर बाकी जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है। यहां गरज चमक के साथ बिजली गिर सकती है। आंधी चल सकती है। इसके बाद कल यानी 17 सितंबर से इस तरह की एक्टिविटी में कमी आएगी। इन सबके बीच सोमवार दोपहर रायपुर और रायगढ़ में बारिश हुई है। पिछले 24 घंटों में ज्यादातर जगहों पर हल्की से मध्यम पानी बरसा है।।प्रदेश में अब तक सबसे ज्यादा बलरामपुर जिले में पानी बरसा है और सबसे कम बेमेतरा जिले में।

पुलिस मुख्यालय के डाटा सेंटर में लगी आग, करोड़ों का नुकसान

रांची, 16 सितंबर (एजेंसियां)। राजधानी रांची के धुर्वा स्थित झारखंड पुलिस मुख्यालय के डाटा सेंटर में मंगलवार सुबह अचानक आग लग गई। आग लगने से पूरे प्रशासनिक तंत्र में हड़कंप मच गया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, आग की शुरुआत ऊपर बने डेवलपमेंट रूम से हुई और देखते ही देखते डाटा सेंटर तक फैल गई।

सीजीएमएससी घोटाला जेल में बंद अफसरों को बेल नहीं

हाईकोर्ट बोला-गंभीर आर्थिक अपराध, जांच अधूरी है इसलिए नहीं दी जा सकती जमानत

बिलासपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सीजीएमएससी में 411 करोड़ के मेडिकल उपकरण खरीदी घोटाले के 2 आरोपियों की जमानत अर्जी खारिज कर दी है। इसमें सीजीएमएससी के डिप्टी डायरेक्टर डॉ अनिल परसाई और असिस्टेंट ड्रग कंट्रोलर बसंत कौशिक शामिल हैं। जिन्होंने हाईकोर्ट में नियमित जमानत याचिका लगाई थी।

कोर्ट ने कहा कि मामला गंभीर आर्थिक अपराध का है और जांच अभी अधूरी है, ऐसे में आरोपियों को जमानत देना उचित नहीं है। बता दें कि एसीबी-ईओडब्ल्यू की टीम ने मोक्षित कार्पोरेशन, रिकॉर्ड्स और मेडिकेयर सिस्टम, श्री शारदा इंडस्ट्रीज, सीबी कार्पोरेशन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। जिसकी जांच और छापेमारी के बाद छत्तीसगढ़ मेडिकल कार्पोरेशन सर्विसेज (सीजीएमएससी) के अफसरों को भी आरोपी बनाकर गिरफ्तार किया है।

सीजीएमएससी के डिप्टी डायरेक्टर, असिस्टेंट ड्रग कंट्रोलर ने लगाई थी याचिका

इस घोटाले में सीजीएमएससी के डिप्टी डायरेक्टर डॉ अनिल परसाई और असिस्टेंट ड्रग कंट्रोलर बसंत कौशिक को आरोपी बनाया गया है। दोनों जेल में हैं, उन्होंने अपने एडवोकेट के जरिए हाईकोर्ट में जमानत याचिका लगाई थी। इसमें कहा गया कि एफआईआर में उनका नाम नहीं है। उनके खिलाफ कोई सीधा आरोप नहीं है। आरोपी डॉ. अनिल परसाई की तरफ से कहा गया कि विभाग द्वारा जारी वर्किंग डिस्ट्रीब्यूशन के अनुसार उन्हें केवल आहरण और संवितरण का अधिकार दिया गया था ना कि खरीदी का। यह काम सीजीएमएससी के संचालक के पद पर बैठे अधिकारी करते थे उन्होंने कुछ नहीं किया है। याचिकाकर्ता डॉ अनिल परसाई के क्षेत्राधिकार में ना तो खरीदी का अधिकार था ना खरीदी के स्वीकृति देने का और ना ही भुगतान का। इसी तरह का तर्क असिस्टेंट ड्रग कंट्रोलर बसंत कौशिक के वकील ने भी दिया।

शासन ने जमानत का किया विरोध

सुनवाई के दौरान शासन की तरफ से जमानत का विरोध किया गया। शासकीय वकील ने कोर्ट को बताया कि फर्म से मिलीभगत कर इस गड़बड़ी को अंजाम दिया गया है। वकील ने कोर्ट को बताया कि रिकॉर्ड्स एंड मेडिकेयर सिस्टम्स ने मोक्षित कॉर्पोरेशन और श्री शारदा इंडस्ट्रीज के साथ मिलकर अफसरों ने पूल टेंडरिंग की। तीनों कंपनियों के रीजेंट के नाम, पैकेज और दरें एक जैसी थीं। यह सामान्य नहीं है। इससे साफ है कि टेंडर में गड़बड़ी की गई है और अफसरों की भूमिका सहयोगी का रहा है। ऐसे में उन्हें जमानत नहीं देना चाहिए।

सेक्स रैकेट का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

> दूसरे राज्यों की लड़कियों को होटल में ठहराता था

दुर्ग-भिलाई, 16 सितंबर (एजेंसियां)। वैशाली नगर थाना पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे होटल मालिक निखिल मेश्राम उर्फ निक्कु उर्फ अमित (26 वर्ष) को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। इससे पहले पुलिस इस मामले में दो अन्य आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। अब तक तीन आरोपी सलाखों के पीछे पहुंच चुके हैं।

बाहरी राज्य की युवतियों को ठहराता था होटल में

होटल ईशा में देह व्यापार कांड की जांच में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पकड़े गए आरोपी निखिल मेश्राम बाहरी राज्यों से युवतियों को बुलाकर उन्हें होटल में ठहराता था। इसके बाद ग्राहकों को फंसाने के लिए युवतियों के फोटो और डिटेल्स ह्वाट्सऐप पर भेजे जाते थे। तय रकम के बाद ग्राहकों को होटल में बुलाकर अवैध गतिविधि कराई जाती थी। पुलिस जांच में सामने आया कि इस पूरे सौदेबाजी में आरोपी का मोबाइल फोन अहम कड़ी था। मोबाइल के जरिए ही आरोपी ग्राहकों से संपर्क करता और युवतियों की फोटो भेजकर डील फाइनल करता था। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान आरोपी के कब्जे से मोबाइल जब्त कर लिया है। एक तय रकम के बाद ग्राहक को होटल में बुलाकर अवैध गतिविधि कराई जाती थी। इस सौदेबाजी में आरोपी का मोबाइल मुख्य भूमिका निभा रहा था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से मोबाइल फोन जब्त कर लिया है।

दो आरोपी पहले से ही जेल में

बता दें कि इससे पहले इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। अब निखिल मेश्राम की गिरफ्तारी के बाद पुलिस मोबाइल की डिजिटल जांच कर रही है ताकि और भी सुराग मिल सकें। पुलिस को शक है कि आरोपी का नेटवर्क राज्य से बाहर भी फैला हुआ है। जांच के बाद और नाम सामने आने की संभावना जताई जा रही है।

वैशाली नगर थाना क्षेत्र में अनैतिक देह व्यापार की गतिविधियों की सूचना पुलिस को लगातार मिल रही थी। इसी कड़ी में पुलिस ने होटल ईशा पर दबिश देकर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था। जांच के दौरान होटल मालिक निखिल मेश्राम का नाम सामने आया, लेकिन वह फरार हो गया था। इस बीच मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी शहर में देखा गया है। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया।

बिलासपुर में एमपी से नशीली दवाओं की सप्लाई प्रतिबंधित कफ सिरप के साथ पकड़ाए दो तस्कर

बिलासपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में मध्यप्रदेश से नशीली दवाओं की सप्लाई की जा रही है। तस्करों के लिए ट्रेन सस्ता और सुलभ साधन बन गया है। पुलिस ने दो तस्कर को प्रतिबंधित कफ सिरप के साथ गिरफ्तार किया है।

आरोपी कोटा क्षेत्र में युवकों को नशे का सामान बेचता है। टीआई तोप सिंह नवरंग ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में मध्यप्रदेश के कटनी से नशे के सामानों की सप्लाई की जानकारी मिल रही थी। जिस पर पुलिस ने तस्कर को पकड़ने के लिए मुखबिर लगाया था। सोमवार को खबर मिली कि दो युवक कटनी से नशीली दवा लेकर ट्रेन से आ रहे हैं। दोनों कलमीटार स्टेशन पर उतरने वाले हैं। इस पर पुलिस की टीम ने कलमीटार स्टेशन के पास घेराबंदी की।

30 सितंबर तक सभी सफल अभ्यर्थियों को मिलेगा नियुक्ति पत्र, हेमंत सरकार ने तय किया लक्ष्य

रांची, 16 सितंबर (एजेंसियां)। राज्य सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि प्रशिक्षित सहायक आचार्य के सभी सफल घोषित अभ्यर्थियों को 30 सितंबर से पूर्व नियुक्ति पत्र दे दिए जाएंगे। कुल 4333 अभ्यर्थियों में से अब तक सीमित संख्या को ही नियुक्ति पत्र सौंपा गया है, जबकि शेष 4120 से अधिक अभ्यर्थियों की नियुक्ति प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

सरकार का प्रयास है कि आगामी दशहरा त्योहार से पूर्व सभी सफल उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र मिल जाए, ताकि वे अपने परिवारों के साथ खुशियां बांट सकें और नई जिम्मेदारी की शुरुआत कर सकें। शिक्षा विभाग के सूत्रों के अनुसार, नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर विभागीय स्तर पर तेजी से काम किया जा रहा है। जिला शिक्षा पदाधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि लंबित नामों की सूची को शीघ्र अंतिम रूप दें और अभ्यर्थियों को बुलाकर नियुक्ति पत्र सौंपें। विभाग का कहना है कि पारदर्शिता और समयबद्धता को ध्यान में रखते हुए सभी जिलों में समान रूप से यह कार्य किया जा रहा है। राज्य सरकार का मानना है कि लंबे समय से प्रतीक्षा कर रहे अभ्यर्थियों को अब राहत देने का समय आ गया है। सरकार की मंशा है कि नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में ही नव नियुक्त सहायक आचार्य स्कूलों में योगदान दे सकें। इससे शिक्षा व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी और रिक्त पदों की समस्या काफी हद तक दूर होगी। अभ्यर्थियों में भी इस घोषणा से उत्साह का माहौल है। उनका कहना है कि दशहरा से पहले नियुक्ति पत्र मिलना उनके लिए किसी त्योहारी तोहफे से कम नहीं होगा।

'बिना कपड़ों की पार्टी' पर मचा बवाल; फार्म हाउस मालिक समेत सात आरोपी गिरफ्तार

रायपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 'न्यूड पार्टी' के पोस्टर को लेकर बवाल मचा हुआ है। इस पार्टी में 18 साल से ऊपर के युवक-युवतियों को न्यूड होकर आने का न्यौता दिया गया था। बड़ी संख्या में युवाओं ने पंजीयन भी करा लिया था।

मामले में हंगामा और विरोध होने पर पुलिस ने इस आयोजन से जुड़े सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस पार्टी का पर्दाफाश किया है। सोशल मीडिया पर इस कार्यक्रम का खुलेआम प्रचार- प्रसार कर रहे आयोजनकर्ताओं से जुड़े सात आरोपियों को पुलिस गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है।

अक्तूबर-दिसंबर में आरबीआई कर सकता है दरों में 25 आधार अंकों की कटौती, मॉर्गन स्टेनली ने किया दावा

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक अक्तूबर और दिसंबर में ब्याज दरों में 25 आधार अंकों की कटौती कर सकता है। मॉर्गन स्टेनली की रिपोर्ट में यह संभावना जताई गई है। वैश्विक ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि केंद्रीय बैंक के पास अब मौद्रिक ढील की गुंजाइश है, क्योंकि महंगाई लक्ष्य से नीचे बनी है।

सीपीआई का औसतन 2.4% रहने का अनुमान

रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि वित्त वर्ष 2026 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति औसतन 2.4 प्रतिशत रहेगी। यह आरबीआई के 4 प्रतिशत के मुद्रास्फीति लक्ष्य से काफी कम है। इसमें यह भी कहा गया है कि खाद्य कीमतों में गिरावट, हाल ही में जीएसटी दरों में कटौती और इनपुट कॉस्ट पर दबाव की कमी से डिसइन्फ्लेशनरी रुझान और तेज हो सकते हैं। मुख्य सीपीआई आधारित महंगाई पिछले सात महीनों से आरबीआई के 4 प्रतिशत के लक्ष्य से नीचे बनी हुई है। इसका मुख्य कारण खाद्य कीमतों में नरमी को बताया गया है।

कोर महंगाई 4.2 प्रतिशत पर बनी हुई है

रिपोर्ट के अनुसार, कोर इंफ्लेशन 4.2 प्रतिशत पर सीमित दायरे में रहा है, जबकि कोर-कोर इंफ्लेशन 3.1 प्रतिशत पर है और पिछले 22 महीनों से 4 प्रतिशत से नीचे बना हुआ है। यह संकेत है कि देश में अंतर्निहित मुद्रास्फीति दबावों में लगातार नरमी जारी है।सीपीआई में गिरावट को ध्यान में रखते हुए, व वास्तविक जीडीपी वृद्धि के स्थिर रहने के बावजूद नाममात्र जीडीपी वृद्धि में कमजोर प्रवृत्ति को देखते हुए, उम्मीद है कि आरबीआई अक्तूबर और दिसंबर में ब्याज दरों में ढील देगा।रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि अगर मुद्रास्फीति में कमजोर रुझान लंबे समय तक बना रहा, तो ब्याज दरों में ढील का चक्र और गहरा होने का जोखिम पैदा हो सकता है। कीमतों के दबाव में लगातार नरमी से केंद्रीय बैंक के लिए अतिरिक्त नीतिगत ढील देने की गुंजाइश और बढ़ जाएगी। साथ ही, रिपोर्ट में नाममात्र वृद्धि को लेकर चिंताएं भी उजागर की गई हैं। इसके कमजोर रहने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 26 में नाममात्र जीडीपी वृद्धि 8.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो कमजोर मूल्य प्रवृत्तियों को दर्शाता है। बाहरी मांग में कमी के जोखिम की ओर इशारा किया गया है। इसमें कहा गया है कि प्रतिकूल टैरिफ और अमेरिका के साथ चल रही व्यापार वार्ता के परिणाम से यह कमजोरी और बढ़ सकती है।

खूब खीर बनाइए और ढेर सारी पूड़ियां तलिए

त्योहारों से पहले ही चावल–तेल की कीमत हुई कम

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। त्योहारों का मौसम आने वाला है। इससे पहले ही चावल और खाने के तेल के दाम कम हो गए हैं। कंपनियों का कहना है कि इस महीने इनकी कीमतों में गिरावट आई है। ज्यादातर घरों में इस्तेमाल होने वाले चावल अब सस्ते हो गए हैं। खाने के तेल के थोक दाम भी कम हुए हैं। उम्मीद है कि महीने के आखिर तक खुदरा बाजार में भी इसका असर दिखेगा। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार चावल के दाम घटने की एक बड़ी वजह बांग्लादेश है। दरअसल, बांग्लादेश ने इस साल भारत से 10 लाख टन चावल खरीदने का लक्ष्य रखा था। लेकिन, उन्होंने भारत को बहुत कम ऑर्डर दिए हैं। व्यापारियों का कहना है कि इसी वजह से चावल के दाम गिर गए हैं। भारत से बांग्लादेश अच्छी क्वालिटी का चावल खरीदता है। जबकि, अफ्रीकी देश भारत से टूटा हुआ चावल खरीदते हैं।

क्या हुआ चावल का नया भाव?

मिनिकिट, स्वर्णा और सोना मसूरी जैसे चावल के प्रकार सस्ते हुए हैं। खुशबूदार गोबिंदभोग चावल अब 160 रुपये में मिल रहा है। पहले यह चावल खुदरा बाजार में 220 रुपये प्रति किलो बिक रहा था। मिनिकिट चावल अब 47 से 49 रुपये प्रति किलो बिक रहा है। पिछले महीने यह 55 रुपये प्रति किलो बिक रहा था। सोना मसूरी चावल भी सस्ता हो गया है। यह अब 46 रुपये प्रति किलो मिल रहा है, जबकि पहले 52 रुपये में मिलता था। इसी तरह रत्ना किस्म का चावल 36 से 37 रुपये प्रति किलो बिक रहा है, जबकि पहले 41 से 42 रुपये में मिलता था।

फूड ऑयल कितना सस्ता हुआ?

ज्यादातर खाने के तेल के दाम थोक बाजार में कम हो गए हैं। त्योहारों के दौरान खाने के तेल की खपत बढ़ जाती है। क्योंकि, इस समय लोग मिठाई और तले हुए खाने की चीजें ज्यादा खाते हैं। एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस (पहले अडानी विल्मर) के मैनेजिंग डायरेक्टर, अंग्शु मलिक ने कहा कि सरसों के तेल के दाम गिर गए हैं। साथ ही आयातित तेलों की कीमतों में भी कुछ कमी आई है। एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस देश की सबसे बड़ी खाद्य तेल कंपनी है।

आगे कीमत बढ़ेगी या नहीं?

मुंबई की खाद्य तेल ट्रेडिंग फर्म सनविन ग्रुप के सीईओ संदीप बाजोरिया का कहना है कि आयातित सोयाबीन तेल की कीमत 1,190 डॉलर प्रति टन, सूरजमुखी तेल की कीमत 1,275 डॉलर प्रति टन और कच्चे पाम तेल की कीमत 1,180 डॉलर प्रति टन है। अगस्त में भारत ने 16 लाख टन तेल का आयात किया। उन्होंने आगे कहा कि देश के तेल व्यापारियों के पास अभी पर्याप्त तेल है। इसलिए, कीमतों के बढ़ने की संभावना कम है।

सोना 1,029 बढ़कर 1.11 लाख के ऑल टाइम हाई पर

चांदी 1.29 लाख किलो के रिकॉर्ड पर पहुंची, इस साल सोना 34,378 महंगा हो चुका

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम आज यानी 16 सितंबर को ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,029 रुपए बढ़कर 1,10,540 पर पहुंच गया है। इससे पहले कल ये 1,09,511 रुपए पर था। वहीं चांदी भी 1,198 रुपए बढ़कर 1,28,989 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले चांदी 1,27,791 रुपए पर थी।

इस साल सोना 34,378 और चांदी 42,972 महंगी हुई

इस साल अब तक सोने की कीमत 34,378 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,10,540 रुपए का हो गया है। चांदी का भाव भी इस दौरान 42,972 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,28,989 रुपए प्रति किलो हो गई है।

देश के बड़े शहरों में सोने की कीमत

शहर	10 ग्राम 24 कैरेट	10 ग्राम 22 कैरेट
जयपुर	₹1,12,080	₹1,02,750
मुंबई	₹1,11,930	₹1,02,600
कोलकाता	₹1,11,930	₹1,02,600
चेन्नई	₹1,12,150	₹1,02,800
जयपुर	₹1,12,080	₹1,02,750
भोपाल	₹1,11,980	₹1,02,650
पटना	₹1,11,980	₹1,02,650
लखनऊ	₹1,12,080	₹1,02,750
रायपुर	₹1,11,930	₹1,11,930
अहमदाबाद	₹1,11,980	₹1,02,650

डबल धमाका करने की तैयारी में मुकेश अंबानी

रिलायंस के लाखों निवेशकों की होगी चांदी!

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी अपनी कंपनी रिलायंस रिटेल को 2027 में शेयर बाजार में लिस्ट करने की तैयारी कर रहे हैं। द हिंदू बिजनेसलाइन की एक रिपोर्ट के अनुसार रिलायंस जियो के आईपीओ के एक साल बाद रिलायंस रिटेल का आईपीओ आएगा। अंबानी ने हाल में रिलायंस की एजीएम में कहा था कि रिलायंस जियो का आईपीओ 2026 में आएगा। सूत्रों की मानें तो लिस्टिंग के समय रिलायंस रिटेल की वैल्यू लगभग 200 बिलियन डॉलर हो सकती है। इस तैयारी के तहत रिलायंस ने अपनी फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स यूनिट रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स को अलग कर दिया है। अब यह सीधे पैरेंट कंपनी की सहायक कंपनी होगी। रिलायंस रिटेल अपने मुनाफे को बढ़ाने के लिए कुछ कमजोर प्रदर्शन करने वाले स्टोर्स को भी बंद कर रही है। इससे कंपनी को शेयर बाजार में बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिलेगी। यह आईपीओ निवेशकों के लिए एक अच्छा मौका होगा। इससे सिंगापुर की जीआईसी, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, केकेआर, टीपीजी और सिल्वर लेक जैसी कंपनियों को बाहर निकलने का मौका मिलेगा।

इतिहास के सबसे बड़ी लिस्टिंग

रिलायंस रिटेल अपने कई फॉर्मेट्स को जारी रखेगी। इनमें रिलायंस स्मार्ट, फ्रेशपिक, रिलायंस डिजिटल, जियोमार्ट, रिलायंस ट्रेंड्स, 7-इलेवन और रिलायंस ज्वेल्स शामिल हैं। सूत्रों का कहना है कि कुछ फॉर्मेट्स को मिलाया भी जा सकता है, लेकिन अभी इस पर बातचीत चल रही है। अंबानी ने जियो को 2026 की पहली छमाही में लिस्ट कराने की बात कही है। रिलायंस जियो का आईपीओ बहुत बड़ा होने वाला है। अनुमान है कि कंपनी की वैल्यू 13.5 लाख करोड़ रुपये तक हो सकती है। यह भारत के इतिहास में सबसे बड़ी लिस्टिंग हो सकती है। ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म गोल्डमैन सैश का अनुमान है कि रिलायंस जियो की एंटरप्राइज वैल्यू 154 बिलियन डॉलर तक जा सकता है। यह एक बुल-केस परिदृश्य है। मतलब सब कुछ अच्छा रहा तो कंपनी इतनी वैल्यूएशन तक पहुंच सकती है। अन्य ब्रोकरेज फर्म भी जियो को लेकर उत्साहित हैं। जेफरीज ने जियो की वैल्यू 146 बिलियन डॉलर, मैक्वेरी ने 123 बिलियन डॉलर और एमके ने 121 बिलियन डॉलर आंकी है।

टॉप में होगी शामिल

विश्लेषकों का अनुमान है कि लिस्टिंग के बाद जियो की वैल्यू 134 बिलियन डॉलर से 146 बिलियन डॉलर (11.2–12.19 लाख करोड़ रुपये) के बीच हो सकती है। इससे यह भारत की टॉप पांच लिस्टेड कंपनियों में शामिल हो जाएगी। आज दोपहर बाद 3:15 बजे रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर बीएसई पर 0.48 फीसदी की तेजी के साथ 1,406 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। पिछले छह महीनों में यह स्टॉक 13% बढ़ा है।

भारत-अमेरिका स्पेस साझेदारी का नया दौर

क्वात्रा ने कहा– यह सहयोग फलदायी और ऐतिहासिक रहा

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने भारत और अमेरिका के बीच अंतरिक्ष सहयोग को दोनों देशों की साझेदारी का मजबूत स्तंभ बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी (नासा) के बीच सहयोग 'फलदायी और ऐतिहासिक' रहा है। राजदूत क्वात्रा वॉशिंगटन में आयोजित इंडिया-यूएसए अंतरिक्ष सहयोग कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स, निक हेग, बुच विलमोर और भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने भी हिस्सा लिया। उन्होंने याद दिलाया कि भारत-अमेरिका अंतरिक्ष यात्रा 1970 के दशक में सैटेलाइट इंस्ट्रक्शनल टेलीविजन एक्सपेरिमेंट जैसी पहलों के साथ शुरू हुई थी। इसका उद्देश्य शैक्षिक पहुंच बढ़ाना था। तब से, यह साझेदारी कई उच्च-स्तरीय मिशनों तक विस्तारित हुई है। इनमें चंद्रयान श्रृंखला, भारत द्वारा आर्टेमिस समझौते पर हस्ताक्षर, और इस वर्ष की शुरुआत में लॉन्च किया गया संयुक्त नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार मिशन शामिल हैं। क्वात्रा ने कहा कि भविष्य की बात करें तो भारत 2028 और 2035 के बीच एक मानवयुक्त चंद्र मिशन और एक अंतरिक्ष स्टेशन की योजना बना रहा है और नासा इसमें एक महत्वपूर्ण साझेदार बना रहेगा। इस बीच, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने अभियान 72 की कमांडर के रूप में अपने अनुभव पर प्रकाश डाला और इसे एक 'अत्यंत कठिन चुनौती' बताया, जिसने टीम वर्क, लचीलेपन और संचार के महत्व को रेखांकित किया। विलियम्स ने कहा कि यह एक बहुत कठिन चुनौती है, लेकिन हम अपने समय में बहुत भाग्यशाली रहे हैं कि हमें अलग-अलग चीजें देखने को मिलीं। हमने केवल आपके अलग-अलग अनुभवों को लिया है और उन्हें उस अंतरिक्ष यान में जोड़ दिया है जिसके लिए आप प्रशिक्षण ले रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमने सोचा था कि हम वहां ज्यादा समय तक नहीं रहेंगे, लेकिन मिशन उम्मीद से ज्यादा समय तक चला।

सरकार ने कहा- 20 साल या अधिक की सेवा के बाद वीआरएस लेने वाले कर्मचारी आनुपातिक आधार पर पेंशन के हकदार

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)।कार्मिक मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि हाल ही में अधिसूचित नियमों के तहत केंद्र सरकार के कर्मचारी 20 साल या उससे अधिक की सेवा पूरी करने के बाद स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति का विकल्प चुनने पर एक सुनिश्चित भुगतान यानी पेंशन पाने के हकदार हैं। पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग ने 2 सितंबर को आधिकारिक राजपत्र में केंद्रीय सिविल सेवा (राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के तहत एकीकृत पेंशन योजना का कार्यान्वयन) नियम, 2025 को अधिसूचित किया है। इससे एनपीएस के तहत यूपीएस को एक विकल्प के रूप में चुनने वाले केंद्र सरकार के कर्मियों को मिलने वाले लाभ से जुड़े सेवा मामलों को विनियमित किया जा सकेगा। ये नियम अन्य बातों के साथ-साथ यूपीएस उपभोक्ताओं को 20 वर्ष की सेवा पूरी होने के बाद स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति का विकल्प देते हैं। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, एकीकृत पेंशन योजना के तहत पूर्ण सुनिश्चित भुगतान 25 वर्ष की सेवा पूरी होने के बाद ही उपलब्ध होता है। हालांकि, 20 वर्ष या उससे अधिक की सेवा पूरी करने के बाद वीआरएस (स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना) चुनने पर, आनुपातिक आधार पर सुनिश्चित भुगतान अर्थात अर्हक सेवा के वर्ष को सुनिश्चित भुगतान के 25 से विभाजित करके ग्राहक को भुगतान किया जाएगा।मंत्रालय ने कहा है कि यह भुगतान सेवानिवृत्ति की तिथि से देय होगा। बयान में कहा गया है, अन्य लाभ जैसे व्यक्तिगत कोष का 60 प्रतिशत अंतिम निकासी और प्रत्येक छह माह की सेवा अवधि के लिए मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 1/10वां हिस्सा एकमुश्त लाभ, सेवानिवृत्ति ग्रेच्युटी, अवकाश नकदीकरण, सीजीईजीआईएस (केंद्र सरकार कर्मचारी समूह बीमा योजना) लाभ सेवानिवृत्ति पर प्राप्त किए जा सकते हैं। इसके अलावा, वीआरएस लेने के बाद लेकिन सुनिश्चित भुगतान शुरू होने से पहले ग्राहक की मृत्यु होने की स्थिति में, कानूनी रूप से विवाहित पति या पत्नी को ग्राहक की मृत्यु की तारीख से पारिवारिक भुगतान दिया जाएगा। इस संशोधन का स्वागत करते हुए अखिल भारतीय एनपीएस कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजीत सिंह पटेल ने कहा कि यह सभी केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों, विशेषकर अर्धसैनिक बलों के कर्मियों के लिए बहुत जरूरी कदम है, जो बहुत कठिन परिस्थितियों में काम करते हैं।

पनीर, घी, आइसक्रीम सस्ते तो पाउच वाले दूध की कीमत क्यों नहीं हुई कम?

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। मदर डेयरी ने मंगलवार को घी, पनीर, आइसक्रीम समेत अपने कई प्रोडेक्ट पर दाम घटाने की घोषणा कर दी। कंपनी ने यूएचटी दूध और कुछ और डेयरी उत्पादों के दाम कम कर दिए हैं। नई कीमतें 22 सितंबर से लागू होंगी। लेकिन जो दूध पाउच यानी थैली में आता है (फुल क्रीम, टोंड और गाय का दूध) उसकी कीमत पहले जैसी ही रहेगी। देश के दो बड़े डेयरी ब्रांड अमूल और मदर डेयरी ने साफ किया है कि थैली वाले दूध की कीमत में कोई बदलाव नहीं होगा। कंपनियों ने प्रोडक्ट की कीमत में कटौती सरकार के जीएसटी रिफॉर्म्स के फैसले के बाद की है। जीएसटी काउंसिल ने हाल में जीएसटी स्लैब में बदलाव किया है। सरकार ने 12 फीसदी और 28 फीसदी के जीएसटी स्लैब खत्म कर दिए हैं। इसके बाद कंपनियों ने अपने ज्यादातर प्रोडक्ट को 5 फीसदी वाले जीएसटी स्लैब में डाल दिया है। वहीं कई प्रोडक्ट जीएसटी फ्री हो गए हैं। इससे चीजों के कमी आएगी।

पाउच वाला दूध सस्ता क्यों नहीं?

कंपनियों का कहना है कि पाउच वाले दूध पर जीएसटी नहीं लगता है। इसलिए, जीएसटी में जो बदलाव हुए हैं, उनका इस पर कोई असर नहीं होगा।अमूल उत्पादों को बेचने वाली कंपनी, गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर जयेन मेहता ने कहा कि ताजे पाउच वाले दूध की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है, क्योंकि जीएसटी में कोई कमी नहीं हुई है। पाउच वाले दूध पर हमेशा से जीरो प्रतिशत जीएसटी लगता रहा है।

टोकन मिल्क भी नहीं होगा सस्ता

जीएसटी कटौती का ऐलान टोकन मिल्क पर भी नहीं पड़ेगा। ऐसा इसलिए क्योंकि इस दूध पर भी कोई जीएसटी नहीं लगता है। टोकन वाले मिल्क से मतलब खुले दूध से है। यह किसी पैकेट में नहीं मिलता है। दिल्ली-एनसीआर में मदर डेयरी के कई बूथ हैं। यहां मशीन में टोकन डालकर दूध लिया जाता है।

पहले आई थीं सस्ता होने की खबरें

कुछ दिनों पहले, कुछ खबरों में कहा गया था कि जीएसटी 2.0 के तहत पाउच वाले दूध की कीमतें 3 से 4 रुपये तक कम हो सकती हैं। लेकिन, मेहता ने साफ किया कि ये खबरें गलत हैं। पाउच वाले दूध पर हमेशा से जीएसटी नहीं लगता है। नई टैक्स व्यवस्था में जो छूट मिलेगी, वो सिर्फ यूएचटी दूध पर लागू होगी। यूएचटी दूध अब सस्ता हो जाएगा, क्योंकि जीएसटी की दर 5 प्रतिशत से घटकर शून्य हो गई है।

क्या है यूएचटी दूध?

यूएचटी दूध का मतलब है अल्ट्रा-हाई टेम्परेचर प्रोसेसिंग। इसमें दूध को कम से कम 135°सी (275°एफ) पर कुछ सेकंड के लिए गर्म किया जाता है। इससे दूध में मौजूद लगभग सारे कीटाणु मर जाते हैं और दूध एकदम साफ हो जाता है। इस तरीके से और टेट्रा पैक जैसे खास पैकेजिंग से यूएचटी दूध को बिना फ्रिज में रखे भी कई महीनों तक इस्तेमाल किया जा सकता है।

बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 595 अंक चढ़ा, निफ्टी 25200 के पार

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता के सकारात्मक परिणाम की उम्मीद के बीच मंगलवार को शेयर बाजारों में तेजी रही और बेंचमार्क सेंसेक्स करीब 595 अंक चढ़ गया। बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में एक प्रतिशत का उछाल हुआ। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 8 पैसे बढ़कर 88.08 (अनंतिम) पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 594.95 अंक या 0.73 प्रतिशत उछलकर 82,380.69 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 657.74 अंक या 0.80 प्रतिशत बढ़कर 82,443.48 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 169.90 अंक या 0.68 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,239.10 पर आ गया। एक अधिकारी ने बताया कि भारत और अमेरिका के मुख्य वार्ताकारों ने प्रस्तावित व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू कर दी है, ताकि निर्यातकों के लिए अनिश्चितता पैदा करने वाले भारी शुल्कों के मद्देनजर मुद्दों को सुलझाया जा सके। एशियाई और अमेरिकी समकक्षों में तेजी ने भी इस सप्ताह की अमेरिकी फेडरल रिजर्व नीति बैठक से पहले घरेलू शेयर बाजार में आशावाद पैदा किया।सेंसेक्स की कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति, भारती एयरटेल और टाटा स्टील प्रमुख लाभ में रहीं। वहीं एशियन पेंट्स और बजाज फाइनेंस पिछड़ गए।जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि आगामी अमेरिकी फेड नीति निर्णय में 25 आधार अंकों की कटौती की उम्मीदों और भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता को लेकर नए सिरे से आशावाद के कारण अनुकूल वैश्विक संकेतों से घरेलू बाजार में सुधार का रुझान कायम रहा। उन्होंने कहा कि नई जीएसटी दरें लागू होने और त्योहारों के कारण मांग बढ़ने की उम्मीद से पहले ऑटो और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया।एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक सकारात्मक दायरे में बंद हुए, जबकि हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोप के बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। अमेरिकी बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुए।वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.55 प्रतिशत घटकर 67.07 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 1,268.59 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि प्रारंभ संवत्-1955885126

सूर्योदय 06-06, सूर्यास्त 18-19

ग्रह स्थिति	
सूर्य	कन्या
चन्द्र	कर्क
मंगल	कन्या
बुध	कन्या
गुरु	मिथुन
शुक्र	कर्क
शनि	मीन
राहु	कुंभ
केतु	सिंह

लग्नारंभ समय	
कन्या	06-02 बजे
तुला	08-08 बजे
वृश्चिक	10-17 बजे
धनु	12-31 बजे
मकर	14-38 बजे
कुंभ	16-28 बजे
मीन	18-10 बजे
मेष	19-46 बजे
वृष	21-31 बजे
मिथुन	23-32 बजे
कर्क	01-43 बजे
सिंह	03-56 बजे

दिशाशूल- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- एकादशी 23-39 तक उपरान्त द्वादशी
मास- आश्विन कृष्ण ,बुधवार 17 September
नक्षत्र- पुनर्वसु 06-25 तक उपरान्त पुष्य
योग - परिघ 22-54 तक शिव
करण- बव 11-57 तक उप बालव
विशेष:- इन्दिरा एकादशी व्रत सर्वे
व्रत -त्योहार एकादशी श्राद्ध विश्वकर्मा पूजा

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 12-10 से 13-42 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
लाभ	06-06 - 07-37	शुभ
अमृत	07-37 - 09-08	शुभ
काल	09-08 - 10-39	अशुभ
शुभ	10-39 - 12-10	शुभ
रोग	12-10 - 13-42	अशुभ
उत्पात	13-42 - 15-13	अशुभ
चंचल	15-13 - 16-44	शुभ
लाभ	16-44 - 18-19	शुभ

रात का चौघड़िया		
उत्पात	18-19 - 19-44	अशुभ
शुभ	19-44 - 21-13	शुभ
अमृत	21-13 - 22-42	शुभ
चंचल	22-45 - 00-10	शुभ
रोग	00-10 - 01-39	अशुभ
काल	01-39 - 03-08	अशुभ
लाभ	03-08 - 04-37	शुभ
उत्पात	04-37 - 06-06:	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आपकी भावनात्मक प्रकृति आपको अपने पेशेवर रिश्तों को पोषित करने के लिए प्रेरित कर सकती है। आपको विकास के अवसर मिलेंगे, आपकी ऊर्जा बढ़ेगी और आप विभिन्न स्थितियों में प्रभावी ढंग से काम करने में सक्षम होंगे। हालाँकि, अप्रत्याशित चुनौतियों और क्रूर ईमानदार प्रतिक्रिया की अपेक्षा करें, लेकिन इससे मूल्यवान अंतर्दृष्टि भी मिल सकती है।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
आज एक अप्रत्याशित अवसर आपके कार्य क्षेत्र में आ सकता है और आपको उसे पकड़ने में संकोच नहीं करना है । अत्यधिक विलंब इस अवसर को गवा सकता है और आप एक धन रुपी अवसर को खो सकते है। यह अवसर आपको कोई पुराना जानकर या एकदम अपरिचित व्यक्ति भी आपके पास ला सकता है, यह समय फिर जोखिम लेने का है जो की आपको लाभ देगा ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आप समस्या पैदा नहीं करते , लेकिन आज आप अपने को घिरा हुआ पाएंगे । आप अपना आपा खो सकते है। आप अपने को शांत बनाए रखे और समस्याओं को एक एक करके निपटे । आपको देर तक अपने कार्यालय में कार्य करना पड़ सकता है । शाम तक की अपनी प्रतिबद्धताओं को रद्द कर दे । अपने कार्य को ढंग से समाप्त करने की और ध्यान लगाएं ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज कई कार्य क्षेत्र के सुनहरे अवसर आपका दरवाजा खटखटायेंगे । आज आपको पदोनत्ति का सन्देश मिल सकता है या नौकरी क्षेत्र में बदलाव के भी आसार है जिसके लिए आप काफी समय से प्रयासरत थे । आपको ऐसी जगह से सहायता मिल सकती है जिस जगह से आपने कल्पना भी नहीं की थी जो की आपको प्रसन्नता से अभिभूत कर सकती है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
यात्रा और यात्रा के व्यवसायों से जुड़े लोगों के लिए ये अच्छा समय है और आप इस से अच्छा धन लाभ कमा सकते है ! आप उच्च अधिकारियों के साथ संबंध बनाने के लिए प्रयासरत रहे और जिससे आप जल्द ही कुछ लाभ पा सकते हैं । आप संपत्ति या कीमती धातुओं में भी निवेश कर सकते हैं।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
अपने सहयोगियों के साथ तालमेल और कदम से कदम बढाकर चलने का ये एक अच्छा समय है। समीक्षा और हताशा का लम्बा समय अब समाप्त होने की और अग्रसर है इसलिए इस खुशी में आप दोस्तों और परिवार और अपने ऊपर कुछ व्यय भी कर सकते है पर कोशिश करे की ये ज्यादा से ज्यादा एक दिन के लिए हो ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आपको सर्वशक्तिमान के संदेश अपने किसी निकट के व्यक्ति से मिल रहे हैं। उन्हें प्राप्त करने के लिए ग्रहणशील रहे और निर्देशो का पालन करने की कोशिश करे । आपको अपने कार्य योजना में परिवर्तन करना होगा ताकि कोई गलती न हो जिसे आप पूर्ववत नहीं कर सकते है । वित्तीय स्थिति और खर्च में अच्छा संतुलन बना रहेगा।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज आपको अपने कार्यस्थल पर सावधानी बरतनी आवश्यक है। आप ये भूल रहे है , की आज के आधुनिक कार्यालयों में कुछ भी छुपा हुआ नहीं है , इसलिए आपको स्थितियों के मुताबिक खुद को ढालना पड़ सकता है । आज आपको विवेक की जरुरत है और अगर आप उसे अनदेखा करते है , तो आपको अपने करियर के संदर्भ में कीमत चुकानी पड़ सकती है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज के दिन आपको अपनी आर्थिक समस्याओ से निजात पाने के लिए एक व्यवहार्य समाधान मिल सकता है और उसे लागू करने के लिए उचित दिशा में आप पहला कदम उठायेंगे । पिछले कुछ समय से धन की समस्याओं ने आप की नाक में दम किया हुए था परन्तु अब आप काफी हद तक इस पर काबू पा पाएंगे हालाँकि ये कदम कुछ मुशिकल हो सकता है।

मकर (भो, ज, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी)
आज का दिन विशेष रूप से उन लोगों के लिए अच्छा और सफलता से भरपूर है जो किसी भी तरह से शिक्षा या लेखन से जुड़े हैं । छात्रों, शोधकर्ताओं, पत्रकारों, लेखकों और शिक्षा से जुड़े अन्य पेशेवरों के लिए एक बहुत आनंदमयी एवं अच्छा दिन होने के संकेत है। आज का दिन लंबी अवधि की योजनाओं में निवेश करने के लिए उपयुक्त है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आप इस समय परिस्थितियों के गहन अर्थ को समझने की कोशिश में रहेंगे ! आप हाल ही में अपने पुरे किये गए कार्यों की समीक्षा करेंगे और अपने काम को और बेहतर बनाने के तरीके पर गौर करेंगे । हालांकि वित्तीय प्रबंधन आपके लिए मुश्किल साबित हो सकता है । आपके लिए धन संचित करना मुश्किल होगा।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
कुछ मामूली समस्याओं का आपको सामना करना पड़ सकता है , जिससे की अपने कार्यस्थल पर शांति से कार्य करने में बाधा आ सकती है । आज आपको धैर्य की एक बड़ी मात्रा की जरूरत है खासकर जब आप अपने सहकर्मी के साथ कार्य करे । क्रोध को दूर रखे बल्कि उसके साथ समझदारी से निपटे ताकि आपके पूरे समूह के मनोबल पर प्रतिकूल प्रभाव न पडे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

17 सितंबर को कन्या संक्रांति
सूर्य करेगा सिंह से कन्या राशि में प्रवेश

सूर्य बुधवार, 17 सितंबर की शाम सिंह से कन्या राशि में प्रवेश करेगा। ज्योतिष इस राशि परिवर्तन को कन्या संक्रांति कहते हैं। सूर्य 17 अक्टूबर तक कन्या में रहेगा, इसके बाद तुला राशि में प्रवेश करेगा। कन्या संक्रांति पर सूर्य पूजा करनी चाहिए। सुबह जल्दी उठें और तांबे के लोटे में जल भरकर सूर्य को चढ़ाएं, ऊँ सूर्याय नमः मंत्र का जप करें।

मेष राशि- सूर्य आपकी राशि से छठे भाव में रहेगा। मेष राशि वालों के लिए ये स्थिति शुभ रहेगी। कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा और आपको अपने विरोधियों पर विजय मिलेगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा और पुरानी बीमारियों से राहत मिल सकती है। नौकरीपेशा लोगों के लिए तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे।

वृषभ राशि- सूर्य आपकी राशि से पांचवें भाव में रहेगा। ये स्थिति आपके लिए मिले-जुले परिणाम लेकर आएगी। आपको रचनात्मक कार्यों में सफलता मिल सकती है और संतान से जुड़ी अच्छी खबरें मिलेंगी। हालांकि, प्रेम संबंध में अहंकार से बचना होगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई में अधिक मेहनत करनी होगी।

मिथुन राशि- सूर्य आपकी राशि से चौथे भाव में रहेगा। सूर्य का यह गोचर आपके पारिवारिक जीवन पर असर डालेगा। घर-परिवार में कुछ तनाव हो सकता है, इसलिए धैर्य से काम लें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में मेहनत के अनुरूप परिणाम पाने के लिए आपको अतिरिक्त प्रयास करने होंगे।

कर्क राशि- सूर्य आपकी राशि से तीसरे भाव में रहेगा। कर्क राशि के लोगों के लिए सूर्य शुभ है। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और आप जोखिम भरे काम करने से नहीं हिचकिचाएंगे। छोटी यात्राएं लाभकारी साबित होंगी और भाई-बहनों से आपके रिश्ते मजबूत होंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

सिंह राशि- सूर्य आपकी राशि से दूसरे भाव में रहेगा। सूर्य आपकी राशि से निकलकर दूसरे भाव में जा रहा है। ये गोचर आर्थिक मामलों में लाभ दिलाएगा, लेकिन अपनी वाणी पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार में वाद-विवाद से बचें। धन लाभ के नए स्रोत मिल सकते हैं।

कन्या राशि- सूर्य आपकी राशि के पहले भाव में है। सूर्य आपकी ही राशि में रहेगा, इससे आपका व्यक्तित्व और भी अधिक प्रभावशाली होगा। आपके आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता में वृद्धि होगी। हालांकि, अति-आत्मविश्वास से बचें, क्योंकि यह आपके लिए हानिकारक हो सकता है। काम की गति धीमी हो सकती है। जल्दबाजी से बचेंगे तो बेहतर रहेगा।

तुला राशि- सूर्य आपकी राशि से बारहवें भाव में रहेगा। ये गोचर आपके लिए खर्चीला साबित हो सकता है। अचानक खर्चों में वृद्धि होगी, इसलिए बजट बनाकर चलना महत्वपूर्ण है। विदेश यात्रा या दूर की यात्रा के योग बन सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें, खासकर आंखों और सिर से संबंधित परेशानियां हो सकती हैं।

वृश्चिक राशि- सूर्य आपकी राशि से ग्यारहवें भाव में रहेगा। वृश्चिक राशि के लिए यह गोचर बहुत शुभ है। आपकी आय में वृद्धि होगी और रुके हुए काम पूरे होंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी और आप नए लोगों से जुड़ेंगे। बड़े भाई-बहनों और मित्रों का सहयोग मिलेगा।

धनु राशि- सूर्य आपकी राशि से दसवें भाव में रहेगा। सूर्य का ये गोचर आपके करियर के लिए अत्यंत लाभकारी है। कार्यक्षेत्र में आपको पदोन्नति मिल सकती है और वरिष्ठ अधिकारियों का समर्थन प्राप्त होगा। पिता के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे। आपकी मेहनत और लगन का फल मिलेगा।

मकर राशि- सूर्य आपकी राशि से नौवें भाव में रहेगा। मकर राशि वालों को सावधानी के साथ काम करने होंगे, वर्ना हानि हो सकती है। आपकी धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। लंबी दूरी की यात्राएं हो सकती हैं। आपको अपने गुरु या पिता तुल्य व्यक्तियों का सहयोग मिलेगा।

कुंभ राशि- सूर्य आपकी राशि से आठवें भाव में रहेगा। ये स्थिति आपको स्वास्थ्य और धन के मामले में विशेष सावधान रहने का संकेत दे रही है। अचानक से कोई परेशानी आ सकती है। वाहन चलाते समय सतर्क रहें। अनावश्यक जोखिम लेने से बचें।

मीन राशि- सूर्य आपकी राशि से सातवें भाव में रहेगा। मीन राशि वालों के लिए ये गोचर रिश्तों और साझेदारी पर ध्यान केंद्रित करने का संकेत दे रहा है। जीवनसाथी के साथ संबंध में सुधार होगा, लेकिन अहंकार को बीच में न आने दें। व्यापार में नई साझेदारी के अवसर मिल सकते हैं।

घट स्थापना में क्यों है मिट्टी के कलश का महत्व

साल में चार बार होने वाले नवरात्रि के दिनों में देवी दुर्गा और उनके नौ रूपों की पूजा-अर्चना और आराधना की जाती है. साथ ही देवी मां को प्रसन्न करने के लिए 9 दिनों तक शास्त्रों की विधि से व्रत किए जाते हैं. नवरात्रि शुरू होते ही सबसे पहले घट स्थापना की जाती है. यदि नवरात्रि के दिनों में घट स्थापना ना की जाए तो नवरात्रि व्रत का कोई लाभ नहीं होता है. नवरात्रि के दिनों में घट स्थापना, मिट्टी के कलश से की जाती है जिसे सबसे पवित्र बताया गया है, जबकि अन्य धातु के कलश को स्थापित करने पर कोई लाभ नहीं होता है. घट स्थापना के दौरान मिट्टी के कलश में जल भरकर उसमें आम के पत्ते और

ऊपर नारियल रखा जाता है.

नवरात्रि व्रत के पहले दिन की जाती है घट स्थापना ज्यादा जानकारी देते हुए हरिद्वार के विद्वान धर्माचार्य पंडित श्रीधर शास्त्री बताते हैं कि नवरात्रि व्रत के पहले दिन घट स्थापना की जाती है. प्राचीन समय से ही घट स्थापना मिट्टी के कलश से की जाती है लेकिन समय बदलने के साथ मिट्टी के कलश की जगह स्टील या अन्य धातु के कलश प्रयोग किए जाते हैं. नवरात्रि में मिट्टी का कलश स्थापित करने पर देवी मां प्रसन्न होती है और सुख समृद्धि का आशीर्वाद देती हैं. वैदिक पंचांग के अनुसार पहले दिन शुभ मुहूर्त में कलश को स्थापित किया जाता है।

प्राचीन समय से ही नवरात्रि में मिट्टी का कलश स्थापित करने की धार्मिक मान्यता है. धार्मिक ग्रंथो में मिट्टी पवित्र होती है जिस कारण नवरात्रि की शुरुआत में घट स्थापना करने से देवी मां संपूर्ण फल प्रदान करती हैं. जब घट स्थापना की जाती है तो मिट्टी के घड़े (कलश) में शुद्ध जल भरकर उसके ऊपर 9 आम के पत्ते रखकर उसके ऊपर पानी वाले नारियल पर कलावा बांधकर रखा जाता है।

मिट्टी का कलश है जरूरी

मान्यताओं के अनुसार सृष्टि का निर्माण वायु, अग्नि, जल, पृथ्वी, आकाश से मिलकर हुआ है और मिट्टी के घड़े में पानी भरकर आम के पत्ते, पानी वाला नारियल रखने को अग्नि, जल, वायु, पृथ्वी, आकाश यानी सृष्टि के निर्माण का प्रतीक माना गया है. यदि नवरात्रि के दिनों में स्टील या अन्य धातु के कलश को स्थापित किया जाता है तो उसे नवरात्रि का कोई फल नहीं मिलता है।

कहीं आप भी फ्रिज के ऊपर तो नहीं रख देते ये 5 चीजें

घर में सुख-शांति, स्वास्थ्य और धन-संपत्ति बनाए रखने के लिए वास्तु शास्त्र के नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है. वास्तु के अनुसार, हमारे घर की हर वस्तु एक ऊर्जा का संचार करती है. अगर वह ऊर्जा सकारात्मक है, तो हमारे जीवन में खुशियां आएंगी और अगर नकारात्मक है, तो परेशानियां।

इसलिए हमें सोच-समझकर घर में चीजों को रखना चाहिए क्योंकि इसका प्रभाव आपके करियर, रिश्ते, उन्नति और जीवन के सभी क्षेत्रों में देखने को मिलता है. जैसे कई लोगों मे आदत होती है कि घर के फ्रिज के ऊपर खाली जगह मिलने पर बिना सोचे समझे कुछ भी रख देते हैं, वास्तु के अनुसार यह पूरी तरह गलत है. आइए जानते हैं फ्रिज के ऊपर क्या नहीं रखना चाहिए...

सिक्के व नगदी रखना

कई लोग बाहर से आते हैं और फ्रिज के ऊपर ही सिक्के, नगदी, सोने की चेने, चांदी आदि सामान रख देते हैं, वास्तु में इसे सही नहीं माना गया है. वास्तु में फ्रिज को अग्नि तत्व माना गया है और इस जगह सिक्के, नगदी, सोना-चांदी आदि सामान रखने से आर्थिक स्थिरता भंग हो सकती है. साथ ही घर के सदस्यों की आमदनी कम होने लगती है और खर्चे बढ़ने जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं.

दवाइयां रखना

दवाइयां, बीमारी और परेशानियों का संकेत होती हैं. इन्हें फ्रिज के ऊपर भूलकर भी नहीं रखना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है. इससे ना सिर्फ स्वास्थ्य संबंधी होती हैं बल्कि मानसिक तनाव का खतरा भी बना रहता है. इसलिए दवाइयों को कभी भी ना तो फ्रिज के ऊपर और ना ही फ्रिज के अंदर रखनी चाहिए. दवाइयों को उत्तर-पूर्व दिशा (ईशान कोण) में रखना चाहिए। इस दिशा में दवाइयां रखने से इनसे जल्दी मुक्ति मिलती है।

फिश एक्वेरियम रखना

कई लोग घर में सजावट के लिए एक्वेरियम रखते हैं और यह शुभ भी माना जाता है. लेकिन फिश एक्वेरियम को कभी भी फ्रिज के पास नहीं रखना चाहिए, यह बहुत गलत माना जाता है. वास्तु के अनुसार फ्रिज का संबंध अग्नि तत्व से हैं और फिश एक्वेरियम का संबंध जल तत्व से हैं. जल और अग्नि के पास पास होने से घर की ऊर्जा असंतुलित हो जाती है, जिसका नकारात्मक प्रभाव घर के सभी सदस्यों पर पड़ता है. इससे आर्थिक नुकसान, पारिवारिक कलह और तनाव जैसी समस्याएं घर में होना शुरू हो जाती हैं।

किसी का भला करने में देर न करें और बुरा करने से बचें

किसी के कठिन समय में यदि वो हमारे पास कोई मदद लेने आए, और हमको लगे यह हमारी सीमा के बाहर की बात है, तो उसे तुरंत वहां भेजें, जहां समाधान हो सकता है। गरुड़ जी को भ्रम हो गया था कि मैंने श्रीराम के बंधन खोले। वो नारद जी से मिले। नारद जी को लगा कि मैं उन्हें समझा नहीं पाऊंगा, तो उन्होंने गरुड़ जी से कहा- महामोह उपजा उर तोरें। मिटिहिं न बेगि कहें खग मोरें। हे गरुड़, आपके हृदय में भारी मोह उत्पन्न हो गया है। ये मेरे समझाने से नहीं मिटेगा। तो आप ब्रह्मा जी के पास जाइए, वहां समाधान होगा।इससे हम सबक लें कि ऐसा होगा, कई लोग जो हमसे जुड़े होंगे, वो परेशानी के दौर में हमारे पास आएंगे। तो तुरंत फैसला लें कि क्या हम इसका समाधान जुटा सकेंगे? और नहीं तो उसको उलझाएं ना। कई बार ऐसा होता है। एक तो व्यक्ति परेशानी में है। ऊपर से सामने वाला और उसको उलझा दे तो परेशानी बढ़नी ही है। किसी का भला करने में देर ना करें और किसी का बुरा करना हो तो पर्याप्त विलम्ब करें।

चार शुभ संयोग में इंदिरा एकादशी व्रत

इंदिरा एकादशी व्रत 17 सितंबर बुधवार को है. इस बार इंदिरा एकादशी के दिन 4 शुभ संयोग बन रहे हैं. इंदिरा एकादशी पर परिघ योग और शिव योग बनेंगे, वहीं पुनर्वसु और पुष्य नक्षत्र भी हैं. पितृ पक्ष में एकादशी श्राद्ध के दिन यानि आश्विन कृष्ण एकादशी तिथि को इंदिरा एकादशी होती है. इस दिन व्रत रखकर भगवान विष्णु के ऋषिकेष स्वरूप की पूजा करते हैं और इंदिरा एकादशी व्रत कथा सुनते हैं. इससे पितरों का उद्धार होता है, वहीं व्रत रखने वाले को जीवन के अंत में स्वर्ग की प्राप्ति होती है. आइए जानते हैं इंदिरा एकादशी व्रत कथा, मुहूर्त और पारण समय।

इंदिरा एकादशी व्रत कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, एक समय धर्मराज युधिष्ठिर ने भगवान श्रीकृष्ण से निवेदन किया कि आप मुझे अश्विन कृष्ण एकादशी व्रत के महत्व, पूजा विधि और उससे मिलने वाले पुण्य के बारे में बताएं. इस पर भगवान श्रीकृष्ण ने कहा कि अश्विन कृष्ण एकादशी व्रत को इंदिरा एकादशी के नाम से जानते हैं. इंदिरा एकादशी व्रत सभी पापों को मिटा देता है, जो व्रत रखता है, उसके पितरों का उद्धार करता है. उसे यमलोक की पीड़ा से मुक्ति मिल जाती है. वहीं जो व्यक्ति इंदिरा एकादशी की कथा सुनता है, उसे वाजपेय यज्ञ के समान पुण्य लाभ होता है. अब आप इंदिरा एकादशी की कथा सुनें-

सतयुग में राजा इंद्रसेन का महिष्मति में शासन था. राजा इंद्रसेन दयालु और परोपकारी राजा थे. वे अपनी प्रजा के सुख और दुख के साथी थे. उनका राज्य धन और धान्य से परिपूर्ण था. वहां कोई कमी नहीं थी. एक राजा इंद्रसेन अपने दरबार में बैठे थे, तभी देवर्षि नारद जी वहां प्रकट हुए. राजा इंद्रसेन ने उठकर उनको प्रणाम किया और बैठने के लिए आसन दिया. उसके बाद राजा इंद्रसेन ने नारद जी से आने का प्रयोजन पूछा. तब नारद जी ने बताया कि वे यमलोक में गए थे, वहां पर तुम्हारे पिता से मुलाकात हुई. उन्होंने बताया कि वे एकादशी व्रत रखते थे, लेकिन किसी वजह से उसमें बाधा आ गई. व्रत का क्रम टूट गया. इस वजह से उनको यमलोक में यमराज के पास रहना पड़ रहा है. यदि तुम इंदिरा एकादशी व्रत विधि विधान से रखकर श्रीहरि की पूजा करो, तो उनको यमलोक से मुक्ति मिल सकती है. उनका उद्धार हो जाएगा और उनको स्वर्ग में स्थान मिलेगा. ये बातें सुनकर राजा इंद्रसेन ने नारद जी से इंदिरा एकादशी की व्रत विधि विस्तारपूर्वक बताने का निवेदन किया, ताकि वे उस अनुसार ही व्रत करके अपने पिता का उद्धार करा सकें. तब नारद जी ने कहा कि इंदिरा एकादशी को प्रातःकाल में स्नान आदि करके निवृत हो जाओ. फिर अपने पितरों के लिए तर्पण, श्राद्ध, दान आदि करो. उस समय वहां पर भगवान शालिग्राम को जरूर स्थापित करना. फिर दान, दक्षिणा और ब्राह्मण भोज कराना. भोजन का कुछ अंश गाय को खिला देना.

जब ये कार्य हो जाएं तो फिर भगवान विष्णु के ऋषिकेष स्वरूप की पूजा करें. भगवान ऋषिकेष को अक्षत, फूल, फल, धूप, दीप, नैवेद्य, चंदन आदि अर्पित करें. दिनभर फलाहार पर रहना. रात के समय में जागरण करना. इंदिरा एकादशी के अगले दिन सुबह में स्नान आदि करके पूजा पाठ करना. फिर दान, दक्षिणा और ब्राह्मण भोज करना. उसके बाद पारण करके व्रत को पूरा करना. नारद जी ने व्रत विधि बताने के बाद इंद्रसेन से कहा कि इस प्रकार से व्रत को पूर्ण करने पर तुम्हारे पिता का उद्धार हो जाएगा. वे स्वर्ग में स्थान प्राप्त करेंगे. इसके बाद नारद जी वहां से चले गए. जब इंदिरा एकादशी आई तो राजा इंद्रसेन ने नारद जी के बताए अनुसार विधि विधान से व्रत रखा ओर पूजा की. दान, दक्षिणा और ब्राह्मण भोज दिया. फिर पारण करके व्रत को पूरा किया. इंदिरा एकादशी के पुण्य प्रभाव से उनके पिता को यमलोक से मुक्ति मिल गई और वे स्वर्ग पहुंच गए. इस व्रत के प्रभाव से जीवन के अंत में राजा इंद्रसेन भी स्वर्ग चले गए.

जो लोग विधि विधान से इंदिरा एकादशी का व्रत करते हैं, तो उनके पितरों को भी अधोगति से मुक्ति मिल जाती है।

इंदिरा एकादशी मुहूर्त और पारण समय

आश्विन कृष्ण एकादशी तिथि का प्रारंभः 17 सितंबर, 12:21 ए एम से

आश्विन कृष्ण एकादशी तिथि का समापनः 17 सितंबर, रात 11:39 पी एम

ब्रह्म मुहूर्तः 04:33 ए एम से 05:20 ए एम तक

पूजा का शुभ मुहूर्तः 06:07 ए एम से 09:11 ए एम तक

शुभ-उत्तम मुहूर्तः 10:43 ए एम से 12:15 पी एम तक

इंदिरा एकादशी पारण समयः 18 सितंबर, 06:07 ए एम से 08:34 ए एम तक

नवरात्रि क्यों जुटती है भक्तों की भीड़ चामुंडा धाम में? क्या है 1000 साल पुराने मंदिर का इतिहास

यह मंदिर समुद्र तल से लगभग 1000 मीटर ऊंचाई पर चामुंडी पहाड़ी पर स्थित है. यहां तक पहुंचने के लिए सड़क मार्ग के अलावा सीढ़ियों का भी रास्ता है, जिसमें लगभग एक हजार सीढ़ियां चढ़नी होती हैं. रास्ते में जगह-जगह दर्शनार्थियों के लिए विश्राम स्थल और देवी के अन्य स्वरूपों की मूर्तियां मिलती हैं. मंदिर के प्रवेश द्वार से लेकर गर्भगृह तक की दीवारों पर की गई नक्काशी बेहद आकर्षक है । यहां एक विशाल नंदी की प्रतिमा भी स्थित है, जो पत्थर से बनी हुई है और श्रद्धालुओं के आकर्षण का बड़ा कारण है. मंदिर के मुख्य गर्भगृह में स्थापित देवी की मूर्ति स्वर्णाभूषणों से सुसज्जित रहती है।

देवी चामुंडा का प्रचंड रूप और महिषासुर का अंत

इस मंदिर की कहानी जुड़ी है उस समय से, जब महिषासुर नामक राक्षस ने अपने बल और वरदान के दम पर धरती और स्वर्ग लोक में आतंक फैला रखा था. उसने यह वरदान प्राप्त किया था कि उसकी मृत्यु केवल किसी स्त्री के हाथों ही हो सकती है. देवताओं ने जब

त्रस्त होकर देवी दुर्गा की आराधना की, तो उन्होंने चामुंडा रूप धारण कर महिषासुर का संहार किया. कहा जाता है कि यह युद्ध कई दिनों तक चला और अंत में देवी ने राक्षस का वध कर धर्म की स्थापना की. इसी कारण से देवी को यहां चामुंडेश्वरी कहा जाता है और उन्हें महिषासुरमर्दिनी के रूप में पूजा जाता है. मंदिर के पास महिषासुर की एक विशाल मूर्ति भी स्थापित है, जो इस कथा की याद दिलाती है.

चामुंडेश्वरी मंदिर का इतिहास

मान्यता है कि इस मंदिर का निर्माण सबसे पहले 12वीं सदी में होयसला वंश के राजा विष्णुवर्धन ने करवाया था. बाद में वाडियार वंश ने इस मंदिर को और भव्य रूप दिया. मैसूर के राजा चामराजा वाडियार इस मंदिर के बड़े भक्त माने जाते थे. कहते हैं कि एक बार वे जब पूजा कर रहे थे, तभी वहां बिजली गिरी लेकिन वे सुरक्षित बच निकले. इस चमत्कार को देवी की कृपा माना गया. आज भी मां चामुंडेश्वरी को मैसूर राजघराने की कुलदेवी माना जाता है. हर साल दशहरे के मौके पर राजा के वंशज यहां विशेष पूजा करते हैं।

शक्तिपीठ और धार्मिक मान्यता

लोकमान्यता है कि देवी सती के बाल इसी स्थान पर गिरे थे, जिससे यह स्थान शक्तिपीठ बन गया. इसलिए इसे क्रौंच पीठम भी कहा जाता है. मंदिर के बाहर एक विशाल नंदी की मूर्ति है, जिसे देखने बड़ी संख्या में लोग आते हैं. मंदिर की दीवारों पर की गई नक्काशी और स्थापत्य शैली देखने लायक है।

'निर्माताओं को मैं विलेन ही लगता हूं'

इंडस्ट्री में टाइपकास्ट किए जाने पर भड़के मनोज बाजपेयी

अपनी हालिया रिलीज फिल्मों 'इंस्पेक्टर जेंडे' और 'जुगनुमा- द फेबेल' को लेकर अभिनेता मनोज बाजपेयी चर्चाओं में बने हैं। अब अभिनेता ने खुद को टाइपकास्ट किए जाने पर और एक जैसे ही रोल मिलने पर बात की। साथ ही उन्होंने 'जुगनुमा- द फेबेल' की अपनी को-स्टार तिलोत्तमा शोम को भी लगातार एक जैसी ही किरदार दिए जाने पर अपनी राय रखी और नाराजगी जताई।

तिलोत्तमा शोम को टाइपकास्ट किए जाने पर जताई नाराजगी

मनोज बाजपेयी ने बताया कि निर्माता आमतौर पर सोचते हैं कि मैं केवल खलनायक की भूमिकाएं ही निभा सकता हूं। वहीं मानसून वेडिंग से अपने अभिनय करियर की शुरुआत के बाद तिलोत्तमा को नौकरानी की भूमिकाओं में टाइपकास्ट किए जाने के बारे में भी अभिनेता ने बात की। उन्होंने कहा कि मुझे वह बहुत खूबसूरत लगती हैं। उनके चेहरे में क्या समस्या है? यह किसी अभिनेता की गलती नहीं है। हमें यह समझने की जरूरत है। हर बार उन्हें नौकरानी के या एक जैसे ही किरदार दे दिए जाते हैं।

मेरी नजर में मैं बहुत सुंदर हूं

अभिनेता ने आगे कहा कि अगर मैं जैसा दिखता हूं, वैसा ही दिखता हूं तो यह मेरी गलती नहीं है। अगर कोई मेरे पास केवल खलनायक की भूमिकाएं लेकर आता है, तो यह मेरी गलती नहीं है। यह फिल्म निर्माता या मुझे यह भूमिकाएं देने वाले व्यक्ति की दूरदर्शिता की कमी है। मेरी नजर में, मैं बहुत सुंदर हूं, लेकिन वे स्टीरियोटाइप से इतने बंधे हुए हैं कि उन्हें लगता है कि मेरे जैसा व्यक्ति केवल विलेन ही बन सकता है। मुझे उनके मेरे बारे में विचार अपमानजनक नहीं लगते। बल्कि, मैं उन पर और फिल्मों और अभिनेताओं को देखने की उनकी सीमित क्षमता पर हंसता हूं। मैं वाकई सुंदर दिखता हूं। बस बात यह है कि वे मुझमें वह सुंदरता नहीं देख पाते।

'इंस्पेक्टर जेंडे' और 'जुगनुमा' में नजर आए मनोज बाजपेयी

वर्कफ्रंट की बात करें तो मनोज बाजपेयी हाल ही में 'इंस्पेक्टर जेंडे' और 'जुगनुमा - द फेबेल' में नजर आए हैं। ओटीटी पर रिलीज हुई 'इंस्पेक्टर जेंडे' को क्रिटिक्स ने सराहा काफी सराहा और लोगों को ये पसंद भी आई है। वहीं 'जुगनुमा - द फेबेल' को भी समीक्षकों से अच्छी प्रतिक्रियाएं मिली हैं।

राशा ने दोस्तों के साथ की जमकर पार्टी, खूबसूरत फोटोज शेयर कर लिखा, 'प्रिंसेस ट्रीटमेंट मिला'

अभिनेत्री रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी खूब सुर्खियों में रहती हैं। इस साल उन्होंने फिल्म 'आजाद' से इंडस्ट्री में कदम रखे। फिल्म तो नहीं चली, मगर राशा का 'ऊई अम्मा' गाना खूब पॉपुलर हुआ। राशा अक्सर लाइमलाइट में रहती हैं। हाल ही में राशा दोस्तों के साथ पार्टी करती दिखीं।

राशा ने क्राउन लगाकर दिए पोज

राशा थडानी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने कई खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें दोस्तों के साथ क्वालिटी टाइम बिताती दिख रही हैं। तस्वीरों में राशा की खुशी देखते बन रही है। कुछ तस्वीरों में वे सिर पर क्राउन लगाए पोज देती दिख रही हैं। पोस्ट के साथ राशा ने लिखा है, 'प्रिंसेस ट्रीटमेंट'।

दोस्तों के साथ की मस्ती

राशा ने अलग-अलग मूमेंट्स की तस्वीरें एक साथ पोस्ट की हैं। हर फोटो में राशा ने अपनी क्यूटनेस और स्टाइल से फैंस का दिल जीत लिया है। हालांकि, फोटोज कब की हैं, इसे लेकर उन्होंने कोई डिटेल शेयर नहीं की हैं।

यूजर बोले- 'आप प्रिंसेस हो'

राशा की फोटोज पर नेटिजन्स कमेंट्स कर रहे हैं। साथ ही सेलेब्स ने भी रिएक्ट किया है। एक्ट्रेस कहकशां पटेल ने रेड हार्ट इमोजी बनाते हुए लिखा है, 'शानदार राशा'। इसके अलावा यूजर्स के भी मजेदार कमेंट्स हैं। एक यूजर ने लिखा, 'इतनी क्यूट फोटोज शेयर करने के लिए शुक्रिया'। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'प्रिंसेस का ताज'। एक यूजर ने लिखा, 'आप प्रिंसेस ही हो'।

राशा का वर्क फ्रंट

राशा के वर्क फ्रंट की बात करें तो 'आजाद' के बाद वे फिल्म 'लाइकी लाइका' में नजर आएंगी। इस फिल्म में राशा की जोड़ी अभिनेता अभय वर्मा के साथ जमेगी। बता दें कि 'लाइकी लाइका' अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अक्षय कुमार की फिल्म पर चली सेंसर बोर्ड की कैंची 'जॉली एलएलबी 3' में हुए 8 बड़े बदलाव

अक्षय कुमार और अरशद वारसी की फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। दर्शकों में इस फिल्म को लेकर खासा उत्साह है क्योंकि लंबे समय बाद दोनों जॉली एक साथ कोर्टरूम ड्रामा में भिड़ने वाले हैं। लेकिन रिलीज से पहले इस फिल्म पर सेंसर बोर्ड की कैंची चल चुकी है। बोर्ड ने फिल्म को U/A सर्टिफिकेट तो दे दिया है, लेकिन आठ अहम बदलाव भी करवाए हैं।

सेंसर बोर्ड की चली कैंची

दरअसल 2 सितंबर को फिल्म को सर्टिफिकेट जारी हुआ। करीब 2 घंटे 37 मिनट और 16 सेकंड की इस फिल्म में बोर्ड ने ऐसे सीन और शब्द हटवाए जिन्हें आम दर्शकों के लिए आपत्तिजनक माना जा सकता था। हालांकि, यह सभी बदलाव मामूली हैं और फिल्म की कहानी या प्रभाव पर कोई खास असर नहीं डालेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में कुल 8 बदलाव किए गए हैं।

जॉली एलएलबी 3 में किए गए बदलाव

सेंसर बोर्ड द्वारा फिल्म में किए गए बदलाव कुछ इस तरह से हैं-

फिल्म की शुरुआत में दिखाए गए डिस्क्लेमर को बदला गया है।

एक ब्रांड की शराब की बोतल को पूरी तरह ब्लर किया गया।

मेकर्स को यह निर्देश दिया गया कि फिल्म की स्टार्टिंग में काल्पनिक स्थान और साल का उल्लेख किया जाए।

फिल्म में कई जगह इस्तेमाल किया गया आपत्तिजनक अंग्रेजी शब्द हटा दिया गया।

एक सीन जिसमें पुलिस द्वारा बुजुर्ग व्यक्ति के साथ सख्ती दिखाई गई थी, उसे टोन-डाउन किया गया।

एक डायलॉग में बदलाव कर उसे 'इमरजेंसी क्लॉज' किया गया और साथ ही वहां दिख रहे लोगो को भी बदला गया।

सीमा बिस्वास के किरदार के हाथ में नजर आ रही फाइल पर मौजूद लोगो को ब्लर किया गया।

सेकेंड हाफ में एक डायलॉग को बदलकर हल्का किया गया, ताकि यह किसी भी तरह विवादित न लगे।

स्टारकास्ट और कहानी

'जॉली एलएलबी 3' में इस बार दोनों जॉली यानी अक्षय कुमार और अरशद वारसी कोर्ट में आमने-सामने होंगे। इनकी कानूनी बहस को और दिलचस्प बनाएंगे सौरभ शुक्ला, जो एक बार फिर जज त्रिपाठी के किरदार में नजर आएंगे। इसके अलावा फिल्म में अमृता राव, हुमा कुरैशी और सीमा बिस्वास भी अहम भूमिकाओं में शामिल हैं। निर्देशन की कमान इस बार भी सुभाष कपूर के हाथों में है, जिन्होंने पहले दोनों सफल पार्ट्स को डायरेक्ट किया था।

रिलीज डेट का इंतजार

सेंसर बोर्ड की इन छोटी-मोटी काटछांट के बाद अब फिल्म पूरी तरह तैयार है और 19 सितंबर 2025 को यह बड़े पर्दे पर दस्तक देगी। फ्रैंचाइज की पहली दोनों फिल्मों को दर्शकों ने खूब सराहा था और अब तीसरे भाग से भी वैसी ही उम्मीदें हैं।

अमाल मलिक पर भड़कीं गौहर खान बोलीं- थोड़ा तो ख्याल करो

पॉपुलर रियलिटी शो बिग बॉस 19 के घर में आए दिन किसी ना किसी प्रतियोगियों के बीच झड़प और कहासुनी होती रहती है। हाल ही में शो में दिखा कि अमाल मलिक और कुनिका सदानंद के बीच गहमागहमी हो गई थी। इसी मामले पर बिग बॉस 7 की विजेता और अभिनेत्री गौहर खान ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए अमाल पर हमला बोला है। जानिए उन्होंने क्या कहा।

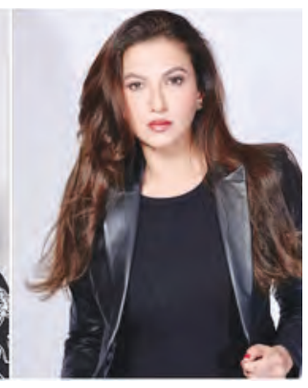

थोड़ा तो ख्याल करो...

गौहर खान ने अपने एक्स अकाउंट पर एक ट्वीट किया। इसमें उन्होंने लिखा, 'हां, वो बहुत नखरेबाज, अपने फैसलों को लेकर चिड़चिड़ी हैं। लेकिन मुझे बहुत बुरा लगता है कि ज्यादातर लोग कुनिका जी से कैसे बात करते हैं। वो 61 साल की हैं यार, थोड़ा तो ख्याल रखो टोन का। बिग बॉस 19 में अमाल जिम्मेदारी नहीं संभाल सकते। अधिकार का पद जिम्मेदारी के साथ आता है।'

किस बात पर भिड़े ये अमाल-कुनिका?

इस समय बिग बॉस 19 में अमाल मलिक कैप्टन हैं। पिछले एपिसोड में अमाल और कुनिका सदानंद के बीच किचन के कामों को लेकर बहस हो गई थी। अमाल ने कुनिका को एक तरफ हट जाने और दूसरों को किचन संभालने देने को कहा, जिसके बाद दोनों के बीच बहस छिड़ गई। बाद में साथी प्रतियोगियों तान्या और नीलम ने कहा कि कुनिका अक्सर किसी के बीच में शामिल हो जाती हैं।

बिग बॉस 7 की विजेता रही हैं गौहर खान

आपको बताते चलें कि गौहर खान का बिग बॉस से जुड़ाव काफी पुराना है। अभिनेत्री बिग बॉस 7 की विजेता थीं। इसीलिए अक्सर उन्हें बिग बॉस को लेकर टिप्पणी करते देखा जाता है।

अवैध बेटिंग एप मामले में सोनू सूद को ईडी ने पूछताछ के लिए भेजा समन

बॉलीवुड अभिनेत्री उवर्शी रौतला, पूर्व सांसद मिमि चक्रवर्ती, पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना और युवराज सिंह के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय ने एक्टर सोनू सूद को गैरकानूनी बेटिंग ऐप से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए समन भेजा है। सोनू सूद अवैध ऑनलाइन बेटिंग एप को लेकर ईडी के सवालों के घेरे में आ गए हैं।

कब और क्यों बुलाए गए सोनू सूद?

ईडी ने सोनू सूद को 24 सितंबर को दिल्ली स्थित मुख्यालय में पेश होने का आदेश दिया है। एजेंसी का मानना है कि उन्होंने एक ऐसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के साथ प्रमोशनल जुड़ाव किया, जो भारत में बैन हैं। यह एप कथित तौर पर अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और पैसों की हेराफेरी में शामिल है। जांच एजेंसी इस बात की पड़ताल कर रही है कि सेलिब्रिटीज और खिलाड़ियों की ब्रांडिंग से इस एप को किस हद तक फायदा हुआ और क्या इससे जुड़े भुगतान नियमों का उल्लंघन हुआ।

ईडी की जांच का दायरा

प्रवर्तन निदेशालय लंबे समय से इंटरनेट पर चल रही ऐसी बेटिंग वेबसाइट्स पर नजर रख रहा है, जो भारत के कानून के खिलाफ हैं। इन प्लेटफॉर्म्स के जरिए न सिर्फ सट्टेबाजी होती है बल्कि हवाला और मनी लॉन्ड्रिंग जैसी गतिविधियों की भी आशंका जताई जा रही है। अब जब इन मामलों में फिल्मी सितारों और खिलाड़ियों के नाम सामने आ रहे हैं, तो जांच का दायरा और भी बढ़ गया है।

माहिका से पहले इन हसीनाओं संग भी जुड़ चुका हार्दिक पांड्या का नाम, खूब बटोरीं सुर्खियां

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या मैदान पर अपने प्रदर्शन जितने चर्चित हैं, उतने ही अपनी निजी जिंदगी और लव लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहते हैं। हाल ही में उनका नाम मॉडल और अभिनेत्री माहिका शर्मा के साथ जोड़ा गया है। लेकिन यह पहला मौका नहीं है जब हार्दिक का किसी हसीना के साथ अफेयर की चर्चा ने मीडिया और सोशल मीडिया पर हलचल मचाई हो। आइए जानते हैं किन-किन ग्लैमरस हसीनाओं के साथ हार्दिक का नाम जुड़ चुका है।

जैस्मिन वालिया

हार्दिक का नाम इससे पहले ब्रिटेन की मशहूर सिंगर और एक्ट्रेस जैस्मिन वालिया के साथ जुड़ा था। यह चर्चाएं उस वक्त सामने आईं जब दोनों को सोशल मीडिया पर लगातार एक-दूसरे की पोस्ट्स पर कमेंट और लाइक करते देखा गया। इसके अलावा जैस्मिन हार्दिक की टीम मुंबई इंडियंस को खुलकर सपोर्ट और चीयर करती भी नजर आई थीं। फैंस को लगा कि दोनों के बीच दोस्ती से कहीं ज्यादा रिश्ता है। हालांकि, इन अटकलों पर कभी दोनों ने खुलकर कुछ नहीं कहा, लेकिन उस समय उनकी नजदीकियों ने मीडिया में खूब सुर्खियां बटोरीं।

एली अवराम

हार्दिक पांड्या का नाम स्वीडिश-ग्रीक मूल की बॉलीवुड एक्ट्रेस एली अवराम से भी जोड़ा गया। 2017 में दोनों को कई बार एक साथ इवेंट्स और पार्टियों में देखा गया था। एली को तो हार्दिक के पारिवारिक फंक्शंस तक में देखा गया, जिसके बाद ये खबरें और तेज हो गईं कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। हालांकि, समय के साथ यह रिश्ता भी चर्चाओं में रहकर धीरे-धीरे खत्म हो गया।

ईशा गुप्ता

क्रिकेट और बॉलीवुड का रिश्ता पुराना है और इसी कड़ी में हार्दिक का नाम एक्ट्रेस ईशा गुप्ता से भी जुड़ा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2018 में एक पार्टी के दौरान दोनों की मुलाकात हुई थी और यहीं से उनकी नजदीकियां बढ़ीं। ईशा और हार्दिक को लेकर कहा गया कि दोनों ने एक-दूसरे से लगातार मुलाकातें शुरू कर दी थीं। हालांकि, उनका रिश्ता ज्यादा समय तक टिक नहीं पाया और यह महज एक शॉर्ट टर्म अफेयर बनकर रह गया।

उर्वशी रौतेला

हार्दिक पांड्या का नाम उर्वशी रौतेला जैसी ग्लैमरस एक्ट्रेस से भी जोड़ा गया। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि दोनों एक अवॉर्ड फंक्शन के बाद नजदीक आए थे और अक्सर साथ में पार्टी करते दिखे। हालांकि, उर्वशी ने हमेशा इस तरह की खबरों को सिर्फ अफवाह बताया, लेकिन हार्दिक के साथ उनका नाम जुड़ना लंबे समय तक चर्चा का विषय बना रहा।

नताशा स्टेनकोविक

हार्दिक पांड्या की लव लाइफ का सबसे बड़ा चैप्टर उनकी शादी रहा। 2020 में हार्दिक ने सर्बियाई मॉडल और एक्ट्रेस नताशा स्टेनकोविक से सगाई कर सभी को चौंका दिया। इसी साल दोनों ने शादी कर ली और 2020 में ही उनके बेटे अगस्त्य का जन्म हुआ। काफी समय तक यह जोड़ी सोशल मीडिया पर कपल गोल्स देती नजर आई। लेकिन 2024 आते-आते दोनों के रिश्ते में खटास की खबरें आने लगीं। दोनों ने आपसी सहमति से तलाक ले लिया।

पायल मां नहीं बन सकती, सरोगेसी में मांगे 20 लाख, अडॉप्शन से भी टूटी आस

पहलवान और मोटिवेशनल स्पीकर संग्राम सिंह और अभिनेत्री पायल रोहतगी की जोड़ी इन दिनों एक बार फिर अपनी शादी को लेकर चर्चाओं में हैं। संग्राम सिंह के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर की खबरों के चलते दोनों की शादी को मुश्किल में बताया जा रहा है। हालांकि, ये सब सिर्फ चर्चाएं हैं। अमर उजाला डिजिटल से एक पुराने इंटरव्यू में संग्राम सिंह ने पायल के मां बनने में आने वाली मुश्किलों को लेकर बात की थी। तब संग्राम ने अपने 14 साल रिश्ते की सच्चाई, सरोगेसी और अडॉप्शन की मुश्किलों पर खुलकर बात की थी।

पायल नैचुरल तरीके से कंसीव नहीं कर सकती

बातचीत के दौरान संग्राम ने फैमिली प्लानिंग के मुद्दे पर भी खुलकर बात की। उन्होंने बताया था कि जब हमें पता चला कि पायल नैचुरल तरीके से कंसीव नहीं कर सकती, तो सरोगेसी का विचार हमारे सामने आया। लेकिन इस प्रोसेस में बहुत सारी अड़चनें और लालच छिपे होते हैं। कुछ डॉक्टर सीधे पैसे का खेल खेलते हैं।

संग्राम ने आगे बताया था कि हमारा केस पूरी तरह जेन्युइन था, न उम्र की दिक्कत, न नियत में खोट, फिर भी सही डॉक्टर, सही सलाह और लीगल रास्ता खोजना आसान नहीं रहा। किसी ने 20 लाख रूपए मांगे, किसी ने और बहाने दिए। संग्राम ने कहा कि आम आदमी से ज्यादा पब्लिक फिगर को हर कदम पर सतर्क रहना पड़ता है। आम आदमी गलती कर भी ले, लेकिन पब्लिक फिगर अगर एक कदम भी गलत चला, तो पूरी जिंदगी उसका हिसाब देना पड़ता है। इसलिए हम अब भी एक ईमानदार और लीगल रास्ता तलाश रहे हैं।

उस दौरान संग्राम ने अडॉप्शन को लेकर भी अपनी परेशानी शेयर की थी। उन्होंने बताया था कि हमने अडॉप्शन का भी पूरा प्रयास किया। पायल ने कई वेबसाइट्स पर फॉर्म भरे, सेंटर्स में बात की। लेकिन इंडिया में अडॉप्शन इतना पेचीदा बना दिया गया है कि अच्छे इरादे भी हार मान लें। तीन साल तक इंतजार, बच्चे की उम्र के आधार पर नियम और कई बार मौका ही न मिलना। इन सब वजहों से हम अडॉप्शन से भी निराश हो चुके हैं। हम ये सब झेल चुके हैं। मैं मानता हूं कि अडॉप्शन एक पुण्य काम है। लेकिन सिस्टम ने इसे इतना मुश्किल कर दिया है कि लोग डर जाते हैं।

मां की इच्छा थी कि उनकी आंखों के सामने पोता हो

संग्राम ने बताया था कि हमारी मां की भी इच्छा थी कि उनकी आंखों के सामने पोता हो, ये भी एक वजह थी कि हमने सरोगेसी पर ज्यादा ध्यान दिया था।

'देशभर में एक क्रांति लानी होगी'

पीएम मोदी के मणिपुर दौरे पर सचिन पायलट ने कही बड़ी बात

टोंक, 16 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव और टोंक विधायक सचिन पायलट ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बहुत पहले ही मणिपुर जाना चाहिए था। प्रदेश सरकार की नियत और नीति दोनों ठीक नहीं है। विधानसभा में कैमरे लगाए जाकर निगरानी और जासूसी करना भी दुर्भाग्यपूर्ण है। सचिन पायलट ने वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान की जिला स्तरीय कार्यशाला में कार्यकर्ताओं से संवाद कर हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की।

इस दौरान सचिन पायलट ने वर्ष 2028 में मुख्यमंत्री के सवाल पर कहा कि हम सब का काम राहुल गांधी के हाथ मजबूत करना है। कांग्रेस ने 1952 में हुए पहले चुनाव में प्रत्येक नागरिक को वोट का अधिकार दिया। देश के संविधान में हमारी आस्था अटूट है। उन्होंने कहा कि वोट चोरी का मुद्दा और हस्ताक्षर अभियान एक जिला व एक प्रदेश का नहीं है। पूरे देश भर की कांग्रेस का है।

सचिन पायलट ने कहा हमारी जिम्मेदारी है जनता को जागरूक करने की। राहुल गांधी को यह मुद्दा उठाए 6, 7 सप्ताह हो गए। लेकिन चुनाव आयोग की तरफ से कोई जवाब या स्पष्टीकरण अभी तक नहीं आया। उल्टा चुनाव आयोग राहुल गांधी से शपथपत्र मांग रहा है। राहुल गांधी ने वोट चोरी को पूरे प्रमाण के साथ उजागर कि है। हमारे लोकतंत्र की जड़ें मजबूत है। यह हमारी सबसे बड़ी कामयाबी है। दूसरे देशों में असंतोष है। लेकिन भारत ने लोकतंत्र मजबूत है। हमारी आस्था लोकतंत्र में है। इस सरकार ने हमारी संवैधानिक संस्थाओं को खोखला किया है। यदि किसी को भी कोई शंका है तो उस शंका को दूर करना चाहिए यह चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है।

सीसीटीवी फुटेज को नष्ट करना चाहता चुनाव आयोग

सचिन पायलट ने कहा वहीं चुनाव आयोग सीसीटीवी फुटेज को नष्ट करना चाहता है। देशभर में एक क्रांति लानी होगी और जब जनता में क्रांति आ जाती है तो कोई कितना बड़ा व्यक्ति हो, कितने बड़े पद पर हो उसको जनता के सामने झुकना पड़ता है। इस सरकार को ना जनता के हित की परवाह है और ना कोई परम्परा की परवाह है। भाजपा सरकार पानी, खाद, बिजली नहीं देकर खाली भाषण दे रही है।

टोंक शहर में निकाला पैदल मार्च

हस्ताक्षर अभियान के बाद सचिन पायलट के नेतृत्व में पैदल मार्च निकाल कर जनता से हस्ताक्षर अभियान में शामिल होने का आग्रह किया। पैदल मार्च की शुरुआत जिला कांग्रेस कार्यालय से हुई। इसमें कार्यकर्ता व पदाधिकारी वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे लगाते चल रहे थे। पैदल मार्च बड़ा कुआं होते हुए सवाईमाधोपुर चौराहे आदि स्थानों से निकाला गया।

बीजेपी एमएलए ने महिलाओं के लिए दिया विवादित बयान, रविंद्र भाटी ने किया समर्थन

जोधपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने जोधपुर में बीजेपी विधायक भैराराम सियोल के महिलाओं पर दिए गए विवादास्पद बयान का समर्थन किया और इसे सामाजिक विडंबना करार दिया। भाटी ने विधानसभा में कैमरों की स्थापना और चल रही सियासी बयानबाजी पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने 2019 से 2022 के बीच छात्र राजनीति के दौरान उन पर दर्ज मुकदमों में कोर्ट द्वारा बरी किए जाने पर न्यायपालिका के प्रति आस्था जताई।

छात्र राजनीति के मुकदमों में भाटी बरी

रविंद्र सिंह भाटी जोधपुर एक पुराने मामले की सुनवाई को लेकर पहुंचे थे। यह सुनवाई 2019 से 2022 के बीच छात्र राजनीति के दौरान उन पर दर्ज मुकदमों से संबंधित थी। जोधपुर की अदालत ने भाटी को इन मामलों में दोषमुक्त कर दिया। सुनवाई के बाद सर्किट

हाउस में मीडिया से बातचीत में भाटी ने कहा कि मुझे शुरू से ही न्यायपालिका पर पूरा भरोसा था। आज सच की जीत हुई है और कोर्ट ने मुझे बरी कर दिया। ओसियां से बीजेपी विधायक भैराराम सियोल ने हाल ही में महिलाओं के घर छोड़कर भागने और विवाह करने की घटनाओं पर बयान दिया था, जिसे लेकर काफी विवाद हुआ। सियोल ने कहा था कि तीन-तीन बच्चों की मां भी तेज रफ्तार से भागकर विवाह कर रही हैं। ऐसी घटनाओं से समाज, संस्कृति और परिवार की नींव पर बुरा असर पड़ रहा है। माता-पिता व परिजन अपनी व्यथा लेकर मेरे पास आते हैं। यह सुनकर मैं बेहद दुखी हूं। इस बयान का समर्थन करते हुए रविंद्र भाटी ने कहा कि यह वाकई में एक बड़ी विडंबना है। लड़कियां और शादीशुदा महिलाएं घर छोड़कर भाग रही हैं, जिसका उनके माता-पिता और परिवार पर गहरा असर पड़ता है। इस समस्या से निपटने के लिए एक सख्त कानून की जरूरत है। भाटी ने इस मुद्दे को सामाजिक चिंता का विषय बताया।

विधानसभा में कैमरों के विवाद पर क्या बोले?

विधानसभा में कैमरों की स्थापना को लेकर चल रही सियासी बहस पर उन्होंने कहा कि विधानसभा में कैमरे कोई नई बात नहीं हैं, पहले भी लगे हुए थे। हम तो चाहते हैं कि 100 कैमरे लगें, ताकि राजस्थान की 8 करोड़ जनता को विधानसभा की कार्यवाही की सीधी जानकारी मिले। भाटी ने पारदर्शिता पर जोर देते हुए कहा कि इससे जनता को अपने प्रतिनिधियों की गतिविधियों का स्पष्ट अंदाजा होगा।

सियासी बयानबाजी पर भाटी की नसीहत

राजस्थान की राजनीति में चल रही बयानबाजी पर टिप्पणी करते हुए भाटी ने कहा कि यह स्तरहीन हो चुकी है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की राजनीति की तासीर इतनी निम्न कभी नहीं रही। वरिष्ठ नेताओं को संयम बरतना चाहिए। खासकर, विधानसभा में महिलाओं की संख्या पहले ही कम है और उन पर टिप्पणी करना पूरे राजस्थान की जनता पर टिप्पणी करने जैसा है। ऐसी बयानबाजी से बचना चाहिए।

सांसद हनुमान बेनीवाल को हाईकोर्ट से मिली बड़ी राहत, नहीं खाली करना पड़ेगा फ्लैट

जयपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। नागौर से सांसद और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के नेता हनुमान बेनीवाल को राजस्थान हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने उनके पक्ष में फैसला सुनाते हुए जयपुर के जालूपुरा स्थित सरकारी आवास (बी7) और ज्योतिनगर के विधायक फ्लैट को खाली करने के नोटिस पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट के जज समीर जैन ने यह महत्वपूर्ण स्टे ऑर्डर जारी किया।

इसके साथ ही कोर्ट ने राज्य सरकार के मुख्य सचिव और संपदा अधिकारी से जवाब तलब किया है कि राजस्थान में कितने विधायक, पूर्व विधायक, मंत्री, पूर्व मंत्री और अन्य नेता सरकारी आवासों का लाभ ले रहे हैं।

हनुमान बेनीवाल पर जयपुर के ज्योतिनगर में विधायक फ्लैट और जालूपुरा में विधायक बंगले पर

कब्जा रखने का आरोप है। राज्य सरकार ने बेनीवाल को 1 जुलाई 2025 को पहला नोटिस जारी कर इन आवासों को खाली करने का निर्देश दिया था। इसके बाद चार और नोटिस भेजे गए, लेकिन बेनीवाल ने आवास खाली नहीं किया।

सांसद बेनीवाल ने इन नोटिसों को राजस्थान हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। उनकी याचिका में दावा किया गया कि संपदा विभाग नियमों का पालन किए बिना जल्दबाजी में कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने नोटिस को अनुचित और अपमानजनक करार देते हुए इसे रद्द करने की मांग की थी।

हाईकोर्ट का सरकार से जवाब तलब

हाईकोर्ट के जज समीर जैन ने बेनीवाल की याचिका पर सुनवाई करते हुए न केवल नोटिस पर स्टे दिया, बल्कि सरकार को कटघरे में भी खड़ा किया। कोर्ट ने मुख्य सचिव और संपदा अधिकारी से पूछा है कि राजस्थान में कितने विधायक, पूर्व विधायक, मंत्री, पूर्व मंत्री और अन्य नेता सरकारी आवासों और सुविधाओं का लाभ ले रहे हैं। यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मामला सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग और नियमों के पालन से जुड़ा है। कोर्ट ने सरकार से इस संबंध में विस्तृत जवाब मांगा है, जिसके बाद इस मामले में आगे की सुनवाई होगी।

नगरीय निकाय चुनाव इस साल नहीं होंगे

मंत्री झाबर सिंह खर्रा का बड़ा बयान

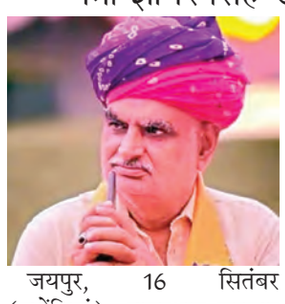

जयपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार की प्रारंभिक तैयारियों में हो रही देरी को देखते हुए अनुमान है कि प्रदेश में नगरीय निकायों के चुनाव इस साल नहीं होंगे। ये चुनाव अगले वर्ष जनवरी या फरवरी में कराने की तैयारी है। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने साफ किया है कि चुनाव आयोग और ओबीसी आयोग की प्रक्रिया दिसंबर के पहले सप्ताह तक ही पूरी हो पाएगी। इस प्रक्रिया के बाद भी कम से कम एक माह और चाहिए। ऐसे में तकनीकी और प्रशासनिक दृष्टि से दिसंबर में चुनाव संभव नहीं हैं। गौरतलब है की मंत्री लगातार दिसंबर में चुनाव कराने की बात कहते रहे हैं। राज्य में अब नगर निगम, नगर परिषद और नगर पालिकाओं की संख्या 309 हो गई है।

56 और निकायों में लगाने होंगे प्रशासक

पूर्ववर्ती सरकार में प्रदेश में 196 नगरी निकाय के चुनाव हुए थे, जिनमें से अभी तक 49 और बाकी नवगठित निकायों में प्रशासक नियुक्त हैं। दिसंबर तक ऐसे 56 निकाय और होंगे, जिनके बोर्ड का कार्यकाल पूरा हो जाएगा। यानी सरकार को यहां भी प्रशासक के हाथ में ही जिम्मेदारी सौंपने होगी। यदि चुनाव फरवरी या मार्च तक खिंचते हैं तो सभी 196 निकायों में 'शहरी सरकार' नहीं रहेगी।

जोजरी नदी का जहरीला पानी: 20 लाख लोगों के जीवन पर संकट, अब सुप्रीम कोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान

जोधपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के नागौर, जोधपुर और बालोतरा जिलों से होकर बहने वाली जोजरी नदी औद्योगिक कचरे के कारण जहरीली हो चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने इस गंभीर पर्यावरणीय संकट का स्वतः संज्ञान लेते हुए सख्त रुख अपनाया है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने मामले को चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया के समक्ष भेजने का आदेश दिया है। ये आदेश इसलिए दिया गया है ताकि उचित दिशा-निर्देश जारी किए जा सकें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नदी में फैक्ट्रियों से छोड़ा जा रहा औद्योगिक अपशिष्ट सैकड़ों गांवों को प्रभावित कर रहा है, जिससे पीने का साफ पानी तक उपलब्ध नहीं है।

जोजरी नदी नागौर के पूंडलू गांव से निकलकर जोधपुर में लूनी नदी में मिलती है। यह नदी दशकों से स्टील, टेक्सटाइल, और टाइल फैक्ट्रियों से निकलने वाले केमिकल का शिकार बनी हुई है। नदी में सल्फर, लेड, और कैडमियम जैसे जहरीले रसायन सीवेज के साथ मिलकर इसे पूरी तरह विषाक्त बना रहे हैं। इससे जोधपुर और पाली जिले के डोली, अरबा, कल्याणपुर सहित करीब 100 गांवों में पानी दूषित हो गया है। लगभग 20 लाख लोग, हजारों पशु, और खेती पर निर्भर आजीविका संकट में है। किसान इस प्रदूषित पानी से सिंचाई करने को मजबूर हैं, जिससे फसलें जहरीली हो रही हैं और त्वचा रोग, कैंसर जैसी बीमारियां बढ़ रही हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि यह मामला पर्यावरण संरक्षण और संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन का अधिकार) से जुड़ा है। कोर्ट ने राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और राज्य सरकार से तत्काल रिपोर्ट मांगी है। पर्यावरणविदों का कहना है कि जोजरी का प्रदूषण न केवल जल संकट पैदा कर रहा है, बल्कि पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट कर रहा है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के आदेश पर 2019 से अब तक 73 फैक्ट्रियां बंद की गईं, लेकिन अवैध डंपिंग अब भी जारी है। राजस्थान सरकार ने जोजरी नदी के प्रदूषण को रोकने के लिए 2023 में 400 करोड़, 2024 में 172.58 करोड़, और 2025-26 में 176 करोड़ रुपये आवंटित किए, लेकिन फंड का सही उपयोग न होने से कोई ठोस परिणाम नहीं मिला।

सुप्रीम कोर्ट ने पहले भी यमुना नदी, जल महल झील, और पोलर नदी जैसे मामलों में प्रदूषण के खिलाफ सख्ती दिखाई है। जोजरी मामले में भी कोर्ट के इस कदम से उम्मीद जगी है कि फैक्ट्रियों पर सख्त कार्रवाई होगी और नदी को बचाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे।

हनीट्रेप के मामले में सरपंच गिरफ्तार

खुद के फार्म हाउस पर महिला के साथ बैठाकर बनाया अश्लील वीडियो

दौसा, 16 सितंबर (एजेंसियां)। दौसा के बसवा थाना पुलिस ने अपहरण एवं बंधक बनाकर हनीट्रेप के मामले में बीगोता सरपंच को गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी सचिन शर्मा ने बताया कि 11 मई 2025 को धर्मपाल मीणा निवासी मुड़ियाखेड़ा थाना मानपुर ने मामला दर्ज कराया था कि उसके पास एक महिला का कॉल आया और कहा कि पति की मृत्यु हो चुकी है। एक बेटा और बेटी है। जिनका पालन पोषण और सही शिक्षा नहीं दे पा रही है। ऐसे में आर्थिक मदद चाहिए।

3 मई को फोन कर महिला ने उसे होटल में बुलाया। जहां खाना खाने के बाद वह बेहोश हो गया। होश आने पर कपड़े खोलने की हरकत कर 2 लाख रुपए की डिमांड करने लगी नहीं देने पर झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। पैसे लाकर देने की हां कर दी लेकिन उसने मेरा वीडियो बना लिया।

बाद में महिला को लेकर होटल से रवाना हुआ तो रास्ते में एक कार में सवार पांच व्यक्तियों ने धमकाकर मारपीट की। आंखों पर काली पट्टी बांध कमलेश मीणा बिगोता सरपंच के फार्म हाउस पर ले गए। जहां पर सरपंच ने रुपए नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी। बाद में महिला के पास बैठाकर अश्लील वीडियो बनाकर 10 लाख रुपए की डिमांड करने लगे। नहीं देने पर मुकदमा दर्ज करने की धमकी देने लगे।

पुलिस ने एसपी सागर राणा के निर्देशन में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए थाना प्रभारी के नेतृत्व में टीम का गठन कर बीगोता सरपंच कमलेश मीणा को गिरफ्तार कर लिया। इसके खिलाफ पूर्व में भी टहला थाने में अन्य कई मामले दर्ज हैं ।

विधायकों की खरीद-फरोख्त का केस हाईकोर्ट ने किया बंद

गहलोत सरकार में हुआ था दर्ज

जयपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के चर्चित फोन टैपिंग कांड के बाद पूर्ववर्ती गहलोत सरकार में विधायकों की खरीद-फरोख्त को लेकर एसीबी में दर्ज राजद्रोह के मुकदमें को हाईकोर्ट ने बंद कर दिया है। न्यायमूर्ति आशुतोष कुमार और अशोक सिंह की खंडपीठ ने याचिकाकर्ता भरत मालानी और अशोक सिंह की आपराधिक याचिका पर सुनवाई करते हुए यह निर्णय दिया। कोर्ट ने कहा कि एसीबी ने स्वयं ही यह स्वीकार किया कि मामले में कोई अपराध बनता नहीं है, और इसी आधार पर अभियोजन से मुक्त करने वाली अंतिम रिपोर्ट पेश कर दी गई है। ऐसे में एफआईआर को चुनौती देने का औचित्य नहीं बचता।

याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता वीआर बाजवा और अधिवक्ता पंकज गुप्ता ने दलील दी कि यह मामला केवल फोन रिकॉर्डिंग पर आधारित था,

जिसमें याचिकाकर्ता आपस में सामान्य बातचीत कर रहे थे। रिकॉर्डिंग में कहीं भी विधायकों की खरीद-फरोख्त या साजिश जैसी कोई बात नहीं थी। उन्होंने बताया कि पहले यह मामला एसओजी ने राजद्रोह के आरोप में दर्ज किया था, लेकिन बाद में एफआर लगाकर एसीबी को भेज दिया गया। अब एसीबी ने विस्तृत जांच के बाद कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिलने पर कोर्ट में केस दाखिल की है।

अशोक गहलोत सरकार के कार्यकाल में तत्कालीन उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट पर सरकार गिराने की साजिश के आरोप लगे थे। आरोप था कि उन्होंने निर्दलीय विधायकों को खरीदने की कोशिश की थी। इसको लेकर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने मामला दर्ज किया था।

पहले एसओजी ने दर्ज किया था राजद्रोह का केस

शुरुआत में यह मामला एसओजी (विशेष अभियोजन शाखा) के पास था, जहाँ राजद्रोह के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई थी। बाद में जांच में ठोस साक्ष्य न मिलने पर एफआर (फाइनल रिपोर्ट) लगाकर इसे एसीबी को स्थानांतरित कर दिया गया।

फोन रिकॉर्डिंग बना था आधार

यह पूरा प्रकरण फोन रिकॉर्डिंग पर आधारित था। आरोप था कि अशोक सिंह और भरत मालानी ने करण सिंह और अनिल मिश्रा के साथ मिलकर निर्दलीय विधायक रमीला खड़िया सहित अन्य विधायकों को खरीदने का प्रयास किया। उद्देश्य था चुनी हुई सरकार को अस्थिर करना और राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग के लिए दबाव बनाना। हालांकि, रिकॉर्डिंग में कोई ठोस आपराधिक साजिश स्पष्ट नहीं हुई। बाद में एसीबी ने भी अपनी जांच में अपराध न बनता देख अदालत में एफआर दाखिल कर दी थी।

आसमान से रखी जाएगी बिजली चोरों पर नजर

ड्रोन सर्वे से होगी कार्रवाई, सरकार ने कसा शिकंजा

जोधपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में बिजली चोर अब सावधान हो जाएं क्योंकि उन पर निगरानी रखने की नई व्यवस्था शुरू होने वाली है। सरकार अब ड्रोन के जरिए बिजली चोरी पर लगाम कसने की तैयारी कर रही है। ड्रोन से चोरी की जगह चिह्नित होते ही कार्रवाई होगी। इसके अलावा अवैध ट्रांसफार्मर लगाने वालों की भी लिस्ट तैयार की जा रही है। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि ड्रोन सर्वे कर बिजली चोरी करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जोधपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में ऊर्जा मंत्री नागर ने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में राजस्थान देश में प्रथम पायदान पर है। अब राज्य बैटरी स्टोरेज की दिशा में भी कदम बढ़ा रहा है ताकि दिन में उत्पादित सौर ऊर्जा को संग्रहित कर करीब 6000 मेगावाट अतिरिक्त बिजली उपलब्ध कराई जा सके। इसके लिए ऑर्डर भी जारी कर दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि ड्रोन सर्वे से उन इलाकों की पहचान की जाएगी, जहां बिजली चोरी की घटनाएं अधिक होती हैं या जहां टीम पहुंचने पर लोग तार हटा लेते हैं। ऐसे मामलों में ड्रोन के जरिए पुख्ता सबूत इकट्ठे कर दोषियों पर कार्रवाई होगी।

नागौर सांसद और आरएलपी सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल के बिजली कनेक्शन काटने और ऊर्जा मंत्री के आवास का बिजली बिल भरवाने के आरोपों पर नागर ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया और सवाल टालते हुए निकल गए।

सिलेंडर बदलने को कहा तो बेरहम बेटे ने मां की मुक्कों से मार-मारकर कर दी हत्या

जयपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। जयपुर के करधनी इलाके में एक ऐसी दर्दनाक घटना सामने आई, जिसने हर किसी को झकझोर कर रख दिया। अरुण विहार स्थित फ्लैट में एक बेटे ने मामूली कहासुनी के चलते अपनी ही मां की बेरहमी से हत्या कर दी। वजह इतनी छोटी थी कि सुनकर ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं। मां ने बेटे से सिर्फ इतना कहा था कि गैस सिलेंडर खत्म हो गया है, मंगवा दो। इस पर भड़के बेटे ने क्रूरता की सारी हदें पार कर दीं। जानकारी के मुताबिक, सुबह करीब साढ़े छह बजे संतोष देवी ने बेटे नवीन सिंह से सिलेंडर लाने को कहा। बात सुनते ही नवीन तिलमिला उठा। पहले मां को गालियां दीं और फिर लगातार मुक्के बरसाने लगा। इतना ही नहीं, गुस्से में आकर उसने मां का गला तक दबा दिया। संतोष देवी को बचाने की कोशिश पति लक्ष्मण सिंह और दोनों बेटियों ने की, लेकिन नवीन का कहर रुकने का नाम नहीं ले रहा था। कुछ ही देर में संतोष देवी बेसुध हो गईं। परिजन तुरंत उन्हें सीकर रोड स्थित निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही करधनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी बेटे को हिरासत में ले लिया। शुरू में शांतिभंग का मामला दर्ज किया गया था, लेकिन मां की मौत की पुष्टि होते ही हत्या का मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई।

डीसीपी हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि मृतका संतोष देवी मूल रूप से हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले की रहने वाली थीं। उनके पति लक्ष्मण सिंह सेना से रिटायर होने के बाद दिल्ली पुलिस में भर्ती हो गए थे। वर्तमान में पूरा परिवार जयपुर के अरुण विहार में रह रहा था। दुखद पहलू यह है कि संतोष देवी की दो बेटियों की शादी फरवरी में तय थी। परिवार इन दिनों शादी की तैयारियों में जुटा हुआ था, लेकिन इस दर्दनाक घटना ने खुशियों को मातम में बदल दिया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी बेटे नवीन सिंह का स्वभाव पिछले कई वर्षों से झगड़ालू हो गया था। 2020 में हुई उसकी शादी भी असफल रही। पत्नी से लगातार विवाद बढ़ते-बढ़ते वह उसे छोड़कर चली गई और बुलंदशहर (यूपी) में दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज कर दिया। कभी कॉल सेंटर में काम करने वाला नवीन पिछले कुछ समय से बेरोजगार था और अधिकतर समय घर पर ही बिताता था। घटनास्थल का एफएसएल परीक्षण भी करवाया गया है। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मां के चेहरे पर लगी चोटों और गला दबाने से मौत की आशंका है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही मौत का सही कारण स्पष्ट होगा।

गोदारा गैंग का नया टारगेट बना प्रॉपर्टी कारोबारी

2 करोड़ नहीं देने पर जान से मारने की धमकी

सीकर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। रोहित गोदारा गैंग ने फतेहपुर में प्रॉपर्टी कारोबारी को 2 करोड़ रुपये की मांग करते हुए जान से मारने की धमकी दी है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जिले में गैंगस्टर रोहित गोदारा द्वारा लोगों को धमकी देने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। हाल ही में गोदारा गैंग ने एक बिजनेसमैन से 2 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी। अब फतेहपुर कस्बे के एक प्रॉपर्टी कारोबारी को भी रोहित गोदारा ने 2 करोड़ की फिरौती के लिए कॉल करके धमकाया है। फिरौती नहीं देने पर कारोबारी और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़ित कारोबारी ने फतेहपुर कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज करवाई, जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फतेहपुर के ऑयल मिल क्षेत्र निवासी प्रॉपर्टी कारोबारी नरेंद्र कुमार ने शिकायत में बताया कि 11 सितंबर की दोपहर उन्हें विदेशी नंबर से कॉल आया।

कॉल करने वाले ने अपना नाम राहुल बताया और कहा कि लो, रोहित गोदारा से बात करो। इसके बाद रोहित गोदारा ने कॉल पर नरेंद्र से 2 करोड़ रुपये की मांग की और धमकाया कि पैसे नहीं देने पर उन्हें और उनके परिवार को जान से मार देंगे।

फोन काटने के कुछ देर बाद नरेंद्र के व्हाट्सएप पर एक वॉइस रिकॉर्डिंग भी आई, जिसमें जान से मारने की धमकी दी गई थी। अगले दिन शाम को फिर कॉल आया और दोबारा पैसों की मांग करते हुए परिवार सहित जान से मारने की चेतावनी दी गई।

जांच में सामने आया है कि राहुल, जिसने कारोबारी की बात रोहित गोदारा से करवाई, फतेहपुर इलाके का हिस्ट्रीशीटर है। वह जेल से पैरोल पर बाहर आने के बाद फर्जी पासपोर्ट बनवाकर विदेश चला गया और अब वहां से रोहित गोदारा के संपर्क में रहकर लोगों को धमकाने का काम कर रहा है।

गौरतलब है कि इससे पहले 10 सितंबर को फतेहपुर के बिजनेसमैन बाबूलाल जाट को भी 2 करोड़ की फिरौती के लिए कॉल किया गया था।

दक्षिण मध्य रेलवे

@SCRailwayIndia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

निविदा सूचना सं.एनइडी/ई-19 एण्ड 20/2025-26 दि.12.09.2025

निम्न ई-निविदाओं @www.ireps.gov.in के लिए आफर्स आमंत्रित हैं।

क्रम संख्या:01, निविदा संख्या: एनइडी/ई-19/2025-26, कार्य विवरण: मुदखेड स्टेशन पर रन्निंग 30 बेड्स क्षमतायुक्त नए बहु-मंजिला भवन का प्रावधान-बिजली व्यवस्थाएं। अनुमानित मूल्य रू. 48,15,897.80, बोली सुरक्षा रू.96,300.00, आफर वैध: 60 दिन, कार्य पूरा करने की अवधि:12 महिने, तत्संबंधित विवरण नांदेड डिवीजन एडमिनिस्टेशन के तहत www.ireps.gov.in पर उपलब्ध, बंद करने की तिथि व समय: 06-10-2025 के 15.00 बजे

क्रम संख्या:02, निविदा संख्या: एनइडी/ई-20/2025-26, कार्य विवरण: तत्संबंधित के प्रति बिजली व्यवस्थाओं का प्रावधान-1) हिमायतनगर स्टेशन पर कवर ओवर प्लाटफार्म का विस्तार करना, ताकि सभी प्लाटफार्म्स की समस्त लंबाई को ढका जा सके। 2) भोकर स्टेशन पर कवर ओवर प्लाटफार्म का विस्तार करना, ताकि सभी प्लाटफार्म्स की समस्त लंबाई को ढका जा सके। अनुमानित मूल्य रू.60,45,617.50, बोली सुरक्षा रू.1,20,900.00, आफर वैध: 60 दिन, कार्य पूरा करने की अवधि:12 महिने, तत्संबंधित विवरण नांदेड डिवीजन एडमिनिस्टेशन के तहत www.ireps.gov.in पर उपलब्ध, बंद करने की तिथि व समय: 06-10-2025 के 15.00 बजे

निविदा दस्तावेज, अर्हता मापदण्ड विवरण, खास शर्ते आदि हेतु उपरोक्त वेबसाइट पर जाएं। यह सलाह दी जाती है, इस बात की पुष्टि कर लें कि, आफर की प्रस्तुति के पहले, आनलाइन पर कोई भी शुध्दिपत्र प्रकाशित हुवा है या नहीं।

विभागीय रेल प्रबंधक (बिजली), नांदेड

संख्या एनडब्ल्यू/148/डब्ल्यू।।।/ निविदा सूचना/2025-26 दि.15-09-2025

निम्न कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित हैं। तत्संबंधित कार्य विवरण नीचे दिया गया है।

क्रम संख्या:01, निविदा संख्या: टी-202526-3-062, एथारिटी: को-आर्ड, कार्य विवरण: एसआर.डीइएन/डब्ल्यू/एनइडी क्षेत्राधिकार के तहत पीएससी गिर्डर पुलों के लिए क्रेडल टाइप इंसपेक्शन प्लाटफार्म्स का प्रावधान। निविदा मूल्य रू.4659%4%4.66, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.383000.00, कार्य पूरा करने की अवधि: बारह महिने, निविदा प्रपत्र मूल्य रू. शून्य

क्रम संख्या:02, निविदा संख्या: टी-202526-3-063, एथारिटी: को-आर्ड, कार्य विवरण: बसमत गूड्स शेड पर 650X11 स्के.मी. का समस्त वातावरण सीओपी(आल वेदर सीओपी)का प्रावधान। निविदा मूल्य रू.81107710.04, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.555500.00, कार्य पूरा करने की अवधि: नौ महिने, निविदा प्रपत्र मूल्य रू. शून्य

क्रम संख्या:03, निविदा संख्या: टी-202526-2-064, एथारिटी: को-आर्ड, कार्य विवरण: नांदेड डिवीजन: डीइएन/एनइ/एनइडी क्षेत्राधिकार के तहत पीएससी गिर्डर ब्रिजेस या पुलों के लिए क्रेडल टाइप इंसपेक्शन प्लाटफार्म्स का प्रावधान। निविदा मूल्य रू.73878840.02, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.519400.00, कार्य पूरा करने की अवधि: छह महिने, निविदा प्रपत्र मूल्य रू. शून्य

क्रम संख्या:04, निविदा संख्या: टी-202526-2-065, एथारिटी: को-आर्ड, कार्य विवरण: अदिलाबाद पर, समस्त वातावरण सीओपी या आल वेदर सीओपी, सीसी एप्रोच रोड का प्रावधान, लाइटिंग व्यवस्थाएं, सीसीटीवी तथा बाउण्डरी वाल, मर्चंट एण्ड हमाल रूम्स का सुधार कार्य। (केवल सभी वेदर सीओपी)। निविदा मूल्य रू.71433583.94, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.507200.00, कार्य पूरा करने की अवधि: नौ महिने, निविदा प्रपत्र मूल्य रू. शून्य

क्रम संख्या:05, निविदा संख्या: टी-202526-2-066, एथारिटी: को-आर्ड, कार्य विवरण: नांदेड डिवीजन: मलटेकडी के जीएल-2 पर गूड्स शेड सुविधाओं तथा समस्त वातावरण सीओपी अथवा आल वेदर सीओपी (650मी.X10 मी.) का प्रावधान। (आल वेदर सीओपी मात्र) निविदा मूल्य रू.%1433583.94, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.507200.00, कार्य पूरा करने की अवधि: नौ महिने, निविदा प्रपत्र मूल्य रू. शून्य

क्रम संख्या:06, निविदा संख्या: टी-202526-2-067, एथारिटी: को-आर्ड, कार्य विवरण: वाशीम गूड्स शेड पर, गूड्स के समीपीय सीसी रोड सहित मीडियम लेवल गूड्स प्लाटफार्म का प्रावधान। निविदा मूल्य रू.83607842.69, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.568000.00, कार्य पूरा करने की अवधि: नौ महिने, निविदा प्रपत्र मूल्य रू. शून्य

क्रम संख्या:0%, निविदा संख्या: टी-202526-2-068, एथारिटी: को-आर्ड, कार्य विवरण: एसडब्ल्यू।- डिवीजनल आफिस काम्प्लेक्स नांदेड पर पुराने केवीएस बिल्डिंग का कम्युनिटी हाल में रूपांतरण या कन्वर्शन। एसडब्ल्यू।।-सर्विस बिल्डिंग्स का समस्त सुधार कार्य तथा डीओसी कालोनी में बिल्डिंग्स के पीछे की ओर रूफ लीकेज की मरम्मत, कपबोर्ड, कार्यालयों में पार्टिशन्स आदि की व्यवस्था तथा ड्रैनेज व सीवरेज सिस्टम का सुधार कार्य, डीओसी में फूटपाथ आदि सहित सडक का सुधार कार्य। एसडब्ल्यू।।।- दो वर्ष की अवधि हेतु डीओसी/एनइडी में लान एण्ड गार्डन का प्रस्तावित रखरखाव कार्य। एसडब्ल्यू।V-नांदेड डिवीजनल आफिस काम्प्लेक्स, शौचालयों, कारिडोर्स, सामान्य क्षेत्रों का रखरखाव। निविदा मूल्य रू.38855137.56, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.344300.00, कार्य पूरा करने की अवधि: चौबीस महिने, निविदा प्रपत्र मूल्य रू. शून्य

क्रम संख्या:08, निविदा संख्या: टी-202526-2-069, एथारिटी: को-आर्ड, कार्य विवरण: मलटेकडी के जीएल-2 पर गूड्स शेड सुविधाओं तथा समस्त वातावरण सीओपी अथवा आल वेदर सीओपी (650मी.X10 मी.) का प्रावधान। (आल वेदर सीओपी को छोडकर) निविदा मूल्य रू.57509863.84, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.437600.00, कार्य पूरा करने की अवधि: बारह महिने, निविदा प्रपत्र मूल्य रू. शून्य

निविदा संख्या: टी -202526-3-062, टी -202526-3-063, टी -202526-3-064, 202526-3-065, 202526-3-066

तत्समान स्वभाव का कार्य (रु.50 लाख मूल्य से अधिक)- स्टील फैब्रिकेशन से जुडा कोई भी कार्य तथा एफओबी या स्टील/कम्पोजिट गिर्डर ब्रिजेस का इरेक्शन या स्टील कम्पोजिट गिर्डर सहित आरओबी या इंडस्ट्रीयल शेड या पीएफ शेल्टर (स्टील) या माइक्रोवेव/एचटी टावर या स्टील मेम्बर्स का प्रतिस्थापन/स्टील गिर्डर पुलों की मरम्मत या गिर्डर पुलों पर स्टील स्लीपर्स का कार्य।

निविदा संख्या: टी -202526-2-06%, टी -202526-2-068, टी -202526-2-069

तत्समान स्वभाव का कार्य (रु.50 लाख मूल्य से अधिक)-कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य (ट्रैक कार्यों/झोनल कार्यों को छोडकर)।

उपरोक्त निविदाएं दि.13-10-2025 के 15.00 बजे बंद होगी।

एसआर.डीइएन/को-आर्ड/नांदेड

A1437

निविदा शर्ते/विवरण तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया हमारे वेबसाइट्स: https://www.ireps.gov.in/ अथवा www.scr.indianrailways.gov.in का अवलोकन करें।

श्रीकृष्ण की लीलाओं को न कंस समझ पाया और न ही दुर्योधन : साध्वी आस्था भारती

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा श्री चिन्ना अनंतगिरि शिवालयम, अत्तापुर, हैदराबाद में आयोजित किये जा रहे श्रीकृष्ण कथा के तृतीय दिवस दिव्य गुरुदेव श्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या साध्वी आस्था भारती जी के मुखारविंद से श्रद्धालुओं ने एक बार पुनः प्रभु की रसमयी कथा का आनंद लिया।

आज यशोदा मैया के पूर्वजन्म की गाथा के पश्चात् गोकुलाष्टमी उत्सव को बड़े धूमधाम से मनाया गया। साध्वी जी ने बताया कि जब-जब भी मानव प्रभु की अलौकिक लीलाओं को लौकिक साधनों से अर्थात् अपनी बुद्धि व सीमित दृष्टि से समझने का प्रयास करता है, तब-तब वह भ्रमित हो जाता है।

साध्वी जी ने कहा कि प्रभु के चरित्र को देखकर या उसके विषय में सुनकर जहां विवेकीजन आनंद रस का पान करते हैं, वहीं जड़बुद्धि मोहित और संशयग्रस्त हो जाते हैं। यही कारण था, श्रीकृष्ण की लीलाओं को न कंस समझ पाया और न ही दुर्योधन। पर गोपियों, गोप-ग्वालों, अर्जुन व उद्धव जी ने भगवान के मर्म को जाना, समझा और उसका आनंद भी उठाया। लेकिन यह सब स्वयं जगद्गुरु की कृपा से ही संभव हो पाया। उन्हें ज्ञान की दृष्टि स्वयं श्रीकृष्ण ने ही प्रदान की थी।

आप इस प्रक्रिया को एक तितली के विकास की वैज्ञानिक पद्धति से भी समझ सकते हैं। तितली को इन्द्रधनुषी रंगों वाले पंखों से उड़ान भरने के लिए मेटामॉर्फोसिस की प्रक्रिया से गुज़रना पड़ता है। रेशमी धागों के जाल में जकड़ा प्यूपा अपनी ही पुरानी त्वचा और क्रीसलस नामक सख्त खोल से आवृत्त रहता है। उसके भीतर निर्माण घट रहा होता है। लेकिन, इस सौन्दर्य को प्रकट होने के लिए बाहरी बंधनों को तोड़ना पड़ता है। सारे आवरणों को चीरकर अपने शुद्ध स्वरूप में बाहर आना होता है। तभी तितली अनंत नभ में स्वच्छंद उड़ान भर पाती है।

मधुबन में खिले पुष्प के मधुरतम रस का पान कर पाती है। योगयोगेश्वर श्रीकृष्ण मानव की अंतरात्मा को यही स्वच्छंदता, यही उन्मुक्त उड़ान देने आए थे। अज्ञानता के आवरण को चीरकर ज्ञान का आधार देने आए थे।

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान आज इस कलयुग में भी सभी जिज्ञासुओं का आवाह्न करता है- आइए और सनातन ब्रह्मज्ञान को प्राप्त करिए। केवल तभी हम अपने प्रभु की लीलाओं को समझ पाएँगे और निरंतर अपने अंतर्घट में उनकी दिव्य लीलाओं का दर्शन भी कर पाएंगे।

कार्यक्रम में स्वामी प्रदीपानंद जी, साध्वी भावना भारती जी, साध्वी साक्षी भारती जी के साथ दैनिक यजमान चितरंजन दास, चिन्मय दास, उत्सव यजमान राजगोपाल डोडिया, पुष्पा डोडिया, प्रसाद यजमान बृज गोपाल असावा, ओंकार राम चौधरी, भरत चौधरी, कैलाश मंत्री, रमेश चौधरी, रामप्रकाश चौधरी, श्रीनिवास सोमानी, नारायण रोहिवाल, श्रवण कुमार व्यास, नरेश मिश्रा, प्रेमराज चौधरी, नरेश अग्रवाल, जानकीलाल संगी, सुशील कुमार तोतला, हरि नारायण मूंदड़ा, नारायण प्रजापत, मोतीलाल कुमावत, छोगा लाल चौधरी, भीखाराम चौधरी, कवि पुरुषोत्तम कड़ेल, पवन भारती एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कथा का समापन प्रभु की पावन आरती से किया गया। तदुपरांत प्रसाद वितरण किया गया।

जीएसटी दरों में संशोधन से तेलंगाना को 5000 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान होगा : भट्टी

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उप-मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने आज कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में संशोधन से तेलंगाना राज्य को सालाना लगभग 5,000 करोड़ रुपये का नुकसान होगा, लेकिन उन्होंने इसे गरीबों, मध्यम वर्ग और किसानों के कल्याण के लिए एक सोची-समझी नीतिगत निर्णय बताया।

एमसीआरएचआरडी संस्थान में वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा व्यापारियों के साथ आयोजित एक संवाद सत्र में, भट्टी ने कहा कि संशोधित जीएसटी दरों से कृषि उपकरण, खाद्य उत्पाद और सीमेंट (28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया) सहित कई वस्तुएं सस्ती हो जाएंगी। इससे करोड़ों लोगों को लाभ होगा और बढ़ते शहरीकरण के बीच निर्माण क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने व्यापारियों से आग्रह किया कि वे कम कीमतों को पारदर्शी तरीके से प्रदर्शित करें और यह सुनिश्चित करें कि लाभ जनता तक पहुंचे। इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के दुरुपयोग पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने ईमानदार व्यापारियों से इस कुप्रथा को रोकने में मदद करने की अपील की। उपमुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार व्यापारियों की चिंताओं का समाधान करने के लिए तत्पर है और उन्होंने विकास को गति देने के लिए राज्य और व्यापारिक समुदाय के बीच सहयोग का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि हैदराबाद एक "नगर राज्य" में तब्दील हो रहा है और राज्य भर में शहरीकरण बढ़ रहा है, इस प्रकार, बुनियादी ढांचा क्षेत्र अपने व्यवसाय को व्यवस्थित रूप से संचालित करने में सक्षम होगा। कार्यक्रम में वित्त विभाग के प्रमुख सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, वाणिज्यिक कर विभाग के प्रमुख सचिव रिजवी, आयुक्त हरिथा और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बीमा, डेयरी और इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र के व्यापारियों ने भी भाग लिया।

महाराजाश्री अग्रसेन जी की जयंती पर वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महाराजाश्री अग्रसेन जी की 5149वी जयंती उत्सव पर अग्रवाल समाज, तेलंगाना के द्वारा वृक्षारोपण, पेड़ पौधों, हरियाली के प्रति जागरुकता हेतु प्रारंभ किए गए वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत फिल्म नगर स्थित राउंड टेबल स्कूल में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया।

जयंती समारोह के प्रचार-प्रसार और मीडिया चेयरमैन डॉ. दिलीप पंसारी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार अग्रवाल समाज, तेलंगाना के उपाध्यक्ष- रूपेश अग्रवाल, सचिव- विकास केशान, सह सचिव और जयंती की प्रधान संयोजिका डॉ. सीमा जैन, कोषाध्यक्ष और जयंती के सह संयोजक आंचल गुप्ता, वृक्षारोपण कार्यक्रम की प्रधान संयोजिका सुमन गुप्ता तथा अन्य कीं उपस्थिति में इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा नेता दीपक रेड्डी ने महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा अर्चना के उपरांत विद्यालय परिसर में आम, अमरूद, पपीता और विभिन्न फल-फूलों के पौधे लगाए।

जयंती कार्यक्रम की सह संयोजिका दीपा भालोटीया, वृक्षारोपण कार्यक्रम समिति की सह संयोजिकाए वर्षा अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, शशि सिंघल, रिंकू गर्ग, मोनिका अग्रवाल, दीपा अग्रवाल के साथ ही रजनी अग्रवाल, बबीता अग्रवाल, गौरी ढाणी, राणी सती दादी महिला शाखा की सदस्याएं और अन्य भी कार्यक्रम में उपस्थित थीं।

कार्यक्रम के उपरांत समाज की मोती नगर महिला शाखा के द्वारा स्कूल के बच्चों को चॉकलेट और बिस्कुट वितरित किए गए। समाज अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता और परामर्शदाताओं बद्री विशाल बंसल तथा हरीश गुप्ता ने जयंती अवसर पर वृक्षारोपण जैसे महत्वपूर्ण आयोजन पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए आयोजन समिति को बधाई दी।

प्रतिनिधिमंडल ने मिधानी का दौरा किया

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय फाउंड्रीमैन संस्थान के प्रतिनिधिमंडल ने आपसी सहयोग और तकनीकी साझेदारी की संभावनाओं पर विचार-विमर्श हेतु आज मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि), हैदराबाद का दौरा किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मिधानि के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ.एस.वी.एस. नारायण मूर्ति के उद्बोधन से हुआ, जिसके उपरांत आईआईएफ के अध्यक्ष सुशील कुमार शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किए। अवसर पर मिधानि की निदेशक (वित्त) श्रीमती मधुबाला ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज की। कार्यक्रम का समापन संयंत्र भ्रमण से हुआ, जहां प्रतिनिधिमंडल ने मिधानि की उन्नत उत्पादन प्रक्रियाओं और अत्याधुनिक सुविधाओं का अवलोकन किया। इस अवसर ने दीर्घकालिक एवं पारस्परिक लाभकारी सहयोग की संभावनाओं को और प्रबल किया।

पत्नी ने पति के कान काटे!

महबूबाबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंडल के गद्दीगुडेम थांडा के अनिल नाम के एक व्यक्ति के साथ विवाहेतर संबंध रखने वाली एक महिला ने अपने पति की हत्या की योजना बनाई क्योंकि उसका पति उनके विवाहेतर संबंध में दखल दे रहा था। अपने प्रेमी के साथ मिलकर उसे मारने की कोशिश में, पति के कान कट जाने के बाद, वह डर के मारे चीखता हुआ भाग गया। स्थानीय लोगों ने भागने की कोशिश कर रहे प्रेमी को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी।

बिजली इंजीनियर के घर एसीबी का छापा

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आय से अधिक संपत्ति मामले में मणिकोंडा के बिजली इंजीनियर अंबेडकर के घर पर छापा मारा गया जिसमें, 2 करोड़ रुपये जब्त किया गया है।

तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बिजली विभाग में सहायक मंडल अभियंता (एडीई) के पद पर कार्यरत अंबेडकर नामक एक सरकारी अधिकारी के आवास पर छापेमारी के दौरान लगभग 2 करोड़ रुपये नकद जब्त किए। वह वर्तमान में हैदराबाद के मणिकोंडा मंडल में तैनात हैं।

53वें रामायण मेला की समितियों का गठन

हैदाराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी प्रगति समाज एग्जिबिशन समिति द्वारा आयोजित दशहरा सम्मेलन 22 सितंबर से दो अक्टूबर तक नुमाइश मैदान में होने वाले 53वें रामायण मेला समिति की बैठक हसमत गंज समाज में राजस्थानी प्रगति समाज के महामंत्री एवं प्रधान संयोजक गोविंद राठी की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

राजस्थानी प्रगति समाज के अध्यक्ष कमल नारायण अग्रवाल प्रधानमंत्री एवं प्रधान संयोजक गोविंद नारायण राठी द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार मेला को भव्य एवं सफल आयोजन हेतु विभिन्न समितियां एवं उनके संयोजक का प्रारंभिक स्तर पर गठन किया गया, जिसका समय अनुसार विस्तार किया जाएगा।

गिरधारी लाल डागा को कोषाध्यक्ष बनाया गया श्रीमती कलावती जाजू, रमेश कुमार बंग, मनोज जायसवाल, नंद गोपाल भट्टर, सुमित राठी, रामदेव नागला, लक्ष्मी नारायण राठी, श्रीमती प्रेमलता काकानी, प्रेमचंद शर्मा, कोलेरू पवन कुमार, राजेंद्र कुमार सांखला, भगत सिंह सोलंकी, श्रीमती शकुंतला नवंदर विमल दलिया, गद्दाम रघु, पवन मिश्रा, श्रीनिवास लोया को मेला संयोजक बनाया गया।

घट स्थापना का संयोजक रमेश चंद्र व्यास, जुगल किशोर सोनी, पंकज वर्मा को बनाया गया। मानव झांकियां की संयोजक श्रीमती श्यामा नवंबर, श्रीमती सुरेखा शारदा को बनाया गया। कवि सम्मेलन की संयोजक श्रीमती रूबी मिश्रा एवं सविता सोनी को बनाया गया है। डांडिया आयोजन के संयोजक घनश्याम तोषनीवाल, सुरेंद्र मिश्रा, लक्ष्मीकांत पांडे, को बनाया गया। दामोदर तिवारी, रूपम तुरकिया, संजय तिवारी, विजय कुमार, विनोद कुमार, मणिकांत को व्यवस्थापक संयोजक बनाया गया।

इस बैठक में गोविंद राठी गिरधारी लाल डागा, मनोज जायसवाल, शकुंतला नवंदर, श्रीमती सुरेखा शारदा, पवन कुमार मिश्रा, लक्ष्मीकांत पांडेय, जुगल किशोर सोनी, पंकज वर्मा, सुनीता वर्मा सविता, सोनी रामदेव नगला, दामोदर तिवारी, कोलेरू पवन कुमार मुदिराज, भारत बिरादर, मणिकांत, विनोद, गणेश, उपस्थित रहे।

भारतीय श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान में हिंदी चेतना मास समारोह का उद्घाटन

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाकृअनुप- भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में आज हिंदी चेतना मास समारोह का उद्घाटन किया गया। समारोह का शुभारंभ भाकृअनुप गान के प्रदर्शन से हुआ। डॉ.जी श्याम प्रसाद, प्रभारी निदेशक, भाश्रीअनुसं ने समारोह का शुभारंभ किया।

डॉ. जिनु जेकब, वैज्ञानिक एवं प्रभारी अधिकारी, हिंदी कक्ष ने समारोह में उपस्थित लोगों का स्वागत किया तथा बताया कि यह समारोह हर वर्ग को एक मंच पर लाने का एक सुअवसर है और हमारी राजभाषा भी यही कार्य कर रही है। डॉ. श्याम प्रसाद ने संस्थान के सभी कार्मिकों को राजभाषा प्रतिज्ञा दिलाई।

श्रीमती ऋतु दलाल, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तथा शेख रूकमान, वित्त एवं लेखा अधिकारी ने शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री के संदेश तथा डॉ. मांगी लाल जाट, सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग तथा महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अपील का वाचन किया। डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) ने हिंदी दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला।

अंत में डॉ. महेश कुमार के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन, तत्पश्चात राष्ट्रगान के बाद समारोह का समापन हुआ। इस पूरे कार्यक्रम का समन्वय तथा संचालन डॉ. सी तारा सत्यवती के दिशा-निर्देश में डॉ. जिनु जेकब तथा डॉ. महेश कुमार के द्वारा किया गया।

जिला स्तरीय सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार वितरित

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आज मंगलवार चिदंबरम हॉल, स्टेनली गर्ल्स हाई स्कूल, अबिड्स, नामपल्ली जोन में प्रातः 9:30 बजे जिला स्तरीय सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार समारोह आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तेलंगाना के परिवहन और बी.सी. कल्याण मंत्री श्री पोन्नम प्रभाकर, हैदराबाद जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती आर रोहिणी, कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्रीमती हरिचंदना दसारी आईएएस उपस्थि थे।

इस सम्मान समारोह में डॉ.पी. नरसिंह राव (एस.ए. हिंदी), जीबीएचएस बालमराय सिकंदराबाद को जिला स्तरीय सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों की मेहनत और समर्पण को पहचानना और उन्हें सम्मानित करना है।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) को

'उत्कृष्ट नराकास' राष्ट्रीय पुरस्का

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), हैदराबाद-सिकंदराबाद को राजभाषा नीति के अनुपालन के लिए गांधीनगर (गुजरात) में आयोजित हिन्दी दिवस एवं अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के अवसर पर राष्ट्रीय स्तर का 'उत्कृष्ट नराकास' सम्मान प्रदान किया गया। सचिव, राजभाषा विभाग, भारत सरकार से नराकास (उपक्रम) हैदराबाद-सिकंदराबाद के अध्यक्ष तथा सीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अनुराग कुमार ने इस पुरस्कार को ग्रहण किया। अवसर पर संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा समिति के सदस्य-सचिव तथा ईसीआईएल कॉरपोरेट कार्यालय के प्रबंधक (राजभाषा) डॉ. राजनारायण अवस्थी को प्रमाणपत्र से पुरस्कृत किया गया।

वन अधिकारियों ने जंगल में ड्रोन कैमरा लगाने का आश्वाशन दिया

मदनूर, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मदनूर के किसानों ने अपने खेतों के पास बाघ की लगातार आवाजाही से छुटकारा पाने के लिए तहसीलदार मुजीब एम.डी. को एक ज्ञापन सौंपा। किसानों के समस्या के समाधान करने के लिए तहसीलदार मुजीब ने मंगलवार के दिन तहसील कार्यालय में वन अधिकारी व स्थानिक किसानो के साथ मिलकर एक बैठक की। जिसमें मांग की गई कि जंगल में बाघ को पहचान के लिए ड्रोन कैमरा लगाया जाए। वन अधिकारियों ने जनसमस्या को देखते हुए ड्रोन कैमरा लगाने का आश्वासन दिया है ताकि बाघ की आवाजाही को कैद किया जा सके।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

वैशाली रमेशबाबू ने जीता फाइड विमेंस ग्रां स्विस खिताब

2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह पक्की की; पीएम मोदी ने दी बधाई

समरकंद, 16 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय शतरंज खिलाड़ी वैशाली रमेशबाबू ने उज्बेकिस्तान के समरकंद में खेले गए फाइड विमेंस ग्रां स्विस टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया है। इसके साथ ही उन्होंने अगले साल होने वाले फाइड विमेंस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026 के लिए क्वालीफाई भी कर लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके इस ऐतिहासिक प्रदर्शन पर बधाई दी। उन्होंने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर लिखा –शानदार उपलब्धि। वैशाली रमेशबाबू को बधाई। उनकी लगन और समर्पण अनुकरणीय हैं। उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं।'

चीनी खिलाड़ी के साथ ड्रॉ खेल कर यह खिताब अपने नाम किया

वैशाली ने 7.5/10 अंकों के साथ यूक्रेन की मारिया मुजिचुक को हराकर संयुक्त बढ़त बनाई थी और चीन की तान झोंगयी के खिलाफ ड्रॉ खेलते हुए खिताब अपने नाम किया। यह लगातार दूसरा मौका है जब 24 साल की वैशाली ने फाइड विमेंस ग्रैंड स्विस का खिताब जीता है।

विमेंस कैंडिडेट्स 2026 टूर्नामेंट में जगह बनाने वाली तीसरी भारतीय

वैशाली विमेंस कैंडिडेट्स 2026 के लिए क्वालिफाई करने वाली तीसरी महिला भारतीय चेस खिलाड़ी हैं। उनसे पहले दिव्या देशमुख और कोनेरू हम्पी ने इस टूर्नामेंट के लिए क्वॉलिफाई किया है।

वैशाली की जीत पर ग्रैंड मास्टर विश्वनाथन आनंद ने बधाई दी

शाली की जीत पर सुपर ग्रैंडमास्टर विश्वनाथन आनंद ने उन्हें बधाई दी है। आनंद ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया और लिखा कि शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई। हमें गर्व है कि हमने उन्हें विश्व खिताब के लिए एक अवसर प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन और प्रशिक्षित किया है। उनकी दृढ़ता और कड़ी मेहनत वास्तव में प्रशंसनीय है। ग्रैंड स्विस को दो बार जीतना एक ऐसी उपलब्धि है जो कुछ ही लोग हासिल कर सकते हैं।'

टिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप- आनंदकुमार ने गोल्ड जीता

ऐसा करने वाले पहले भारतीय, मोदी ने बधाई दी

कंप्यूटर साइंस से इंजीनियरिंग कर रहे हैं

बीजिंग, 16 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के आनंदकुमार वेलकुमार ने स्केटिंग में नया इतिहास रच दिया है। 22 साल के आनंदकुमार ने चीन में हुए स्पीड स्केटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। वे स्केटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं।

उन्होंने मेन्स सीनियर 1000 मीटर स्प्रिंट इवेंट में पहला स्थान हासिल किया। आनंदकुमार ने 1 मिनट 24.924 सेकेंड के समय के साथ गोल्ड अपने नाम किया और भारत के पहले वर्ल्ड चैंपियन स्केटर बन गए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी आनंदकुमार की इस उपलब्धि पर बधाई दी है। उन्होंने X पर लिखा-

स्पीड स्केटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 में सीनियर मेन्स 1000 मीटर स्प्रिंट में गोल्ड मेडल जीतने वाले आनंदकुमार वेलकुमार पर गर्व है। उनके धैर्य, गति और जज्बे ने उन्हें भारत का पहला वर्ल्ड चैंपियन बनाया है। उनकी यह उपलब्धि अनगिनत युवाओं को प्रेरित करेगी। उन्हें बधाई और भविष्य के सभी प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।

कंप्यूटर साइंस में पढ़ाई कर रहे आनंदकुमार

आनंदकुमार वेलकुमार तमिलनाडु के युवा स्पीड स्केटर हैं। 19 जनवरी 2003 को जन्मे आनंदकुमार फिलहाल चेन्नई के कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, गिंडी से कंप्यूटर साइंस में पढ़ाई कर रहे हैं। उन्होंने 2021 जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीतकर इंटरनेशनल पर पहचान बनाई और इसके बाद 2022 एशियन गेम्स में 3000 मीटर टीम रिले में ब्रॉन्ज हासिल किया।

ईडी के पचड़े में बुरी तरह फंस गए युवराज सिंह

पहले हुई थी रैना और धवन से पूछताछ

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। सुरेश रैना और शिखर धवन के बाद अब युवराज सिंह पर भी ईडी की गाज गिरी है. उन्हें बेटिंग ऐप के प्रमोशन से जुड़े मामले में पूछताछ के लिए बुलाया गया है. युवराज भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे बड़े खिलाड़ियों में से एक हैं. अब उनके सामने एक बड़ी मुश्किल आ गई है. लगातार ईडी द्वारा सेलेब्रिटी स्टार्स को बेटिंग प्रमोशन केस पूछताछ के लिए बुलाया जा रहा है और अब युवराज सिंह इस पचड़े में फंस गए हैं.

युवराज सिंह को इनफोर्समेंट डायरेक्टरेट ने समन भेजा है और उन्हें दिल्ली में मौजूद मुख्यालय में बुलाया गया है. उन्हें 23 सितंबर 2025 को आने के लिए कहा है. ये असल में वन एक्स बेट नाम की बेटिंग ऐप के केस से जुड़ा है. इसके पहले शिखर धवन और सुरेश रैना से भी ईडी ने पूछताछ की थी. इसके अलावा लोकप्रिय अभिनेता सोनू सूद को भी ईडी ने पूछताछ के लिए 24 सितंबर को बुलाया है.

रॉबिन उथप्पा की भी बढ़ी मुश्किलें

आपको बता दें कि युवराज सिंह के अलावा एक रॉबिन उथप्पा को भी पूछताछ के लिए बुलाया जा रहा है. उन्हें इसी बेटिंग ऐप के केस में समन भेजा गया है और उन्हें 22 सितंबर को ईडी के मुख्यालय में आना होगा. बता दें कि रॉबिन ने भी क्रिकेट को अलविदा कह दिया है और वो कमेंट्री के अलावा ऐप्स का प्रमोशन करके पैसे कमाते हैं. ये ईडी का केस बेटिंग ऐप के प्रमोशन से ही जुड़ा है. देखना होगा कि मामला किस ओर जाता है.

ईडी की इस समय वन एक्स बेट द्वारा किए जाने वाले गैरकानूनी कामों को लेकर तहकीकात चल रही है. 2023 में उन्हें भारत में बैन कर दिया गया था. इसके बावजूद वो अलग-अलग डोमेन का उपयोग करके भारत में काम कर रहे थे. इसके अलावा सेलेब्रिटी उनका प्रमोशन कर रहे थे. ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का मामला रोकने के लिए इसकी शुरुआत की थी. इसी के चलते अब प्रमोशन करने वाले सेलेब्रिटी स्टार्स को पूछताछ के लिए बुलाया जा रहा है. सुरेश रैना, शिखर धवन और हरभजन सिंह से पहले पूछताछ हो चुकी है. अब युवराज सिंह और रॉबिन उथप्पा की बारी है.

मोदी सरकार पर निशाना-राहुल की तारीफ

पाकिस्तान की करारी हार पर शाहिद आफरीदी ने निकाली खीज

इस्लामाबाद, , 16 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए मैच के बाद लगातार विवाद बढ़ता जा रहा है. पहले मैच कराने को लेकर बहस छिड़ गई थी. आखिर में मैच हुआ तो टीम इंडिया ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ तक नहीं मिलाया. अब पूर्व कप्तान शाहिद आफरीदी पाकिस्तान की इस इंटरनेशनल बेइज्जती से बौखला गए हैं. भारत ने पहले पाकिस्तान को जंग के मैदान में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान धूल चटाई. इसके बाद एशिया कप 2025 में खेल के मैदान में भी करारी शिकस्त दी. मैच में पटखनी देने के साथ भारतीय क्रिकेट टीम ने मैदान पर पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ न मिलाकर उनकी इंटरनेशनल बेइज्जती भी कर दी. इससे पाकिस्तान बौखलाया हुआ है. यही वजह है कि कभी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट को हटाने की मांग करता है, तो कभी एशिया कप से बाहर जाने की गीदड़भभकी देता है. इजरायल जैसा गाजा के साथ करता है...'

इस कड़ी में अब पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद आफरीदी ने भारत के खिलाफ जहर उगला है. वैसे तो वह कश्मीर को लेकर लगातार भारत विरोधी बयान देते रहते हैं. लेकिन इस बार उन्होंने मोदी सरकार पर निशाना साधा है. आफरीदी ने 'समा टीवी' को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि भारत, पाकिस्तान के साथ वैसा ही बर्ताव कर रहा है, जैसा गाजा के साथ इजरायल करता है. उन्होंने कहा कि एक इजरायल काफी नहीं है, जो तुम यहां पर भी इजरायल बनने की कोशिश कर रहे हो. आफरीदी ने कहा कि जब तक इनके टॉप लीडर हैं, ऐसा ही चलता रहेगा. आफरीदी ने मोदी सरकार पर सत्ता में बने रहने के लिए लिए हिंदू-मुस्लिम की राजनीति करने का भी आरोप लगाया. आफरीदी ने कहा कि मोदी सरकार सत्ता हासिल करने के लिए हिंदू-मुस्लिम कार्ड खेल रही है. उन्होंने धर्म की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए बीजेपी पर निशाना साधा है. आफरीदी ने कहा कि ये जो सरकार है, मज़हब का कार्ड खेलती है. हिंदू-मुस्लिम कार्ड खेलती है. खुद को सत्ता में लाने के लिए यह बहुत ही गंदे क़िस्म की मानसिकता है.

उन्होंने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की तारीफ की है. पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर ने कहा कि राहुल गांधी बातचीत करना चाहते हैं. आफरीदी ने राहुल को लेकर कहा कि वह बहुत ही पॉजिटिव माइंडसेट वाले आदमी हैं. वह बातचीत के जरिए पूरी दुनिया को साथ लेकर चलना चाहते हैं. शाहिद आफरीदी का ताज़ा हमला उनकी पुरानी आदत से बिल्कुल मेल खाता है. भारत से आगे निकलने की कोशिश में, उन्होंने एक बार फिर बेबुनियाद दावे किए, जबकि पाकिस्तान के सीमा पार आतंकवाद के इतिहास को साफ़ तौर पर नज़रअंदाज़ कर दिया. भारत लगातार कहता रहा है कि सीमा पार से आतंकवाद और बातचीत दोनों एक साथ नहीं चल सकते. लेकिन पाकिस्तान बेशर्मी के साथ अपने मुल्क में आतंकियों को पनाह देता आया है.

डेनमार्क को हराकर स्पेन डेविस कप के अंतिम आठ में पहुंचा

अमेरिका हुआ बाहर; चेक गणराज्य जीता

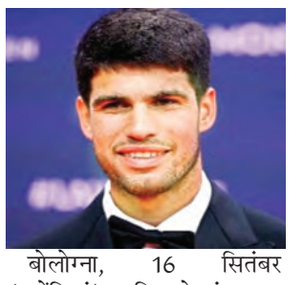

बोलोग्ना, 16 सितंबर (एजेंसियां)। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज के बिना स्पेन ने शुरुआती दो मैच गंवा दिए थे और वह युगल में भी एक सेट से पिछड़ रहा था, लेकिन इसके बाद जौम मुनार और पेड्रो मार्टिनेज ने अगस्टा होल्मग्रेन और जोहान्स इंगिल्डसन को 1-6, 6-3, 6-2 से हराकर मेजबान टीम को वापसी दिलाई।

स्पेन ने डेनमार्क के खिलाफ 0-2 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 3-2 से जीत हासिल की और डेविस कप के अंतिम आठ में जगह बनाई लेकिन ऑस्ट्रेलिया इस तरह की वापसी करने में नाकाम रहा और बेल्जियम से 3-2 से हार गया। चेक गणराज्य ने फ्लोरिडा में खेले गए एक अन्य मुकाबले में अमेरिका को एक मैच से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 3-2 से हराया।

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज के बिना स्पेन ने शुरुआती दो मैच गंवा दिए थे और वह युगल में भी एक सेट से पिछड़ रहा था, लेकिन इसके बाद जौम मुनार और पेड्रो मार्टिनेज ने अगस्टा होल्मग्रेन और जोहान्स इंगिल्डसन को 1-6, 6-3, 6-2 से हराकर मेजबान टीम को वापसी दिलाई। मार्टिनेज को पहले उलट एकल में मैच प्वाइंट का भी सामना करना पड़ा लेकिन आखिर में उन्होंने होल्गर पर 6-1, 4-6, 7-6 (3) से जीत हासिल की। इसके बाद पाब्लो कारेनो बुस्टा ने एल्मर मोलर को 6-2, 6-3 से हराकर स्पेन को डेविस कप के इतिहास में पहली बार 0-2 से पिछड़ने के बाद जीत दिलाई।

भारत-पाकिस्तान मैच विवाद, आईसीसी बोली- मैच रेफरी नहीं हटाएंगे

टीम इंडिया ने पाक खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था, पीसीबी का रेफरी पर आरोप

दुबई, 16 सितंबर (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान के बीच एशिया कप मैच में भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया। सूत्रों के मुताबिक भारतीय टीम ने यह फैसला अचानक नहीं लिया। इसमें बीसीसीआई और सरकार दोनों की सहमति थी कि मैच तो खेलेंगे, लेकिन दोस्ताना माहौल नहीं दिखेगा। रविवार को खेले गए इस मैच में भारत ने पाकिस्तान को 7 विकेट से हराया था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने नो हैंडशेक मामले की शिकायत आईसीसी से की थी और मैच रेफरी को हटाने की मांग की है। आईसीसी ने इस मांग को खारिज कर दिया है।

पूरे टूर्नामेंट में हाथ नहीं मिलाएगी टीम इंडिया

पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाने का यह सिलसिला पूरे टूर्नामेंट में जारी रहेगा। खिलाड़ियों, बीसीसीआई और सरकार के बीच इस पर आपसी सहमति है। बीसीसीआई की ओर से ऑफिशियल रिएक्शन अभी नहीं आया है, लेकिन सूत्रों के मुताबिक अगर भारतीय टीम 28 सितंबर को होने वाले फाइनल में पहुंचती है और जीतती है, तो वह पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी से ट्रॉफी नहीं लेगी। नकवी इस समय एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष भी हैं।

भारत-पाकिस्तान 21 सितंबर को फिर भिड़ सकते हैं

21 सितंबर को दोनों टीमें सुपर-4 राउंड में दोबारा आमने-सामने हो सकती हैं और वहां भी भारत का यही रुख रहेगा। हालांकि, इसके लिए पाकिस्तान को यूएई को हराना होगा।

पाकिस्तान ने रेफरी को हाथ न मिलाने का जिम्मेदार बताया

भारतीय टीम के हाथ न मिलाने पर पाकिस्तान ने इसकी शिकायत मैच रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट से की। आरोप लगाया कि भारतीय टीम ने खेल भावना नहीं दिखाई। पीसीबी का आरोप है कि रेफरी ने टॉस के बाद दोनों कप्तानों को हाथ न मिलाने के लिए कहा था और यह भारतीय टीम के दबाव में किया गया। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने कहा- पीसीबी ने पायक्रॉफ्ट को तत्काल बाहर करने की मांग की है। उन्होंने आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट और क्रिकेट के स्पिरिट का पालन नहीं किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ऐसा नहीं होने पर पाकिस्तान टूर्नामेंट से हट सकता है। एशियन क्रिकेट काउंसिल या भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की ओर से इस मुद्दे पर कोई बयान नहीं आया है।

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर भी विवाद में कूदे

इस हैंडशेक कंट्रोवर्सी में पाकिस्तान के कई पूर्व क्रिकेटर भी कूद गए हैं। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ ने कहा- अगर पहलगाम की ही बात है तो भारत हमसे जंग लड़ ले। क्रिकेट में इन बातों को मत लाओ।

वहीं, पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने कहा कि भारतीय टीम ने मैच में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन, यह सिर्फ क्रिकेट मैच था। इसमें राजनीति नहीं लानी चाहिए। पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने कहा- क्रिकेट को क्रिकेट ही रहने दें, इसमें सियासत न करें।

सूर्या ने कहा था- कुछ बातें खेल भावना से ऊपर होती हैं

मैच के बाद हैंडशेक कंट्रोवर्सी पर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा - कुछ बातें खेल भावना से ऊपर होती हैं। टीम मैनेजमेंट ने यह फैसला BCCI और भारत सरकार की सहमति से लिया था। भारतीय टीम पहलगाम हमले के पीड़ितों के साथ खड़ी है और यह जीत भारतीय सैन्य बल को समर्पित है।

बीते 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान समर्थक आतंकियों ने 26 भारतीयों की धर्म पूछकर हत्या कर दी थी। इसके बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों को तबाह किया था। साथ ही पाकिस्तान के नौ एयरबेस भी उड़ा दिए थे।

क्या कहते हैं आईसीसी या एसीसी के नियम

क्रिकेट के किसी भी रूल बुक में ऐसा नहीं लिखा है कि मैच के बाद हैंडशेक करना जरूरी है। हाथ मिलाना कोई नियम नहीं है, बल्कि इसे खेल भावना का हिस्सा माना जाता है। यही कारण है कि लगभग हर मैच के बाद दोनों टीम के खिलाड़ी एक-दूसरे मिलते हैं और हाथ मिलाते हैं। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'नियमों में ऐसा कुछ नहीं लिखा है कि आपको विरोधी टीम से हाथ मिलाना ही होगा। भारतीय टीम ऐसे देश से हाथ मिलाने के लिए बाध्य नहीं है, जिससे रिश्ते इतने खराब हों।'

शिकायत में देरी के लिए पीसीबी डायरेक्टर सस्पेंड

शिकायत में देरी के लिए पीसीबीने अपने डायरेक्टर ऑफ इंटरनेशनल क्रिकेट ऑपरेशंस उस्मान वहाला को सस्पेंड कर दिया है। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक वहाला को टॉस के वक्त ही शिकायत दर्ज करानी चाहिए थी। उन्होंने इस काम में देरी की और इसलिए पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी ने वहाला को सस्पेंड करने का फैसला किया।

स्मृति मंधाना आईसीसी वनडे रैंकिंग में फिर नंबर-1 बैटर

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अर्धशतक का मिला फायदा

प्रतिका-हरलीन की रैंकिंग में भी सुधार

मुंबई, 16 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ओपनर बैटर स्मृति मंधाना ने मंगलवार को जारी ताजा आईसीसी महिला ओडीआई बैटर्स रैंकिंग में फिर से नंबर 1 का स्थान हासिल कर लिया है। यह उपलब्धि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे मैच में शानदार अर्धशतक (58 रन, 63 गेंद) लगाने के बाद हासिल की, हालांकि भारत यह मैच हार गया।

मंधाना की इस पारी ने उन्हें 7 रेटिंग अंक दिलाए, जिससे वह इंग्लैंड की अनुभवी खिलाड़ी नट सिवर-ब्रंट को पछाड़कर शीर्ष स्थान पर पहुंच गईं। मंधाना के अब 735 रेटिंग अंक हैं, जबकि सिवर-ब्रंट 731 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गईं। मंधाना ने पहली बार 2019 में ओडीआई बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर 1 का स्थान हासिल किया था और 2025 में यह उनका दूसरा मौका है जब वे इस पोजीशन पर पहुंची हैं।

प्रतिका रावल और हरलीन देओल की रैंकिंग में भी सुधार

चंड़ीगढ़ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे मैच में बेहतरीन बैटिंग का फायदा प्रतिका रावल और हरलीन देओल को भी मिला है। वहीं, ओपनर बैटर प्रतिका रावल ने 64 रनों की पारी खेली, जिसके दम पर वह चार स्थान की छलांग लगाकर 42वें स्थान पर पहुंच गईं। वहीं, टॉप ऑर्डर की बैटर हरलीन देओल ने 54 रनों की शानदार पारी खेली और अब वह 43वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

खत्म हो गया है भारत बनाम पाक मैच का क्रेज!

सौरव गांगुली ने पाकिस्तान को दिखाया आईना

मुंबई, 16 सितंबर (एजेंसियां)। भारत ने पाकिस्तान को एशिया कप 2025 में आसानी से हरा दिया. 7 विकेट से उन्होंने जीत दर्ज कर ली. भारतीय टीम ने इस प्रदर्शन से फैंस द्वारा खूब वाहवाही लूटी. इसी बीच पाक का खेलने का स्तर पता चल गया. वो भारत के सामने बेहद कमजोर नजर आए. ऐसा लग रहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच मैच का क्रेज पूरी तरह से खत्म हो गया है. सौरव गांगुली का भी कुछ ऐसा ही मानना है. वो भारत को पाक के बजाय किसी भी अन्य टीम से खेलते हुए देखना पसंद करेंगे. सौरव गांगुली ने कहा कि पाकिस्तान की टीम अब बेहद कमजोर है और वो भारत के खिलाफ उनका मैच नहीं देखना चाहेंगे. उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान से कोई तुलना नहीं है. मैं सम्मान से बोल रहा हूं, क्योंकि मैंने देखा है कि उनकी टीम पहले क्या थी. अब उनके पास क्वालिटी की कमी है. कोई कम्पटीशन नहीं है. मैं इसके बजाय टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, श्रीलंका और यहां तक की अफगानिस्तान से भी खेलते हुए देख लूंगा. मुझे नहीं लगता कि भारत और पाकिस्तान के बीच अब कोई प्रतियोगिता है. हम इसे हाइप करते रहते हैं और पिछले 5 साल से हाइप भी खत्म हो गई है. चीजें एकतरफा हो गई हैं.' गांगुली ने बताया कि उन्होंने भारत बनाम पाकिस्तान मैच पूरा नहीं देखा. उन्होंने 15 ओवरों के बाद चैनल बदल दिया और फुटबॉल देखने लग गए. उन्होंने कहा, 'मैंने जो देखा, मैं उससे सरप्राइज नहीं था. मैंने शुरुआती 15 ओवरों के बाद मैच देखना बंद कर दिया था. मैं मैनचेस्टर यूनाइटेड और मैन सिटी का मैच देख रहा था.'

अपोलो टायर्स टीम इंडिया की टाइटल स्पॉन्सर बनी

कंपनी हर मैच के लिए 4.5 करोड़ रुपए देगी, 2027 तक का कॉन्ट्रैक्ट

मुंबई, 16 सितंबर (एजेंसियां)। अपोलो टायर्स भारतीय क्रिकेट टीम की नई स्पॉन्सर होगी। कंपनी हर मैच पर लगभग 4.5 करोड़ रुपए खर्च करेगी ।कॉन्ट्रैक्ट 2027 तक के लिए हुआ है और इस दौरान 130 मैच खेले जाएंगे।

बीसीसीआई ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इस बात की जानकारी दी। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने भी कहा था, अपोलो टायर्स के साथ समझौता हो गया है। हम जल्द ही इसकी घोषणा करेंगे।

इससे पहले ड्रीम-11 भारतीय टीम की टाइटल स्पॉन्सर थी। कंपनी हर मैच के लिए बीसीसीआई को 4 करोड़ रुपए देती थी। ऑनलाइन गेमिंग एक्ट 2025 लागू होने के बाद बीसीसीआई ने ड्रीम 11 से करार खत्म कर दिया था। भारतीय टीम एशिया कप में बिना स्पॉन्सरशिप के खेल रही है, क्योंकि ड्रीम-11 से पहले ही करार खत्म हो चुका है।

बीसीसीआई ने 2 सितंबर को स्पॉन्सरशिप के लिए टेंडर जारी किए थे। इसके अनुसार अल्कोहल, तंबाकू, सट्टेबाजी, रियल मनी गेमिंग (फैंटेसी स्पोर्ट्स गेमिंग को छोड़कर), क्रिप्टोकरेंसी और पोर्नोग्राफी या जो कंपनी सार्वजनिक नैतिकता को ठेस पहुंचने का काम करे, उस तरह के ब्रांड को इस बोली (बिड) में शामिल नहीं किया जाएगा। बीसीसीआई ने अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर यह जानकारी दी। ड्रीम-11 ने 2023 में बीसीसीआई के साथ 358 करोड़ रुपए में तीन साल का स्पॉन्सरशिप कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था। हाल ही में ड्रीम-11 जैसे रियल-मनी गेमिंग प्लेटफॉर्म्स को बैन कर दिया गया था। इस वजह से यह स्पॉन्सरशिप कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो गया।

मार्च 2023 तक बायजूस था

बायजूस मार्च 2023 तक टीम इंडिया का लीड स्पॉन्सर था। टीम प्लेयर्स की जर्सी पर सामने की ओर बायजूस लिखा दिखता था।

मुख्यमंत्री ने कृत्रिम पैर लगवाकर दुर्घटना पीड़ित का जीवन बदला

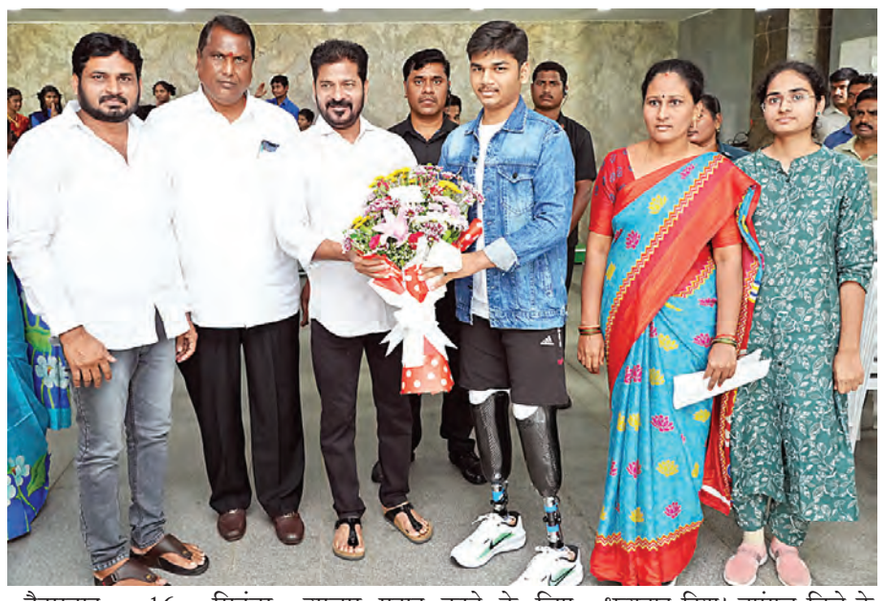

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक दुर्घटना में अपने दोनों पैर कट जाने के बाद दुर्घटना पीड़ित गुंडेती राहुल ने जीवन की उम्मीदें छोड़ दी थीं। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने हर तरह की सहायता प्रदान करके पीड़ित के भविष्य को पुनर्जीवित किया।

राहुल ने एक दुर्घटना में अपने दो पैर खोने के बाद चिकित्सा उपचार प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। अपने परिवार के सदस्यों के साथ, राहुल ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की और कृत्रिम पैर लगवाने के बाद अपनी स्वास्थ्य स्थिति और सामान्य जीवनशैली के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सामान्य जीवन जीने के लिए कृत्रिम पैर लगवाने में हर तरह की मदद देने के लिए रेवंत रेड्डी को धन्यवाद दिया। वारंगल जिले के दमेरा मंडल के पालकुर्थी गांव के रहने वाले राहुल को 2 नवंबर, 2024 को राजस्थान जाते समय कुछ बदमाशों ने ट्रेन से धक्का देकर एक भयानक दुर्घटना का शिकार बना दिया। पीड़ित की दुर्दशा जानने के बाद, मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री राहत कोष के माध्यम से राहुल को चिकित्सा सहायता प्रदान की और उसे कृत्रिम पैर लगवाने में मदद की। राहुल ने कठिन समय में साथ देकर उसे नया जीवन देने के लिए मुख्यमंत्री का फिर से धन्यवाद किया।

रेवंत ने दृष्टिबाधित छात्रों को वाद्य यंत्र वितरित किए

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को अपने आवास पर दृष्टिबाधित छात्रों को वाद्य यंत्र वितरित किए। मंत्री पोन्नम प्रभाकर और अदलुरी लक्ष्मण के साथ, मुख्यमंत्री ने करीमनगर जिला कल्याण विभाग द्वारा संगीत प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले छात्रों को वाद्य यंत्र प्रदान किए। छात्रों ने गीत गाकर मुख्यमंत्री और मंत्रियों को प्रभावित भी किया। इस अवसर पर रेवंत रेड्डी ने छात्रों द्वारा गाए गए गीतों की एक सीडी का विमोचन किया। सांसद अनिल कुमार यादव, जीएचएमसी महापौर विजयलक्ष्मी, मुख्यमंत्री के ओएसडी वेमुला श्रीनिवास, करीमनगर जिला कलेक्टर पामेला सत्पथी और अन्य भी उपस्थित थे।

भारतीय जेल ड्यूटी मीट में पदक जीतने वालों से मिले सीएम

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का 7वें अखिल भारतीय जेल ड्यूटी मीट-2025 के तेलंगाना प्रतिनिधियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने 7वें अखिल भारतीय जेल ड्यूटी मीट-2025 में विभिन्न प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वालों को बधाई दी। देश के विभिन्न राज्यों के साथ आयोजित प्रतियोगिताओं में तेलंगाना ने 133 पदकों में से 28 (21 स्वर्ण, 4 रजत, 3 कांस्य) पदक जीते। गृह विभाग के विशेष मुख्य सचिव रवि गुप्ता, जेल विभाग की महानिदेशक सौम्या मिश्रा, पुलिस महानिरीक्षक मुरली बाबू, वारंगल रेंज के उप महानिरीक्षक संपत, पुलिस अधीक्षक शिव कुमार गौड़, कलासागर और ड्यूटी मीट प्रतियोगिता के विजेता उपस्थित थे।

जुबली हिल्स उपचुनाव के लिए पूरी तरह तैयार रहने के निर्देश

हैदराबाद, 16 सितंबर स्वतंत्र (स्वतंत्र वार्ता)। जिला निर्वाचन अधिकारी और जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने नोडल अधिकारियों को जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र उपचुनाव को सुचारू और कुशलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए पूरी तरह तैयार रहने का निर्देश दिया है। मंगलवार को जीएचएमसी मुख्यालय में जुबली हिल्स उपचुनाव के संचालन पर जिला निर्वाचन अधिकारी और नोडल अधिकारियों के साथ प्रारंभिक तैयारी बैठक आयोजित की गई। आयुक्त ने संबंधित नोडल अधिकारियों से जनशक्ति, ईवीएम, वीवीपैट परिवहन, प्रशिक्षण, सामग्री प्रबंधन, आचार संहिता, कानून और व्यवस्था, भेद्यता मानचित्रण, जिला सुरक्षा योजना, व्यय निगरानी, मीडिया संचार, शिकायत निवारण, लाइव वेबकास्ट, एसएमएस निगरानी, संचार योजना, स्वीप गतिविधियां, मतदान केंद्रों पर न्यूनतम सुविधाओं का प्रावधान आदि मुद्दों पर तैयारियों के बारे में जानकारी ली। वे यह देखना चाहते हैं कि जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता जनशक्ति सूची में नहीं हैं। जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों के लिए ईवीएम और वीवीपैट तैयार करने का सुझाव दिया गया। यह भी सुझाव दिया गया कि सभी मतदान केंद्रों पर केंद्रीय चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने स्वीप गतिविधियों में तेजी लाने के निर्देश दिए। स्वीप गतिविधियों में जोनल कमिश्नरों को शामिल किया जाए। मीडिया से संवाद के लिए एक मीडिया सेंटर स्थापित किया जाए। आयुक्त ने कहा कि नोडल अधिकारी केंद्रीय चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि वह एक सप्ताह बाद नोडल अधिकारियों के साथ फिर बैठक करेंगे और नोडल अधिकारी अपनी तैयारियों को दर्शाने वाला पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन लेकर बैठक में उपस्थित हों। बैठक में जोनल कमिश्नर अनुराग जयंती, अपूर्व चौहान, श्रीनिवास रेड्डी, हेमंत केशव पाटिल, हेमंत बोरखड़े, रवि किरण, अतिरिक्त कमिश्नर अलीवेलु मंगतायारू, के. वेणु गोपाल, गीता राधिका, विजिलेंस एएसपी सुदर्शन, सीवीओ डॉ. अब्दुल वकील, पी.आर.एम. दशरथम और अन्य मौजूद थे।

तीन साल के मासूम बेटे को बाप ने मौत के घाट उतारा

गला दबाकर शव को मूसी नदी में फेंक दिया

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पारिवारिक विवाद के चलते एक बाप ने अपने तीन साल के बेटे को मार डाला। यह दर्दनाक वारदात नूरी नगर, बंडलागुड़ा हैदराबाद में हुई। पुलिस ने घटना का खुलासा करते हुए आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया। बीते 13 सितंबर को सुबह लगभग 10:30 बजे, नूरी नगर, बंडलागुड़ा, हैदराबाद निवासी सना बेगम ने बंडलागुड़ा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई कि उनका छोटा बेटा मोहम्मद अनस (3 वर्ष) 13 सितंबर की सुबह लापता हो गया था। उनकी शिकायत के आधार पर, "अपहरण" का मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। पुलिस उपायुक्त, दक्षिण पूर्व क्षेत्र, हैदराबाद, एस. चैतन्य कुमार के मुताबकि जांच के दौरान, लापता बालक के पिता के आचरण पर संदेह उत्पन्न हुआ। कड़ी पूछताछ में, आरोपी ने कबूल किया कि लगातार पारिवारिक विवादों और गुस्से के चलते, उसने 13 सितबर को तड़के अपने बेटे मोहम्मद अनस

के चेहरे पर तकिया रखकर उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद, उसने शव को एक बोरे में रखकर मूसी नदी में फेंक दिया। उसके कबूलनामे और सीसीटीवी फुटेज जैसे तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर, यह स्थापित हो गया कि आरोपी ही इस जघन्य कृत्य के लिए जिम्मेदार था। मूसी नदी से शव को बरामद करने के लिए डीआरएफ और हाइड्रा टीमों की सहायता से तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। कानून के संबंधित प्रावधानों के तहत मामले को अपहरण से हत्या और सबूतों को गायब करने के आरोप में बदल दिया गया है। जांच के दौरान, 16 सितंबर को 37 साल के आरोपी व्यक्ति मोहम्मद अकबर पुत्र. मोहम्मद यूसुफ को नूरी नगर, जहां गीराबाद, बंडलागुडा, हैदराबाद से गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले, आरोपी नरसिंगी पुलिस स्टेशन में दर्ज एक हत्या के मामले में भी शामिल था, जिसमें पीड़िता की यौन उत्पीड़न का विरोध करने पर उसकी हत्या कर दी गई थी।

शोकग्रस्त परिवारों को न्याय दिलाए बिना जारी रहेगी लड़ाई : केटीआर

बारिश से बहे युवकों के शव न मिलने पर बीआरएस नेता ने किया सरकार पर हमला

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव (केटीआर) ने हाल ही में हुई बारिश के दौरान नालों में बहे 3 युवकों के शव न मिलने पर कांग्रेस सरकार की कड़ी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार और प्रशासन ने गंभीर लापरवाही की है और पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने में नाकाम साबित हुए हैं। केटीआर ने कहा कि जब तक शव शोक संतप्त परिवारों को सौंपे नहीं जाते, बीआरएस सरकार के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेवंत

रेड्डी की सरकार ने पहले भी एसएलबीसी सुरंग ढहने की घटना में ज़िंदा दबे छह मजदूरों के शव न निकालकर बड़ी गलती की थी।

उन्होंने कहा कि हैदराबाद में सामान्य बारिश के बाद भी नाले उफान पर आ जाते हैं और लोग बह जाते हैं, लेकिन इसके बावजूद सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाए। उन्होंने सवाल किया कि क्या कांग्रेस सरकार उन परिवारों का दर्द समझ सकती है जिन्हें अपने प्रियजनों को आखिरी बार देखने तक का अवसर नहीं मिला। पूर्व मंत्री ने इस स्थिति को हृदयविदारक और अमानवीय बताते हुए कहा कि यह प्रशासनिक विफलता की चरम सीमा है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने आपदा प्रतिक्रिया बल को भी कमजोर कर दिया है, जबकि इस बल का गठन नागरिकों की सुरक्षा के लिए किया गया था।

पीड़िताओं को मैत्रीपूर्ण वातावरण प्रदान करनी चाहिए : डॉ. अर्चना

रंगारेड्डी, मेडचल और हैदराबाद की महिलाओं ने 56 याचिकाएं सौंपीं

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य डॉ. अर्चना मंजूदार ने संबंधित अधिकारियों को महिलाओं के खिलाफ हिंसा और उत्पीड़न की घटनाओं को रोकने के लिए महिलाओं को अपना समर्थन देने और उनके साथ खड़े होने का निर्देश दिया है। सदस्य डॉ. अर्चना मंजूदार ने साइबराबाद पुलिस आयुक्त कार्यालय में राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा आयोजित महिला जन सुनवाई कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

डॉ. अर्चना मजूमदार ने साइबराबाद पुलिस आयुक्त कार्यालय सभागार में 'जन सुनवाई' शीर्षक से आयोजित याचिका स्वागत कार्यक्रम में कहा कि अधिकारियों को विभिन्न समस्याओं से जूझ रही पीड़िताओं के साथ खड़ा होना चाहिए और उन्हें उचित सहायता प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि पुलिस को उनके द्वारा प्रस्तुत याचिकाओं और दर्ज किए गए मामलों में पहल करनी चाहिए और मैत्रीपूर्ण वातावरण में प्रशासनिक और कानूनी सेवाएं प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि कठिन परिस्थितियों में उन्हें सहायता और स्वरोजगार मिले, इसके लिए कदम उठाए जाने चाहिए। अर्चना मजूमदार ने सबसे पहले पीड़ितों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित पुलिस अधिकारियों से ताजा स्थिति और अब तक उठाए गए कदमों की जानकारी ली। उन्होंने सुझाव दिया कि अधिकारियों को लंबे समय से लंबित मुद्दों पर और अधिक पहल करनी चाहिए।

रंगारेड्डी, मेडचल और हैदराबाद जिलों की महिलाओं ने उन्हें 56 याचिकाएं सौंपीं। राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्यों ने आदेश दिया है कि महिलाओं से संबंधित मामलों को लंबित न रखा जाए और उनका शीघ्र निपटारा किया जाए।

उन्होंने बताया कि पुलिस आयुक्तालयों के अधिकार क्षेत्र में लंबित 56 मामलों का निपटारा कर दिया गया है। कार्यक्रम में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष नेरेल्ला सारदा, पुलिस उपाधीक्षक, जिला महिला एवं बाल कल्याण अधिकारी श्रीलता, संबंधित अधिकारी, पुलिस अधिकारी व अन्य लोग शामिल हुए।

सड़क किनारे पेड़ों की अंधाधुंध कटाई पर उठे सवाल

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में सड़क किनारे पेड़ों की छंटाई के नाम पर नगरपालिका और बिजली विभाग के कर्मचारी अंधाधुंध तरीके से पेड़ों की मुख्य शाखाओं को ठूंठ तक काट रहे हैं, जिससे पेड़ों को स्थायी नुकसान हो रहा है। मंगलवार को साइबराबाद पुलिस ने एक यातायात अलर्ट जारी कर बताया कि कोंडापुर से गच्चीबावली जंक्शन तक पेड़ों की छंटाई का काम चलने के कारण जाम की संभावना है। लेकिन मौके पर देखा गया कि कर्मचारियों ने छंटाई के बजाय पेड़ों की शाखाएं पूरी तरह काट दीं, जिससे वे नंगे ठूंठ में बदल गए। इस प्रक्रिया को 'टॉपिंग' कहा जाता है, जिसमें पत्तियां हट जाने के बाद पेड़ ऊर्जा नहीं बना पाते और धीरे-धीरे कमजोर होकर सड़ने लगते हैं।

वृक्ष संरक्षण से जुड़ी संस्था वात फाउंडेशन के संस्थापक ट्रस्टी उदय कृष्ण ने कहा कि पेड़ों की छंटाई के लिए कोई ठोस दिशा-निर्देश नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारी पेड़ों को वैज्ञानिक ढंग से बचाने के बजाय उन्हें खत्म कर रहे हैं। उनका कहना है कि कुछ दिन पहले ही संगठन ने गच्चीबावली-मियापुर मार्ग पर पेड़ों को दूसरी जगह लगाने की पेशकश की थी, लेकिन उसे नजरअंदाज कर दिया गया और पेड़ों को ठूंठ बना दिया गया। विशेषज्ञ बताते हैं कि तेलंगाना जल, भूमि एवं वृक्ष अधिनियम, 2002 के तहत किसी पेड़ की चोटी काटने या नुकसान पहुंचाने से पहले अनुमति जरूरी है। इसके बावजूद बिजली विभाग के कर्मचारी छंटाई के नाम पर पेड़ों को काटकर मार रहे हैं। उदय कृष्ण ने कहा, यह छंटाई नहीं बल्कि पेड़ों की हत्या है। दशकों पुराने विकसित पेड़ों को बचाने की जरूरत है, न कि एक दिन में ठिकाने लगाने की।

एचएमडीए भूखंड नीलामी से वित्तीय दबाव कम करने की योजना

हैदराबाद, 16 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एचएमडीए) लंबित परियोजनाओं के लिए वित्तीय संसाधन जुटाने के लिए भूखंड नीलामी पर निर्भर है। पिछले 18 महीनों में कई परियोजनाएं वित्तीय बाधाओं के कारण शुरू नहीं हो सकीं। इस कड़ी में, एचएमडीए मंगलवार को रंगारेड्डी और मेडचल-मलकजगिरी जिलों में लगभग 90 भूखंडों की नीलामी करेगा। तुर्कयामजाल और बाचुपल्ली के भूखंड प्रमुख व्यावसायिक और आवासीय परियोजनाओं के पास होने के कारण अधिक लाभ की उम्मीद जताई जा रही है। कोकापेट में हुई पिछली नीलामी में रिकॉर्ड कीमतें मिलने के बाद अधिकारियों को अच्छी प्रतिक्रिया की उम्मीद है। रंगारेड्डी में बैरागीगुडा, कोकापेट, पुप्पलागुडा, चंदनगर, बचुपल्ली, बौरामपेट, चेंगिचेरला और सुरराम में कुल 35,875 वर्ग गज क्षेत्रफल वाले भूखंडों की नीलामी होगी। हालांकि, सुस्त रियल एस्टेट बाजार और बोली-पूर्व बैठक में कम भागीदारी के कारण अधिकारियों में चिंता है। तुर्कयामजाल के भूखंडों में कुछ रुचि दिखी, लेकिन बाचुपल्ली भूखंडों के लिए कोई पूछताछ नहीं हुई। डेवलपर्स इस नीलामी को बाजार की दिशा का संकेत मान रहे हैं।

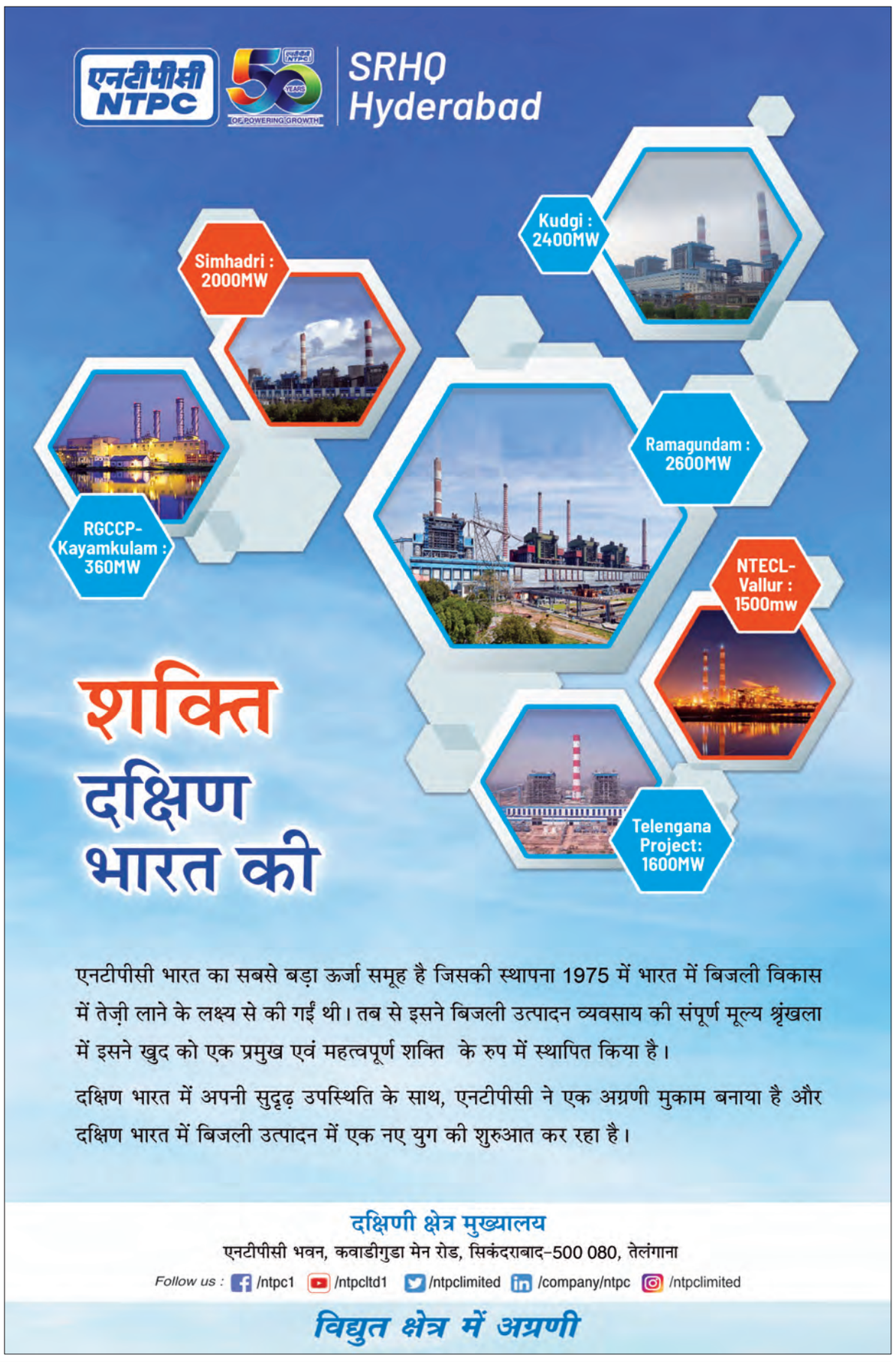

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
रामचंद्रपुरम, हैदराबाद – 502032
मानव संसाधन प्रबंधन

विज्ञापन सं. : अपरेंटिस / 2025 / 06

बीएचईएल, एचपीईपी, हैदराबाद सभी पात्र और इच्छुक उम्मीदवारों से नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित करता है विभिन्न ट्रेडों में ट्रेड अपरेंटिस के रूप में एक वर्ष के लिए एचपीईपी, बीएचईएल, रामचंद्रपुरम को प्रशिक्षु अधिनियम 1961 के तहत नियुक्त किया गया है ।

ट्रेड अपरेंटिस के रूप में चयनित उम्मीदवारों को अपरेंटिसशिप दिशानिर्देशों के अनुसार मासिक वजीफा दिया जाएगा।

इच्छुक एवं योग्य उम्मीदवार आवेदन पत्र जमा करने एवं अन्य विवरणों से संबंधित पूर्ण जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट https://hpep.bhel.com पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन देखें।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.